

आम मरुकारि

141	
-----	--

ASMA ARCHIVES



CHIVES

171

312 212 112 112

॥ विचि ॥

॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
तं देवदेवाधिपतिं संस्तुता ॐ प्रव
संस्तुतां सिंहनादं सकलैर्यहं हं
क्षसतनिलयं तर्पितं देवलाकं ॥
मस्कानमानाशला ॥ गार्थिष्ठा ॐ कसि
समूहार्थं ॥ अहमदया ॐ विष्ठाक ॥
यामरक्षस ॥ सिंहशया ॐ विष्ठाक ॥ ह
पूजायातको ॐ विष्ठाक ॥ हनं देवा
॥ हनंगार्थिन ॥ धूलसा संस्तुता

अकान
उकान
मकान

ॐ वन्द्यो भवसिंह ॥ सनगद्यसहि
तं निकलगुप्तनिधि ॥ गौरमंदूकनाथ
पितं धर्मचक्रं ॥ ॐ लाक धर्मवर्षं गु
क्रापां श्री ३ ॐ कसिंह एगवान्यातन
हएगवान् धर्मधूलसा ॥ गुप्तया भगव
पूतर्वावहनगार्थिष्ठा धूलसा ॥ ॐ कवेस
नंदवलाक देवलाक ॥ मनुष्यलाक न
ति देवताया अधिपतिशया ॐ विष्ठाक
नां समूहया नीचस ॥ विष्ठा नाश सत्व

॥ वदां ॥

॥ १ ॥

धीयान् धनकायाऽविष्ठाकम् ॥ हनंगथिनम् धनसा र्गभेन मधाय काऽविष्ठाकम् ॥ गुह्याखानीश्याऽसम
स्तुदेवनायान् संताखयानाऽविष्ठाकम् ॥ धर्धिम् कृष्णकसिंहलगवानयान् ॥ सहजकाटिनमस्कावयानाशला
हनंगर्धिम् धनसा र्गभेन मधाय बूढदकासयां ॥ नायकश्याऽविष्ठाकम् ॥ हनंथसंसावस सत्त्वशान्तियाउपन
स ॥ धर्मस्वनूपमिंहनादसब्दयादं विष्ठाकम् ॥ नाशरयजादिनं जूस्तुरयधयागु ॥ व्याताखयनं रूतकाऽ
विष्ठाकम् ॥ हनं सूर्ययागुतापनंदग्धशयूगुरयं रूतकाऽविष्ठाकम् ॥ धर्धिम् धर्मस्वनूपच्युनं कृयकाऽ
विष्ठाकम् ॥ हनंगथिनम् धनसा ॥ स्वर्गमरधपातालसं धर्मवृष्टियानाऽविष्ठाकम् ॥ सनक्तितागुधयावृश
सं विष्ठाकम् ॥ देवलीकमनूषयातं जूहयवदानविस्पविष्ठाकम् ॥ धर्धिम् कृष्णीशकासिंहनथागनयानन
मस्कावयानाऽ ॥ धीविचिपकर्मिं काज्वदानकथापिकासंज्ञानाशला ॥ ॐ ॥ आदिकापांपनापूर्वका
लस ॥ जूनाथपिंडसानाम गृहस्तुलेदयकाऽरया ॥ जानामधयागुउमानासमरधस ऊवतवनधयागुमहा

॥ वि. वि. ॥
॥ २ ॥

विहानस ॥ श्री ३ सम्यक् वृजभायकाडाविष्काकप्र श्री ॥ कसिंह नथगनरुल ॥ ॥ गुगुलिप्रकाचरं विष्काकप्राल ॥
सा मिंस्वसन ॥ ॥ ॥ लिङ्गगणपतिस्पनं उयकाडाविष्काकप्र ॥ ॥ धरिङ्गयनरुगुगुगधिनप्रधालसाङ्गपकपध्याननं
संशकशयाडा ॥ खट्वाण्डीलीनयानाडा ॥ धर्मकथाटनगुलिस नस्यनशयाडाचानपिं ॥ हनं पुनर्वाच ॥ अंसंख्य २
वाधिसत्त्वगणतं उयकाडाविष्काक ॥ ॥ धवाधिसत्त्वगण गधीनपिंधालसा ॥ पंचवर्दीवस्यानाडाचानपिं ॥ हनं
अंसंख्य आवकगणतं उयकाडाविष्काक ॥ ॥ धवावकगण गधीनपिंधालसा ॥ कडाधनपवाङ्गमधूयाडाचानपिं ॥ ह
नं अंसंख्यपनिवाङ्गकधाय सिधगणतं उयकाडाविष्काक ॥ ॥ गधितपिंसंन्यासिगणधालसा ॥ नानापकाचया साङ्ग
पाथयानाडाचान हनं पुनर्वाच ॥ ॥ धवावासधया देवपुत्रपतिस्पनं उलाडाविष्काक ॥ ॥ हनं वंश विष्णु महस्वनप्र
मूरवं चतुर्महानाङ्गपतिस्हितनं ॥ ॥ देवनागङ्गक गन्धर्व किंतव विधाधन महानग अंसना ॥ ॥ धनं सलगणमून
काडाविष्काकप्र ॥ श्री ३ ॥ कसिंह नथगननं ॥ ॥ धनं सलगन ॥ ॥ दक्कयातं कनूक्षी दृष्टिं स्वयाडाधूगुबलस रग

॥ व. हा ॥
॥ २ ॥

वानया उत्सृष्टा सखाया ॥ क्रांतिकाया चिमिसपालनं ॥ गर्हस्ति मालानामवत्तया मालाया ॥ नृपिकाया अं जा शाल्य
मानं नृपकास मानयातं ॥ ध्ववेलसं धूगुलिनत्त मालाया नृपनं ॥ स्वर्गमखपागालपर्यंतं जा कल्पमानप्रकास
मानशयकं नृपनं खयकलकांतं ॥ धूगुसमयसं चूगुलिस्तानसं कांचनपूनी नामनगवसं ॥ चूगुलिदस्यंचान
ध्वनगवसं ॥ विमलदरूनामवनियापूश्चक्रवसलपंचानं ॥ मधिनक्रवतिकपूश्चक्रवसलपंचानं ॥ महाधनाश महाला
गी ॥ असंख्यसयसाक्रान्तं पविप्रहृष्टया अचानक्र ॥ हनं चक्रवर्कवलिवि ॥ चेलरुकिं नी चूलाल पविवाचनं सं
शकृष्टया अचान ॥ हनं ध्ववनियाया विमलनाम मन्त्री प्रथमविवाहया संक्रया दडा ॥ ध्वक्र म्नी गथितक्रधालसा
लस्वलोयमानशया अचानक्र ॥ अग्निनं संदनीवतधर्मयायसं अग्निवसं रुसं स्वामिर्लकिशया अ ॥ पनपून्वया कनस
मशडा ॥ धधितक्र म्नी नं संशकृष्टया अचानक्र ॥ विमलदरूनाम वनियाचक्र ध्वदसं वसलपंचानशला धूगु
लिसमयसं ॥ श्रीशंभुसिंहनथागतया कनं प्रकासशुगुलिं गर्ह म्नी मालाया नृपनं ॥ ध्वविमलदरूवनियाया च

॥ वि. चि. ॥
॥ ३ ॥

स. सकलिनं रवयकलं च ॥ धूगुलिहं नं खयामापनं पंचनंगयावर्धुप्रकासश्यागं डालं ॥ ध्वं वलसं ध्वविमलदरुव.
नियाया चं याज्यसं चूकयादधुसं अस्वकविश्रुधयासिमाचुमा उत्पल्लिश्यागं डालं ॥ ध्वअस्वकवृक्षसिमागधिन
गुधालमा. सुवर्धुयादधु नूय्याहलश्यागं चाना ॥ हनं ध्ववृक्षयाकचापतिः क्कस्वा. एतुकमिचाआदिनं ॥ नानाप्र
काचयापंचि. गधनं वासया नाडा चानं ॥ धधिनगुअस्वकवृक्षे चमा उत्पल्लिश्यागं डाल खनाडा ॥ महाअस्वक
ध्वर्यचायाडा ॥ ध्वक्कविमलदरुवनियानं धडाक्कीविमलयानधालं ॥ हाप्रिय. हाक्की गधिनअस्वक. क्कगधनं डाल
सयाकनं डाल. धधिनहं तुश्यागं डाल ॥ मइगुशयूगमरवू. च्छुहं तु च्छुआश्वर्यरुल. धकधयाडा ॥ ध्वक्कलाखाढ
नाडा विमलनाम. क्कीनं धालं ॥ हास्वामी धूगुलिहं तु आश्वर्यजिनं मसिया ॥ ध्वगुलिहं तु कानससयाकदक
सूनानं कनिडा ॥ ध्वक्कगधनं डाल. ध्वजिनं मसिया ॥ उलकलाकं बालला. पनवसाककं कालला ॥ महाअस्वक
हास्वामिधकं धिधिसंवादयानाडा चानं ॥ ध्वं वलसं ध्वअस्वकवृक्षसिमासं वासया नाडा चानं ॥ क्कस्वानं विम

॥ वदा ॥
॥ ३ ॥

लदह्वनित्यायागसलगाशधालं॥ हविमलदह्वनित्याचक्रयविस्मयश्याशाना॥ रुनेपूर्वकृतमसयाना
 शश्याशनपुन्यधर्मयाप्रलावनंधूका॥ थधिनगुजस्वकन्नकउत्पत्तिरुलधकं॥ हविमलदह्वनिकपुनरववि
 नांपुन्ययाप्रलावमदयकं॥ थधिनदवन्नकउत्पत्तिरुगामरुधकंधयाश॥ थनक्रस्वायालारुढनाश॥ थक्रवि
 मलदह्वनित्यानं॥ क्रस्वायारुढालस्वयाशधालं॥ लामयून॥ धन्यश्चपतिथुगुलिनरुसुयाकेनप्रकासश्याशश
 लथुगुलिहृगुजिनमसियाधकंधयाश॥ थनविमलदह्वयालारुढनाशमयूननं॥ विमलदह्वयारुढालस्वया
 शधालं॥ हवनिकपुनरवकृतवनमहाविहानस॥ श्री३भाकसिंहकथागतं॥ सलामूनकाशविकारं॥ गधिनक्रभ
 कसिंहलगवानधालसाविशायारुढानिश्याशसंपूर्णलकनसंशकशशक्र॥ सुगतधायकाशविकारकक्रसत्त्वप्रादीप
 निरुसंशारवयायगुलि॥ अर्थिशसंविष्ठाकक्रदेवलोकांमनूरवलोकां॥ साक्षात्संविष्ठाविकारकक्रथर्थिक्र॥
 श्री३भाकसिंहलगवानयाकनंउत्पत्तिरुगगु॥ गर्ह्मीमालायागकनंथनखलशल॥ थगुलिनरुयाप्रलावनंधूगु

॥वि.वि॥

॥४॥

स्तनसंश्च देववृक्षसिमाउत्पत्तिशूलधकं मयूचनं ध्यायात् ॥ धृतिखट्वनाडा विमलदह्वनियानं कस्वायातधालं
हमयूचधन्यधकं ॥ धृष्टश्रीरुगवानयागगतनाडा दर्शनयागनाडा गुगुप्रकाचनं पूजायाय गननाडा सध्वराव
तलनाडा गुगुलिप्रकाचनं पूजायाय हमयूचनाडा धकंध्याया मयूचनं विमलदह्वनातधालं ॥ हवनिकपूवखचं
चूं सं देहमूखालधुका ॥ श्रीगणेशसिंहरुगवानपूजायाययाग ॥ पूष्यधूपदीपनेवयआदिं अर्घपाण आचमनि
धृष्टसकतां ॥ धृष्टदेववृक्षनं वियीडा धुका धृष्टवृक्षयाकप्रार्थनायाडा धकंध्याया ॥ धृष्टकस्वायाखट्वनाडा धृष्ट
विमलदह्वनियया मनसमहाहर्षमानयानाडा ॥ पूजायायगुसामांगी सकतां स्तनयातकाचनस ॥ धृष्टवनिया
नं धृष्टदेववृक्षस्वचाकउलाडा प्रदक्षिनायागं ॥ ०० ॥ धनंलिधृष्टदेववृक्षसिमानं शूलसां पूजायासामांगीमा
लक धृष्टवनिया यागविलं ॥ धनंलिधृष्टवनियानं शूलसां धृष्टसामांगीकायाडा ॥ आकाशमार्गसथस्वयाडा न
मावृजाय नमाधर्माय नमासंधाय धकं ॥ श्रीगीचत्रया नामस्मनक्षयाताडा धूपथनाडा शुभं ॥ हनंताय अक्रुतजाति

॥व.दा॥

॥४॥

पूष्यध्वजस्वानपासलहालाडाध्वजं॥ ध्वजध्वनकाडा-वाजाकृतसाइदुर्वाकृतुनडावलध्वजसंशकयानाडा॥ श्रीग
कसिंहकथागकयानामसुमनसयानाडाअर्घवियाडाध्वजं॥ ॥ ध्वजलसध्वजविमलदहनंशुलसांपूजायानाडाध्व
यागुलि॥ सामांयीदककृतवनमहाविहावसंविष्काकक॥ श्रीगकसिंहकथागकयाअग्रसध्वनं-गुगुप्रकाननंध्वन
धलसाधूपथनाडासकगुलिंकूनंआकासस॥ सुपाचर्थलयाडाडालं-हनंस्वानहालाडाहकगुलिंकनं॥ श्रीलगवानया-
सिनसंपंचनंगीयास्वानया॥ ॥ लामलयाडाडालं-हनंअर्घवियाडाध्वजगुलिं॥ साइदुर्वा-लखडानिकानंश्रीलगवानया
चवनकमलस॥ जलवृष्टिशुगार्थंशुगडानं-ध्वजचिपविश॥ खनदयाडाडालं-ध्वजलसध्वजसहासचानक॥ कागध-
पनामलिंकनं॥ श्रीगकसिंहलगवानकथागकयाचवनकमलसं-हाकपूयाडा-रुगदीध्वन॥ श्रीलगवानया-रवा
लस्वयाडा-लाहाकहाडालपाडाविनीतियाकं॥ ॥ हलगवान-हगुनध्वजहकु-रुआध्वर्य-वकस्यनंधूपथना
डा-हडागुलिंआकासस-सुपाचक्रानाडाडाध्वजाल-हनानंस्वानहायाडाहलडागुलिस्वान-रुलपालयासिनसं॥

॥ किंचि ॥

॥ ५॥

लामलयागाल ॥ पवकस्य नमूर्धविद्यागं हगगुलिच्छलपालया पादूकास ॥ कलधवाकनगल लामनिवाक थूगुलिहग
 कानन ॥ आसादयक सविज्ञायमालधकं ॥ कास्यपनाम लिङ्गनं कलसांविमलियागं ॥ धनंलिकास्य पलिङ्गया विम
 लिलाखाठनाग ॥ श्रीभक्तसिंहगथागतनं कास्यपलिङ्गया खालस्वयाग आसादयकलं ॥ एकास्य हं पवमानन्द ध
 या हं पुत्रलवक्तननशला ॥ चनंमनस संदं हशयागं चानगुलि जिनंकनदधकं ॥ हकास्यपलिङ्गपनापूर्वका
 लस कांचनपूवीधायानाम ॥ नगनचलिदस्य चान धनगनस ॥ विमलदरुनामवतिया चक्रवसलपंचान ॥ ध
 नियागधितकधालसा ॥ अतगधनसंपलिनं पूर्यशयागं चानक ॥ हनंथेल होमिनिआदिनं थालगाल ॥ पविवान
 नंमंशक शयागं चान ॥ हनंचगु र्यष्टिअस्सधागु नवनत्तआदिं संपूर्यशयागं चान ॥ हकास्यपलिङ्गहनंजिगुलि
 सवीलनं ॥ पिहागं गुलिनस्मिया भजने ॥ कांचनपूवनामनगनस ॥ धनविमलदरुनामवतिया याचं स सकलि
 नंखयकलं थया ॥ धनंजनंखयामाजंनं थूगुलि चयाचूकयादधूस ॥ अस्वकवक्त्रसिमा चमाउत्पलिरुलं धनं

॥ व. हा ॥

॥ ५॥

गर्धिनगुधालसा सुवर्णया दधुचूपाया हल ॥ पंचवत्सया चचाघाटं कया दश ॥ हनं नाना प्रकारया चिप्रविचिप्र स्वा
नमालाखाया ॥ हनं किंकिनिजापनाश कया दश ॥ हनं अतग हलमानिक वत्तधुनाश कया दश ॥ हनं धूगुलिहिमाया
कचापहिं ॥ मयूचआदिं अतगपक्रिगनवासयानाश चान ॥ हकास्पपथयानिमिहिं सकतां समसं ॥ धक्र मयूचनं
शलसां ॥ विमलदधुवनियाया कउपदेववियाश ॥ धक्रवनियानं पूजाया सामांगी दकध्वत्तकयाक ॥ हानाश जि
कं शुभलवकयाश ॥ पूजाया स्पहल धयाकावनस धपूजाया सामांगी सकतां जिगुलिस्थानस ॥ धनकशलधूका
धकं श्रीरगवानं शलसां आह्लादयकलं ॥ ॥ धनं श्रीगं कमुनियो आह्लादनाश ॥ कास्पपतिरुनं श्रीगं कमुनि
या मूखमंथुलः दर्शनयानाश विमनियानं ॥ हभास्ता हंरुगगुनु हंरुगवान् ॥ धूगुलिनिर्मित महाअहूतचा
यधूनः काचनपूवीधयानगवस पूजाया कगुलि सामांगी सकतां धूगुथानस ॥ गथ धनकलशल धक्रवनिया
नं चूवां चयानाश ॥ पूजायानाश हल गुगुलिधर्मयोपरावनं धन ॥ हस्वामिधूगुलिकावन आह्लादयकस्पविश

॥ वि. वि. ॥
॥ ३ ॥

हृत्तवकं कास्यपरिहृत्तं विमलियातं ॥ धृत्तकास्यपरिहृत्तया राखादनाडा ॥ श्री आकसिंह कथागतनें जूहादय कलं
हृत्तकास्यपरिहृत्त ॥ धृत्तगुलिकानवधसकतां चतुर्कनं चतुर्हितक ढडाधकं ॥ धृत्तविमलदहूतामवतिया पूर्वजन्मस
कोर्भाविधायानामनगनस ॥ घासलयगुलि व्यापानरुयाडा चानक्र घसियाशुयाडा चाने धघासियाशुडा
गधिनधलसा ॥ महादाविदशुयाडा दूःखसियाडा चानक्र ॥ हनंगलपाक कडा पूयाडा गलदयाडा चानक्र ह
नंसकस्यानं निंदायायवहल पूयाडा चानक्र ॥ धर्थि क्रघसिया याकलाग सुशीलानामकलाग चक्रदडा ॥
धृत्तक्रमीशुयुडा गर्थि क्रधलसा ॥ स्वामिलकिशुयाडा प्रतिवता धर्मस चान ॥ हनंपनपूवरवडा नसमशुडा
शीलस्वरावहिन धधिन सुशीलानामस्त्रीपूवरवनि ॥ महाद्विदशुयाडा महादूःखकस्तनयाडा धिधि
निस्त्रीपूवरवया साहसिसमकयातं ॥ धनंलिधृत्तघसियानं धशस्त्री ॥ सुशीलायाखालस्वयाडा धल हकां

॥ व. द. ॥
॥ ३ ॥

न ह प्रीय आश च याय मित्रि धल सा महाद विद्र शयाश च व लुक न म इ **रुल** मूल आदि न न य मान व लुक च
ख न म द या अ **क्रि** क्रि चि या घा स ल या अ थू गुलि घा स वि क्रि या नाश आ हा न या नाश ची ना थ न या प्र का न न इ **ख**
क ल या ना न आ हा न या य म रु **रु** न न जि गुलि र व च गुलि द रु न **हा** स्त्री सु भी ला च न मा म वो व द श ग्व प्र बंधू
न द श नि धू का **क** थ न इ **ख** सिया अ ची न म म्वा ल **क** न मा म वो व या थ स रु नि ध कं ध या अ **थ** न पु नू र व या ला वा
द ना अ सु भी ला ना म स्त्री नं ध लं **हा** स्वा मि चि नं च उ रु न द य का चि नं थ थि न गुलि उ रु न द य क जा अ जा ग्ध **हा** स्वा
मि जि गु वे च न न्य स्यं दि स **हा** स्वा मि चि ध ल सा क्रि ध र्म नं क र्म नं चि वि ना नं म्प व म सिया ह नं जि तिल ही ल अ ल
काल ध ल सा चि वि ना नं म्प व म इ **थ** न या का न द स चि स्क न प नि स्य तं जि रु ताल न म म **चि** नं अ थ उ रु न द य क
म म **हा** स्वा मि ह नं द वि द रु ल सा ध ना य रु ल सा **क्रि** गुलि ग ति चि स्क न रु स **हा** स्वा मि थू गुलि व ल स पु नू र व या न इ
ख रु ल थू गुलि व ल स **हा** ल रु प्र स्त्री व स्या ध य **हा** स्वा मि थ न या का न न स जि रु लं चि स्क न अ स र्ग **चि** इ **ख** रु ल

॥विचि॥

॥१॥

संजिद्वरचिस्वरुलसंजिनंस्वरुथुकाधकं॥धनस्त्रीयालाखाठनाडाधनप्राप्तियाथडास्त्रीयाखालस्वयाडाधलं
हकांरुहप्रीथचनचिरुसआमलिरुलपुसाजिनंरुधय॥आडमिजिस्तनंथथिनदःखकस्तनयाडागधचानं
आडमिजिनिमंकपिलवस्तुधयानगनस॥सूचन्धयानाम॥गृहपतिरुद्रडाधनगृहपतिगधिनमधलसा
महाधनायश्रयाडावानम॥धनयाथासडाताडाधनयाकमिजिनिमस्तनंस्वयायानडातनूया॥धनवलसमिजिह
दुष्टदुष्टयूडाधुकाधकंधयाडा॥धनस्वामियालाखाठनाडास्त्रीनंधलंलास्वामिधुगुलिकार्यरुताचिनंधयन
थथिनकार्ज्यानसागधिनलकाश्रयूडा॥लोकपनिस्यरुधयूडाधकंधयाडाधनरुठनाडा॥पुनरुवतंधलंरुप्रीथ
चनंथथिनरुक्कायमन॥धनजिवयाकाननसअनगप्रकाचनंलकागालनमालसानं॥धनसाधनयायमालधननं
थथिनरुक्कायमनधकंधयाडा॥धनपुनरुधयावचनठनाडास्त्रीनंधलं॥लास्वामिधुचिस्वरुस्तनंउरुनदयका
गुलिकार्यश्रयायश्रयाधधुका॥धुगुलिकार्ययाननास्रुमश्रयायावर्थधयधनडाधिकावधय॥गधधलसा

॥व.दा॥

॥१॥

ग्वक्रग्वक्रजनपनिस्यनं भवयाञ्जननयाशः भवयावस्तुनंपूनाशः॥ भवयावस्तुनंपूनाशः भवयादाभीरुयाशः भवनक्रथ
पनिसुकलयोः हलोकसे सुखयाहवमदुञ्जकालसे माक्रपदमदुधकं स्त्रीनंधालं॥ थनंलिस्त्रीयाखदनाशः पूनूय
नंधालं॥ हकांनहपीथकनं चुरवज्ञाना हिक्कधयापनि पविवाशकपनि वंक्रचाविपनि संन्यासिपनि तीर्थवाशिपनि
थपनिचूधया॥ थपनिज्ञाभवयाञ्जननयाशः भवयावस्तुनंतियाशः॥ भवयाकिर्तिसवासयानाशः भवनंधाशः भवयाशः
धीनः थपनिस्यनंज्ञाथथितविवाकमयाक॥ हास्त्रीचनंमथिनं खकायज्ञाना धकंधयाशः॥ थनंलिस्त्रीनंधालं हाप्र
हस्त्रामिधंत्यशखशचिस्त्रनपनिस्यनं चुरवज्ञानाशः दियाः॥ भवयाञ्जननयनं भवयावस्तुनंतियनं भवयावस्तुनंतियाशः
यायनचिस्त्रनपनिज्ञा हिक्कमखू वंक्रचाविमखू संन्यासिमखू तीर्थवासिमखू॥ थनंतं चिस्त्रनपनिस्यनंमूज्ञा
रुगुलिउजनदयकल हास्त्रामि॥ पवान्नपनवस्तुपनवास धकंधयागुलिज्ञा॥ हिक्कसंन्यासिवंक्रचावि तीर्थवा
शीथपनिसुधूकाशरुधकं॥ ग॥ थधालसा नीतिभरुसज्ञासंनयादशः॥ गृहेस्थयाआचार्यधयागुलिथशः॥

॥विचि॥

॥२॥

जाववूयागु व्यापानयाय कुलधर्मसंचान ॥ भवयादासिरुयातंकुलधर्मरुयुगमख ॥ हास्वामि धनयाकावनस थूगु
लिकार्यक गायाय मरुधकं स्तीनं धालं ॥ धन स्तीया लाखाठनाडा ॥ रूतनं धालं हास्ती धनं सानस पूनूखयावचनप्रमा
नगु स्तीयावचनप्रमानला ॥ ननं धधिन हस्तिखक्याय ज्ञाना ॥ हनं ननं मूतग प्रकावनं जातिकपलिन पनिस्पनं ख
ज्ञानार्थं खज्ञानाडा चान च पलिन लाधकं धेयाडा ॥ थनं लिस्तीनं धालं ॥ हास्वामि भवनाकावनं मख हास्वामि
नं धालसा धनं सानस ॥ पूनूषयावचनविनानं स्तीजनयावचन पूरु रुयुगमख ॥ हास्वामि जिगुलिसं दं हशडा गुलि
खक्य गूढ स्पदिस ॥ न धालसा भवनामख किंयकाहनं भवयासडा भयानडा न धकं धाल ॥ धनं किं मदसं लि जि
यकाहनं गथचान जिधालसा किं स्वामियाका ॥ रूफि लावयानाडा चाना फ ॥ किं मदसं लि जिम व पूनूष पनिस्पनं
यासयायिडा धनं किं स्वन पनिस्पनं ॥ जिपव पूनूषया वसासडा न गुलि सहल प रूयिडा मख धनयाकावनस
जिदिडा नापं डा यरुल ॥ हास्वामि धकं धयाडा धन लाखाठनाडा ॥ पूनूषनं धालं हास्ती ननं धया धनं खडा नन

॥वरा॥

॥२॥

पनपुनययावस्यसुशनीवलस॥जितेधुगुलिविचहजितेसहयायरुयिशमरु॥धननेजितेचनगुवचननिधयनं
प्रमानयायशुलधकंधायाश॥धनप्रवुरवयावचनठनाशस्तीनंधालं॥राप्रहस्वामिमवताचूंयायमूवाल॥मिजि
रुसचूंवरुकेमदरसां॥जथासकप्रमानंधर्मकर्मयाशधकं॥धननितरुनंधालं॥राहस्वामिमिजिसनंरुकर्मयाय
मिजिरुसचूंवरुकेमदरुनंमदयकं गथधर्मयायधकंधायाश॥धनप्रवुरवयालराठनाशस्तीनंधालं॥हस्वा
मिमिजिसनंमवयायगुलि सामर्थमइ॥रास्वामिमिजिसनंरुयागुयायरुधालसा॥कोर्गविधायानामदशस
पनापूर्वकालेनिसं दयकाशरुशगु॥शीर्धर्मधागुचेत्यचुवद दसंचानं॥धनयेत्ययाकमिमिसनंरुवकरुयाध
लखमात्रहयाशस्नानयाचक॥धनस्नानयाकायाप्रस्थयारुलनंकिंचित्मात्रदरुशधकंस्तीनंधालं॥धननलि
स्तीसुगीलायालराठनाश॥रुनंधालं॥राहस्वामिमिजिसनंस्नानंमददीपंमदरुमंधनंमदधूपंमद॥दीपंम
दनेवयनंमददकिनांमद॥धनसा मायीमदयकंरुललां॥राहस्वामिमिजिसनंरुललां॥राहस्वामिमिजिसनंरुललां॥राहस्वामिमिजिसनंरुललां॥

॥ वि वि ॥

॥ ९ ॥

नंधालं हास्वामिवर्षदक्रिशलसालक्रिशलसां ॥ वाचिशलसां स्वचायकूशलसां निश्चयनंयकसनयानाडा ॥ अधाएव
तयाडायासंलि ॥ धनियादिनसंरुललाब्डा हास्वामिधकं ॥ धायाडाधरुस्तीयाएखाठनाडा पुनुरवतंधालं ॥ एकांत
हृषीधकं स्तीयावचनठनाडा हतकंक्रिलाडा ॥ हृष्टगुष्टशयाडाभूतिनसनायाडा ॥ पकूखूकूगंगसडानाडा धमनं
गंगसस्नानयानाडा शुद्धयानाडा ॥ गंगजलहयाडाधचेत्यबाडयाना ॥ असुनानयाककलंधनंलिस्नानयाककधूनकाडा
स्वचाकप्रदक्रितायानं ॥ धुगुलिप्रकावनंलचियनकं गंगजलहयाडाअस्नानयाचकाडाक्रितंस्वचाकप्रदक्रिता
यानाडाशुलं ॥ धुगुलिप्रकावनंसाशुशुशुशुचक्रयादिनस ॥ गंगजलनसंहयागुलिधलयस ॥ सुवर्णयाकंकनस्व
गवदः गंगजलपुयावलसइहाडानं ॥ धनंलिथमनंअस्नानयायधूनकाडा ॥ धगंगजलधलयशानाडा ॥ चेत्ययाथास
डानाडा ॥ सदाध्वगंगजलसस्नानयाककलं ॥ धवलसदेवयासेडागनं पुन्ययारुलनं ॥ धधलपास सुवर्णयाकंक
नकूतिनडाल ॥ धस्वयाडा महाहर्षमानयानाडा ॥ हनासनंधकसूगीलाथडाकूडायाडा ॥ मूसूहनंक्रिलाडास्वामियाखा

॥ व.दा ॥

॥ ९ ॥

लस्रयाडाधालं ॥ ॥ हापलस्रामिमहाजूरुनरुल गथधालसा जिथनियादिनस ॥ गंगाजलस्नानयाकावलसलस्र
धलपालस सुवर्षयाकंकनकूतिनकलडाल ॥ थनलिपुनूयनंरुलसां थुगुलिसुवर्षयाकंकनस्रयाडा ॥ महाहर्षमान
यानाडा ॥ पुनूखनंधालं जूहाजूहागधधकं जूहाहर्षधकं ॥ थथिनज्राश्रयधकं गवधलसंस्वयंमनना ॥ ८ थंमनना
धकं ॥ श्रीधर्मधगुचैययान स्नानयागकायापुन्यनं थथिनगुसुवर्षयाकंकनप्राफरुल ॥ थुगुलिप्राफरुडागुभ
वनाकावनमखू ॥ थचैययान गंगाजलनं स्नानयाकागुयापुन्यनं थुकोलाग ॥ थवलसंथडास्त्रीसुसिलाकंसुनया
डा थमनं सुचन्द्रगृहस्पतिया थसडानाडा ॥ विमक्तियागडानं हागृहस्पति थुगुलिसुवर्षयाकंकन गुलिमूलडानं थ
नठनधकं जिथनडाया धकंधायाडा थनराखाठनाडा सुचन्द्रगृहस्पतिनं थक्रपुनूययानधालं ॥ हापुनूयथथिनं
जुतिवानलाक स्वयंगुंययापू ॥ थसुवर्षयाकंकन गनकास्रहया ॥ सुनानं विल थकंकनयामूल साहि १००० डाल
चिंतकाडान थयामूलजिनं विय थसुवर्षयाकंकन जिगकायशुलधकं ॥ साहिसमरुयानाडा मनामानशयका

॥विची॥
॥१०॥

अथ कंकनयामूलसाहिदालक्रि१०००तंकावियाडाकां॥ ॥थनेलिथघसियायामनसग्रुयंनवीमहर्षश्याअथअ
थअकसलिहाउल्लेखवलस॥थअलीसूणीलायानसलनाअलीयाखालखयाअ॥मूसरुनकिलाअधलंहेकांहे
प्रीय॥आअथनियादिनसमिजिनिक्कस्यांनअचातनेलग्गदग॥धन्य२मिजिलगधकंआअथदामनं॥सहवसअनाअ
अनगवसुआदिअंतयान॥धन्यविद्यादिफलसमस्तं वसुकठानाअ॥मिजिस्यनेशलसांमहासूखनंहागयायधकं
थिथिरवलाताअ॥थप्रपूर्ववहनासनंअनाअसमस्तं वसुकथअगमालकासामाग्रीत्यानाअहलं॥थगूलिरवनाअ
सूणीलानामलीतंधालं॥हास्वामिक्कापामिजिनिक्कमहादविदश्याचानवलस॥चिक्कवपनिजिमवनेहास्या
यवहलश्याअचान॥थथशुअगुस्वयाअचिक्कवपनिस्यनेधाल॥आअमिजिथथचानानंनिसावमशलधकं
सूचदृष्टस्यनियार्कसअयानाअथजिवनकायायधकंधाल॥हास्वामिधवलसजिनंविमतियानाहास्वामिधकंद
विदशलधक॥हनासचायमनअहनासचायायाकंप्रयाजनमद्रहास्वामि॥थअ२कर्मकसुखधुयानाअवलहनं

॥वदा॥
॥१०॥

शकं जियुं शो प्रह ॥ हनं धर्म या यशुल सानं कार्य या यशुल सानं ॥ धन साधन या यशुल सानं अथ वा कुं वञ्चादिनं वस्तु क
दयक शल सानं पन वरु जाय शल सानं समूद्र पांन या यशुल सानं ॥ धीलानं शकं जियुं शो स्वामि पन मन्धव वेल का
ल मशुषकं वियुं शो मख ॥ आउमिजि स्या लाग्ध या रुलं ॥ पन मन्धव या कृपानं थथिन गु उस्वर्य लाय धून ला स्वामि
आउनं लि कि स्कुन सनं ला रुक ना या यम म ॥ आउमिजि स अज्ञा ववु या ना मने पिछु दान या य ॥ कृम कि रु ना त य म न
थ आ क्रि ग गु गुलि बा पा न या ना ॥ थनिनं श गुलि बा पा ल या श हा ल रु म म ॥ बा पा ल ध या गु चि कि ध ना श वा न सां हा ल
रु म रु श ॥ ला स्वामि ध कं धा या श थ रु ली या ला र वा द ना श ॥ रु ली नं धालं रु कां रु पी थ धं न्य धं न्य रु र व श ॥ रु नं गु गु प्र का
व नं धाल ॥ उ गु लि प्र का व नं जिते या य आउमिजि स नं रु क र्म या य ध कं धा या श ॥ थ रु पु नू र व व च न रु ना श सु गी ला
नां म रु ली नं धालं ॥ ला प्र रु स्वामि ग्व कृ थ ध र्म धा गु चं ल्य या रु स्ना न या रु का या पुं न्य नं थ नि मि जि स ॥ थ थि न ध न सै प ति
ला रु आउमिजि स नं ॥ थ नि या दि न स सु या क ला व या य ॥ ग्व कृ थ ध र्म धा गु चं ल्य द व ना वि ना नं भ व द व ना सै म दू

॥ वि. चि. ॥
॥ ११ ॥

धनं गवक्र श्रीधर्मधनु चेत्याकं क्रापायाधर्म गंगजलनं स्नानयातकधनकाडा ॥ श्रीखलुनंलपनायायधकंनिम
लीपुनूयया धिधिसमनयानाडा क्रापायाधर्म श्रीधर्मधनुवागीधनयात गंगजलनं स्नानयातकाडा ॥ धनधनका
डा निमलीपुनूयनं श्रीखलुचूलाडा चधुनलपनायातं ॥ ॥ धनंलिथ्यक्रूरुक्रुदिनस भवपुनूयव कृष्णस्यनं ॥ सि
याडा चाकूकूजानाडा धनधनसियाया ॥ महासंपत्तिदत्तधकंसियाडा ॥ धनधनसियाया ॥ सगलं धनंलिथ्यक्रुच
सियाया कलात सुशीलानं शलसां ॥ धनधनसियूडाचाजानाडा डाडाकपुनूयस्वयाडा ॥ आदवरावयानाडाधालं ॥ हा
पुनूय धिगतमायनता आमसियूचागतदानाडाहया ॥ जिमिगवियूडालाधकंधायाडा ॥ धनधनगुलिखठनाडा ॥ ध
मृत्तिका जानाडा डाडाकपुनूयनं धालं ॥ हा रगिनीकं हचा ॥ धनधनकाचिगमालसाकास्यदिस ॥ हा रगिनिशुजि
शलं ॥ सजंनचं मदयाडा अन्नहिलधकंडायाधुका ॥ जिगजंनचिरायविडाधकंधायाडा ॥ धनधनरावाठनाडासु
शीलानामलीनं शलसां ॥ धनधनपुनूययातसलगाडाधालं ॥ हा पुनूय ॥ आमसियूचा धनधन सपानदिडा ॥ कनकक

वदा
११

नं अमरुकां न विद्यायां अथ कं ध्यायां गुलिख दतायां ॥ तथा रुद जिगखधकं थ गुलि सिमूचा कूचुं कूचुं
सदृगयनायां माकनस पातकायां धचिनायां गलं ॥ थ नं लिथ कृपूवूययां लो जन यात कायां अं न विद्यायां वला
विद्यायां गं ॥ ॥ थ नं लि माकनस पातकायां गुलि पिग्वल मृत्तिका दकं सुवर्क शयायां चानं ॥ थ वल सथू
गुलि सुवर्क या ना सिख यायां ॥ थ पनि स्त्री पूवूय नि क स यां महा आश्चर्य यायां चानं ॥ थ नं लि ए लो नं धालं ह
कां न ह पीथ कू ह गुच्छाश्चर्य शला ग्वप्र किंचि न् किखि क पूवूय कृ स नं ॥ पिग्वल मृत्तिका ज्ञानायां गलं थ
गुलि मृत्तिका नं ॥ सुवर्क ना सि रु मायां गलं अ हा २ रा ग्वधकं नि क स्त्री पूवूय यां अति ह र्व मान या नायां ॥ नि क स्त्री
पूवूय यां ॥ थि थिं ह र्व खाल शयायां कूचुं ध य म रुतं ॥ महा संपुष्ट शयायां चानं थ नं लि ए लो नं धालं हा स्त्री आयां वा
मिर्ग व्यापा व या य म रूत ॥ भव या कू स चो न वृत्ति मा य मू म्वाल ॥ ह नं भव ह य क मू म्वाल जिनं आ का स मा प्र नं ॥ महा
संपात्ति ना य धूत धकं धायां गुलि द तायां ॥ स्त्री नं धालं हा स्त्री मि थ महा संपात्ति ॥ द यायां यायां गुलि भव ता या प्र स व नं

॥ वि. ची ॥

॥ १२ ॥

मरुत्थरुलं ॥ श्री ३ धर्मधनुर्वेत्तयाकथं धारवकया ॥ धर्मयानायापुन्ययाफलनं शुका ॥ थथिनगुमहासंपत्तिउ
त्यतिशुल ॥ हाप्ररुजाशधमहासंपत्ति ॥ महाआनन्दनं रुकमानमास्पदिस ॥ हास्वामिआशधसंपत्तिनं क्वक
वलिबिबुपुंवजालनं आदिनं ॥ थशतमालकासामांयी सकतां संपूर्णयाता ॥ महाहर्षमानयाता ॥ तशचातनं सु
खहागयाता ॥ निरुलीपुनूययावमिदिसयाता ॥ महासुखआनन्दनं चानं रुल ॥ ॥ थनं लिउषुनयादिनसं
निसं थदविदशयाता चानं ॥ चसियामहाधनाशयाता ॥ हृष्टपुष्टशयाता ॥ नूपजोरुननं संपूर्णशयाता ॥ थनं
लिधुगुलिप्रकाननं ॥ थुगुलि सुखहागयाता ॥ रुकयादिनसं देवयासं जागते मृत्कुरुलं ॥ ॥ थनं लिधुप्रपुनूय
मृत्कुरुयाता कांचनपूनीधयानामनगव रुगुलिदसं चानं ॥ थनगवसे विमलदरुनाम गृहपतिधायका ॥ थ
ष्टिरुमशयाता चानं ॥ ॥ हाआनन्दहिरुधकं श्री ३ भाषसिंहमथागतं आह्लादयकलं ॥ ॥ हाआनन्दहि
रु ॥ गवप्रविमलदरुनामवनियानं ॥ पनापूर्वकालसं कोर्णविधायानगवसं ॥ चंपयातस्नानयातायापुन्यनं ॥ पक्रया

॥ वदा ॥

॥ १२ ॥

अंरुनरुललाग॥**ध्व**ध्वक्रविमलदरुवनियानं पूजायाकगुलि॥सामांशी सकांशिथाम् दहागाल॥**हा**कास्प
परिक्रु ध्वनिकंआ ध्वर्यचायमूमांलधकंआह्लादयकलं॥**ध्व**मआह्लादनाडाकास्पपरिक्रुतं॥**धी**एगवानगोरवाल
स्वयाडाविमलियातं॥**ह**एगवान॥**ध**न्य२रुलपालसुनंआह्लादयकगुलिठनाडा॥**जि**पनिवाधश्यधून॥**हा**गथा
गत ध्वक्रविमलदरुवनिया॥**ध्व**न्य२धकंविमलियातं ध्वमलिकुसया विमलिठनाडा॥**धी**एगवाननंआह्लादयकलं
हाकास्पपरिक्रु॥**ध्व**क्रविमलदरुशलं महासर्वांशानश्याडाचान॥**ध्व**गुलिपुंनयापलावनं पूषपूषादिपविवा
वनं संशकशल॥**ह**नं ध्वगुलिपुंननं चवुकं वलिविचतुर्व्यष्टिविहितं संपूर्णश्याडाचान हनंतुधसिति पूष
ननितं संशकशल॥**ह**नं ध्वपुंनयापलावनं चस॥**क**था२धनसंपत्तिनं संपूर्णरुल॥**ह**नं अंनव्यादिअनगवस
वसायनं संपूर्णरुल हनंदधि दूध धलउपकवव समरुं पूर्णरुल॥**ह**नं अंनगहल वेदर्यभीखेसिलापवापजा
नरूपवज्ज॥**ह**वर्णद्वयआदि पूर्णश्याडाचान॥**ह**नं सामस आदि पसूगननं संपूर्णश्याडाचान॥**ह**नं कस्वाग्

॥विचि॥

॥१३॥

दिनं पंचिगननं संपूर्णं कृयाडाचानं ॥ धनं धनं विमलदरुयाकसं संपूर्णं कृयाडाचानं ॥ लोकास्पतिरुधकं धनं
लिहने ॥ धनं विमलदरुनित्या महाभूतनश्राव्यं कृयाडाधगुलिप्रकाशनं धनं ॥ अहोश्राव्यगतिनडिताय
सुयाप्रलावनं ॥ धनं धनं महासंपत्तिनं पूर्णं कृल स्वप्नसखनार्थं कृल ॥ धनं धनं नश्राव्यं गवदलं संप्रयं मनना कृत्यं
मननाधकं श्राव्यं चायाडाचानं धनं ॥ धनं धनं संपूर्णं विमलदरुने पूजायानं कया प्र अस्वस्वदक्षकसो ॥ कं
पमाननं सनाडा विमदरुयाकधनं ॥ लोकाविमलदरुचपनिच्छा यश्रुत श्राव्यं चायाडाचानं ॥ धनं श्राव्यं
र्यचायमून्वाला ॥ धनं पूर्वजन्मसंपूर्णं कर्मयानाडा ॥ डयायाकाननसं धूकाजिकपूजायानागुलि अर्घ्यवियागु
लिधसकतां कृगवनमहाविहावसं विष्ठाकप्र ॥ श्रीगणेशमूर्तिरगवानयाधानसं धनं पुन्ययाप्रलावनं ॥ धनं धनं
नसंपत्तिउत्पत्तिरुल ॥ भवयासुयाप्रलावनं सखधकं धनं अस्वस्वदक्षसिमानं धनं ॥ धनं धनं विमलदरुनं कृलसां
अस्वकवकृयाकधनं ॥ लोकादवदकं धनं श्रुतीगणेशमूर्तिरगवान ॥ धनं धनं रगवानश्रुतागतिं प्र गुगुलिधसवि

॥वदा॥

॥१३॥

क्रान्तं गवक्रणीं गवान् जितं शमसिया ॥ गवक्रपत्रं मे स्ववयात् गगत्थं दर्शनं पायधकं ध्यायात् ॥ धर्मविमलदह्यात् खरा
ठनात् देववक्रनंधालं ॥ हा विमलदह्यात् गवक्रणीं भक्तमूनियात् ॥ गुनवर्तना जितं क्रुधाय गवक्रणीं गवान् रुयिगथिन
प्रकाशनं विष्ठाकक्रधालसा सुवर्ध्यावर्धं वक्रात् समानं सुवीलसुनानं हृदयाय मज्जिता म हा उरु म शयात् धान ॥ हनं
स्यनिगा ३२ लक्रनं ॥ संशुक्रुडा हनं देवनागक्रुदं ॥ गवक्रु किं न व म हा न ग म नूरव्य धपनि स्यनं पूजायात् का
त् आदवरावयात् कात् विष्ठाक ॥ हनं रिक्तावकसंघपनि स्यनं ॥ उयकात् ददिप्यमानं रुयकं क्रुवत महाविहा
नस विष्ठाकात् धानधकं ॥ देववक्रया उपदेठाठनात् ॥ विमलदह्यात् नंधालं हा देववक्रगथं धालसा ॥ प्यासचात् क्र
नं लखं च्याया कथं ॥ जितं रुलसां गवक्रणीं कसिहया मूरवकमल ॥ दर्शनं पायगुलिं स्रुतिं च्या रुलधकं धा
यात् ॥ धर्मविमलदह्यात् खराठनात् ॥ देववक्रनंधालं हा विमलदह्यात् रुनं मनस ॥ चूचू च्या रुल उगुलिमना
वधं जितं पूर्व्यानात् विधा ॥ जिशुलं चिंतामनिकल्पवक्रं थूकाधकं धाल ॥ ॥ धनं लि विमलदह्यात् नंधालं हा दे

॥वि.वि॥
॥१४॥

वत्तकृतिउपनसकनूतयाडा॥थीरुगवानदर्वनयायगुलिमूवसनवियमाडा धकंधयाडा॥धरुठनाडा दववृकनंधा
लं हविमलदरु किथिनचिंतामतिकल्पवृकदयाडा रुयाडा॥धनरुजिनं वियधकंसमस्तु सामाधीविलं॥ ० ॥धनं
लिविमलदरुनंरुलसां॥महाहर्षमानयानाडा दववृकयागधालं॥हादववृकधधकणी॥अकसिंहगथागनया प्रसंसा
गथ्यश्रवणविधिविधानगथ्यसियकधकंदनाडा॥धनदववृकनंधालं॥विमलदरु॥धधकणी॥अकसिंहरुगवान
याप्रसंसागथ्यमसिया॥धधकणीरुगवानया नामकायाशगुलिथसुगान॥उगुलिथसुसुरकल्यानरुमूडा धकंधूति
उपदणविगाडा सुमूकंचानं॥ ॥धनंलिथधकविमलदरुवतियारुलसां॥धगुलिदववृकयाग॥स्वचाकउला
अनमस्कावयातं॥धधधुतकाडाथडाअंरुपूवसडांनं॥धवलसं॥रुसपूवपूगीआदिं॥सकलपविरुनशनाप॥साह
किस्मरुयानाडा॥थडास्त्रीविमलायागसलनाडा॥पूष्यधूपदीपनविद्येआदिनंपूजायासामांयीरुनाडा विमलदरु
नंरुलसां॥रुगांरुलियानाडा॥थी॥अकसिंहथी॥अकमूनिरुगवानया॥नामसुमवनायाना॥धधदववृकयाग

॥वदा॥
॥१४॥

कपूयाश ~~क~~नवनमहाविहानसु शनभकं प्रस्थानयातं ॥ ॥ धनं लिखनमापुनं आकासगंगधनं गधिनआकास
गंगधलसा ॥ अयं नमना हनशयाशवान हनं धगंगयालख अमृतासमगुल्यशयाशवान ॥ हनं धगंगस सुवर्
यापप्रहास्यवान ॥ हनं धगंगस समस्तसुवर्गयावालकाशयाशवान ॥ धधिनआकासगंगधनं विमलदहनं शनसा
दर्शनयातं ॥ धवलसुविमलदहनं धशस्त्रीविमलायाखानस्वयाशधलं ॥ हवीयहस्त्री अहाचार्यगधिनविस्म
यधधिनवस्तुकमिजिसनं ॥ स्वप्रससुधमं रवना धधिनस्वयं पुं ययापुमना हन ॥ मना नमस्थान हनं सुवर्गयापप्र
नं द्वायलशयाशवान ॥ हनं सुवर्गयावालकानं संशकशयाशवान ॥ धधिनजाग्वधसं शयिगमरव ॥ शयाश शनभकं
धयाश ॥ धधिनस्वामियाहाखाठनाशस्त्रीनं धलं हास्वामिमिजिस ॥ देववक्रयापसा दनं चिह्नगंधयाखलनं धधि
नआकासगंगधन ॥ धधिनगंगधलनाशमिजिसनं ॥ धधिनगंगधनमालशय ॥ धधिनगंगधनस्नानयायनूयाधकं
धिधिनिष्कस्त्रीपुत्रवयासमस्तयानाश ॥ धधिनआकासगंगधनस्नानयातं ॥ ॥ धधिनस्वधआकासगंगधनस्नान

॥विचि॥

॥ १३ ॥

रुकयायं कृतमायनं ॥ श्री ३ ॥ कसिंहकथागतादर्थनलाकं गुगुलिप्रकाशनं ॥ दर्शनयातकालसा लिङ्गसंघपनिस्त
 नं उयकाडा ॥ अन्नगज्जनगदवलाकनागलाक रुकलाक ॥ गंधर्वलाक देवलाक गवूदकिंनवमहावगज्जादि ॥ उयकाडा
 महीयासिंहासनसविष्ठातं ॥ गथिनप्रकाशनं विष्ठाकालसा नडावक्रमावा ॥ गतया मध्यस्थीचन्द्रमासा लायमान
 रुडाथं साहायमान रुयाविष्ठातं ॥ थवलसविमलदरुनं रुलसा रुडाया पुलिनं पृथिवीसचुयाडा खडा पुलिथ
 थकयाडा लाहाकनिपाहाडा रुलपाडा ॥ शुक्लावतयाडा निष्कली प्रनूरवनं सायनातं ॥ ॥ एगवत्विष्वविनं सं
 वृक्षनाथं नमास्तुते ॥ एवाम्नाधिनिमग्नानां मानसैमाक्रदंशदा प्राचनं सर्वसच्चानां इः खसागवमस्तुते ॥ गवतीज
 नाथस्तुतां चागराकविनासने ॥ नवपादप्रसादनं ममलाग्यविस्थवत ॥ माक्रदंशहिमनाथ सर्वलावंतमास्तुते ॥ ॥
 हरगवान् हं वृद्ध हं वृद्धनाथ ॥ रुलपालयाचवनकमलसा ॥ कातिप्रनाम हनं रुलपालगथिं कथालसा संसावहा
 नानं इः खयास्तमूडस्तु वृद्धविनाडावानपनिस्त रुलसा ॥ थककायाडा माक्रपदवियाडा विष्ठाकक ॥ हनं सत्त्वपाहीद

कथामंदः खरुजकाशं सुखविशालविशालकंकलपाल॥ हनंशुनाथशयावीनक्रयासवनशयक्र॥ हनंवागस्वकरु
नकाशविशालकंक॥ थथिनचलपालयापादूकासुसहस्रकोतिनमस्काव॥ हलगवान्चलपालयाप्रसादनंजिगाध
यारुलनं॥ थथिनउत्तर्यपदलायधूनहनाथ॥ थथिनकचलपालया॥ काति२नमस्कावधकंकाययानं॥ ॥
थवलसुविमलदरुयास्तयाकस्वयाग॥ श्री३लगवानप्रसन्नशयाश्रीलगवानतेशाहादयकलं॥ हविमलद
रुधकं धृत्य२रुपनिनिष्कसयोपुर्वजन्मयापुन्यनंरुपनि॥ थथिनउत्तर्यपदलाहहनंथयकावनसुचनेपू
जायानागुसामांयीसकनां॥ थनजिथासुथनकलहल॥ हविमदरु॥ थनपुन्यनेरुशलेसांविमलकिर्तिनामनथा
गनधायकाश॥ संम्यक्बुद्धधायकाशसंम्यक्बुद्धयाहानलानाश॥ चतुर्थविशानं संपूर्णशयाशसुगनधाय
काशसुखप्राणीयासावेथीशयाशहनंदवदेत्यमनूषयागुनशयाश॥ बुद्धलगवानधकंधायकाशवांत्यरूपमाल
धकं हनंरुनेस्त्रीयां॥ रुनेपुर्वजन्मसुगशवीरुनेपुन्ययानाश॥ शयाकावनसुथप्रस्तीविमलसंधानामनथागनध

॥वि.वि॥

॥ ११॥

मकाशसंस्पृक्तं ब्रूयुः शयमालधकं ॥ श्री ३ ॥ अक्षसिंहगवाननं आरूढयकले ॥ शकास्यपरिक्रुथयाकाननसंप्रययाय
मालशुलोधकं ॥ श्री ३ ॥ अक्षसिंहगवाननं आरूढयकले ॥ अवकलिकुगतं दैवदेवमनुष्यगंधर्वकिंनव ॥ अक्ष
दितं स मसं सलाक म हा हर्षमानया नाश ॥ थशथशआशमसलिहाशनं ॥ १० ॥ ~~अक्षसिंहगवाननं~~
~~हाममालायां यथा यथा~~ ॥ १ ॥ थनं लिच्छुगुलिकावां नवस ॥ श्री ३ ॥ अक्षमूर्तिरगवानं रुलसांगृधकुरुपर्व
भायाथानसंविष्ठाकुरुले ॥ गुगुलिप्रकावतं विष्ठाकधनसा ॥ लिच्छुसंघपतिस्तनं चाकउयकाश हनं देवगत नाग
गत रुद्रगत गंधर्वगत किंनवगत महाजगआदितं ॥ अक्षरावगयाश पूजायाचकाश मानयाचकाश विष्ठा
कुरुले ॥ ॥ थवलसंबंधुमतिनाम नगवच्छुगुलिंदस्य वात ॥ थनगवसंभ्रसंघजनलाकपतिदस्य वात हनं
अनगपछिगुवां कुरुपति संशुकरुयाश वात ॥ नानाप्रकावया हासलास्य विनास महाहर्षमान संशुकरुयाश
वात थथिनमनानम ॥ बंधुमतिनाम नगवसं महा हर्षमाननं ॥ बंधनागव नाम वाशा कुरुवसलपाश वात ॥ थक्रवा

॥ व.दा ॥

॥ ११ ॥

ज्ञायास्तीसूचनागविनामवाधीच्छकदस्यंवात॥ध्वक्रवाहीनाताशालुनेविद्यानेसंपूर्णशुयावात॥हनेविधकवि
चालनेपूर्वशुयावात॥हनेनीतिआशसुविचक्रनरुस्यहनेनातावलुनेतियाशवात॥हनेधनसंपत्तिनेसंशुकरुया
शवात॥हनेसलकिसिबपायकसिपाहि॥ध्वक्रवदुनंगवलनेसंशुकरुयाशवात॥हनेसाभसपसुगननेसंपूर्णश
याशवात॥धधिनक्रबंधनागनवाजायावलसुमधायानाम॥मंशीच्छकदस्यंवात॥ध्वक्रमंशीरुलसांवाजायाशु
स्यंरुमरुनागयाक्रहनेसामनेशुयाशवातक्र॥वृद्धिसुमधायानाममंशीच्छकदस्यंवात॥ध्वक्रनिमंशीदस्यंवा
नधधिनबंधुमतिनामनगवस॥विक्रमदरुनामवनियाच्छकदस्यंवात॥ध्वक्रवनियाशुयुशगधितधानसा
महाधनायशुयाशवात॥ध्ववनियायास्तीसुग्यसिलानामस्तीच्छकदस्यंवात॥धनेलिच्छगुलिसमयसवृद्धिस
रुम॥मंशीनेरुलसांध्वक्रविक्रमदरुगृहपतियाकलाग॥सुग्यसिलास्तीयागइरुयाशसलरुकलच्छांतच्छ
याकावनेधालसासूनागवयाययाकावनसइरुच्छायाशवातकलच्छांत॥ध्वक्रनेइरुपतिस्यनेनिवावसवान

॥ वि. चि. ॥

॥ १५ ॥

गनाशधाले ध्ववलस ध्वप्रसससीलावनियातीनें रुलसां ॥ वाधमशयाश ध्ववलस वृद्धिसरूम मंशीनें ॥ मनसलालपल
मूहाज्याप्यधकं ॥ जिनं रुलसां मि साचक्रनापं वाधयाय मरुग ॥ धिकावजि रुन्म धिकावजि वृद्धि धकं हने अशध
ध्वमरुग ॥ गुगुलि रुलया नानं सिधरुयू उगुलि रुल जिनं याय धकं ॥ मनसलालपाडावाते ॥ ध्ववलस वं धनागवना
जानं रुलसां सिखावजि रुलडात धका वृद्धिसरूम मंशी वलसरूम मंशी निप्रं ॥ सलगाश ध्वपनिस्व प्रं वन रुदाश
नधकं ॥ धनरुव वानरुव प्रमादिनें नानाप्रकायां ससु अल जनाश ॥ महावग रुयाश वात प्र अस्वनाडगयाश महा
वगनं रुदायाय रुशनं ॥ ॥ ध्ववलस च गुलि स्थानस अति रुश मा रुयाश वात पिलागति मा रुमाना पलानं
ध्वथानस चला रुक्रना पलानं ध्वचला रुल ॥ ध्वक्रना जानं स्वयाश हना हना सनं धनरुव स वाला धूइयाश धालं अ
ध्वअपापीष्ट मृग रुगन शन रुना ॥ रुलसां धनियादिनस जि हसुस ॥ लान धकं धायाश वान पहावया नाश
रुगं ध्ववलस वान रुलसां ॥ ध्वप्रमृगयाया धसं रुकल ध्वप्रमृगनं रुलसां ॥ थश उदव स वान पहावया क गुलि वं

॥ कदा ॥

॥ १६ ॥

धनासहलपाशमृगयाप्याथसंकलं॥धनेलिमृगनंरुलसांथडाउदनस॥वानप्रहावयाकगुलिबदनासहलपाशमृ
गनंरुलसां॥नाजायारवालस्वयाशधालंहामहावाङ्॥धन्यरुलपालखडा॥रुलपालस्यनंरुलसांमहाउरुमव
नयास्वविक्रान्तहामहावाङ्॥रुलपालगथिनकधालसाचाज्ञानिचक्रातिरुयाशविक्राकक्र॥जिधालसापस्रजा
निमृगशयाशयानक्र॥हानचंमदयाशनीर्वलीरुयावानक्र॥हनेहामहावाङ्॥कवलआहावयायडा॥थूनययाय
शनिन्डाशथरुस्वमाङ्कपूर्वरुयाशयानक्र॥हामहावाङ्रुलपालधालसादेवजाग॥महाबुधिवंरुअनगधर्म
यामुधिकानरुयाशधर्मसिस्वविक्राकक्र॥हामहावाङ्रुलपालधायकाशदकोलोकस्यनं॥प्रसंसायातकाशविक्रा
कक्र॥हनेवलमइपनिस्ववलविशक्र॥अतिनेकंगालरुयाशयानपनि॥भवतगतिरुयाशविक्राकक्र॥थधिनंरुल
पालपनिस्नं॥जिधिनइर्वलीमृगजातियागथजिडाकास्यनिधाना॥हामहावाङ्जिरुलसांरुलपालयासिमा
सवीनाश॥रुलपालस्यनंविस्मययाघासमापक्र॥आहावयानाशयानाहनेमवसुनानं॥महानगुलंखमापमाना

॥ वि. चि. ॥

॥ १९ ॥

अथाता. चूलपालस्पनंविस्मगु. थथिनवनरंगनसबासयानाडावाना ॥ लामहाबाजहनंविस्मयनंधालसा. जिकला
यागर्हस. वालखदडा ॥ लामहाबाजजिजाथथमृत्कृशयिडा ॥ थगर्हसधानवालखपनिचूगतिशयिडा ॥ थप
निरु. सुनानेनकायायिडा ॥ हाहाकर्म २ हाहादेव २ हाहाकष्ट २ हाहादू. खधकं ॥ नानाप्रकाशनं विलापयानाडावा
याडा. पूनवीन ॥ नागायारवालखयाडा. थले. लामहाबाजलामाज. सतमृजिगुलिवाकचू. रुति ॥ ठस्यविकाहनथकं
थप्रमृगनंवानंवानविलापयानाडा. थलं ॥ ॥ नसिंहजातिनचव्याघ्रजातिनचू. एवं. नचसूकवाह ॥ वृकान
जाति. स्वयाकिमर्थस्वसभशरितं ॥ ॥ लामहाबाजनचूलपालयावेनीसिंहजातिजिमखू ॥ हनंव्याघ्रजा
तिजिमखू. लालंमखूहनंगु. लाजिमखू ॥ लामहाबाजवृकधायगुखिचानंजिमखू ॥ हनंपसूमखू. सूचाधुलप्रजि
मखू. थथिनदूर्वलिपसूजातिशयाडा. वानक ॥ जितकृयाकाननस. चूलपालस्पनं. जिउपनस ॥ पानप्रहानयाठं
विक्राना ॥ लामहाबाजथथिनवापावजा. चूलपालपिनिजामखू ॥ थथिनवपावजा. व्याधायथूकाहनंचाधुलधया

॥ कदा ॥

॥ १९ ॥

पनिस्पनं सत्यमभापनिस्पनं क॥ थथिन वृद्धि यायुगं लामहाना जथुगुलि वृद्धि वयालय यायुगं मडा गथमसि
याधकं धयाडा ॥ थथमृगजातिया हाखा दनाडा थवाजाने ॥ लिउगावियम रुयाडा कन माय सुमूकं चीने ॥ थनलिना
जानं रुलसां चलाया रवाल स्वयाडा आहादय कलं ॥ लामृगजाति जिस्वयेनं कन रुकय काम रवू ॥ जि रुलसां सिखा नया
यधकं शया ॥ रु रुलसां जिस्वमूरव सगल थथयस जिने कुरुल मयासां ॥ कन वीन सवाने पे हा नया नाडा कयका
लामृगगथ धालसा कावशुडा नाल वृक रुद वूडा पालला कथं रुला आडा कूयाय ॥ जिने वान रुनाडा आया वलस
कपनि जिने रवन दयक डाल ॥ थवलस जिग मूपावाध रुले थमृगजा कूयाय कन ॥ विवतयाडा कयका जामयू
धकं धयाडा ॥ थथवाजा यावा क दनाडा चलाने धालं ॥ लामहाना रु रुल पाल स्पने कू रवला सविकाना ॥ भवया स
वीन गंगा समदयकू ॥ थगं सवीनडा भवया सवीनडा उथं मरवूला ॥ इः रवधया गुलि सुखधया गु उथं मरवूला स
मरुयां उथं धेक रुल पालन गथमसिया ॥ लामहाना रु रुल पालयाला हातिने ॥ जि जिडा हवन रुल आडा भवता

॥ विवि ॥

॥ ॥

खल्लानाया चंद्रप्रयागनमदक ॥ रामहानाज्जाशुचलपालस्यनं ॥ प्रहानयास्यहयागु ॥ धृजिसुचीनसुवानवाला थूलि
लिकास्यविकारुन ॥ जिनृत्फरुशयननयानरुल्लहामहानाज्जा ॥ जिनृत्फरुशयननयानरुल्लहामहानाज्जा ॥ जिनृत्फरुशयननयानरुल्लहामहानाज्जा ॥
नंमृत्फरुशयदक ॥ धंयश्जिनृत्फरुधंयश्चलपालयाचिन्धकं ॥ रामहानाज्जा थुगुलिपुंनयारुल्लनं सदाकालनं च
लपालयामंगलशयमा जयमंगलशयमाल ॥ रामहानाज्जा जिपानमापदति नत्कावनं चलपालया वालालिकास
विकारुन धंयश्जिनृत्फरुधंयश्चलपालयाचिन्धकं ॥ धंयश्जिनृत्फरुधंयश्चलपालयाचिन्धकं ॥ धंयश्जिनृत्फरुधंयश्चलपालयाचिन्धकं ॥
कावनसु जिथनवनकदाशाल ॥ खसहायहाय गथिनपापलाग ॥ हनंकेवलपसुमापनं थथिनखल्लान ॥ धमृग
जागनंल्लोकगुखसमसुखडा ॥ आशुचलयायजिनं प्रहयानायागुलि ॥ मृगयायाथसुवानवाला जिनंलिका
याशुचलयाय जिनं प्रहानमानाशुचलयागुवाला मृगयायाथसुवानवाला ॥ जिनंलिकायाशुवियधकं मनसुखल
पाशुधमनंचलायाउदवस ॥ धानगुवाला लिकायाशुविलं ॥ ॥ थनंलिथमृगनाजानंरुकथियशंथमृग

॥ वदा ॥

॥ २० ॥

मृणालं॥थनेलिथक्रवाजानंरुलसां क्रलशयकाशानपनि॥निक्रमंशीपनिथनेहमंशीपनिददधकंआह्लाद
यकलंथनेलिमंशीपनि॥निक्रमयां क्रलनेचायाशवाशायारखानस्ययाश॥मिखायलकालयानाशविननियानंलाम
हागमृच्छूआह्लादयकंथना॥आह्लादस्यविकारूनचुलपाललिस्यशया॥वगनेजिपनितुअचाननेमायाअपनि
थमशयाश॥जिपनिनिक्रमयांअतिनिन्दाशयाशवान॥लामहावाजुअपसनशयमकउ॥आअमिजिसवाअस
लिहाविकारूनधकंधायाश॥थकमंशीपनिगुलखाढताअवाजानंआह्लादयल॥हमंशीपनिजिमनसव्याकूलश
अगुवचनचुगाढा॥गथधलसामिजिथनचानावलसचपनि॥निक्रमयां क्रलशयकाशानथवलसजकास
माअनेअतिहृदनीचलाचक्रुअयाशजिनंरुलसां॥विकानमयास्यवालोनंपहानयाना॥थवलानंरुलसामृगया
वाथसकल॥थवलसथक्रचलानंरुलानंरुलसां॥वालथवाथसथककाशमृणमशुआकापाजिक्रुअनवा
नाअअनगप्रकावनेविलापयानाशधालं॥थकलखाढताअजिमनसनशवातनेसंदहरुल॥किंचिपसुजा

॥ विचि ॥
॥ २१ ॥

निने धाका सकना ॥ सत्यने स्वडा हा मंशी मिजि सरुन्म धिका वध के धायाडा ॥ उगुलि क्रन सं सलगयाडा आडा थथ मख
न गंगम तिर्थ सडा नाडा थप्रचला स्थाना पाप दका रूग क धकं ॥ सलवग थनाडा डाने थने लि मंशी पति नि क्रं वाजाया
लिडा २ डाने थने लि वल सरुम मंशी कृ क्र वाजाड नायडाने ॥ सोमर्थ मदयाडा धाने थने लि वृद्धि सरुम ॥ नाम मंशी
ने वाजाया लिडा २ डाने शले थूगुलि प्रका वने ॥ डाडां २ कृगुलि दे धा स थने ॥ थने लि वल सरुम ॥ मंशी कृ क्र सने वा
जाया गलिला न क मरुयाडा ॥ थडा दे धा स लि हाडाने थने लि वृद्धि सरुम ॥ मंशी रुन सां वाजाया न गवाडा विन किया
नं हा म हा नाडा ॥ कुल पाल गने विफाय रुना ॥ विफाय मन्वा न हा स्वामि कुल पाले कुरुल ॥ वाजा रुयाडा म हा
वृद्धि वं रुयाडा ॥ कुल पाल स्पने ग थ म सिया ॥ हा म हा नाडा ॥ जागने या स्प विफा रुन ॥ हा प्रर म हा नाडा क वल प स
म प्र स्थानाने कुल पाल या बा कुल चि ॥ ग थ रुन ध के धायाडा थ रु वृद्धि सरुम ॥ मंशी या ला खा द नाडा ना जाने जा
हा दय कल ॥ हा मंशी प सृजा निने धाडा गुलि वचन कृगुलि दने ग थ ध क धा न सा ह म हा नाडा धकं ॥ विना स का व

॥ वदा ॥
॥ २१ ॥

नसृजिगुपानरुवनयात॥ जितं जातं नृपनाथ यानामद्वयकं भल॥ लामं गी जितं ध्व पसृजानिया वयान सहन पम
रुधक धयाता॥ ध्वनं नाजा यावचनदनाता मं गी नं धलं॥ लामहानाज आता कल पाल स्यनं कृ आसादय कृ स्यवि
काय रुता लामहानाज धर्म धयागु॥ भवयाजिडा काय पसृपं चि स्याय॥ माया वृधितय॥ सृद्रुत कं भवयावा ऊन
गव ग्राम आदिने काय॥ लाप्रहमहानाज केवल पसृद्रु क॥ स्यानाने काय साक काया विष्णाना धकं॥ मं गी नं वाध या
नाता धलं॥ ध्वनं मं गी या लाखा रुता नाता नाजानं आसादय कलं॥ हं मं गी आमरुतं धयागु लिच्छु ख॥ ध्व आत्मा धयागु लि
सकल यां उधं धू का॥ ध्व श्रीचरुलं सृद्रु शलं ध्व समस्तं तुल्य धू का॥ लामं गी नं गथमसिया धर्म विना नं नाक लामयाय
मरुद्रुधवा हानं नृप रुयाता नसा॥ रुत कं शागध नगव ग्राम आदिनं॥ काय शागध विनां नृपनाथ मदय कं॥ भवया
नरुत कं मरुता॥ हं मं गी धू कृ नृग रि सृद्रु नं मरु॥ जितं कं नृपनाथ याता कं मरु धयित कृ पसृयात॥ कावनमद
यकं रुत काता निमिर्दिनं॥ जिचि रु आकूल वा कूल शल धकं धयाता॥ ध्वनं नाजा या आग्रा रुता नाता मं गी नं धलं लामहा

॥ वि. चि. ॥
॥ २२ ॥

नाज्जिगक्रमायानां विज्ञानां डिगुलिवचनकुगुलिठस्य विज्ञायनाल ॥ गथधनसासिंघनंथक्रनाजाधकामसि
शव्याघनंथक्रनाजाधकामसिडा ॥ वनाहनंवाजाधकामसिडा ॥ गलूनंवाजाधकामसिडा ॥ महानाज्जथयाकावनस
थथिनवनांगवसचानानं ॥ थडिगगथवक्राशयिडा ॥ धनं मिजिनाक्षसलिहाविष्कारुनधकं हनं कुलपालमद
याशज्जगपूवसचानानातिआदिसल्पं ॥ विलापयानां शानधकं ॥ पूनवानमंयीतंवाजायाखालस्वयाशविनगिया
तं हामहाजाकुलपालयावलसरुम ॥ मंयीदतिमदगलागतानरव ॥ कुलपालनालताडागतानरवडा ॥ कुल
पालनाप ॥ डिचक्रकदतिकुलपालयाज्जदिकं पुमशसंचातक्र ॥ वलसरुममंयी ॥ थथिनयादितसगतान
हामहाजाज्जडा ॥ थथसकुलपालस्यनंजागधसियकाडा ॥ वियमालयकंधेयाशथनवूदिसरुम ॥ मंयीया
रवाकनाडावाजातंआहादयकला ॥ हामंयीज्जडाकुनंथकावचनसकतां ॥ जागधवडाथूकाज्जडाकुनंथकाव
लउगुलिजिनं संपूर्णयानां विषयथूकाधकं ॥ आहादयकाडावाजातंशलसां ॥ मंयीयाखसकतांसियाशथक्रना

॥ वदा ॥
॥ २२ ॥

ज्ञाथञ्चाक्रसंलिहाविक्रानं॥थनेलिदंमसचानपञ्चालोकसकल्पंमूनाञ्च॥वाञ्चायागलस्वयधकाञ्चलंथनेलिमंशी
संत्यपञ्चालोकसमस्तस्यने॥वाञ्चायादिमंशीनिर्कल्याहाविक्राकखनाञ्च॥नानापकावनेञ्चादचलावयानाञ्चथञ्च२
ज्ञाग्यप्रमाननेवाञ्चायागवेदनायास्य॥संत्यसिपाहिञ्चादिनेथिथिसमाधचयानाञ्च॥वाञ्चाञ्चलसांवाञ्चकूलसवि
क्रानकलं॥वाञ्चानेशलसांवाञ्चकूलसदूहाञ्चनञ्च॥कनमाप्रसलमंदलदयकाविक्रानं॥थनेलिसलामूनधूनका
ञ्चाञ्चनपूनीसदाहाविक्रानाञ्च॥धुतिनिपतिमतेनिर्मलखनेगुतिचायकाञ्चाहाविक्रानं॥थनेलिचतिञ्चनपति
मनेवाञ्चायागुतिनिपांलकप्रयाञ्चप्रनामयागं॥हनेस्वनागवीवानीनेशलसां॥थञ्चास्वामिवाञ्चायागुतिनिपांल
कप्रयाञ्च॥नमस्कावयायधूनकाञ्चावाञ्चायाचमस्तविक्रानाञ्च॥वसवसादिञ्चादिनेखनवसलञ्चनयागकलं
थनेलिवाञ्चानं॥लञ्चनयायधूनकाञ्चासयनागवधायकाथासा॥ञ्चानाञ्चाञ्चानन्दनेविक्रानंथनेलि॥स्वनागवीवानी
नेशलसांस्वामीमहावाञ्चायाखालस्वयाञ्चाञ्चादयकलं॥ॐ॥॥लमहावाञ्चकूलपालवनकिदाविक्रा

॥विचे॥

॥२३॥

नाथसचुतिमितिनेविलंरुल॥कलपालननाने मविशानाडा किचिरुस अतिगडा अंशालधकं विनतियागं॥थन
नानीयाविनेतिराखाठनाडा॥नाजानंशाखादयकलं हंकाक हंषिय हंफु॥आडाजिनं गुलिनखलाय हास्तीकवल
चलाचक्रसयाकोनस॥जिपतिरुतिविलंरुल ग॥थधलसा॥जिपनिवतकिदाडाताडावलस॥अकास्मापनंच
लाचक्र॥जिसनमुखसडांल॥थवलस॥जिनंगेतासमदयकं॥थक्रमुगयातवानप्रहवयास्पकाया॥थवलस॥थक्रमु
गयाथाधसकलं॥थनेथक्रमुगनंप्रानांतशयाडाधानवलस॥अनगप्रकावनंविनापयानाडा॥सगंरयाखलागंथ
क्रमुगजातियाविलापवचनननाडा॥लिउयावियमरुयाडा॥थयाकावनस॥जिचिरुआकूलव्याकूलशयाडा॥रति
विलंरुलधकंभायाडा॥थननाजायाशाखाठनाडा॥नानिनंविनतियागं॥हाप्रमहागडाथथशयूधका सगंमवनं
जिनंमसियाधकं॥थिथिनिक्रमुपूवया॥रुखरुखयावलानाडा॥थनेलिथनप्रकावनंपवस्यवधिंथिंय
लानाडा॥प्रागकालरुसंलिथवलस॥काजिमंथि॥प्रशालाकसमस्तंवाजायातविचालकसलवार्त्तायायधकं

॥वदा॥

॥२३॥

वाङ्मूलसंगलं ध्वनलसथिथिंविचालयातं॥ ॥धनंलिनाजावलहृयाडावीनक्र॥वलसक्रममंशीनंवाजाया
 कविनगियातं॥हामहावाङ्मूलनकिदाशनाथास वलपालगनविकानाजिशुलसां॥वलपाललिसेशयसामर्थमद
 माहाप्रमहावाङ्मूलगुलिपनाधक्रमायासविकायमोलधकंविनगियातं॥ध्वनलसनाजानंरुलसां वल्लिउरुना
 मविमहमूलकंविचालं॥ ॥धनंलिनाजानंरुलसां वल्लिउरुना॥धनंवलसक्रममंशीयामहालका रुचिकरशयोश
 थशकलिहाडानं धनंलिनाजानंरुलसां वल्लिउरुना॥मंशीसलताशधालं॥धनंउद्दीवसचिनाशनयावंगालि मायाडाव
 द्विसक्रममंशीयातलडाकानाशविलं॥हनंपूनवावेवाजानंआहादयकलं हावृद्धिसक्रममंशी॥शुलिपनाक्रमनंद
 यकाशनयागुलि॥हानगवशम कवलिविआदिनंवाङ्मूलदकसमलं॥धनंरुलसांरुलधकंआहादयकलं॥धनंलि
 नाजायाकविनगियातं॥हामहावाङ्मूलपालयावाधसमल॥जिनंरुलसांकावृयगुलिस॥सामर्थमदवलपालस्य
 नंक्रापाजिनगुलि॥जिनंरुलसांविद्याशनयाउलिरुजक॥जिनंकुवृयधकविनगियातं॥धनंमंशीयाहावादननाशनवाजा

॥विचि॥

॥२४॥

नंआरुदयकलं॥मंशीचनंममथधायमरुधकंआरुदयकलं॥ध्रुवाज्ञायामारुदनामंशीनंविनतियागं॥महा
वाज्ञामलिचलपालस्यनं॥आरुदयकसंलिजिनंगुलिनविनतियाय॥चलपालस्यनंआरुदयकाथं॥पायशुलधकं
धायया॥बुद्धिसरुममंशीनंदकनाक्षथयसियाना॥महाज्ञानंशनरुल॥॥ध्रुवलसंबुद्धिसरुममंशीनंशलसं
जापांमननंरालपा॥मयागुलिलूमना॥आज्ञाज्ञाजिनंधायागुलिखदुनरुशधकंरालपा॥विक्रमदरुवनियायाक
लाग॥वनियानियातपूनर्वावइरुकाया॥सलगकलरुमंथनंलिइरुपनिडाता॥समसिलानामवनियानिं सलगलं
रासत्यसिलामयश॥जिपनिसवचनरुगुलिदसदिसन॥ध्रुवालसामवनामरुग्वक्रबुद्धिसरुम॥मंशीनंजापाचि
कनयाकउरुनदयकाशमयागुदशला॥जिपनिरुलसांकिस्वनपनिसलगलशया॥मासधका॥होवनियानिंमयशध
क्रबुद्धिसरुममंशीया॥महालग्गल॥दकमंशीयास्यनेउरुमक्ररुल॥वाज्ञानंशलसांदकनाक्षया॥नायकयानाशनगवश
मआदिनं॥सत्यपज्ञालाकसमरुयांअधिकानध्रुवाज्ञल॥मयशधक्रमंशीनंकिस्वनयातपूनरुवयायज्ञाग्लव

॥वदा॥

॥२४॥

नियानिमयशथन्यादिससबुद्धिस्वनपनिमायजिउलाधकं॥मंणीनेउजनदयकाशहलधकंधायाश॥धनइकपनियारा
खाठनाशसत्यसिलानंधालहाइरुजनधप्रबुद्धिसरुममंणीजिनजागधमशुअ॥ग्वक्र२सनेननकलागशनेच्छायायि
अ॥अक्र२सनेरुकथथिनह्रियायिअ॥ग्वक्र२सनेस्वर्गशनेवांछायायि॥अक्र२सनेथथिनवांछामालेतिअहाइरुजनली
नरुलसांथअप्रनूयवाहिकनं॥मेवपुनूययार्कलाहयायमरुंअ॥हनंपुनूयनेरुलसांथअलीवाहिक॥मेवलीयोकेलाहया
यमरुंअ॥हाइरुजिरुलसांथअस्वामिनंसंसारवशअथुका॥हिरुलसांस्वामिरुकिश्याअप्रतिवृत्ताधर्मसंवाताक्रथुकाध
नंथुगुलिवृत्तिजिमतसमलाअ॥धकंधायाअइरुपनिलिरुकां॥थनेलिइरुपनिस्यनेसत्यसिलायाखाठनाअ॥हनासने
बुद्धिसरुम॥मंणीयाथसशनाअसत्यसिलानंधाकरव॥समरुंमंणीयाकनंधतपनिगुवचनठनाअ॥जुतिरुमवायाअ
धालं॥जुहाजुआर्यव्यूयाकावनसजिगुलिवचनमानयमयातधकंधायाअ॥थनेलिवृद्धिसरुममंणीनेजुतिक्राधपिक
याअ॥कातअलपनिसलमाअधालं॥कातअलजुमविक्रमदरुवनियाचिनाअहिइनिधकं॥हाक्रशानधकंजुमवनि

॥ वि वि ॥

॥ २१ ॥

यायाग ॥ कलावनंचोदालयालागिसलशकानाडाविडा ॥ विलंरुयायमरु रुडा २ धकंधयागं ॥ थनंलिमंणीयाआहाद
नाडाकागआलपनि ॥ विक्रमदरुवनिया याकसडानाडापिनंरुचोनाडासलनलं ॥ हाविक्रमदरुपनिचोदालयाहसल
लडाकानाडाकाडाधकं ॥ जिमिबुद्धिसरुममंणीनंउडनदयकाडाल ॥ आशा २ धकंधले थनंलिविमेलदरुगृहपतिनंकाग
आलयागधालं ॥ हाकागआलचूर्तिमोर्तिनंजिनस्यकगत ॥ जिनंरुअपनाधयातादडा हाहादेवगधिनआश्चर्यधकंध
लंथनंगृहपतियाहादनाडाकागआलनंथालं ॥ हागृहपतिथुगुलिप्रकावनंजिपनिस्पनंमसिया ॥ चिच्छूअपनाधद
डाख ॥ जिमिसनंमसिया हाविक्रमदरुविनाअपनाधमदयकं ॥ कायथुलिथुनधायुधन हाखादनाडा विक्रमदरुवनि
यामहाविलापयाडाधालं ॥ आडाजिनंरुयायवाजानंजिनअपनाधविलं ॥ जिनंजानाडाहाहायानाडाचूंमरवनाआडाअनेग
प्रकावनंरवलायाचूंप्रयाजनमदरु ॥ आडाधजिडायामायामेदरुजिनंअपनाधयागसां ॥ अपनाधमयागसांरुस्वनसादि
धकंधविलापयागं ॥ थनंलिकागआलनंथालं हाविक्रमदरुआडाविलंरुयानायाचूंप्रयाजनमदरु ॥ नूया २ धकंधडानाडापिनंरुहलं

॥ व दा ॥

॥ २१ ॥

थने धकातगालपनि सनं ॥ वां दालपनि सलगां क्रातगानागलडा क्रातनागल विलं ॥ ० ॥ थने लिध क्रविक्रमद रुवनिया
दसया बाहिन स ॥ यनागल कुनं प्रहावयानागल स्याकल शलं ॥ धवल स ॥ धक्रवनियाया क्रस ॥ धान क्रस स्या सिलानाम कुनं श
लसां थगल स्वामि विक्रमद रुवनिया मृत्पुश्ल धागु ॥ वार्त्तननागल बोधशयागल हने थगल थिथि ॥ वंधूपनि सकं ठन शलं थने
लिथगल थिथि ॥ मृत्पुश्ल मृत्पुश्ल पनि सनं धालं ॥ हा स्या सिला निधयनं च न स्वामि मृत्पुश्ल खडा धकं ॥ विक्रमद रुवनियाया
वृत्ता कल खस मरु कनं ॥ धक्र खठनागल स्या सिलाने धालं हा हा कल जि स्वामि मृत्पुश्ल हने जि स्वामि नं चू अपवाधया तच्छ
दा हयागल ॥ चूनि मिर्त्तनं जि स्वामि मृत्पुश्ल कल जिने जा ॥ स्वामि नं दा हया क गुच्छं मखना धकं धयागल ॥ निर्धान पागु मरु कं चीना
गवानं ॥ धवल स ॥ स्या सिलानं शलसां अपवाधक गुलि सियागल धालं ॥ अहा जि स्वामि मृत्पुश्ल गुलि निमिर्त्त कानन जिने सि
यक धून ॥ नागाया दा खनं मख ॥ स्या दा खनं मख ॥ धवृद्धि सक्त स मं गी या खलनं थका ॥ जि स्वामि मृत्पुश्ल कल आगल जिने गुलि दा
खला यधकं ॥ नाना प्रकार नं विलापयानागल चीन ॥ धवल स ॥ थगल थिथि ॥ मृत्पुश्ल मृत्पुश्ल यागल विचाल यागल ॥ हा स्या सिला

॥ विचि ॥

॥ २३ ॥

मयशु अशाग्र अपना भमदयकं दाख मदयकं ॥ विक्रमदरुचू निमिर्हितं रूककल ॥ हाय हाय देव श्रवकं विचालयानं
थ्वनं सपसिलानं रुलसा ॥ रुया थ्विर्जयानां थअनूगल स हिहिलनकाडा कायूनाडा ॥ थअथिथि रूकमिग्रप
नि सकनने ला रुकय ला ग्वस्ति रुन पतिश्राडा रिग थरुयूडा ॥ जिनं रुलसां सहगमिनी शयाडा ॥ आयधका धयाकया
दडाधकं धाल ॥ वस्ति पतिमनं रुलसां सपसिला यारवठनाडा धालं ॥ ला सपसिला रुनं स्वामिशताप सहगमिनी
आनधकं प्रतिल्ला यानाडा कयादकसानं ॥ गथअनं ग्वप्रचं दालयाला हागिनं ॥ मृग्यरुडा प्रताप सहगमिनी आनडा
ग्वमरुडा गथअनं ला सपसिला आनमरु थ्वरु ग्वस्ति यावनठनाडा ॥ अनगप्रकावनं विलापयानाडा खालं ॥ गुगुलि
प्रकावनं विलापयाक धालसा ॥ थअला हागनि पानं थअरुदयसा ॥ दासं ला हागियानं थअसा ॥ चचपूयाडा धालं हनं ला
हागनि पानं ॥ अंग सदायाडा धालं हनं ॥ हाहा स्वामिश्रवक हां थपूडा सिमा ग्वरुडा थ्वं स्वामिस ग्वदा ॥ गुलाडा धालं ॥
थनं लि ग्वति बोधव रुन पतिमनं ॥ थ्वप्र सपसिलानं विलापयाक गु ॥ स्वयमरुयाडा समरुप्रकावनं ॥ बाधयानं ला स

॥ वदा ॥

॥ २३ ॥

स्यात्सिलाधकं आश्रयं याय विलापयानां लिहाश्रयुतामबुद्धरव्यमन॥ धिर्ज्ञश्चकं वाधविद्याश्रुतं लं॥ स्यात्सिलाधकं
 स्वायमनधकं धिर्ज्ञं विलं॥ धनं लिख्युक्त्यादिनश्रुति॥ स्यात्सिलानं श्रुतं सां॥ स्यात्सिलाधकं॥ च्या॥ ५॥ स्वतंत्रं चानां मि॥ ६॥
 स्यात्सिलानां पि॥ ७॥ वानां॥ लू॥ सि॥ धनका॥ श॥ पु॥ द्र॥ कर्म॥ सम॥ सं॥ प्रा॥ य॥ चि॥ लू॥ रु॥ ना॥ श॥॥ ध॥ श॥ स्वा॥ मि॥ या॥ ना॥ म॥ न॥ च॥ ना॥ श॥ वा॥ न॥ श्रु॥ तं॥
 धनं लि॥ क्रि॥ क्रि॥ चि॥ या॥ दि॥ न॥ श॥ ना॥ श॥॥ स्व॥ ला॥ द॥ या॥ श॥ अ॥ न॥ ध॥ न॥ लि॥ स॥ य॥ सि॥ ला॥ न॥ श्रु॥ तं॥ सां॥॥ स्था॥ पि॥ त॥ रु॥ क॥ स॥ ल॥ ना॥ श॥ ध॥ श॥ स्वा॥ मि॥ वि॥
 क्र॥ म॥ द॥ रु॥ या॥ ना॥ म॥ न॥॥ का॥ ष्ट॥ प्र॥ ति॥ मा॥ द॥ य॥ का॥ श॥ स्था॥ पि॥ त॥ या॥ हु॥ श॥ न॥ ध॥ लं॥॥ हा॥ स्था॥ पि॥ त॥ अ॥ म॥ रु॥ न॥ द॥ य॥ का॥ गु॥ लि॥ प्र॥ ति॥ मा॥ श॥ ना॥
 श॥ स॥ म॥ सा॥ न॥ स॥ म॥ य॥ य॥ श॥ ध॥ कं॥ ध॥ या॥ श॥॥ ध॥ न॥ स॥ य॥ सि॥ ला॥ या॥ व॥ च॥ न॥ रु॥ ना॥ श॥॥ ध॥ क॥ स्था॥ पि॥ त॥ न॥ श्रु॥ तं॥ सां॥ धू॥ गु॥ लि॥ सि॥ या॥ प्र॥ ति॥ मा॥
 श॥ ना॥ श॥॥ स॥ म॥ सा॥ न॥ या॥ द॥ धू॥ स॥ न॥ या॥ श॥ लि॥ हा॥ श॥ या॥ श॥॥ स॥ य॥ सि॥ ला॥ या॥ ध॥ स॥ ध॥ लं॥ हा॥ स॥ य॥ सि॥ ला॥॥ कि॥ स्क॥ व॥ या॥ उ॥ रु॥ न॥ धं॥ स॥ म॥
 सा॥ न॥ या॥ द॥ धू॥ स॥ न॥ या॥ श॥ अ॥ य॥ धू॥ न॥ ध॥ कं॥ ध॥ या॥ श॥॥ ध॥ न॥ स्था॥ पि॥ त॥ या॥ ला॥ खा॥ रु॥ ना॥ श॥॥ स॥ य॥ सि॥ ला॥ मू॥ नि॥ व॥ स॥ ना॥ या॥ श॥॥ सि॥ य॥ क॥ स्था॥
 पि॥ त॥ या॥ न॥ आ॥ द॥ न॥ ला॥ व॥ न॥ या॥ श॥ व॥ रु॥ आ॥ दि॥ प्र॥ सा॥ द॥ वि॥ या॥ श॥ रु॥ नं॥॥ ध॥ न॥ लि॥ स॥ य॥ सि॥ ला॥ या॥ म॥ न॥ स॥॥ अ॥ ति॥ ह॥ र्ध॥ मा॥ न॥ या॥ ना॥ श॥

॥ वि. वि. ॥

॥ २१ ॥

क्ता पाया वृद्धि सुसुम मंथितं लज्जक ह गुखल मना ॥ थश सखि सलगा ॥ थलं ॥ हा सखि का पाख क गुलि सम रुच
ने सि ॥ थका ॥ हा चोति थ क वृद्धि सुसुम मंथी सलगा हति ॥ जिने एति ना प ला य ध कं धा या ॥ थ ह स ख सिला या व च न ठ
ना ॥ मन सज्जी ह र्य मान या ना ॥ थ क ला ति नी न रु ल सां मंथी या क उ ना ॥ स ख सिला नं ला का ख स मे लं वि न ति या
मं थ नं लि थ क ला ति नी या वि ना त ठ ना ॥ वृद्धि सुसुम मंथी ह त नं कं किला ॥ क्ता पा या क थ ल म न का ॥ थलं ॥ हा चोति क
जि म्मा ॥ थ य म र वृत्ति ह नि सं धा स म य स ॥ थ य ॥ थ प नि ॥ थ ना ॥ थ ह नि थ कं धा या ॥ थ क ला ति नी लि हा ॥ थलं थ नं
लि मंथी नं रु ल सां संधा स म य श या ॥ स ख सिला या थ स ॥ थ नं थ कं थ नं ॥ थ नं लि स ख सिला या क स ॥ थ ना ॥ मंथी नं
रु ल सां स ख सिला या र व ल ख या ॥ मन सज्जी ह र्य मान या ना ॥ थलं ॥ हा स ख सिला च नं चू चू वां चू रु ल ॥ उ गु लि
धा ॥ थ कं धा या ॥ थ मंथी या ला र वा ठ ना ॥ स ख सिला या र व ल ॥ प ल खान हा ल थं च त क त का ॥ मंथी या र व ल ख
या ॥ थलं ॥ हा मंथी ॥ जि उप न स क मा या य माल चि स् क प नि स नं ॥ उ रु न द य का गु ख स म लं ल म ना थ का ॥ हा मंथी जि गु लि

॥ व. द. ॥

॥ २१ ॥

कार्यचुलिभिर्भयकाशविशायमालधकंधालं। धनसम्यसिलायाहास्वाहनाशमंयीनंधालं॥ हास्यसिलाचनंचूका
यायमालचनंचूचूवांकायाना॥ चनंचूदयकंकायानाला बुदयकंकायानाला॥ तिसाशसदयकंकायाना
लाचनंगुगुलिङ्काशुलउगुलिजिनंयाताशविष॥ धकंधायाशधनमंयीयावचनठनाश सत्यसिलानंधालं॥ हा मं
यीसमंशनेजिनंरुनधकंधायाश॥ धनंलिमंयीनंधालंहासत्यसिला सत्यशनेचनंगुगुलिधलउगुलिजिनंसंपूर्कया
नाशविषधकं॥ प्रिथिवीसमआपसत्यमृत्तिमरुधकं॥ स्वयलसत्ययाताशधलंधवलससत्यसिलानंधालं हा मंयी
जिनंविनक्तियायकस्यविशारुनि॥ भवतामरुहामंयीजिस्वामिदिकमदरुवनियानं॥ चूपनाधयातविनांमूपनाधम
दयकं भवगाजिशाकायदडाला॥ हा मंयीमूपनाधदगतांभवयाजिशाकायमद॥ आशजिस्वामिधलसामृत्यरुलमाश
जियकांनंरुलकूयायहामंयी॥ जिरुलंस्त्रीधर्मसचानाशाना॥ स्त्रीधर्मयाकथावतांनठनाशतया हा मंयी॥ स्त्रीधर्मका
यागुलि सुखलायदेयिशा स्त्रीधर्मसचानाकयातनाकपतिस्पनं॥ पसंसायायूशहनेग्वरुलुनपनि सुखरुशग्व

॥वि.वि॥
॥२२॥

कसयांइः खशश थहसखधयागुलिधर्मशपापधयागुलिस्त्रीजनयाशकंशयिडां॥हामंतीनूपधयागुजनूपधया
गुलिशूलसांस्त्रीजनयाकंथूका॥हनंलागधधयागुशूलसां स्त्रीजनयाथूका॥हनंकूलनक्रायायूक्रंमिजनकूलनास
यायूक्रंमिजनथूका॥हनंविसेयनं वांजनयास्त्रीयाकंजायास्त्रीजनयाकं॥स्त्रीधर्मदयिडामरवृहामंतीथहनंध
र्ममधासंपलि॥हीनकूलसृजन्मशयाशकानेशयाश॥खूलशयाशधूसिशयाशगलदयाशरुमशयूश॥हामहामं
तीथहनंकिस्करनस्यनं॥गधमसियाधकं हामहानाज॥थहयाकावमसचिस्करनयावचनमनना॥हामंमिथू
गुलिश्रुयनाधकमायानाविकायमाल॥हामंतीकिस्करनपनिस्ननंभवयाकमायानयमरुडा॥भवयास्त्रीजनया
कलाहयायमरुडा॥थयापापमहाअधावथूका॥हामंतीथपृथिवीसबूबिससुममंतीधकधायकाशचातमन
गधमसिया॥हामंतीथूगुलिकार्ययातसा नवकलागयायत॥चूंसेदहमम्वालहामंतीथूगुलिकार्यसकमाया
यमाल॥हामंतीकिगुलिकर्यकगुलिसिधयकाशविडा॥धूधकधालसाभवतामरवृहामंती॥शिशूलसांजिस्वामी

॥वदा॥
॥२२॥

शसं सर्ग रुल ॥ जिस हग भिनि डाने थ या क गु लिसा मां गी माल ॥ उलित सं पूर्ण याना अ विय माल ॥ डि पू नू ख या प्र ति
मा द य का ड ॥ स्म सान स न य धू न विले र या य म न ड अ ध कं धा या ड चाने ॥ ॥ धने लि स न्य सी लाने ॥ ख ला क गु
द ना ड ॥ महा अ नू न आ ध्या र्प चा या ड ॥ लि ड ग वि य सा म र्थ म द या ड ॥ थ ड कू सू मू कं लि हाने ॥ धने लि स न्य सी ला
स ह ग भ मि नि डाने न ध का ॥ वारु या ना ड थ ड थि थि स्त्री न स म र्कं किलि किला य मान नं हा ला ड डाले ॥ धने लि ग्व
ष्टि बा ध व ड न प नि स नं ॥ गु लित सा मां गी माल उलित ॥ न या न या ना ड द क ड न स क ल्य ॥ हा हा का व नं र वा य का ड थ
कू स न्य सी ला स ह ग भ मि नि डाने रु ल ॥ ० ॥ धने लि स ह ग भ मि नी धन का ड स म सान या म ध म स ॥ थ ड स्वामि या प्र
ति मा सि या द डाने ना पे चा ना ड ॥ माल कू आ सि र्वा द वि या ड थ व ल स ॥ ग्व ष्टि प नि स नं अ ग्नि सं स्का न या ना ड ॥ मा
ल का क र्म आ दिं स क तां या नं ॥ थ न धू न का ड ग्व ष्टि प नि ल्या हा ड या ड ॥ मान गु षु द क र्म या नं ॥ ॥ धने लि वू
जि स लू म मं गि नं रु ल सां ॥ थ ड कू स वी ना ड अ प मान या ना ड ॥ मन स लू ल पा ड चाने ग ध धाल सा जि नू न रु या यां

वि. चि. ॥
॥ २५ ॥

धिकाव. जिनं शाग्धमशुगुलिका र्गया तथ कं. एव क. स. ग्य सीलानं क्ता कारव. समरुं स. ग्य नं खडा. जिनं चू. कावनं.
मयकं. स. ग्य सीलाया पुनू. ब. स्या कल. आ. ड. कू. याय. त. ड. वो. नं पापनं क. न. ध. कं मन स. लाल पा. ड. चीनं. ध. व. ल. स.
बंध नागव. ना. ज्ञानं रु. ल. सां. स. ग्य सीला स. ति. ड. न. ध. ड. गु. समा. ची. व. द. ना. ड. बु. दि. स. रु. म. मं. पी. या. न. द. न. र्क. या. ड. स.
न. क. ल. र्क. गं. ध. व. ल. स. मं. पी. ड. या. ड. ना. ज्ञानं आ. ह्मा. द. य. क. लं. हा. मं. पि. वि. कु. म. द. रु. व. ति. या. या. क. ला. न. या. गु. र. व. रु. म.
रुं. जि. न. क. नं. मा. ल. ध. व. ति. या. या. न. वि. तां. अ. प. ना. ध. म. द. य. कं. जि. ड. का. ल. व. क. ला. क. प. नि. स. नं. ध. या. ड. रु. ल. ध. या.
का. व. न. ग. ध. र. व. ड. ध. कं. आ. ह्मा. द. य. क. स. लि. मं. पी. नं. रु. ल. सां. ना. ज्ञा. या. र. वा. ल. स. व. या. ड. वि. म. ति. या. नं. हा. म. हा. ना. ड. जि. नू.
रु. नी. रु. या. ड. मि. सा. रु. क. या. नि. मि. र्दि. नं. जि. नं. अ. प. ना. ध. म. द. य. कं. स. म. रु. र. व. न. तां. न. र. व. वि. न. ति. या. ना. ड. स. मू. कं. ची. नं.
ध. नं. लि. ना. ज्ञानं आ. ह्मा. द. य. क. लं. हा. मं. पि. रु. रु. लं. म. हा. पा. पा. रु. मा. र. व. ड. जि. रु. लं. म. हा. पा. पा. रु. मा. र. व. न. हा. मं. पी. आ. नं.
प. न. पु. नू. य. या. जि. ड. का. या. या. पा. प. ध. या. ना. नं. मा. च. क. न. ना. जि. नं. नृ. ग. या. जि. ड. का. या. या. पा. प. ग. ध. या. ना. नं. रु. न. कं. ध. कं.

वदा ॥
॥ २६ ॥

आह्लादयकलं॥ धर्मनाजायाचा ह्लादनाश मंथीनें धालं॥ लामहानाज धन्य २ कुलपाल थनियादिनस॥ कुलपाल
यावचेन अमृतश समानरुल॥ कुलपाल स्पनं आह्लादयकागु समरुं॥ सतमवनें खडा थुका लामहानाज॥ मि
त्रिनि क्रया रुत्त दश थुका॥ त्रिनं कथं दस विष्ठा रुत गथ धालसा॥ लामहानाज गृधकूत धाया पर्वतस हि कू संघ
पनि स्पनं आह्लादयकागु॥ पुन्ययासु वीनरु स्प विष्ठा कक्र॥ संसावया इ खरुत श विष्ठा कक्र॥ श्री ३ भा क म
निरुगवान विष्ठा क थुका॥ गथिन क्ररुगवान धालसा क वृत्त लाश या अ विष्ठा कक्र॥ क्रमा धा वी रुया विष्ठा कक्र
थ धिन क्ररुगवान या थस॥ सवनत श नाश मित्रि स्पनं या ना॥ पाप या कथ समरुं विन गियाय॥ लामहानाज धकं
धाया अ॥ धर्म मंथी या ह्लादनाश॥ नाजानं आह्लादयकलं॥ लामंथी धन्य धन्य च नं धा या थ या य धकं॥ समरुया
नाश॥ नाजा मंथी निरुं स यां थि थि सा ह्ति या नाश॥ गृधकूत पर्वतस शन धका शनं॥ धर्म प्रका वनें श अंगुलि
थास॥ श्री भा क म निरुगवान विष्ठा नाश चीन थास॥ धन कल शनं॥ धर्म लस निरु स्पनं ला हा ग हा शा रु ल पा श ख

॥ वि. वि. ॥
॥ ३० ॥

चाकपदकिनायानायानाडाचवनकमलसंलोकपूयाडा ॥ श्री ३३ गदीधन ॥ क मूनियारबालसुखाडाविनतियां
हरगवान् हगुन हनाथजिमिउपवस ॥ कनूलाकपागयाडाउदानयासुविकायमाल ॥ हरगवान् जिपनिरु
लसांमहापापनं ॥ किनकाडाचाना हसुगमधपापसमस्तंरुनकया निमिर्तितं ॥ धर्मयाकथागुलिठन
॥ च्याशयाडा ॥ लपालपालसुनं पुसनशयाडा ॥ धर्मयाहाहाकथाउपदेस ॥ विमविकायमालधकंविन
तियानाडा ॥ धनवाजामंथीनिकसयाविनतिठनाडा ॥ श्री ३० ॥ क मूनिरगवाननंरुलसां ॥ आह्लादयकलं हनप
हमहावाजाचनंरुनन्य ॥ च्याशला ॥ सुंदरशुलउगुलिधडाधकंआह्लाविलं ॥ धनआह्लाठनाडावाजानं
प्रार्थनातं ॥ हरगवान् हआह्लाहजगजुव ॥ नमविकाहूनजिमिचिरुआकूलव्याकूलशडागुकथासमस्तंविन
तियाथ ॥ हआह्लाह हरगवान्जिशुलसांरुगुलिजुवसवनकिहोडावावलसआकासमणनंमृगयुक्तडा

॥ कदा ॥
॥ ३० ॥

लध्वलसुधमृगस्वयां गंगासमयास्यजितं स्रक्पञ्चानां गच्छाया ॥ धूगुलिभवनंचलायाद्याथसकल
ध्वलसुधमृगमृत्पश्याद्वाभूतगपकावनं विलापयानां अस्त्ययास्वज्ञान ॥ ध्वलसुधजितं कुलिउरुना
वियमरुया ॥ ध्वलसुधजितं सुश्रुतिकूलशला ॥ हरगवान्ध्वपसूमाय धातकथानायानागुलि ॥ पापदुःखकं
धीयां ध्वलस्वदना ॥ श्रीशंभुमूर्तिरुगवान् आस्तादयकलं ॥ रामहानां हिंसाकर्मयास्वदत्तमगं हिंसा
यानाया ॥ वधिभवतां च मद्रुधकं ॥ आस्तादयकलं ॥ मंथनं रुलं साविनतिया ॥ हरगवान्जितं व्याकूल
धूगुलिदुःखजितं विमतियाथ ॥ दमविश्राद्धं न हरगवान्भवतामखू ॥ धूगुलिदिनसुखिदायायकावन
सुधजितं द्रुगच्छाया ॥ लीच्छकसलगां स्वज्ञाना ॥ ध्वलानिवाचस्ववानसन्मस्वज्ञानाध्वकस्तीधावमश्या
अजितनस ॥ मृत्पककाधश्या ॥ ध्वलसुधजितं लालपाआथध्वमखूनाधकं ॥ ध्वकस्तीयाहर्लस्याकं
धकअपनाधमदयकं ॥ चांशलयारुस्तलडां ज्ञानां गच्छाया ॥ ध्वलयायधूसंलिध्वकस्तीजनयानकापायाथ

॥ वि. चि. ॥

॥ ३१ ॥

इह कायाशूलनकथाया ॥ अथ नमः शिवाय ॥ शिधमनंशानां ॥ अनेगप्रकायारवक्रानाधवलस ॥ अक्रुन्तंशुलसांशु
नगप्रकाशनं ॥ अलुयारवकतधवलस ॥ कितं उरुनावियमरु ॥ अथ नयाकाननं ॥ शिचि ॥ व्याकुलशुलहलगवान्म
नूययाशिशकायायागुलितपापदश ॥ अथ पापयारवसमस्त ॥ आह्लादयकस्यवीकाइनेधकंधाया ॥ श्री ॥ हलगवानेन
शुलसां आह्लादयकलं ॥ हं मंशी अमहिंसादि रवक्रायमहं ॥ अमहिंसादि रवक्रनाया ॥ अथ पापयारवसमस्त ॥ अथ पापयारवसमस्त
इह नं हं महाबाहू हं मंशी ॥ कितं उरुनावियमरु ॥ अथ नयाकाननं ॥ शिचि ॥ व्याकुलशुलहलगवान्म
हं महाबाहू अथवाविचालदश ॥ अथ धालसापनलाकस ॥ अथ नयाकाननं ॥ अथ पापयारवसमस्त ॥ अथ पापयारवसमस्त
धालं पनलाकसविचालयायुधकं ॥ आह्लादयकलधन ॥ आह्लादयकलधन ॥ नाशानं विमलियातं ॥ हं मूतस्ववआह्ला
दयकस्यविशायमालधकंधायाश ॥ अथ नयाकाननं ॥ शिचि ॥ व्याकुलशुलहलगवान्म
नगप्रकाशनं ॥ अलुयारवकतधवलस ॥ कितं उरुनावियमरु ॥ अथ नयाकाननं ॥ शिचि ॥ व्याकुलशुलहलगवान्म

॥ वदा ॥

॥ ३१ ॥

हृदयकस्य विष्णुनमः कंधायाः ॥ १ ॥ खड्गनाशः ॥ श्री ३ ॥ रगवानंशुलसंज्ञा हृदयकलं ॥ हं महाबाहु मंथी ॥ ४ ॥ थ
शं वीर्यं लसोत्पथुका ॥ हनंथः ॥ खड्गः ॥ भवया ॥ खड्गः ॥ लस्यथुका ॥ हनंथः ॥ खड्गः ॥ भवया ॥ खड्गः ॥ लस्यथुका ॥
हं महाबाहु चानेधालसा ॥ पापपुंन्यविसृजने ॥ वृत्ति संसावज्जन्मरुपा ॥ चतुर्गतिमदूनाशो न हं महाबाहु
हनं कनकनादः ॥ संन्यासिवां कुरु स्याताया पाप जिनिदतिनिमलति ॥ ५ ॥ श्री स्याताया पापजिदं माचनरुयू ॥
स्य बाहु कयाताया पापचादनं कालगयि ॥ शुद्धस्याताया पाप ॥ वृद्धनं कालगयि ॥ हं महाबाहु सर्वशत्रुनाशः ॥ ६ ॥
मृगशं वसुधा ॥ सिंहः ॥ क्रुपि ॥ ७ ॥ थुका हं महाबाहु ॥ भवप्रानियादि ॥ कायाया पापहिंदि ॥ खड्गः ॥ हं बाहु
नृधकंधायाः ॥ ८ ॥ थुका खड्गनाशः ॥ मंथी निमलस्य ॥ ९ ॥ श्री ३ ॥ मूनेधवया हृदनाशः ॥ रघालखिडंका ॥ १० ॥
नर्वा नवाज्ञानं विनतिया ॥ ११ ॥ रगवानं किंचिन्पहमा ॥ स्याताया पाप ॥ कुरु कुरु निमिर्न ॥ १२ ॥ लपालस्यनं ॥
उपदस्य विष्णुमा लधकं विनतिया ॥ १३ ॥ थुका विनतिदनाशः ॥ श्री ३ ॥ मूनिनं ॥ हृदयकलं ॥ हं महाबाहु ॥

रुल गुगुलि प्रकाननं विष्णु धालसा ॥ अस्वैरि क्रुगन पनि सनं लिग काश ॥ हनं आवक गन दव गन नाग गन यक्र ग
न गन्धर्व गन दैत्य गन गदूज गन किंनर गन महावग आदिनं ॥ समस्त लोक स्यंतं आद च लाव याग ॥ पूजा मां न्ययात
काश विष्णु ॥ ॥ धवल स क पून वति ध्याता म दंश क गुलि द संधान ॥ धदंश गथिन गुधाल सा मिं पूजा रुन ह
मी क नाशवान ॥ हनं दूश व्याश उद्दिश याश चान ॥ पकं लाश चान हनं धदंश यापित ॥ क्रु सव परवाल नं उय काश गया द
श ध परवाल या क क स ॥ क्रु स गु खाल नं उय काश गया दश ॥ हनं नाना प्रकार या चं प क ब्र केनं उलाश चान ॥ नाना प्रकार
या गु विनं उलाश चान ॥ हनं धदंश स अस्वैर पंदि रुन साधु रुन वसु ल पाश चान ॥ अप स वा लोक याग व्या म या
श चान ली रुन पनि वसु ल पाश चान ॥ थथिन दंश स प म के तु वा जानं ॥ चाक्र व रुथिया नाश विष्णु क ॥ ध क्र प म के तु
वा जा या पूय विमल क गुता म रु व चा रुनं संश क रु याश चान ॥ हनं ध क्र प म के तु वा जा या कलात ॥ नि क्र वानी द संधा
न सु सु धाल सा प इ म ति वानि सु लोच नि वानि ध म ति क्रु ली द संधान ॥ थथ चान था स ॥ प इ म ति देवी नानि सु लोच नि

॥ वि. चि. ॥
॥ ३३ ॥

द्वीवानीगधिधिविवाधश्लं॥गधधलसापइमगियाधलसापुग्रुववाइसंवात॥सुलानीयाधलसापमसंद
नीचिग्रमाहिनीनामपुगीचक्रदसंवात॥हनेधक्रवाजायाग्यानकसविनाममंगीचक्रदसंवात॥धपविवावत
संशकयानाग॥धक्रपप्रकगुवाजानेआनेदसुखलकमानयानागचानेश्लं॥धनेलिचक्रयादिनसधक्रवा
जायानिचक्रस्त्रीसुलावनिनामवानिनंश्लं॥धअवाजायारवालस्वयाउविनगियागं॥हास्वामिमहावाजजिगु
लिविनगिचगुलिचसविकाहन॥हास्वामिमहावाजचक्रधलजितआधवमवताचनमइ॥पुग्रजिमइलगंधि
मइ॥पुग्रिमाग्रदयागचानकंपयाजनमइ॥हास्वामिग्वक्रपइमगियाधानसशववोइपुग्रदयागचानधवा
कविषयसमसंपइमगियाधसिहयिगं॥महावाजजिनंरुयारुयाध॥कार्ययागसावर्थश्लधकंधायागध
नसुलावनिनागरवाठनाग॥वाजानेआसुदयफलंहंकारंहसुलावनी॥कनेअमलितस्वककानकायागधयमन
जिगुलिवाजलक्रिदकसमसंचनंअधिकावधूका॥मवयामखूधूकाहंस्निहवतिजिअतिमननयाक्र॥मक्रमइ

॥ वद ॥
॥ ३३ ॥

चन्द्रकेशूकाहतासचायमनधकंधायाडा ॥ स्वामिमहानाजायाआह्लादनाडा ॥ सुलावनीवानीनंधलं ॥ एप्रमहाना
जयलपालस्यनं ॥ जिनाकनंमननाकयाप्रधकाआह्लादयकल ॥ सत्यनंखडालाधकंधलं ॥ धनेलिवाजानंआह्लादय
कलं हपीयहलीनिधयनेचुविनानं ॥ सहवतिगयाभवमइधकंधायाडा ॥ स्वामियालाखादनाडाह्रीनंधलं ॥ एम
हानाजामलित ॥ चूलपालस्यनं ॥ जिउपनसमननालावरस्यलि ॥ जिगुलिफाचुगुयास्यविकायमालधकं ॥ धायाडा
॥ स्वलाखादनाडा ॥ वाजानंआह्लादयकलं ॥ एप्रियहलीचुनेचुवांकाशल ॥ उगुलिजिनंपूर्ध्यानाडाविश ॥ धायाधकंधा
याडा ॥ स्वलाखादनाडा ॥ ह्रीनंधलं ॥ एप्रमहानाजजिनंधायागुलिसत्यनंयायखडाला ॥ यायहलसासमयास्यविका
हनधकंधायाडा ॥ स्ववानीयालाखादनाडा ॥ वाजानंआह्लादयकलं ॥ हपीयसुलावनीसत्यनंचुनेधायगुलिकेयजिनंया
यधकंधायाडा ॥ धूमिवाजायाआह्लादनाडा ॥ सुलावनीयामनस ॥ हर्वमानयानाडा ॥ वाजायादबालस्ययाडा ॥ विनमितानं
॥ स्वामिमवताकार्यचूनमखूधूका ॥ चूलपालयाप्रसादनंधननंसंपूर्णशडा ॥ वस्त्रादिअलंकाननंसंशुकरशयाडा ॥ चान

॥ वि. नि. ॥
॥ ३४ ॥

रामनाथचलपालयावाङ्मविखयस गुलिअमनगनदयाअचान॥ थुगुलिनाकसमसुं मासला लच्छिगथवाङ्म
 याअधिकावजितविस्यविज्ञायमाल॥ लच्छिगयाजिगुलिवचन प्रमानयातकाअविमविकायमालधकं दिनगिया
 गं थुगिसुवाचनयाविनतिठनाअ॥ नाजानंमाहादयकलं हकांनहप्रियकनंभायागुलिप्रमान॥ वचनयायथुका
 लाप्रियमासलच्छिगधालसाकनंयूयायण्ठ्याशुलधक॥ उगुलियाअलच्छिगधालसाकनंअधिवरुलधकंनि
 क्रुणीपूवुवया॥ धिधिसंवादयानाअचानं थनंलिसंवादयानाचाचांउखनूयाथीसूर्यअरुशयादिनअने॥ ॥
 थनंलिसीखरु॥ श्रीसूर्यउदयशसंलिहलोचनीनंस्वामिआअकलयापूय॥ शनवाङ्मचाचान्दालयातलडाका
 नाअस्यातकलकायमालहाप्रह॥ धनयानाअजिपूमीचिगुमाहिनीयात॥ विवाहानयानाअधवाङ्मसमसुं॥ शिक्का
 चयातसिवयवियमाल॥ लास्वामिविलंरयायमग॥ शिक्कलपालयाअतिमनतातयाअरवत्सा॥ गत्काननंथनकार्य
 यास्यविज्ञायमालधकंभायाअ॥ धनसुवावेनीयालखादनाअ॥ नाजानंरुलसानमावूभानमाधर्माय॥ नमासंघायधकं

॥ वद ॥
॥ ३४ ॥

प्रिनल्लयानामकयाश। लाहाकनिपानं क्रसपनसतिनाश लीयाखालस्वयाश आहादयकलं। हसूवाचनीदेवीआम
कनंरुवज्जाता॥ धधिनअशग्वचनः ज्ञायमरुधकं आहादयकलं॥ धननाजायावचनठनाश हसूवाचनीदेवीयामनस
अत्यंरुधाधयानाशधलं॥ हाहनाकवहावाजन् आमकलपालस्यनंरु आहादयका॥ आशकलपालयावचनप्रमान
यायमरुध कलपालपिसं॥ जिनअधिकानवियधुं कल आशजिरुसिहल। जिययाथयायहास्वामिकलपालयासं
दशासा॥ जिगुलिवचनप्रमानयाय सत्यमदनसा। जिनंरु यायधकं धायाश धनहसूवाचनीयां धाधवचनठनाशनाजा
नं आहादयकलं॥ हाहसूवाचनीदेवी सत्यनं धनजसमसं कनंरु अधिकानशल॥ धगुलिकार्यरुगा जकयायमरुधकं
धायाश धनरुवठनाश हसूवाचनीनेधालं॥ हास्वामिकलपालस्यनं जिहूशनवानाश॥ सत्यनंरु नंयाकासिधकं आहाद
सविज्ञान आशजिरुसिमरुलाधकं धायाश॥ धनहावाठनाश वाजानंधालं॥ हलीहसूवाचनीदेवी सत्यनंरु ननवच
नप्रमानयाय धकार्यरुगायायमरुधकं धायाश॥ धनहावाठनाश हसूवाचनीनेधालं॥ हनजन् कलपालस्यनं जिहूशन

॥ विचि ॥
॥ ३१ ॥

न सत्यप्रतिष्ठाया यधूनकलश्राशवाशधिनशयाश सत्यगथरूतककना लामहावाश ॥ धृतिवीशलं सननं थूका
स्तीवशलं हनंममवावतिशलसां सत्यनं थूकास्तीवशल ॥ हनंल श्रीशलं सत्यनं थूकास्तीवशल ॥ धननं वाशश
याश गथसुतं रूतककना ॥ लामहावाशकलपालस्यनं सनप्रतिष्ठाया नागुलि ॥ खनसां जिनंधया थया नाविका
रुनिच्छलपालस्यनं ॥ जिनंधया थया यमरुसां जिनंधया ॥ थशसवीनधमनं घाममानाश ॥ मृत्कश्यनलधकंधया
अथनं जूवाचायाखठनाश ॥ वाशानंधालं हप्रिय हलीच्छनं थूगुलिकार्य ॥ कनायायमनं पदं दुच्छनं क्काचयानवि
वाहावयानाश ॥ धसमलं वाशदकां वियाश ॥ आदवलावयानाश नयधकंधयाश ॥ धनस्वामिया लाखाठनाश सूवा
चनियामनसं जूयंनकांधशयाश मंगीतेनाशयाचवनसं लाकपूयाश ॥ हनंमहानियागुतितियां संलाकपूयान
मस्कावयानाश विनतियां ॥ लामहावाशकलपालस्यनं च आह्लादयकस्यविकायनना ॥ आह्लादयकस्यविकाह
निधकंधयाश ॥ वाशानंशलसां आह्लादयकलं लामंगीसूवनीदेवीयाकठशधकंधयाश ॥ धनखठनाश पूनवीनवा

॥ वदा ॥
॥ ३१ ॥

नीयाकविनितियातं॥हमहावानीकलपालस्यनेकूआह्लादसविकायतना॥धकंधायाअथरुविनतिदनाअमहावानी
नेआह्लादयकलं॥हमंयीकनंदडा॥महावाजानंशलसांक्रिदकनाकयाअधिकान॥विस्पतअगुलिकनंगभमसिया
धकंधालंमहावानीयाह्लादनाधालं॥हमहावानीमहावाजानंदकनाकसमकं॥कलपालयागअधिकान॥विडागुस
मकंक्रिनंसियधून॥आअकलपालस्यनेगुगुलिप्रकावने॥आह्लादयकलउगुलिप्रकावने॥क्रियनिसनेप्रमानया
यआअकलपालयाकूकार्ययायमाल॥उगुलिआह्लादसविकायमालधकंधायाअथरुमंयीयाखदनाअवानी
नेधालं॥हमंयीमनामखूपइमनियापुप्रविमलकगु॥शववाजचोदालयाह्लादसलअज्ञानाअ॥स्याककयाअअि
पूयीचिप्रमाहिनियाग॥धदकनाकसमकंवियमाल॥हमंयीधरुकार्यविलेहयायमरुधकंधायाअथरुमहावा
नीयाआह्लादनाअ॥पानकसुवीमंयीनेविनतियातं॥हमहावानीपुगुलिकार्यजाक्रिनंमसिया॥महावाजायाकविन
तियायधकंधायाअथनेलिमंयीनेशलसांवाजायाखालस्वयाअविनतियातं॥हमहावाजकलपालयाखदनाग॥ग

॥ विचि ॥
॥ ३३ ॥

थगथखडा॥ थगुलिहल्लो॥ जिनेमसियाधकंधायाडा॥ थगमेरीयाखदनाडावाजानेशलसा॥ मिखासखवीयापलयाना
डा महाविलापयानाडा॥ सलेखाखापुनकाडा॥ मेरीयाखालखयाडा॥ आखादयकलं॥ हा मेरीआडागथयायमालजिदत
नेचक्रपूगशवनाडा॥ थगपूरीचिपमाहिनियाग॥ थवाकसमलं॥ वियाडा॥ नयधकंधाल॥ हा मेरीथथमयागसा
जिगुलिसनीलपागयायधकंधाल॥ हा मेरीआडा॥ थक्रशवनाडा॥ घाककमयाकंगुल्ल॥ गथउपाय॥ यायमालधकंधा
याडा॥ थगनाजाया॥ विलापवचनदनाडा॥ मेरीनेचल्लिसल॥ उपावियमरुयाडा॥ डातंथवलस॥ थक्रविलकंगुनामेश
वनाडा॥ नेशलसा॥ थगुलिबाल्लसियाडा॥ थगमागा॥ पदमतिदवीयाथासडा॥ नाडा॥ मामयाखालखयाडा॥ धालं॥ हा मागा
जिगुलिविमतिचुगुलिठस्यविकारुन॥ च्छालसा॥ चमाशसूनीचनीने॥ जिगघागयानाडा॥ कहचिपमाहिनियागथ
नाकयाजुधिपतियानाडा॥ यानाडा॥ वियधकंधाल॥ थगुलिखसमलं॥ जिनेदनाडा॥ डाधुन॥ धकंधायाडा॥ थक्रपूगशवनाडा
याखदनाडा॥ मागापदमतिनेशलसा॥ नडा॥ चाननेविलापयानाडा॥ काययाखालखयाडा॥ धालं॥ हापूगशवनाडा॥ हा

॥ वदा ॥
॥ ३३ ॥

हागथीनविपनिनरुयिडा आगथयायमाल रुधिनक्रप्रमपूज ॥ मदयकाडा थजिडागथस्त्रीवशयिडा जिच्छूगति
रुयिडा आडाजिगतगतनचान्य ॥ हाहादेव २ गधिनसाक्रियाययडा ॥ थधिनविपनिनजाग्ववसेठन्यमनना ॥ ग्वव
लसेस्वयंमनना ॥ थथशडाधकाजिनंदनावलस क्रगससंमखना ॥ हाप्रमपूज हाहाकल २ रुनेच्छूपबाधयाना
नयादडा जिनच्छूपबाधयानानयादडा ॥ रुहुरुच्छूकावनस रुनगुजिडाकायननधकं ॥ नानाप्रकावनेरवयाडावि
लापयागे ॥ थवलस थक्रशववाजनंमामनेतडाचातनं ॥ विलापयाकगुलिस्वयाडा ॥ थक्रशववाजनंमिरासपिच
लनेरुनकाडा ॥ रवविधीवा २ हायकाडा स्ववरवारवागुनकाडा ॥ थडाहृदयसृज्जतिविलापयानाडा ॥ हनेथमथथम
नेधीरुयानाडा ॥ मामयारवालस्वयाडाधालं ॥ लामातालामाताखायमरुविलापयायंमरु ॥ उपबाधमदयकंजिगुलि
पानकायधालसाथकाडा ॥ आशमिजिसुविलापयानाया ॥ रुप्रयाजनमदहालामाता ॥ हाममधकंमामयानधीर्यवि
याडावानवलस ॥ सुवावनीचानीनेइगपनिच्छूयाडा ॥ सुलनकहलं थवलसइगपनिस्यनेधालं ॥ हाशववाजच्छू

॥ वि. ची. ॥
॥ ३१ ॥

लषालयाचमाशसुवाचनीमहानानीनं॥ कलपालथथंविफायमालधकं॥ आह्लादयकाशहलविकाहमनयाधकं
धयाश॥ थनइमपनिहयाराखाठनाश॥ शवनाशनंआह्लादयकलंहाइमजिचमाशनं॥ आह्लादयकाशहलधकं
धयाश॥ हताश्सनरुकडुडाचानागुलासानंदनाश॥ इमपनिहनापंडानं॥ पूनवीनधकशवनाशयाखालचतनका
श॥ थशवोवचमाश॥ मंगीस्वक्रचानगुलिथासथनकलशनं॥ शनाशवोवयाखालस्वतंगुगुलिप्रकावतंचानधलसा
थशवोवमहावाशायाखालजुतिस्विडाकचान॥ मंगियाखालदिनमूरवशयाशचान॥ चमाशयाखालकाधमूरवश
याशचान॥ स्वक्रसयाथधिनरखालस्वयाश॥ थशववुयागुतिनिपासं॥ लोकपूयाश॥ हनंचमाशलाचनीदेवीयागुतिनि
पासंनमस्कवयानाश॥ थिथिंविचालयाकं॥ थवलसशवनाशवावकनं॥ थशववुनायाचवनकमलसं॥ लोकपूयाश
नं॥ थवलस॥ महावाशायाहृदयस॥ जूयंनविलापशयाश॥ चूनं॥ यमरुयाशचान॥ थवलस॥ हलोचनिचा
नीनं॥ शलसो॥ नाजायाखालस्वयाश॥ हाउकमिखाकनाश॥ आकूचिनाश॥ महारयानकमूर्त्तियानाश॥ गडासव्य

॥ व. हा. ॥
॥ ३१ ॥

नंधालं हं नागनूकलपालयास्य ॥ इत्तामइलास्य दडासा जिनेधयाथयाडा ॥ धकंधयाडाथ नलीयाग्रहकावस
दठनाडा थवेलसमहागायाह दयस ॥ साकव्या फमानशयाडा मिरवासुखाविष्वायलशयाडा ॥ स्ववजकखा
खातुनकाडा ॥ थडापुपशवनाजयाखालस्ययाडा सुलाचनीनानियाकविततियागे ॥ ॥ रामहावानीकमायास्य
विकायमाल कलपालस्यनंथुगुलिकार्यकगायास्यविकायमगे ॥ रामहादेवीथनेमवतादेभधालसां ग्रामध
लसां ॥ सलकिसेधालसां हनेपागपमववव लुधालसां ॥ वकुतिसा तीलहीलजुलेकाव ॥ नानापकावयोदवव
लुकधालसां ॥ कलपालयागुगुलिमालउगुलिकास्यविकाहन ॥ थुगुलिकार्यकगाशकयास्यविकायमगे ॥ धक
धयाडाथ नल्लानकसनी ॥ मंशीयाखालनाडासुलाचनीदेवीयाग्रतिकोधशयाडाधालं ॥ ववचोदालमंशीकनं
खलानाथनाकयाखसिचनला ॥ कमहाचगुनशगरवलाकडाल ॥ थवाकयाग्रधिकावजिमखलाशिययाथया
यथक्रयागजुवस्यनंघागकयायधकंधालं ॥ थनेलिमंशीनेकूंनंधायमरुयाडासुनकंधानं ॥ ॥ थनेलिनाजानं

॥ वि. वि. ॥
॥ ३५ ॥

लपलं हा हा गथित आ श्रुय श्रुय यथा ॥ आश्रित च या य दत्तने पूष च ॥ ध पूष रुव वा रु धल सा जिघ्रान श्रुमान
श्रुया श्रुति स्त्र ह श्रुया श्रुति न क्र ॥ थथिन बाल व पूष घात क या काश ॥ बाल क ह थ ग थ का य अ थ वा हने पूष घात
क म या य धल सा जिगुलिस र्ग थ रूत क ॥ हने र्ग ह थ ग थ का य आश्रित ने ग थ या य माल ध कं ॥ म हा म्र दाल या
नाश ॥ हा हा का न क्र या श्रुति विलाप यातं ॥ ॥ थने लि रुव वा रुतं थ श्रुति व व हा हा का न क्र या श्रुति ॥ विलाप या क गुलि स्व
याश्रुति ॥ रुव वा रुत या म न स र्ग ल प लं आश्रित ने च या य ॥ आश्रित ने व व स र्ग रूत क म रू ॥ स र्ग पूष य या नाश्रुति विय
इ रुव श्रुया श्रुति न गुलि अ न्द व चि र्ग या न ॥ अ न्द ल म श्रुय कं ॥ हने च मा रु ली च नी या म न स र्ग य या ॥ हने जि वी व
ने जिगुलिस र्ग या य ध क आ ल म द य क श्रुति ॥ हने मं गी नं रु ल सां हने मं गी नं रु ल सां जिगुलि जी व का य म रू ॥ आश्रित क
व व या मा या स्त्र ह द न सा र्ग प्र या रु न म द न ॥ आश्रित थ म रू न चा गु ल या ला ह गि नं जा ॥ का य थ जि व रूत क थ
म थ थ म नं थ प्रान त्या ग या य ध कं म न स र्ग ल पाश्रुति ॥ थ क्र बाल क रुव वा रुत रु ल सां अ र्ग रुत श्रुया श्रुति न रु व रु का

॥ वदा ॥
॥ ३५ ॥

याशथमथथमनेंभक्तुनंप्रहावयानाशमृत्पुल्लं॥ ॥थवलसमहावाज्ञानेशुल्लं॥थशपुत्रशवनाजवालकनं
थशतथमनेंभक्तुनंप्रहावयानाशमृत्पुल्लं॥थशपुत्रशवनाजवालकनं॥थशिवीसुल्लं॥थशपुत्रशवनाजवालकनं॥थशिवीसुल्लं॥
सुनीमंश्रीनंभक्तुनंप्रहावयानाशमृत्पुल्लं॥थशपुत्रशवनाजवालकनं॥थशिवीसुल्लं॥थशपुत्रशवनाजवालकनं॥थशिवीसुल्लं॥
वर्मायानाशमृत्पुल्लं॥थशपुत्रशवनाजवालकनं॥थशिवीसुल्लं॥थशपुत्रशवनाजवालकनं॥थशिवीसुल्लं॥
नशिवीसुल्लं॥थशपुत्रशवनाजवालकनं॥थशिवीसुल्लं॥थशपुत्रशवनाजवालकनं॥थशिवीसुल्लं॥
शगुल्लिखयाश॥थशपुत्रशवनाजवालकनं॥थशिवीसुल्लं॥थशपुत्रशवनाजवालकनं॥थशिवीसुल्लं॥
शनिमंभक्तुनंप्रहावयानाशमृत्पुल्लं॥थशपुत्रशवनाजवालकनं॥थशिवीसुल्लं॥थशपुत्रशवनाजवालकनं॥थशिवीसुल्लं॥
मगिनानीनंमहाविलापयाकगुपुलिषकावनेविलाप॥थशपुत्रशवनाजवालकनं॥थशिवीसुल्लं॥थशपुत्रशवनाजवालकनं॥थशिवीसुल्लं॥
ह्रीवशयि॥थशपुत्रशवनाजवालकनं॥थशिवीसुल्लं॥थशपुत्रशवनाजवालकनं॥थशिवीसुल्लं॥

॥ विचि ॥
॥ ३९ ॥

लगाशं च यकातनंगनअना ॥ हा हा इरु २ धकं मृत्पुश्याडा चानकपूयामृगकः सवीन घसघसपूनाडा ॥ नानाप्र
कावनं विलाययानाडा रवालं ॥ थस्ययाडा पूनसवानपनि समस्तपनिस्यनं महाविलापयानं ॥ ग्वकस्यनं हा पूय २
धकं रवालं ॥ ग्वकस्यनं हा प्रान हा प्रानध के ग्वकं थशाला हा गनं थशकपाल सदायाडा रवालं ॥ ग्वकं थशसथम
नं चन २ पूयाडा रवालं ॥ ग्वकं हा थना गुलि सिमाल दवल थ ॥ पृथिवी सलाक सूनाडा विलापयानं ग्वकं मृत्पुश्या
डा मृगक वनाडा रवालं ॥ ग्वकं रुवनाडा मृगक सवीन ॥ थशामूद सगयाडा रवालं ॥ ग्वकं रुवनाया मृ
सथडा रवालं लाक सूनाडा रवालं ॥ ग्वकं रुवनाडा मृगक याला हा निपां थशतूगल सगयाडा रवालं ॥ ग्वकस्यनं
हा पूय २ धकं वृद्धयाना मक याडा विलापयानं ॥ ग्वकस्यनं तिव २ धकं महादेव याना मयाडा रवालं ॥ हनं ग्वकस्यनं
नावायन २ धकं नामक याडा विलापयानं ॥ थनं प्रकावनं विलापयानाडा ॥ थशपूयया सवीन थशामूद सदि का
डा रवालयाडा चानं ॥ ॥ थकपदमति देवी मृत्पुश्याडा चानं ॥ कनमाग्रनं चन दयाडा ॥ हनं तथा गनं याना मसू

॥ वदा ॥
॥ ३९ ॥

मननायानाशखालं। हतथागतधुगुलीसमयसुजिगनक्रायायूक्तभवसुमंद हतथागतजिगनक्रायादंप्रसून
रस्यविकायमालधकं विलापयानाशचानं॥ ० ॥ धवलसुजवनधायामहाविहानसुविकाकक्र॥ श्री३०॥ क
मुनिरुगवाननंशलसां॥ धक्रपदमतिवानीविलापयाकगुलिसुदठनं॥ धुगुलिसुदठनाश॥ श्री३०॥ कमुनीग
थागतनंशलसां॥ दिव्यचक्रनंस्वयाशविकानं॥ धवलसुपदमतिनिनंगशचानं विलापयाकगुलिनंमुखा
शयाशंगुलिस्वयाश॥ जूतिकनूनाचायाश॥ धक्रयाउमानयायमालधकं॥ धक्रश्री३०॥ कमुनिरुगवाननंशलसां
थशसुवीवनं॥ भाक्रदायकनामगर्हस्त्रीमालाधाय॥ पंचवस्त्रियागंजपिनकयाश॥ दसदिगंस्वयकलका
धक्रदसदितास्वयकाश॥ हनंकर्पूववतिनामनगवसु॥ सकहनंस्वयकलकां॥ धक्रसकहनंस्वयकधूनका
श॥ धक्रशवनाश॥ यशशथासुस्वयकलकां॥ धवलसुधगर्हस्त्रीमालायागंजयाप्रणवनं॥ स्वानयाविमान
स्वगुलिउत्पत्तिशयाशाल॥ धवलसुचाक्रवाधिसुविकानाश॥ पदमनीवानीशविमलकपुशवना

॥वि.चि॥

॥४०॥

जडा नि क्रमाचां थुलिपूष्याविमानसगयाडा ॥ जडाचागनं आदवरावयानाडा च्याक्रवाधिसुत्वपति ॥ च्याक्रनसुवि
क्रानाडा ॥ आकासमार्गसु थनयनाडा पुविनाहवनस थनयनरुल ॥ ॥ धवलसकासपनामलिकुनंशीगा
कमूनीरगवानयारबालसुयाडा विमनियानं ॥ हरगवानहगुनू अशमार्थ्यकुरुतुचूकावनरुलपालस
नंगरुलीमालागजपिकासुविक्राना ॥ धयानिमिर्दिष्टिपनिरुआह्लादयकसुविक्रायमाल ॥ धकंविमनियाना
डा ॥ धमकासुपलिकुयाविमनिठनाडा ॥ श्री३०॥ कमूनीरगवानंरुलसांआह्लादयकसुविक्रागं ॥ हकासुप
लिकुधगर्लुलीमालायागजपिकायागुयानिमिरु ॥ रुनंमसियालाहाकासुप ॥ धयानिमिरु रुनगकनंद
डाधकं ॥ गधधलसाकर्पूववतिधायानगवसुहवनोकचपप्रकुरुनामनाज्ञाया ॥ निरुलीदयाडाचानधुली
पनिधिधिकलहशयाडा ॥ चिकिधिकरुलीनंरुलसां ॥ रुहक्रयालीपुशुशवनाज्ञविमलकुरुमानययगधा
गनायाग ॥ धसुयाडाशुवनाज्ञवालकयामामपइमनिवातीनंरुलसां ॥ नामापवनविलापयानाडा रुववाडाचा

॥व.दा॥

॥४०॥

नं हनं महादेव आदिनं भूतगद्गतायानामकथा आख्याया विनापयानं ॥ हनं वावं वावजिगुलिनामकथा आधिनाप
यानं ॥ कास्यपः धनप्रकाशनं विनापयाकगुलि ॥ जिनं स्वया आध आह दयनं सह याय मरु या आ ॥ ध्यायानं जिनं स्व
यक काया धकं ॥ आह दय कलं धनं लि कास्यपहिकुनं विनतियातं ॥ हलगवानं हजगठवन ॥ ध्या आसन सवि
काना आ ॥ समरुति सविका कधकं ॥ धनं २ कलं पालरवडा धकं ॥ कास्यपहिकुनं प्रसेतायानं धवल सः सुगुत धान
कधर्मा कवद वपूयनं रुलसा ॥ कास्यपहिकुयारवान स्वया आधन ॥ कास्यपहिकु विन शीष्क मूनि हगवानं न
दुवाहा दयकस्य विका कधकं ध्याया आ ॥ धनं देव पूयया ताठना आ ॥ कास्यपहिकु विन नं धालं हद वपूय ॥ धनं
भाके मूनी हगवानं रुलसा ॥ भूतगधर्म या भूधिका न रुया आधिका क ॥ महादेवा दश समरु प्रानी या उपवस
भूतिक वृत्ता दश धनं शी हगवान या गुन या संव्या प्रसारव ॥ सुनानं गवक्रस्य नं काय मरु धकं ध्याया आ ॥ धनं रव
ठना आ देव पूयनं धालं ॥ हकास्यपहिकु धनं शी हगवान या गुन या ॥ महिमा कित उपदं सविय माल धकं ध्याया आ

॥विचि॥

॥४९॥

कास्पपहिकृतं धालं ॥ हा देव पूष भवनामख कर्पू नवीति न गवस ॥ पमकं गुवाजाया कनकरा रार्थानं ॥ इमेति रु
याडा मनस पापतयाडा ॥ हि पायानाडा नयाक्र ॥ इ सु रार्थी या पूष रु ववाजया ॥ अक्र इमेति नानि न घातक
यान् अथ वलसु अक्र रु ववाजया माम ॥ नडा चानने विलापयानं हने मृग क रु याडा चीतक्र पूषया सवीन थडा म
द स रु याडा ॥ नथ ग रु या नाम का याडा ॥ हने न थ ग रु या दिं मृग ग देव देव ना या नाम क याडा विलापयानं ॥ थ
अ विलापयानं सो ॥ अक्र या न सुताने उध वया क मइ ॥ अ वलसु थो ॥ क मूनि लगवाने रु ल सां ॥ अक्र या
न नडा चानने इः ख रु डा गुलि ॥ सह या य म रु याडा ॥ मृगं क नू ल चा याडा ॥ थडा सवीनने न रु पि का याडा द
॥ दि ग रु व न संखय क धून काडा ॥ थू गू ली न ग व स न रु नं खय काडा ॥ हने रु ववाज मृग रु डा थ स ॥ मामडा
पूषडा निक्र या नं थू गू लि न रु खय काडा चानं ॥ अ वलसु अक्र रु या प्रला वने ॥ स्वा न या विमान ख रु उ स्य लि
यानाडा ॥ अ मृग क पूषडा थ या माम नि क्रं ॥ थू गु विमान ख रु स रु याडा ॥ मा क्र मार्ग का क रु ला हा ध मा क व देव पू

॥व.दा॥

॥४९॥

इ श्रीगथागतयानामसूक्तं यानायापुन्यनं॥ यथिनगुमाकपदविलासकंधायाः॥ यथकास्यपहिक्रयालखा
दनाडा दवपुननं धालं लाकास्यपहिक्र॥ यथक्रीरुगवानधं न्य २ खडा यथकपनमव्यवयान पुसंसायायशोम
लखुविन कर्पूववगिधया दं हगनखडा॥ जतवनम हाविहावसविकाकक्रनं॥ कर्पूववति नगवस विलाप
पाकगुसब्द गथाल गथसिल॥ यनचा नाडा नूनचा न कया न गथ उधवयान लाकास्यपश्रीगथागतयाचवि
गुजिनं मसिया गथखडा धकंधायाडा॥ यथखडा नाडा कास्यपखुविननंधालं॥ हं दव पुननथागतयाचविप्रयाखगु
लिनलाय॥ यथक्रीरुवखुलं पंचाहिरुधायपदार्थ गथपंक्रिजाआकासवासुशुशं वासुशुयखडा॥ हनं
धडापूर्वजन्मयाखसमस्तं लूमनकाडाविकाक॥ हनंलकच्छिजाजनखवनस पर्वतनकिनाडाचानं किनाडाचानवखु
का॥ हुडानचानथखनाडाविकाक॥ हनंलकच्छिजाजनपाक हाडागुलिगुलिसब्द॥ यथाकसपनयाकास हाडाथं
नायाडाविकाक॥ हनंभवयानूगलसचानखान सियाडाविकाकक्र॥ हनंअगिकवूभात्माशयाडाविकाकक्र हनंभव

पुत्रशुभवाङ्गयागुनलमनकाशखलानाशवानं॥**ध**वलसुसुवाचनीनानीयारखालचनकनकाशमहाहर्षमानं॥**मू**
हनेक्रिलाश॥**थ**शस्वामिमहानाजायाथशाल॥**ध**थयमशयाशस्वामियाचननकमलसंहाकपूयाश॥**स्व**ामिया
खालस्वयाशविमलियातं॥**हा**स्वामिमहानाजानाशथनियादिनसमिति॥**क**लपालयासत्यनामस्तीजिहलहास्वा
मिआशजिपूयीचिगमाहिनियात॥**वि**वाहयानाशविशहनेधनाकदकसमसं॥**अ**धिकानयानाशविशविलेहा
स्यविकायमग॥**हा**स्वामिमहानाजजिगुलिकार्यनं॥**क**लपालयाकार्यहालपाश॥**या**स्यविकायमालधकंधयाश
थशआशुमसंवातशल॥ ० ॥**थ**नेलिनाजामेंनीनिकसयाथिथिसाहृतियातं॥**थ**नेलिमेंनीनंधलंहामहाना
जाआशमिजिसुनंक्रयायमाल॥**ध**क्रदर्मनीस्तीजातियातस्यायमजिडा॥**हा**महानाज॥**ध**क्रदर्मतिवानिनंगथ
धालअथसहधर्मयास्यविकाहनेधकंधयाश॥**ध**कमेंनीयाहाखादनाशवाजानेशलसांआहादयकलंरुमें
नीआशथथमरवृत्त॥**क**शजिडायकांरुयाश॥**ख**चहृतिहायहामेंनीगथधालहा॥**ध**क्रपापात्मादर्मतिसुवाच

॥ विचि ॥

॥ ४३ ॥

नीनं जिगथथिगुआकलव्याकलचिरुयाग ॥ हनं जिप्रमखनं समस्तपञ्चायानदः खविल ॥ धनं हं मं गी धम इमेति
स्तीनं जिगथथिगुआकलव्याकलचिरुयाग ॥ हनं जिप्रमखनं समस्तपञ्चायानदः खविल ॥ धनं हं मं गी धम इमेति
भायाडा ॥ धनं वाजायागुआकलव्याकलचिरुयाग ॥ हनं जिप्रमखनं समस्तपञ्चायानदः खविल ॥ धनं हं मं गी धम इमेति
कं वाजामं गी निमं सया ॥ धिथिसमस्तपञ्चायानदः खविल ॥ धनं हं मं गी धम इमेति
गुलिरुसामागीमाले ॥ उलिरुसमस्तपञ्चायानदः खविल ॥ धनं हं मं गी धम इमेति
सामागीनयावयानं ॥ धनं लिवाजानं रुलसाथडापूगीचिप्रमाहिनीयान ॥ विवाहयानाडाविले ॥ ३० ॥ धनं हं मं गी धम इमेति
सूलाचनीदेवीमूसूरुनं किलाडा ॥ महाहर्षमानयानाडा ॥ वाजायागुआकलव्याकलचिरुयाग ॥ हनं जिप्रमखनं समस्तपञ्चायानदः खविल ॥ धनं हं मं गी धम इमेति
धनं रुलपालधनं प्रकावनं आदवरावयानाडा ॥ जिष्काचयानविवाहयानाडाविकान ॥ जिष्कागमितिपप्रश्नानंद
रुलधकंधायाडा ॥ धनं स्तीयागुआकलव्याकलचिरुयाग ॥ हनं जिप्रमखनं समस्तपञ्चायानदः खविल ॥ धनं हं मं गी धम इमेति

॥ व. हा ॥

॥ ४३ ॥

नं जिनेंधायागुलिवचनरुहितिनिशला॥ धजिनेंधायागुलिवचनलंघनायायमइ॥ हनेविलंततंयायमइ॥ हनेविप्र
यायमइ॥ धधं सिधयकंमालधकंमालदयकाडा॥ धनवाजयाजालदनाडा॥ हलाचनीनोनीनेंधालं॥ हासामिम
हावाज॥ कलपालधंन्य२खशकलपालस्यनं॥ गुगुलिजालदयकाडा॥ उगुलिजिनेनिधयनेयायशक्त॥ कलपाल
स्यनं॥ संदं॥ हकास्यविकायमकंधकंधायाडा॥ धनराखदनाडा॥ महावाजनंमालदयकलं॥ हासी॥ हलाचनिस्यनं
खशलाधकं॥ धनराखदनाडा॥ नानिनेंधालं॥ हासामिमहावाज॥ स्य२नं॥ कलपालयाजाललंघनायायमखूध
कंधालं॥ धनेतिनाजनं॥ कलसां॥ धलिधयाडा॥ मूकविकानं॥ ॥ धनेतिनाजनं॥ रुनसोमंशी॥ सलनाडा॥ धालं
हामं॥ जिधयागुलिकायं॥ गुलियायि॥ शलाधकंधालं॥ धवलसं॥ मंशीने॥ विततियातं॥ हा॥ महावाज॥ कलपालस्य
ने॥ कजालदयकं॥ यना॥ जालदमकस्यविकारुनधकंधायाडा॥ वाजनं॥ जदयकस्यविकानं॥ हं॥ मंशी॥ भवनामखूजि
मनसं॥ जालि॥ धा॥ यं॥ रुल॥ गधधाल॥ हा॥ पू॥ य॥ रुववाज॥ डा॥ धा॥ मा॥ प॥ इ॥ मति॥ नानी॥ डा॥ नि॥ मं॥ ॥ पू॥ ध॥ वि॥ मान॥ स॥ ची॥ ना॥ डा॥ रु॥ गं॥

॥ विचि ॥

॥ ४४ ॥

लाकथाहाशनधक समरुं पुजा लाकपनि स्यनं धयाडाशुल ॥ धरु सत्यने रवशला महामुद्रम ॥ स्या प्रतावने धुस्वर्ग
लाकशन हने मरुधडा पूर्वजन्मया पुंनया छलने रुकं रुलला हने मरु सुं वक्रं देव लोकपनि स्यनं रुकड धनया
मला ॥ गथ्य रवडा धकं धयाडा ॥ धरु रवठनाडा मंगीने नाजाया रवाल स्वयाडा धाल ॥ हो महावाजा धुगुलिति मृद्रुजिने म
सिया हो महावाजा ॥ जन लोकपनि स्यनं धयाडा ॥ रुडा गुलि किने दना धकं धयाडा ॥ बाजा मंगीति क्रं स्या समं धवशा
नाडा चीने ॥ ॥ धवल सज्जनवन महाविहा वसवान क्र ॥ धर्मा कन देव पूजने रुलता ॥ कास्य पहि कया वचने ॥ सत्यने
रवशला मरुला धयाका नन स ॥ ॥ रुकवन महाविहा वसुं पिहाडायाडा ॥ कपूववतिन गन सडा नधकं था तथा संवा स
यानाडा डां लक्रि दयाडा डानं धने लिथ क्र देव पूज कपूववतिन गन संधनं ॥ धवल सज्जन लोकपनि स्या कं ठना
डा ना रुकल सडा नं ॥ धने लिथ क्र देव पूजने रुलसां ॥ नाजाडा मंगीडा नि क्र धिथिं रवला नाडा चीन ॥ धुगुलि रवने धव
ल स देव पूजने विचालयातं ॥ हो महावाजा मंगल रुय माल धकं आ सीवी द रुयाडा चीन ॥ धने लिवा जानं रुलसां देव

॥ वदा ॥

॥ ४४ ॥

पूयपारवालस्वयां आस्तादयकलं ॥ हा पूवचुगनें याचूकानन मयायाचुनें जातूधकंठसंलि ॥ देवपूयने
धालं ॥ हा महाजमेवतामखुकिशुलसो ॥ अतवनधमहावसुवा मयानां वातक्रधर्माकननामदेवपूयजिथका
हामहावाज ॥ किमनसुचगुलिहृदुश्यां थनयाधकंधायां थननेखठनां वाजानं आस्तादयकलं ॥ हा देव
पूयचुहृदुशुला ॥ चूआधर्माशुलधकं ॥ किमध्याधकंधायां थनखवाजाया आस्तादनां देवपूयने धालं ॥ हा
हानाजचुलपालयापूयशुवनां मृदुशुलधकंधां गुलिखठनां याधकं ॥ हा महावाजपूनवावहनेथुगु
लीनगवसुगर्हलीमालायाकननंप्रकाशश्यां थालधकं ॥ हा महावाजपूनवावहनेथुगुलिनगवसुथुगुगर्ह
लीमालायाकननंप्रकाशश्यां गुलिठनाखठनां धकंधायां ॥ थनदेवपूयपारखठनां वाजानं आस्तादय
कलं ॥ हा देवपूयजिनं अहृनचायां मंथीनापरवक्रानां वातचुहृदुशुलशुला ॥ गुगुहृदुशुलधखसुजिनं
मसियाधकंधायां ॥ थननेदेवपूयने धालं ॥ हा महावाज ॥ थनप्रकाशश्यां थालगुलिमवदेवतायापराव

॥ विवि ॥

॥ ४५ ॥

रुद्रासुखप्रदावश्लेषं ॥ श्रीरुद्रगवानयाप्रदावधुकाधकंधायाः ॥ धनरुद्रनाडानाज्ञानं आरुद्रदयकलं ॥ रादं व
पूयधमृद्रुद्रागुलि ॥ रवसमस्तं जितकठमालधकंधायाः ॥ धननाज्ञायाखदनाडादवपूयनं धालं ॥ रामहाना
रुद्राधकंधं ॥ गथधालसाचुवपाजयागार्थानि क्रदसंचान ॥ धपनिधिधिं विनाधशयाः ॥ चलापालयागार्था
पइमतिदेवीयाधं रुद्रमृद्राक्रचलपालयापूयशुवनाज्ञनं धमथधमनं प्रानत्यागयाग ॥ धवलसधप्रशुवना
शयामामनं धुगुलिवालीरुद्रनाडाहतासचायाः ॥ धापूययामृद्रकसनीनद्यसपूनाडा ॥ तथागतयानामकायाः
विलापयातं ॥ धवलसश्रीरुद्राधमृद्रुद्रगवानने ॥ धविनासवृतायाः ॥ अतिकनूधानयाः ॥ भवयादुःखसह
यायमरुयाः ॥ धासनीनेरुद्रपिकायाः ॥ रवयकलहलं ॥ धनं रुद्राप्रदावने पूयविमानउत्सं हिशयाः ॥ धवि
मानसचलपालयापूयडाचलपालयासु ॥ पइमतिनानिडा ॥ निमृद्रयाः ॥ चाक्रवाधिसत्त्वसहितयोनाडा ॥ भाद्र
मार्गस्यनरुद्र ॥ रामहाना ॥ भवदेवतायाप्रदावने उद्रावशुद्रासुखधकंधं ॥ धयिनक्रकनूना ॥ श्रीरुद्राधमृद्रुद्रगवा

॥ वदा ॥

॥ ४५ ॥

नं ध्वनगनसदयिडा मरुतामहाबाज॥ धधिनकनुमात्मायीरुगवानंशुलसां॥ अतिद्वरुयाडाचातहनंशुल
वनमहानसविशकथुका॥ गवक्ररुगवानयागदर्शनयानायापुन्यंयाखा॥ गुलितलायधकंधयाडा॥ धनद
वपुण्यालखाठनाडाबाजानंधालं॥ हादवपुण्जुहाआध्यायंयवक्रथीरुगवानधयाक्रदवताजितंमसिया
धंय२धक्ररुगवानधधिनकनुमात्माशुडाक्र॥ भवदवतादयिडा मरु॥ हिपुण्जुववाजधक्रयामामनिक्र
संमाक्रपदलोतधकं॥ धंय२धक्रथीरुगवानयागप्रसंसायायशागधधकंधयाडा॥ धनवाजायालखाठनाडा
दवपुण्जुनंधालं॥ हा महाबाजगीगथागतधवाहिकक्रपात्माभवदयिडा मरु॥ गधधालसाथडाआत्माडाभव
याआत्माडाउधधकं॥ हनंभवयाइःखथडाइःखडाउधधकंरुलपूक्र॥ हनंथडाइःखसहयायमरुडाभव
याइःखसहयायमरुडाक्र॥ हनंपिपिलिकाआदिनेप्राणीजनया॥ हिंसा मयाकक्रहनेदवतापनिस्थनंपू
जायानाडाकयाक्र॥ धधिनक्रगथागतयागुनेयामहिमा॥ गुलितलायधकंधयाडाधनखठनाडाधालं

॥ वि. वि. ॥

॥ ४३ ॥

हादेवपूज ॥ धन्यस्त्वया माता जिवाधशयधन ॥ हादेवपूजकनंभया गुलिवचनदनाडा ॥ जितेध्वप्ररगवानयगुदगी
नयायगुलिस ॥ ॐ नमो हने क्रि प्रभावापूजायायवां नमो हने हादेवपूज ॥ आडाग थयाय शतवनमहावधन
सा गापा नाडा शान ॥ श्री ॥ क मूनि रगवानतथनविकायिलाधकं धयाडा ॥ थ नरवठ नाडा देवपूज नं धले हा महाना
जसंदह कायमर ॥ गवक्रपी ॥ क मूनि रगवाननं कन मायनं विकायिडा थका ॥ ग थ धाल सा सर्व विधि पना के मि पि
कायाडा रिगुगनपतिस्पनं उय कायै काडा विष्ठायू थका ॥ हने हमा सचायमर धकं धयाडा थ नरवाठ नाडा ना
जानं धाल हादेवपूज ॥ थ क्र रगवान निधयनं विष्ठायूरवडी लाधकं धयाडा ॥ निक्रमं श्रीशना पसुक्कारवदयका
डा ॥ निमंशनापु ॥ थुयाडा वानोडा कन ॥ रगवान वृद्धविधन वृद्धनाथन मासु ॥ वृद्धकायं नमस्कु गु ॥ क कं पुं
न मासु ॥ आमेययाम्य हनाथ पूजा मायक ना म्य ह ॥ रिगतन साठे वे जू शो दिव माग ॥ आगे तुल्वे स पाव धा
मम रागध विस्वर ॥ वृद्धमार्ग न विस्तरं आग वृ रगवान मून ॥ ॥ हरगवत् ह वृद्धविब ह वृद्धनाथ वृ

॥ व. हा ॥

॥ ४३ ॥

[illegible]

॥विचि॥

॥४१॥

श्रुयानागूया पून्यनं गत्वा न माकपदलाके लालपालाडा ॥ च लपालविकाचकधकं निमंजनाया नाडा हल
धनं धपयसगथ विमति या नाडा हल ॥ धं विकाह न धकं विमति या नाडा ॥ थडा आसुम संवा न रुल थनं
निना ज्ञानं रुल सां मंयी या हुडा न्य आसुदय कलं ॥ ह मंयी ध क्र इर्मति सुवाचनीनं डिग गुलिन व्याकूल चिक
यात ॥ धा प्रकावनं ध क्र पा पीयात व्याकूल चीक्याय ॥ थ पा पात्मा सुवाचनी डि क्र सु विघ्न रु यूडा ॥ ध नं थ
क्र म्पी यात विपनीत या नाडा विथ ॥ हा मंयी चडा नाडा ग्वथु था सनी च जाति रुयाडा ॥ विनू प रु या डा चा न क्र जा
चक हा गीन च क्र वा नाडा रुयाडा ॥ ध क्र जा च क या ग इर्मति सुवाचनी हाने वि या डा थ डा धकं ॥ आसुदय
कलं ॥ थने लिमंयी नं रुल सां विमति यात ॥ हा म हा नाडा च ल पाल स्पनं ॥ गु गुलि आसुदय कल उ गुलि डि
नं या य धकं धा या डा ॥ हान क सवी मंयी नं रुल सां क पूर्व वती न ग व स ॥ ला क्रि पति कं न नीचा पति कं त्वाल

॥वरा॥

॥४१॥

पतिकं थासु २ पतिं जाचकपनीद नाडा मालेशनं ॥ थवलसच गुलिथासु अग्निमथच गुलिदडा थअग्निमथ
सपापदहिशयाडा ॥ कृष्टनंकयाडा वानक्र कृडजाचकक्र चक्रखनं ॥ थक्रजाचकगधिनक्र धानसा गलपा
नसुगलदयाडा चान ॥ हनेमवनं निडा यायडा गधशयावान ॥ हनेगुक्तिच पाखूलरुडा वान ॥ हनेमिखाचपा
कानशयाडा चानक्र ॥ थधिनक्र हागीनचक्र मंयीनखनं ॥ थवलसमंयीनं धानसा जाचकचक्र मकनकाय
वानाच अतिदविडखडा ॥ कखनाडा डिअतिकवृक्षवायधून ॥ चननकिंचिगुचिहायदानवियाडा हयना
पंडान्यडायाधकंधायाडा ॥ थनहाखाठनाडा जाचकनंधालं ॥ हा महाप्रवृखधंन्यशक्तिहागध ॥ थथधकं सुनानं
ग्वक्रसुनं चननदानवियडायाधकंधायाडा मइ ॥ धंन्यशक्तिवयाप्रसंतायायडायाधकंधायाडा हा २ हनं
दनाडा ॥ थक्रमंयीनापंडानरुला ॥ गुलिथासु वाजाविष्ठागडा गुलिथासु ॥ डानाडा मंयीनेविमक्तियातं हा महा
नाडा जाचकवाताडा हयधूनधकंधायाडा ॥ थनंखठनाडा वाजानं अहादयकलं ॥ हा मंयीआडा अंगप्रमंनसु

॥ विवि ॥
॥ ४८ ॥

वानकजिस्त्रीसूत्रावनीसलनाडाहकिरूयाधकंधयाडा॥आरूवियाडाथनंलिमंशीनंरुलसां॥वाजायावचनदना
डाअंगुनसुडानाडा॥नानिसलनलंहामहावानी॥महावाजानंआरूदयकाडाहल॥रुलपालनत्काननंविष्कार
नधकंधयाडा॥धनमंशीयाहावाडनाडासूत्रावनीदेवीनंधालं॥हामंशीवाजानंदूआरूदयकलंयडाधकं॥हगास
नंडापदनाडा॥मंशीडानापंवाजायाधसडांल॥धनंलिस्त्रावनीनंवाजायारवालस्वयाडाविमक्तियातं॥हामहोना
ऊरुलपालस्यनंदूआग्धदयकस्यविष्कारना॥आग्धदस्यविष्कारनंधकंधयाडा॥धनहावाडनाडावाजानं
आरूदस्यविष्कारं॥हंकारंहप्रियंजिनंरुलसांरुनंधयागुलिस्त्रपूवययाताडाविश्वधन॥आडाजिनंधयागु
लिस्त्रयवृनंयाडाधकंआरूदयकलं॥धनवाजायाआरूदनाडासूत्रावनीधालं॥हामहावाजऊरुलपालस्यनं
आरूदयकागुलिजिनंदूयमयायनिष्ठयनंजिनंयायरुलधकंसूत्रवादीयातं॥धनंलिवाजानंरुलसांमंशी
वाहडांनआरूदयकलं॥हामंशीआमंशाचकथनवाताडाहयाडा॥धनयागजंनवरुकचिरायवियाडाधनसू

॥ व.दा ॥
॥ ४८ ॥

वाचनी स्त्री जाचक यातु दान वियाडा चडा धकं ॥ आहा वियाडा थम मंगल पून स डान रुता ॥ ॥ थने लि मंगीने
रुल सा जाचक यातु ॥ अत वरु क वियाडा सुवाचनी सुलगाडा ला हात आनाडा ॥ हता २ सुनं जाचक रुगीत यातु
दान विलं ॥ थने लि सुवाचनीने मंगीया रवाल स्वयाडा धनं ॥ ह मंगी हा हा जिनं रु मू पना धना ना दडा ॥ कि न थ धित
रुचि न रु य धकं विला प यातु ॥ थने लि मंगीने धनं ह सु वाचनी जिनं म सिया ॥ मे हा वा जानं आ हा दय क स्प विडा
न रु ल पाल या ॥ नि क्र स्त्री पून व यातु थ धकान ॥ हा सु वाचनी रु ल पाल या हे न्य ॥ थ थ मू थ धक जिनं म सिया ना
जानं आ हा दय क थ ॥ जाचकिया ला हा ति सुलगा ला य धन ॥ आडा विलं रु या र मू न्वा ल रु का वनं पि हा रु नि धकं पि
हि नाडा चकं ॥ ॥ थने लि जाचक या मन स लाल पलं मू हा मू थ ॥ गव वल स स्वयं मन ना रु न्यं मन ना ग धिन
जि ल ग धकं थ याडा वा आ या स्त्री वा नी या रु वं ला हा न गी नाडा हता २ सुनं जाचक पि हा डान रु ल ॥ ॥ थ मू वा
नी रु ल सा थ मू जाचक ग ना पे डानं ॥ थने लि सु वाचनी वा नी ने रु ल सा मू न विला प या नाडा रु वी लं ॥ ॥ ॥ ॥

॥विचि॥

॥४९॥

ध्वंलसुधयापूणीचिप्रमोहिनितंशुलसांथडांमामजाचकयात॥हानवियाडांशुकगुलिवाक्रीदनाडा॥बाजकुलस
थडाववुयाधसडांनाडांजल्यक्तविनापयानाडांखालं॥लापीतामहाबाजजिमाम॥जाचकयातगथ॥हानवियाडां
शुया॥हाहामागोश्चगनडांनाआडांजिनं॥नगुरखालगनडांनाडांस्वयधकं॥अनगपकावननंविनापयानं॥ध्वंलपू
णीयाविलापस्वयाडां॥पीतामहाबाजानंधालं॥हपूणीधकं॥नंआमथविलापयायमरु॥नंमामडांजिडांनिक
सयासुप्रमिह्यानाडांनयागुलि॥नंममियाडां॥अमथ॥खायमरुसुमकं॥डांधकं॥वाधवियाडांनलं॥
थनंलिप्रजालाकसमसुंथिथिंहालाडांशुलं॥अहाजाअर्यथनियादिनस॥मिमिसमहाबाजानंशुलसांथडां
सुसुवाचनीनानीजाचकयातदानयानाडां॥नधकंधायाडांशुलं॥हनंभवसुनंधालं॥धपापात्मादुर्मतिचानिनं
थमनेयानापापयाकुल॥थमनेहागयायमाल॥हागयागधकं॥धपकावननंहालाडांशुलं॥थनंलिबाजानं
शुलसांमनस॥सहहडांगुलिसमसुंहालगाडां॥मणीसलगाडां॥हमंणीआडांथथमरुतागथ॥धलसांजिनध

॥वहा॥

॥४९॥

कावस्तुक वद्वनसम्पदिने॥ सामांशीकयावयानाशमिजिनाङ्कलसमनानमकाथास॥ नयातिशयकं आह्लादयक
लेथनेलिग्भनकसवीमंशीनेरुलसां॥ महावाजानआह्लादयकाथं दयाशचीकासमस्तं॥ वस्तुकसामांशीकयावय
मंथनेलिदीनवलाकयाशनाजानेरुलसां॥ मंशीसलनाशआह्लादयकलं॥ हंमंशीशीरुगवानविकाचकगुलिदीनव
लाथनीयादिनसरुल॥ ग्वक्रशीरुगवानविकायिडाला॥ मविकायिडालाधकं॥ धृतिधयाशधूपमकगुवाजान
रुलसां॥ कातावर्गुयाखाननायजुक्रनधने॥ लाहाकसपासलथनाशनाङ्कलयो॥ कर्ममिर्वधयाकडसिसवा
नाश॥ श्रीश्रीकमूनिरुगवानयाकविमक्तियातं॥ हंशीरुगवानदिशुधमापनचलपालयाग॥ पूजायायवकलालपा
जिनरुलसां॥ धर्माकेनदवपूजयाकविस्पहयापयस॥ गथविमक्तियास्पहयामृथंरुलपालविकायमाल॥ हरुग
नधकं॥ धर्माप्रतिहायानाशखानपासलहीलाशचीकं॥ ॥ धवलसंथुगुलिखानरुलसांआकासमार्गस
जनेरुललखानने॥ कातानकीतिखानउत्पत्तिरुयाशकनमापसं॥ रुगवतमहाविहानसविकाकक्रशीरुग

॥ वि. वि. ॥

॥ ५० ॥

कमनीरुगवानयासिलसस्वानाताडाअलं॥**ध**स्वयाडाहिकुसंघपनिसमसं प्रसन्नशयाडावानं॥**ध**वलसहिकुसंघ
पनिस्यनंरुलसां॥**ध**स्वयाडाहिकुसंघपनिसमसं प्रसन्नशयाडावानं॥**ध**वलसहिकुसंघपनिस्यनंरुलसां॥**धी**र
गवानयारवालस्वयाडाविमगियाकं॥**ह**रगवतंभूगुलिस्वानाताडा॥**डा**गुलिमहाजूरुनभूगुलिस्वानगननंअलथ
नियादिनसचक्षयनंनधकंधयाडा॥**ध**हिकुसंघयागारवाठनाडा॥**धी**रगवाननंआस्वादयकलं हहिकुसंघपनि
धधर्माकनदेवपूयनंअडागुलिवलाशुलथस्वानवृष्टिशुडागुलि॥मलगननंअलमरुधशुलंपप्रकृतुनाजानं
रुलसां कर्मसिर्षलक्षयानाम॥**क**डासिसवाताडागायजूरुन॥स्वानडाताडाआकासथस्वयाडाहालाडाहल॥**ध**गुलि
स्वानचक्षुलनं॥**का**टि२उत्पत्तिशयाडाथनजिथावृष्टिशुल॥**रा**हिकुसंघपनिआडाभिजिसल्पडात्यमाले नू
थानूयाधकं॥**ध**नआस्वादयकाडा॥**धी**रगवाननंरुलसां॥नमस्वाननंसिंहासनसदनाडाहिकुसंघ
पनि पविवाचनंउयकाडा॥**जि**पिपवाकमनंआकाशमार्गसथाहाविकाकशुल॥ • ॥**गु**गुलिप्रकाशनंअहावि

॥ वदा ॥

॥ ५० ॥

कागधलसा पंगिगननेलिचकाडा ॥ वेनरुडातथं लिङ्गसंघपनिवावनेलिङ्गकाडा आकाशमार्गसविकातं ॥ २० ॥ थ
नेलिकथथं कर्पूववगिम हानगवसथने ॥ थनेलिङ्गकपप्रकटुनाडा ॥ हानकसवीमंशीपुलितिसमस्तलोकस्य
नेलिङ्गसंघपनिस्यने ॥ लिचकाडा श्रीगोकमूनिरुगवानरुलसां ॥ अग्निकसाहोयमानेरुयाडा विष्णुकगुलिस्वयाडा
महाहर्षमानयानाडा ॥ नानापकावयावायथा ककोडा महाधुधोरावतयाडा ॥ स्वचाकपदकिनायानाडा नाडकेलस
विष्णुचकलं ॥ हनेगथिनथासविकाचकलधलसा ॥ अतिशानयेयापूगु नानापकावयानडा वत्तयामालाकरवा
याडा रुयादडा ॥ हनेनानापकावयाडली नासया ॥ लामपनाडा रुयादडा ॥ हनेपाठपताववया संय्यासनलाया
डा रुयादडा हने ॥ श्रीबुद्धधर्मसंघयापुलिमाशास्यरुयादडा ॥ हनेकस्तुवीकर्पूवशीखडुकुकुम ॥ थथिनधूपथना
डा रुयादडा ॥ हनेतडा वत्तथूनाडा रुयादडा ॥ हनेसुवर्वासिंहासनदेयाडा थथिनमनावमकाथासथप्र ॥ श्री
गोकमूनिरुगवानविष्णुचकलं ॥ ॥ थनेलिपप्रकटुनाडानेरुलसां पूजायासामंशी हयाडा पूजायाकथ

॥ विवि ॥

॥ ५१ ॥

धूनकाश रुलमूलआदिनंचधाययातं॥ हनेनवनसायनंपूजायायधूनकाश॥ क्रमाखानाअविमक्तियातं हंरुगवानह
मथागक॥ जिहलसांबुद्धयामार्गमसियाश॥ हनेशीरुगवानधायक्रमासियाजुहाआचार्यधनियादिनस॥ जिहगधेयो
पुलावनचुलपालथिंक्रुगवानदर्शनयायधून॥ धनियादिनसतिनिजिमनानथपूर्वशुभा॥ हनाथधमोयाजा
लनेगीकपुस्यगयागुधनिर्गुनसंसावसकृन्मशयाश इखसमूदसदनाशवानक्रुजिग॥ धुःखसमूदनेधनकाया
शमाक्रपदविमविष्कायमालधकंविमक्तियातं॥ ॥ धवलसेशी३भाकूमनीरुगवाननेआहोदयकलंराना
रुतुग्वक्रसनेदानयायिडादानयागअक्रसनेशलसांजेस्यपदलायिडा हनेग्वक्रनेदानयायुडा॥ अक्रनाजोश
यूहनेगाक्रसनेदानयागअक्रसनेजुतूवहानलाग॥ हनेग्वक्रनेदानयागअक्रनेमाक्रपदलाग॥ रानाजुतुधन
२चरवडा॥ चुनपुशुधागवस्वयाडा॥ जिह्रतिवसगायधूनरानाजुतु॥ कुरुलेपमालमधायानामरुथागरुधायका
अदवहवनसमहाजानन्दनेसुखरुका॥ मानयानाअवात्यरुयमालधका॥ धनजुसिर्वाहवियाडाधुक्रुशी३

॥ वहा ॥

॥ ५१ ॥

॥ अथ मनीरुगवानंशुलसां ॥ सिंहसननंदनाशविक्रमं ॥ धवलसहिकुसंघपनिवाचनं लिचकाश ॥ क्रापाविक्रानाथं शनव
नमहाविहारेसंविश्रामं ॥ ॥ धनं लिनाशां मंगी निमं धिधिं पत्रमज्जनन्दयारवज्ञानाशानं ॥ ॥ ॥ धनं लिना
चकयाकचानप्रसूनाचनि नानितंशुलसां ॥ नाशकुलसमंगलवार्तादनाशं जूतगपकावनं ॥ विलापयानाशारवायाश
चानं ॥ ॥ धनप्रकावनं विलापयायांचिरुवाकूलयानाशानं ॥ ॥ धनप्रसूनाचनिधुगुलिस्यकनं मृत्कूलं ॥ मृत्कूलसंलि
धनप्रसूनाचनितं नवकलागयातं ॥ ॥ धनं लिनाशपूरीचिगमाहिनीयाकनाशकुमानचक्रज्ञानशुलं ॥ धनप्रवालककु
मानयातं ॥ मालकाक्रियाकर्मधूनकाश ॥ ॥ धनप्रवालककथनं नशधिकशयाशं शलं ॥ ॥ धनं लिनाशा मंगी निमं सयाधिधि
हाहगियानाश ॥ ॥ धनवालककुमानचयचायातं नाकाहिरवकविलं ॥ ॥ धनप्रवालककुमानचयगुनाशलागयानाशानं
॥ ॥ ॥ धनं लिनाशा मंगी निमं महाहर्षमाननं श्रीरुगवानं तथागनयागुब्रह्म नारवज्ञानाशानं ॥ ॥ ॥ धनं
लसस्वर्गलाकनं वाधिसत्त्वगनपनीसनं ॥ ॥ पुष्यविमानकुवूयाशहाहाकानसन्दयानाश ॥ ॥ नाजायाथासं धनकलहलं

॥ विचि ॥

३२

धर्मकनवनिजा धनकनवनिजा
निकुसयाव ॥ ० ॥ ॥

धवलसनामंशीकारुण्यप्रतिनिर्वाणप्रवृषपनिस्मस्तंथुगुलिपूष्यविमानसगयाअ आदवरावयानाअस्वर्ग
लोकस॥ वाधिसत्त्वपनिस्मस्तंस्वर्गजखवनस थकयनशला॥ ॥ राकास्यपरिक्रुपतिरुत्त्रयानानं पूष्यधर्मयाय
मालहाहिक॥ गुगुलिथमेनंयोनअगुलिहागयायमालधकं॥ धनंतिनरुगुकर्मयायमालधकं॥ श्री३॥ कसू
निरुगवाननंशलासां॥ शनवनमहाविहानसविकानाअ॥ सकलसराशायाहुअन्यआस्वादयकस्यविकानं
धनंश्री३॥ रगवानयाआस्वादनाअ॥ महाहर्षमानयानाअ॥ सल्लोकसमस्तंथअ॥ २॥ अथमसंअनशला॥ ०॥
~~॥ तिथीविचियकर्मिकावदानंतिथी॥ ३॥ ० ॥~~ धनलिचुगुलिसमयसकपिलवस्तुनिधया
नगवस श्री३॥ कसूनिरुगवानविकाकशला॥ गुगुलिप्रकावनेविकातलाधलसा दवनोगयकनाकसमंशी
प्रशालोक मृषिलोकधनसमस्तं॥ सल्लोकनंआदवरावयानकाअ॥ पूजासांन्ययातकाअ॥ विकानं॥ धवलसना
गवधायानामशनपदस्थानचुगुलिदसंवात॥ धथासुअसंरववनिजालपनिवसलपंचीत॥ धनंलिधशन

॥ वहा ॥

॥ ३२ ॥

पदमस्थानसुवनिजालयापूयनिष्कदस्यं चान॥ सुसुखलसाधर्माकवधायाम्कुरु॥ धनकवधायाम्कुरु धननिष्क
धिधिंजुमिधमशुयाशचान॥ धनं लिच्छुक्रयादीनसुधवनियापूयनिष्क वनजवापानयायधकं डानं॥ धनं लिच्छुक्रया
सपतिं वासयानाश अन्तगानगवशामश्रादिनं अन्तगपर्वकलेयनायानाशानं॥ धनं वलसच्छुगुलिस्थानसुनदीच्छ
गुलिस्थानं चानदश॥ धनदीयागिनसुवानपृच्छलिच्छुक्रनंदयकाशानया॥ चेत्यदवगाच्छुगुदस्यं चान॥ धनं धायस
धर्मकववनिया धनकववनिया॥ धनं निष्कस्यनं धनं चेत्यखनं धनं वलसं धनं कववनियायामनसच्छुगु
लिच्छुक्रपाश॥ धनं पासाधर्माकवयारखालस्वयाशचालं॥ धनं पासाधर्माकवमिजिनिष्कस्यनं धनं चेत्ययागर्हसं चान
गुधनद्वयद्वेकायाश वनजकायनया॥ मिजिस्त्रागधयारुलनेऽः स्वसियसुम्बालकं॥ अन्तगधनलाहदतध
कंधायाश धनधनकवयारखालनाश धर्माकवने चालं॥ धनं पासाधनकवचेत्यदवगाच्छुगुदवकायजोशायम
रुशगधधलसा चेत्ययाधनद्वयविषयउत्थं॥ हनं चेत्ययाद्वयमीसमानत्वं धनं पासा धनं जाजिनं ज्ञायामरवः

॥ वि. वि. ॥

॥ १३ ॥

धकंधायां थुनख दनां धनक वनिशानं धालं हापासा धर्माक व ॥ जाम च नं रु ख जाना ग्वक्र द व नाया प्रसा द
नं गिनिल फिलाय दयिउ ॥ धक्र द व या धन द व का या उ का र्य सा ध ना या य ॥ हा पा सा ध र्मा क व ग थ धाल सा स ग्व
क्र स्य नं ॥ द उ या धी ल स सान का या उ थु गु लि सान का का या उ म ना व थ पू न या यि उ ॥ ध न नं ध क्र द व या ध न
द व का या उ मि जि स ने स र्य द य क ॥ हा सि ख पू न वा च नं मि जि स थ उ क्र उ ना उ ध क्र चै य या क का या गु लि
या दू ग न कि ध न द ह या उ ह नं चै य द य क ॥ ध न नं जि नं जा नि थु य नं थु गु लि ध न द व का य ध कंधालं ॥ ध न लि
ध र्मा क व नं धालं हा पा सा ध न क व थु गु लि का र्य जा ॥ जि नं नि थु य नं या य म खू ध न म्प व ना च नं गु लि धाल उ
पु लि जि नं या य ॥ ध क्र चै य द व ना या द व रु ना जि नं का य म खू ध कंधा या उ ॥ ध न क व नं धालं हा ध र्मा क व च नं न
य उ सा च नं का य म ॥ जि नं रा प न म ठ व न थि चै य द व ना या प्र सा द नं ला क गु लि नि थु य नं का य ध कंधा या
उ ध क्र ध न क व नं रु ल सा ॥ ध क्र चै य या ग र स्य न का उ थु ग र स थु ना उ न या ध न द व स म रु लि ना उ कालं

॥ व. द. ॥

॥ १३ ॥

थनेलिधूनकाडाधपनिमंवितायलपाकचुगुलिथनसथनं॥धवलसधवेययाधतकायायापापनंथक्र
धनकनयातधर्माकननंथालं॥तापासाधनकननंचुयंकलहयाना॥कलहयायमनधकंधायाडाधनरवठना
डाधनकननंथालंहपासाधर्माकन॥चुनेजिनंधायागुलिखठंमलिचुडानापवान्यमयडाच॥चुगुलिन
नंरुथाजिचुगुलिननंठातधकंधायाडा॥धक्रधनकनवनियातमवायाडा॥थमनंकायागुलिधनसंपलिथ
मनंऊककाताडाचुगुलिननंठातं॥थनेलिधर्माकनवनियाकलसा॥थडापासाधनकननंठाताडाठातगुलिख
याडातूगलमचितनकाडाचुगुलिस्थानसंठातं॥ • ॥धनधनकनवनियाऊनंत्यवनसधनं॥धवलस
धक्रधनकननंशलसाऊडाजियाकतगतडातडागतवानंधकं॥साताडाडालंधवलसआकासमापनंलालू
चक्रडालंधवलसधनकननंधक्रलालूडाडारवनाडा॥मनसहतासवायाडाविस्पडनगुलिसामर्थमदयाडा
वानंधवलसलालूनंशलसाथमनकाताडयाडववसुककंभाचकाडाविलं॥धस्वयाडाधनकननंगुणामनंका

॥ वि. वि. ॥

॥ ५४ ॥

लंथुनीमचकलंथस्वयाडालाहानितंरालं॥थुगुलाहानमाचकलंथलाहानमाचकगुस्वयाडा॥तुगितंथनकलं
थुगितनयाडाविलंथनंलिधनकवनंशलसं॥थुक्रणलूयागपहानयायसामर्थमदयाडा॥सिकक्रवातथं
रुमीसग्वलतुलाडावातं॥थनंलिणलूनंशलसंआडागाथुक्रमनूयासिनधकंलालपाडा॥वननंइहाडातंथ
क्रधनकवनंशलसं॥नानाप्रकावनंविलापयानाडाखालं॥थुप्रकावनंखायाडावाडांगडावातनंवदना
शलं॥॥थनंलिथुगुलिथसश्रुकासमापनंरिद्रुकचक्रडालं॥थुसिद्रुतंहाहाकावसुवदनंखाडागुलि
सुवदनाडाधनकनयाथासगयाडास्वगं॥थनंलिधनकवनंखालं॥शुपुनूवचसुखडाचनंशलसंजितवक्रा
यायमालधकंखालं॥थुखवदनाडासिद्रुकनंखालं॥शुपुनूवचधधितंअनंनवनसंयुयवाताचसुखडाधकंठ
नंथनंलिधनकवनंखालं॥शुसिद्रुजिथनवाताडावातागुमवनाकावननंमखुकिशलंलग्धंमदयाडावात
क्रनागवधायादेसयावनिशलयापूगिथुका॥हानंजिशलसंनानाप्रकावनयाहिनंनवनंअदिनंअनगध

॥ व. हा ॥

॥ ५४ ॥

नदयः जानाताया वलसधुमुलिवनसः महारयंकनललूकक्रायाताजिनडागडालः धवलसजितंरुयारु
याधवल्लात्कावयानाताः लाहागतेपुतिनंप्रहानयानाधवलसधुक्रुंरुतेः जिगुलिजाहापुतिनयाताविम
डानरुललालिक्रुः जिगुलिवरुकसकताथनकालताडानयाः साता२धकंधायाताधनलारवाडनाताः लिङ्कनंश
लसां धप्रवतियातंधायाः धनदववरुकस्वयातामनसलालपलेः आध्याय२जितंरुलसां श्री३वेत्यदवया
गर्हसधुसंनयानत्तदवसमसंः धथायसगतंवातडाल सुनानंकयाताहलखधकंः अवसमवेनेधप्रव
नियोनंकयाताः हनेधवेत्यधमनयानायापापनंतिनिधुपुनूखः धधितवनानंनवसः लागकातालाहापुतिम
दयकातामहाइः स्वसियातावात हनेलिङ्कनंधालः आवतियापुनूखकृतं धधनदवगतकास्यहयागन
कायाताहयाधदववरुकहनंवेत्यदवतायागुधुकाः धवेत्यदवतायादवकायायापापनंधुकाकृतं धधि
नवनानवसः लाहागपुतिमदयकातामहाइः स्वसियातावातमालधकंधायाताः धनलिङ्कयाताडनाताधवक

॥वि.वि॥

॥११॥

ननंभलं॥हारिकुचनंभयाथंखडाथचैत्ययाद्वयधकचुनेगथसियाधकधसंलिलिकुनंभलं॥हावनियापूवयध
वनयासधस. नदिरुगुलिदडा॥थनदियागिनसजिनंभनडवसाकथनाडा॥चैत्यदेवगाचुग्वलदयकाडागया
दडाथचैत्ययागरीसभानधनडवसमरुतिथयतंरुनंकायाडा॥रुलखडाधकंभयाडा॥थनहिकुयालाखाड
नाडा॥धनकवनंभलं॥हारिकुधंयशखडाचुनेगथसिया॥थुगुलिधनडवयधचैत्यदेवयासादनंलागधकंभ
हाहर्वमानयानाडाया॥थथविपचितशयूडाधकजिनंभसियाआडाचुयाय॥जिअपनाधनंभनधकंभयाडा
थनवनियायालाखाडनाडा॥हिकुनंभलं॥हावनियाआडाचुयाय॥भवगाउपकावमेदगाहावनियाचुशलमा
नमाबुद्धाय. नमाधर्माय. नमामंघाय. धकनामकायाडाचिलुनेलावयाडा॥चुक्रापायाथंउमाचशयूडाधक
थुलिउपदसवियाडा॥थनहिकुथवनसइहाडनं॥॥थनंलिधनकवनवनियानंथक्रपूवयनंउप
देस. विडाथंनमाबुद्धाय. नमाधर्माय. नमामंघाय॥धकथुलिवावेवावनामकायाथननामकायासायनंथन

॥व.दा॥

॥११॥

नामक कयातं **॥** धनकवनीयायालाहागनिपांकापायाथं वुलिडालं **॥** धनं लिजाहात वुलिडागु मायाडमहाह
र्वमानयानाडा **॥** पुनर्वाचहनंदर्भनयानं लाहातहाजाडलपाडापंचपुनामनंनमस्कावयाने **॥** धनप्रसोमयानाया
पुन्यं पुनिनिपाउस्यद्रिगयाडाडालं **॥** धनस्वयाडाधनवनि यामहाहर्वमानयानाडा **॥** धनार्थवायाडा **॥** धनधाल
अहाअर्थगथितधर्मस्वडा **॥** धीश्रीवल्लयानमस्कावमाप्रयानानं **॥** जिलाहातपुतिथूथाशुडागुलिसूक्ष्म
उस्यद्रिगयाडाडालधकं **॥** धन्यश्रुतागतस्वडा **॥** धनप्रदीपनमध्वनयानपूजायडागधधकंधीयाडा **॥** धनं लिधम
नंजाताडा **॥** डयाडववल्कसायाडा **॥** धनप्रकायशुजागधधकं **॥** धनप्रसमसंज्ञाताडा **॥** धनजापाडायागुलिमा
गनंलिहाडानाडा **॥** धनचैत्ययाथासधनकाडा **॥** धनप्रसमसंज्ञापायाथं **॥** धनचैत्ययागर्हसंज्ञथनाडा **॥** धन
चैत्यदेवतास्वयाडा **॥** धनहर्वमानयानाडा **॥** धनकपुसंतमस्कावयानाडा **॥** धनप्रयानं **॥** **॥** नमस्तुमहाबाह
हागाहंमहाकूप **॥** कमस्वलासदानुत्स **॥** सर्वलावेनमानमः **॥** **॥** हर्षेयनाडकलपालयाननमस्काव **॥**

॥विनि॥

॥५३॥

महाकूपचलपालगधिनेधलसा॥इःखिदविडखनाशमहाकनूतादयाशविकाकक॥थथितकलपालयाडववल्
कजिनमसिमहनयानाशयना॥सदानंदथडिनयानाप्रपनाधदकंसमसंकमायास्यविकायमानहाचैः
ग्यवाड॥डिथिदाहावनंकलपालयाचननकमलसंहाकपूत्यनमस्कान॥हाडगदीधवनकलपालयाप्रसादनं
जिनकडाशोनंलोहदतधकहालपाडा॥हनासुनंवापोनयायेधूनकाडा॥थनडायाधकंधायाडास्वचाकउलाडाका
पाथमनंयतावल्कधनद्वयदकंधवैग्ययातचधाययानाडा॥हनंलाहानडाडलपाडाथडागुलिद्वयदकिता
चधाययानं॥॥धनंलिथुगुलिसमयसथडापासाधर्माकननामवनिया॥नडावातनंधनद्वयलारदयका
डाधथासडलं॥धनंलिथपनिधिथिखनं॥धवलसथिथिंविचालयानं॥हाधर्माकनपासाचकूसलरुशमपू
लाचगनशनाडाशयाचकूलसा॥नडावातनंलारदयकाडाशला॥गुलिलारदयकाडाशयाधकंधायाडाध
कलारवाडनाडाधर्माकननंधालं॥हापासाधनकनजिगाधयावलनंमहासंपद्दिदयकाडाशयधूनहाधनकन

॥वहा॥

॥५३॥

च न गं न ग थ ग थ ख ड च नं रुं गु लि ख न गं न स म सं ध श ध कं ध या श ॥ थ न र ख ड ना श ध न क च न ध लं हा
 पा मा ध र्मा क न आ श जिनं च ध य च न ध य गु लि ख नं स ॥ द्वि य कां न च गु लि च ल नं श ना थ व ल स व न च गु लि स थ
 न थ व न स ॥ वा स या ना श वा ना व ल स ॥ म हा रु या न कं रुं गु च ऋ श या श ॥ जिनं श ना श श ना गु ध न ड व स म सं ना क
 द्वि य कां शं जिनं गु लि च हा न गु ति न या श विलं ॥ थ व ल स जिनं म हा विला प या ना श वा ना व ल स ॥ हि कृ च ऋ श या श
 जिनं हा ल ना श न या गु ध न ख या श ध ल ॥ हा पु नू य च ख र व श थ ध न ड व ग न का या श ह या ॥ थ ध न ड व श लं थि ३ थ
 य द व ना या थ का थ ध न का या या पा प नं गु ति च थ धि नं श र व सि य मा ल ॥ थ ध न वं य द व ना या कं तु न य य श ह न च
 नं ला हा गु ति वु लि ड य क या न ॥ थि ३ जि न ल या ना म का श ध कं उ प द स विलं ॥ उ प द स वि या श थ कृ ति कृ लि हा श न
 रु ली ॥ थ व ल स थ हि कृ या उ प द स थं थि ३ वू ष ध र्म सं घ या ना म का या श ॥ ना म स म ल पा श थ न पुं न तं ला हा गु ति का
 पा या थं वा न का श थ वं य द व ना या ध न लि न न या श वा ना जि गु लि च हा न र व थु ति रु ल ध कं ध या श ॥ थ न र ख ड
 ना श ध र्मा क न न ध ल ॥ हा पा मा ध न क न थ न स म सं स न र व ड ला ॥ हा हा ग धि नं ज न्म र्थ हा पा मा आ श च या य धि

॥ वि. वि. ॥
॥ १७ ॥

ईयाशमाशध्रुधर्मभक्तुचेत्ययाकप्रार्थनायाशध्रुवेत्ययाप्रव्यवस्तुकसकनोचधाययाशधकंधायाश॥ धर्मधर्माकनया
एखाठनाश॥ धनकननंभलंतापासाधर्माकनध्रुवेत्ययाधनद्वयसमस्तंनयाशकिंचित्सखमापुजिगुलिउ
पालनयाशध्रुधाययाधनधकंधायाश॥ धनंलिधर्माकननंभलंताधनकनधन्य२रुखशधकंधायाशधर्माकननंथम
नंजीनाशया॥ मृतमालाळमालपीवेत्ययाधनचधाययाक॥ ॥ धनंलिधनमापुध्रुधायसुधीनाशधिधिनि
क्रस्यारवलाताशध्रुपनितिक्रंथशकलिहाशलं॥ ॥ धनंलिधनकननंरुलसांधशक्रुगयाश॥ ववृमामकलातप
निपनिवानयातविचालसंचालयाक॥ ॥ ध्रुविचालयायधुनकाशनापीरुसंलि॥ ध्रुकलानसहिगयाताशका
धासदनशानरुला॥ ध्रुवलसकलाननंभलंतास्वामिचिच्छायविलेखरुल॥ ध्रुस्ववयावयान॥ गथ२रुखशहितलानरुला
गथ२रुखशधकंधायाश॥ ध्रुस्त्रीयातारवाठनाशधनकननंभलं॥ ॥ स्त्रीयाशकिनेवपानयाखगुलिनकाय
धकंधायाश॥ धमनंरुखसियागुलिज्ञानकसमस्तकने॥ धनंलिस्त्रीनेभलंतास्वामिसत्यनंथध्रु२रुखसिया

॥ वहा ॥
॥ १७ ॥

शिवप्रकाशवनेरुलसांशुशक्रान्तः किरणमयारुलने॥ चिस्वनशं जगज्जयदशचिस्वनमदरुनासः जिवृगति
रुयूश जिवनधकं सास्वामि॥ धन्यश्रवाय श्रीशिवन्त्रखशः गवक्रयानामश्रककाया मायने॥ उधवशुलधकंधायाशः
धनस्त्रीयाल्लाटनाशधनकवनेधाले॥ सास्त्रीधकशीप्रिन्त्रयाशधनप्रलावरवशः॥ धननेशीशमहावृधयास्ववतया
नाशवावेवान॥ धक्रयाववनकमलसः हाकपुसनमस्काव॥ हनेगवक्रयानामश्रककायायने समस्तपापदूनाशः
नधकं निष्कलीपुनुरवयाधिधि॥ श्रीशृगवानयानामः प्रसेसायानाशवाने॥ ॥ धवलसुकपिलवस्तुतिमहा
नगवसुविश्राकक्र श्रीश्रीमन्निर्गवाननेरुलसां॥ धशपूर्वजन्मयाकथांतवलूमनकाशः॥ कनूनावेतनेधशकज
सुवीवनेपिकायाश्रविश्राते॥ धगुलिनरुतेस्वर्जमध्यानालसं॥ खयकलचैतं॥ हनेधगुलिनागवनामजन
पदेसखयकलचैतं॥ धवलसुधर्माकववत्रियानेरुलने॥ खयकलेशगुलिस्वयाशः कशवाकनेविस्तयचायाशः
वाते धवलसुमरुनेनशानाशधाले॥ ॥ धमानवायुधर्मनूस्त्रवन्निवद्वतिवदतिः तथागतति॥ ६३॥

॥वि वि॥

॥१८॥

चवाक्कं समुदिवयंति॥बुधाय नस्ते प्रभामा मिरक्का॥बुधाय नाथाय नथागनाय॥थ पूव्याधूपाय दिति पूरुयंति॥बुधविबु
द्धं सगन समये॥नेव शगंधधनमेश्वरकं स्वर्जं सदा हाग समवितास्त॥६६॥ दं ससावं खलूबूढ पूजां हवानेव संत
वर्त विधानं॥कूबूष हखिवव भाककं॥नथागन स्य हवन प्रयांति॥ ॥गु गुलिष काननं धालधक क्षलसा
म्बप्र२म नूयने॥बूढयाग समवनायातं ग्वक्क स्यने बूढ२ नथागन २धकं नाम काया शरुल॥ग्वक्क स्यने नथागन
यातन मस्काव यात॥ग्वक्क२म नूय रुलं ६६ हलाक सं सुख संपादितुं गयानाश॥जुन काल स माक पदलायिडा हने ग्व
क्क स्यने॥शी श्रीवत्त्रयाग पूव्याधूप दीप गंध॥आदिने पूजा या सामागी दयकाश॥पूजा यायिडा ग्वक्क२म नूय सदा
सर्व कालं स्वर्ज वासलाताश॥म हा आनन्दने वान दयिडा धनने श्री भाक्क मृति नथागन याक॥बुधालावत याश सा
शधकं धन धायाश थु गुलि रुतं॥शी भाक्क मृति याग स्वचाक पदकि नायानाश॥रुगवान या सवीन सलिन रुया
शानं॥ ॥६६॥ ॥धनं लि सति पूरु पात कान स॥शी सूर्य उदय रुसं लि धन कन या स्त्री पूनू खनि र्क दनाश महा आश

॥वदा॥

॥१८॥

र्यवायाशवानं॥ धनं लिख धनकवयामनसु लालपलं धनं २४॥ गतखशआशरुतं॥ गुगुलिप्रकाशनं उपदं विल-
ध॥ प्रकाशनं यायधकं॥ मतनं लालपाशना नाप्रकावयास्वान हनेधूपदीपशेधनेवश॥ नमनसागपूजासामांशीतक
नांरुयावयातं॥ ॥ धनं लिखनकववनिन्यानेरुलसा॥ धशधिधिष्ठमिज ग्वलिसमसूंमूनकाश॥ धशलिशलि-
शरुयाश॥ धम हुश २ चीनाश॥ धी३॥ कसिंहकथागतनिमंयनायायधकं॥ कपिलवल्मुधायोदशसंअनधकंअने हने
धदशशयिशागधवानधालसा क्रसंशजनरुकाशवान॥ हनेरुसगुलिपरवालनंउयकाशरुयादश हनेरुसवान
नानवक्रुसिमानंउयकाशरुया॥ हनेधसिमासनानाप्रकावयापेच्छिगनवासयानाश॥ दन्यतुययापूकेशलाश
वान॥ हनेनानाप्रकावयासिहारुलनेसंरुकरुयाशवानं॥ हनेपालिजातस्वानआदिनेंअनगस्वानयावासनादया
शवान॥ हनेपलस्वानपूयूलिनेंउयकाशरुयादश॥ हनेधदशसपन्दिनजननंवासयानाशवान॥ हनेसलकिमि
वधसेन्यधमवतुवंगवलनंउयकाशरुयादश॥ हनेसामसआदिनेंअनगपसुगतनंउलाशवान॥ हनेधदश

॥विचि॥

॥१९॥

सु. सदाकालं वसन दनाशवीन साधुसर्जन. सदाकालं गीतवाद्यया सव्य दयकाशक्या दश हनं जप्त्वा श समुत्पन्नश
श्रुजन सुनं वासनाशवीन हनं सुखा दनवाजाया वाशकूल स॥ नाना प्रकारवशाधायुने सं पूर्णशयाशवीन थथिन
दचा स॥ थक्रधनकन वनियाथन कलशले थवलस थक्रवनियानं रुलसां ॥ श्री ३ मथागत दर्शनलातं थक्रथी
मथागत रुयिगथिं क्रधालसां ॥ सुवर्णयापर्वकथं शाशान्यमानशयाशविष्ठाक ॥ हनं सुयतिगा ३२ लक्रिनने सं रु
कशयाशविष्ठाक हनं रिद्रुगनने उयकाशविष्ठाक क्रथथिं क्र ॥ श्री ३ मथागतयाग दर्शनयानाशमन
सश्रुतिवसतायाश श्री ३ मुनिव्वनयाग ॥ स्ववाक प्रदक्रिनायानाश रुशया पुलिनं पृथिवी सव्याश ॥ लाहाक हाश
लपाश श्री ३ रगवानया मुखकमले दर्शनयानाश विमलियागं ॥ ० ॥ हरगवान् वृक्षयामध्वसवीनशयाशवि
ष्ठाक क्रवृक्षनाथ रुलपालया पाइकास ॥ श्रीलने हाक पूयाशनमस्कान ॥ हनाथ हगुवृक्षिने रुलपालयागपेवा
पचानमाग पूजायायधकं लालपाशनिमंयनायागशया ॥ हरगवान् जिशुल सांधन डवने पूजायायमरुक्षिनेथ

॥वहा॥

॥१९॥

धा हा वनं मा उरु क पूजा या य हा ल पा उ नि मंश नाश या ॥ हं ३ मूनि धन धनि ने प्य कू जा मा वा स्या दिन स नाग वना म
हं ४ स ति कू ग न स हि क या नाश ॥ ल पा ल वि का य मा ल ध के ॥ ध र वि म ति द नाश ॥ ह नं स्व चा क प ह कि ना या नाश
शी ल नं हा क पू स न म स्का न या नाश ॥ ह कि ना हा ह ल पा उ ध क व नि या थ डा क सं लि हा श य ध के वा नं ध व ल स थो ण
क मू नि रु ग वा नं नं आ हा द य क ले ॥ ह ध न क व व नि या डि श २ क नं ध र उ वा हा व न सं लि ॥ डि रु ल सं ध नि प कू या
दि न स ॥ ति कू ग न नं स हि क या नाश ॥ श य रु ल ध के ॥ आ हा द य क ले ॥ ध र आ हा द नाश ॥ ध क ध न क व व नि या जू नि
रू सि रु या श ॥ थ श कू लि हा श न रु ल ॥ ॥ ध नं लि दि न व ला रु सं लि ध व नि या नं ॥ थ श का थ स रु द्र या नं क्रा
पां ग व म य नं रु मि स ले प न या नाश ॥ न स्वा क ले र व नं हा या श ॥ ध र्म धा पु मं द ल या ॥ रु ला म प नाश ॥ धा स २ प ति किं कि
नी जाल प नाश ॥ श्री वृ ह ध र्म सं ध या प्र ति मा रु या श ॥ सु गं ध धू प ध नाश ॥ हा हा य मा न या नाश ॥ न लं ॥ ॥ ध र धू न का
श दि न व ला रु सं लि ॥ ध न क व नं रु ल सं थो मू नी स्व या ना म ॥ सु म व ना या नाश ॥ लं र व धा वा या म रु ल द य का श ॥ ध

॥विचि॥

॥३०॥

मधुलसज्जगपनामयानाविमहियाते हलगवान हनथगनआशकादलपालविद्यायगुलिसमयकलाविका
हनधकंविमहियाते॥धवलसकपिलवस्तुनगवसविद्याहनधकंविमहियाते॥धवलसकपिलवस्तुनगवसवि
क्राकफ्रणीरगवाननेरुलसा॥धशपविवावहिकसंघपनिस्तुआह्लादयकलेहाहिकसंघपनिनागवनामद
सुभाशानकलनूयाधकंआह्लादयकले॥धशश्रीरगवानयाआह्लादनाश॥हिकपनिस्तनेधलेहागुनरगवान
क्रिशाखविद्याहनधकंधनसलखादनाश॥धशश्रीरगवानमूनिरगवाननेरुलसा॥हिकगतनेउयकाशविधिप
नाक्रमपिकायाश॥आकासमार्जनविष्ठाकरुली॥गुगुलिप्रकावनेविष्ठाकरुली॥नाताप्रकावयाकि
वनप्रकासयानाश॥नागवभयादशमथनकलविष्ठाते॥धनेलिश्रीरगवानविष्ठाकरवनाशधनकनवनियाने
अतिहर्षमानयानाश॥श्रीरगवानयावनकमलसंहाकप्रयाश॥पादार्थआदिनेआद्वलावयानाशपूजायाते
पूजापायधूनकाशप्रार्थनायातेधनधूनकाशविसर्जनयाते॥धनेलिश्रीरगवाननेरुलसा॥आनन्दयानाशविष्ठाक

॥वहा॥

॥३०॥

बलसः पर्वतचतुस्रमूड आदितं पृथिवीकंपमानशयक हस्वायधालं हने चतुवस्रमूडने लेखरुयका लाश स
मूडनाक प्रयाशालं हने आकास मार्जन हाहाकाव सवने लायवूयाश हलं हने स्नान आगकाश हलं हने मः
घनाशनं रुलसोपर्वसाभायकाश प्रकासमानयानाश विलं हने पूनर्वावग्वक्रया भावसिंह हगवानयापलावन
ध्रुवनकवनं धीएगवानयाग पूजारावयानायापुंयं मृगमनावमश्याशवानचूकरवनाशवानचूउस
लिश्याशालं ध्वगधिनधालसाकिंकिनिशालने पनागयादश हने लक्रीनेवास याताशविक्रक हने कवलि
विने संपूर्णश्याश हने अनगनलने संपूर्णश्याशवान हने सयसाका आदिने खूयपताविहिने संपूर्णश्या
याशवान हने सुवर्णयाथाल नूपयाथाल कंसाथाल सिंरुलयाथाल धनानाप्रकावयास्थालने संपूर्ण
श्याशवान हने इडहोयदयाशवान पनि साम्यस आदिने पस्रगनेने संशकश्याशवान हने ध्वक्रयापिनपि
नं पलस्नान पूरुलिनं उयकाश गयादश हने चिपुविचिपयास्थानमाने संशकश्याशवान हने नानाप्रकाव

॥ विवि ॥
॥ ३१ ॥

यासि सारुलमानं संशुकरुयाशाने उमानने उयकाश नया दशा थथिन अति मनाव मरु च खाउत्पदिरुयाशाले
॥ १० ॥ थनं लिधन कं वनियानं शलसां थथिन गुने स्वर्ग उत्पदिरुयाशाले ॥ क्रग स सखना थं ठ नाश वि
स्मय चालं अहाजा थार्थ गथिन धर्म स्वदृष्ट अहाजा थार्थ इः खना स या क ॥ अहाजा थार्थ गथिन अमृत या खानि
दयाश थथिन अरु न शाशिनं गव वल सं स्वयं मनना ॥ दनं मनना किं शल मव मला गध मानि शल ॥ अशशिनं शलसां
थवरु कक्रिय क्रिय या नाश पव ममान न्दनें सुखरु कमान याय ॥ थकं मन सल लपा शानं थवल स थक्रधन
कन या पा साधर्मा कन चक्रु याश ॥ विचाल सं चाल या नं ॥ हापा सा च नं शा थथिन उे स्वर्ग या नाश थदय कू गुलि ख
नाश किं अति आ थार्थ चाय धून ॥ च नं थथिन उे स्वर्ग ग थदय का ॥ ह नं थ थपिन पल स्वात पूरु लि गव वल सदय
का ह नं थ थानं पिन उमान गव वल सदय का ॥ हापा सा रु शानं नं किं विस्मय चाय धूना ॥ थकं थाना थान धर्मा कन
चगन श नाश या ॥ कि थथिन उे स्वर्ग वधय रुश गुलि च नं ग थ मसिया किं शलं कन माय सुधा किं च समश थकं थ

॥ व. हा ॥
॥ ३१ ॥

याशध्वरुखारवाटनाडाधर्माकवनंभालंराधनकनचधधिननेस्वर्यरुलधकजिनंमसियाकिरुलेवनरुवपावडा
नाधकंभालंथनंलिधनकवनंभालंरपासादडाजिनंरुलसांरिद्रुगनसहिगंशी३भाकमूनिरुगवानरुसविका
चकाशधधामागनंपूजायानाध्वरुप्रेत्ययापरावनेरुनमागनंथधिनसंपन्निलारुदकधकंधयाशध्वरुखारवा
टनाडाधर्माकवनंभालंरापासाधंन्य२रुइलेपनमज्जानन्दसुखरुलाधंन्य२रुथागरुवडाधधिनकतथाग
कयातसदासर्वकालेसुमवनायानाशनमस्कावयायडागधधकंपृथिवीसुलाकपूयाशसुनचिवावदन्दडागुपना
मयातंध्ववलसंकपिलवस्तुनिमहानगवसविकाकक्रुशी३भाकमूनियाखालस्वयाशविमतिपातंरुगवान
रुलपालकिलाशविकाकगुक्रुयाकावनेकिलाशविकानायाकावनरुधकंधयाशधुगुखारवाटनाडाशीरुगवा
नंज्जालादयकलंरुलिकुसंघपतिजिकिलायाकावतंमवनाकावनमरुवगथधधलसागोवनधयातोमजन
पदस्थानरुधर्माकवनमवनिक्कपूयक्रुस्यनंधडापासाधनकनयाउस्वर्यसंपन्निसंपूर्सरुयाशवानस्व

॥विचि॥
॥३२॥

याशज्जिअर्थरुयाश॥जिगुलिनामकायाशपृथिवीसलोकपुसंसकटिवावज्जुंगपनामयात॥उकचिरुयानाश
धरुप्रकावनेरुवयात॥धरुयाकावनेनेजिजिलाहातिरु॥धरुधर्माकवनेपार्थदवनायातमुंतयामालाचधय
यानाशतयायापुंतयापुसादयाशचीनधुकाधकं॥आरुदयकगुलिदनाशतिरुगनेपनिस्सनेविमतिमानं हलग
वन् हनथागनरुलपालेसनं॥आरुदयकाथंरुवाधुकाधकं॥विमतिमानाशवानेधवलस॥नागवधयादस
सधर्माकवनेसकटिपालपनामयाकथास॥महाउरुमरुयाशवानचिकामनिधयाकल्पवृक्ष॥सिमायुमाउत्य
रुयाशशलं॥धसिमागधिनधालसानानाप्रकावया॥नीलहालज्जुदिंजुलेकावसयाशवान॥हनंस्वयनापेय
यापुचीनपुंरुनापु॥हनचन्द्रमायातज्जुधंरुप्रकासरुयाशवान॥धधिनकल्पवृक्षसिमायुमाउत्यरुया
शशलं धवलसधर्माकवनामवनियाशलसो॥धगुलिविंतामनिकल्पवृक्षसिमायुमाउत्यरुयाशस्वयाशतशवाने
अरुगचायाश॥मनसज्जिहर्षमानयानाशपुसनेचिरुयानाश॥धगुलिदववृक्षसीमास॥स्वचाकपदकिनाशसत

॥वरा॥
॥३२॥

विपालसिलनेराकपुस्यनमस्कावयाने॥धरप्रकावनेनमस्कावयानाशचक्रिद्रिद्रिधधायसंवातेहनेक्रिध
नेनयगुलिवलुकमदयकंचाने॥धरप्रकावनेवावांयद्रुदयाशाने॥धवलसपुगुलिकल्पवक्रकंपमानरुया
शसने॥धनेधमोकववनियाज्जिहगुचायाश॥मनसलालपले॥महाश्रधर्यजिनंरुयानायानिमिद्रिनेधव
रुकेपमानरुलखसधके॥चिंनलपाशवानेधनेलिसिमानेधले॥हमनूयकनेजूनमनसगधवाना॥कनेजून
नमनगुलिपद्रुदयाशानधकेधयाश॥धरसिमायावचनदनाशधमोकवनेधले॥शकल्पवक्रक्रिद्रुलसां
जूनवलुकमद्रु॥धधायसकलपालयादर्शनयानायामाणने॥क्रिज्जितिसंसारवश्यधनधकेधयाश॥धरधमोक
वयावचनदनाश॥कल्पवक्रनेधले॥धधमोकचविंतामनिनामकल्पवक्रसिमाधक॥कनेगधमसियाकनेरुव
लुककानेवांकाशुलशगुलिवलुककाशकनेरुलसां॥जूनवांकाशुलसांमानवांकाशुलसां॥हनेतिलहीलेध
लसांनानाप्रकावयावत्त्रवांकाशुलसां॥हनेसुवर्धवाप्यताज्जुआदिनेज्जुधयागु॥धरवक्रवज्जदिनेमवताकने

॥ वि. चि. ॥

॥ ३३ ॥

पूर्व

ॐ स्वास्तु उगुलिप्रार्थनायाः ॥ जितं विषयं कालाधर्मो कवचं नैवेद्यं देवताया न मूढया माला च याया पुन्यतं ॥ च
नं लाम्भया रुलतं ॥ जिथिन कल्पवृक्षं सिमा च न गलान् ॥ धकं धायाऽथ न कल्पवृक्षं सिमा या ला खा दनाऽ ॥ मनसु
तिरु सि रुयाऽथ धलं ॥ आ ॥ २ धन्य २ जि लाम्भ धकं धायाऽ ॥ हनं थ सि मा या न स्वचा कडलाऽ सिलनं ला क पू
त्यन मस्का न या नाऽ विमगिया नं ॥ लाम हा वृक्षं रुल पाल चिकाम नि धकं जिने म सिया ॥ लाम हा वृक्षं समस्त वे रु
रुनं संपूर्ण रुयाऽ विष्ठा क क ॥ रुल पाल या न न मस्का न ॥ लाम वृक्षं देवता आऽ जिने सिय धनं रुल पाल या क प्रा
र्थना या य ॥ लाम वृक्षं देवता आऽ जिम ना न थ या नाऽ विष्ठा रुन ॥ लाम वृक्षं जिने रुल सां प्य चू कर वन रुदय काऽ थ
चू क या द धूस ॥ रुल पाल विष्ठा नाऽ धन धन्य संपत्ति ॥ संपूर्ण या नाऽ विषय माल कं धायाऽ धर्मो कवचा विमगि
दनाऽ थ वृक्षं नं रुल सां धर्मो कवचं नं रुल सां रुा का सक तां संपूर्ण या नाऽ विलं ॥ धनं लि धर्मो कवचा मनसु अति
आनन्द या नाऽ पव म सुख ला ग या नाऽ धान रुल ॥ ॐ ॥ धनं लि धन कवचं नं रुल सां थऽ पा सा धर्मो कवचा

॥ व. हा ॥

॥ ३३ ॥

थधितुसुर्यशुलधकंधायाडा गुलिवाला दनाडा ॥ थिथिंविचालयायधकंधर्माकनयाचसुडानाडाधालं लापा
साधन २ दंतलागधखडा थधितुसुर्यशा ॥ धववतसंदनंमतना स्वयंमनना ॥ लापासाधर्माकनवक्रशी ३ ॥
कमूनिनथागरयाप्रहावनं ॥ मिशिसुनिक्तसयां थधितसंपल्लिलाहलात ॥ लापासापवमज्जनन्दनं एकमान
याडाधकंधायाडा ॥ थडा २ दस पवमज्जनन्दनं धानरुल ॥ ० ॥ थनंलिहिकुपनिसुनंशुलसांश्रीधकमूनि
याखालस्ययाडाविमक्तियां ॥ हलगवनुचूयानिमिर्निनं धर्माकन धनकननिक्तसयावानिर्यया ॥ थधितुने
सुर्यलाग ॥ धकंधायाडा धनलाखादनाडा ॥ श्रीलगवानंज्जहादयकलंलाहिकुमवगानिमिर्निनंमख ॥ थपनि
सुनंशिकतडावाहनं थधालवनयाडापूजायाग ॥ हनंवेत्यदेवतावागमूनमालावधाययाग ॥ थनंपूतया
प्रहावनं ॥ थपनिनिक्तसयां थधितुसुर्यपदलाग ॥ लाहिकुथुगुलिनाकससुखगलानाडा ॥ अंनकालसमाक्र
ह

॥ वि. वि. ॥

॥ ३४ ॥

नृपतिराजायाय ॥

पदलायिडाशलाधकं क्राहादयकलं ॥ धनं श्रीरगवानयाज्राहादनाउरिक्कपनिस्यनं विमतिमानं ॥ हृगवन्मृगा
डाजिपनि वाधशयधुनधकं धायाडा ॥ धडाश्रममसं विष्ठाकशला ॥ ३५ ॥ ~~विष्ठाविचित्रकारिकावदामच~~
~~उर्ध्वश्रमय ॥ ४ ॥ ३६ ॥~~ धनं लिदस्यं चानधदं शतदसलमागुरिक्कपनिस्यनं लिचकाडा विष्ठाक ॥ ॥
धदं शयूडागधिनधालसा मिमनिगाजनरु ॥ कनाडावात हनंदडावाडा निमानं नियपडाजनरु कनाडा
हनं जूतिचान्यकृनापूधदसं कानमचयनं व्याफमानशयाडावात ॥ जनलाकपनिस्यनं संशकयानाडावात
हनंदं वकं न्याडा समानं श्रीजननं संपूर्णशयाडावात हनंचगुर्धदनेपावंगनशयाडावात वाकृतपनिस्यनं
संशकशयाडा ॥ हनं धदं धयापिनं क्रसवालपरवालनं उयकायकाडा मयादडा क्रसवालखालनं उयकाडा न
योदडा ॥ क्रसवलनालनक्रनं उयकाडा मयादडा ॥ धधिनगंधवतिनामनगनरु ॥ चन्द्रकोनाधायानामनाशा
चन्द्रवतिनामनानिधपनिस्यनं ॥ वाक्प्रतिपालयानाडा विष्ठाक ॥ धनाशाशयिडागधिनक्रधालसामहाप्र

॥ क. श. ॥

॥ ३४ ॥

नामिमहाकनूनात्मानसगुनीकरुणहनेथडाकायमूचायाग॥सुखतंप्रतिपालयांनाशथंप्रजायातज्ज्ञानन्दयानं
प्रतिपालयाक॥हनंवाकामध्वजामनिशयाडाविष्काक॥अहंकावकाधमदयाडाविष्काक॥धधिनक्रवाजा
रुद्रगंधवतिदशसविष्काक॥॥थनंलिप्रीधकसिंहलगवानंशलसां॥हिरुसंघपनिसत्तनाडाआह
दयकलं॥हारिकुपनिधर्मात्मधायानामवाधिसत्त्वनं॥दयकाडातयाचैत्यदवचग्वलजिर्हशयाडा॥संचूर्ह
याडास्यनाडावान॥हारिकुकुपनिसकस्यनं॥धचैत्यचग्वलजिर्हउधनयाडाधचैत्यजिर्हशयाडावान
कनयमहाडाधकपनिस्यनंउयमयाडाधक॥धीधकमूनिलगवानंआहदयकलं॥धकआहदनाडाधि
कुकपनिस्यनंआहदयकलं॥हलगवानंधधर्मात्मधायानामवाधिसत्त्वनंलगुलिसमयस॥धचैत्य
दयकलंधचैत्यचूनिमिर्हिनंदयकल॥काननचग्वलजिर्हशयाडाधक॥धहारिकुपनिसयाहाराद
नाडाधीलगवानंआहदयकलं॥हारिकुदडाधयाहगुकावनजितंकन्य॥गधधलसापवापूर्वकालस

॥ विचि ॥
॥ ३५ ॥

[illegible]

॥ वडा ॥
॥ ३५ ॥

विमलितयातं हंरुगवनं ध्वजं मूर्तिदयकयातं विधि विधान गथ २ माल ॥ हनं का पाया चाज्जगथ लिङ्ग काय ध
यापविमान गथ ॥ आरुह्य विष्णु न धकं धयातं ॥ ध्वजं लाखाठ नाश हंरुगवान नं आरुह्य दयकले हंरि
ध्वयापविमान गथ धालसा ॥ ग्वं प्रदं व जित्ते उधनयाय रुल ॥ अं प्रदं वया ध्यान या नाश हं मक्रिया संपूर्ण स्याना
अं दवया का सपिका यातं ॥ दा स धल स्थापना या नाश ॥ अथा विधि धं सा मायी सक नां ॥ गाल लाच काश प्रमाने धं
दनाश हंरु ध्वजं संपूर्ण याय धून काश रुद्र प्रताप आदिने ॥ दाय धून काश अथा विधि धं अहं नाश अथ या नाश
प्रति स्थायायु ॥ ध्वजं या रुद्र दय का ससितं अधिकं पृथु दश थूका ॥ धकं आरुह्य दयकले ॥ धने लिङ्ग पनिस्य
नं श्रीरुगवान या रवाल स्वयातं विमलितयातं ॥ हं गुन हंरुगवान धं २ खश रुद्र पाल स्यनं ॥ आरुह्य दयक गुलि
ठ नाश पाल रुद्र धून धकं ॥ ध्वजं धयातं श्रीरुगवान या रुद्र स्वाक उलाश न मस्का न या नाश ॥ हंरु पनिसक
ल्पं आसन नं दनाश ॥ ध्वजं धर्मा रुद्र वाधिसत्त्वेन ॥ दयकाश रुद्रा जित्ते रुद्रा वं स्यातं पूवादि न आवा र्यनं हं

॥विनि॥

॥३३॥

मधर्ममर्जात्तथायातकाशउधनवाते॥पुगुलिप्रकावनेशीका॥कमृनिनेआह्लादयकल॥धनप्रकावनेरुजधरुप्रता
कआदिनेसंपूर्वसिधयकाश॥पतिस्त्रियायधनकाश॥हिरुसंघपतिसकल॥शीलगवानवाथमशानाशविमक्तिया
तंहनाथहरगवेनरुलपालस्यनेआह्लादयकाथं॥संपूर्वसिधयकाशयधनधकंविमक्तियातं॥धनरुखाद
नाशशीलगवाननेआह्लादयकलं॥हरिकृपानिधन्यरुपनिरुअधनकार्यसिधयकाशाल॥धनरुलनशधनपू
न्ययाखानिधुका॥धननेमवतारुअधनमइधुका॥धनपुन्ययापरावतंरवायायमरुधुका॥काटिरुग्यासि
नंसगरुकाटिकेन्यादानयातासितं॥काटिसादानयातायासितंअधिकंपुन्यधुका॥धनपुन्ययापरावनेकाटि
रुन्रस्वामियापदलानाश॥शीधुधयापदविलायिशरुला॥धनकंआह्लादयकाश॥हिरुपनिस्त्रने॥विमक्तियातं
हरगवेनहरिनसाइन॥धुगुलिपुन्यमहाउरुमखश॥धुगुलिपुन्यसेनानेचलययानाशान॥धुगुलिकथा
हिनरयानाशआह्लादयकस्य॥विक्कायमालधकंविमक्तियानाश॥शीलगवाननेआह्लादयकलं॥हरिकृलाकहीन

॥व.दा॥

॥३३॥

याययाकाननस॥ किनंकनहिनकंदशधकंधायाश॥ ध्रुवग्रीरगवानने॥ मसूरुनेक्रिलाशविकाने ध्रुवलसपर्वसा
माशधेदनक॥ गर्हहिमालायागजनंखयकलहल॥ ध्रुवयाशहिकुपनिस्यने॥ विमतियाने॥ हलगवानध्रुव
सामाशधेदनक॥ ध्रुविनरुहनानेखयकलहल॥ गननेगलध्रुवयाशमृतिजाध्रुवशलधकंधायाश॥ ध्रुव
लाखादनाश॥ श्रीरगवानेआहादयकलहलहिकुपनि॥ ध्रुवलिनरुहमवयाकनेगलमखुध्रुका॥ ध्रुव
नलध्रुवधायानाम॥ नाशायाविमानखनपिलाशगुलिनरुहध्रुका॥ ध्रुवआहादयकलध्रुवआहादनाश
हिकुपनिस्यनेध्रुवल॥ हनाथ॥ हलगवानध्रुववाशायाविमानमाजयाध्रुविनरुहप्रकासशयाश॥ ध्रुव
ननेध्रुवलिनरुहप्रकासकलध्रुवानिमित्त॥ किपनिरुकस्यविकायमालधकंधायाश॥ ध्रुवलाखादनाश
कमनिनेआहादयकल॥ लाहिकुपनिधनियादिनस॥ ध्रुपनिस्यनेखयदगिशध्रुका॥ ध्रुपनिस्यनेसियकिश
धकंधाआहादयकल॥ ध्रुवलस॥ नलप्रलाविमानखनसदनाश॥ नलध्रुवनामनाशाशलसोअधिसिधिपनाक

॥विचि॥
॥३१॥

मयानाश आकासमार्गनं ॥ नाशीयासमयस्थीरगवानविष्काकगुलि ॥ सल मंडलसथनकलशलंकथं थं थं थं
नाशीरगवानयाथासथनकलशलं ॥ थं थं थं थं थं थं थं थं थं थं ॥ गवक्रस्यनिगा ३२ लक्रनलाकक्र ॥ स्यनि
कालक्रिनं संशकुरुता ॥ सुवर्षयाथिनं वर्ष ॥ हनं शलच्छी सूर्ययासिनं नरु थूलाशविष्काक ॥ थथिनक्रशीभाकमूनि
रगवानकथागतयागुदर्शनयानाश विमाननं का हाशयाश स्वचाकउलाश ॥ चवनपाइकासलकपूयाशतम
स्कावयानाश ॥ उकातस्थानसवीनं थनेलिशीरगवाननं नं आसदयकलं ॥ लमहावाश वल्लधरुकावननं थ
थनशया ॥ रुषमुखनं रुनं पविवानकललरुता मखलाधकं आसदयकलं ॥ थन आसदनाश वाशनं वि
मत्तियातं ॥ हगवानरुलपालयाक्तपानं ॥ जिआनन्दरुता थूका हपवमध्वन ॥ मवगाकावनसथनशयामख
रुलपालयागुदर्शनयायनमस्कावयायधकं जिथनशयाधकं धायाश ॥ थन लखाठनाश थीरगवाननं
आसदयकलं लमहावाशजिनं रेलसां ॥ महाउरुमनाशधर्मयाकथाकठन्यश ॥ लमहावाशनाशधर्मधाय

॥वदा॥
॥३१॥

गुलिकडाधनधूकागथधालसा ॥ यक्रुचक्रुलिनंसंपुनंसंलकयसोनरुनानरुस आधनरुनानरुपमथ
निसंरुपालरुचक्रुन ॥ ॥ लमहावागगथजसिसारुलयानिमिरिने ॥ खानयानिमिरिने ॥ सिमालहिना
शसिमालहिसेविवालयानाश ॥ तशधंवाशाधयाकनंपुजालोकयाग ॥ विवालयानाशहिसेरुयमालवा
शाधयाक्रुलसां ॥ पुजालोकयागमाधनपापधूका ॥ लनारुनरुलरुलपाकयशयशखाय ॥ धयाकावनस
वाशाधयापिसन ॥ पुजालोकयाकविनास्कावसुदःखवियमरुश ॥ वाक्रुलसांन्यायनितिनंवाधपतिपाल
याय ॥ लनारुनथशदःखशमवयादःखश ॥ उधंलपमालरुनेमवयासुखनेथशसुखधकंलपमालरु
नेलमहावाग ॥ धर्मधयापदार्थनंवाधवधयशयिशा ॥ धर्मयारुलनंवाशलकी ॥ स्तिनरुयुशधर्मनेलाकनेमोन
यायिशा ॥ धर्मयापलावनंनकावनंस्वर्गवासलायिशा ॥ लनारुनथरुयानिमिरिने ॥ धर्मनंवाधपतिपालयाश
धकंशुसदयकलं ॥ धमजुसुदनाशनाशनंविमक्तियागं ॥ हलगवन्कवपालसुनंआरुदयकागुलिनिः

॥ विचि ॥

॥ ३५ ॥

अथनेखशधकंधायाशशीरगवानयावननकमलस हाकपू याशनमस्कानयानाश ॥ थशविमानसगयाश ॥ थशवाकसं
लिहाशनरुला ॥ ॥ थवलसहिरूपनिस्यनेशीरगवानयारवालसयाशविमतियातं ॥ हलगवान्द्रूपंनयाफल
नंप्रलावनं थक्रवाशास्वयनापंययापू मेभानमरुलधकं ॥ ग्वक्रस्यनेमहानूडधानथंवानधकं ॥ ग्वक्रस्यनेनावाय
नवानथंवानधकं ॥ ग्वक्रस्यनेदेववाशुद्रुधानथंवानधकं ॥ ग्वक्रस्यनेकामदेववानथंवानधकंधाल हापव
मस्यन थनाशास्वयाशजतिज्रुगचायधुन ॥ मनूव्यलाकशजा थथिनवूपवंत ग्ववलसंस्वयेमननाठन्यंमन
ना थक्रवाजागुगुलिदसया ॥ थसमकंज्राहदस्यविकायमालधकं ॥ विमतियाकगुलिठनाशशीरगवानेज्रा
हादयकलं ॥ हाहिरुक्र थक्रवलधजनाशाशुलंमवदसयामरव ॥ वेभावीधायाज्रुथ्थायास्वामिथुका ॥ थदस
शयिशागथिनधालसा ॥ धुशवांशानितानंजिमखुशाजनरुकनाशवान ॥ हनेमहासूरिकरुयाशवानज्रुतिमनाव
मथानरुयाशवान ॥ हनेमृष्टेस्वर्यनंसंरुकरुश ॥ जूनगमंरुगंरुगारुविशानेपानंगरुश ॥ महाप्रतापिरु

॥ वरा ॥

॥ ३६ ॥

अथचिन्तनाशया पूर्वजन्मया पुन्यया प्रहावतं च धिनेनेस्य पवमसूख हागयानाशवानधकं श्रीरुगवानेमा
हृदयकगुलिदनाश हिक्कपनिस्पनेविमक्तियामं हगुनूरुगवान् चूकर्मयारुक्माननं च क्रवाशयाथुलि
नपनाक्रमदना चूकर्मया प्रहावतं थुलितरुजदना च याकावननसमसं आहृदयकस्य विज्ञायमालधकं विम
क्तियामं लि श्रीरुगवानेने आहृदयकलं हाहिककथयानिमिर्हि समसं जिनकन्यदश च क्रवाजानं पूर्वज
न्मसं संख्यपुन्ययानाशकयादश गथधालसा च क्रवाशारुलसां हृथूजन्मसमासिरुयाशजन्मरुयाशवा
नधवलसं क्रिचिंश्चिथंश्चुसिधिकसं वा नाश महादविडरुयाश तशवानेने इरवसियाशवानरुला च
थवाचोचनूयादीनसं च क्रवामिनं मननेरुलपले हाहादेवगथिनकस्तथनियादिनसं जिज्जनिपिण्या
नथनियादिनसं सूचक्रसूधां नवनजशमइ चथवनिया पुनूषपनिचक्रंशमदयाश रवेशाकायगुलि
मदयाश शयायहंमसियाश चस्वसियाधिकलिस्पंस्वलरुलं चवलसं गुलिथायसुनदियामानसं पूखु

॥विचि॥

॥३५॥

लिच्छुगुलिदस्येवान्धथायसः लिच्छुककच्छकूलसां॥थशासिस्वच्छक्यागकूलसां प्रवर्त्तायहनवर्त्तुविययात्वे
त्यदेऽंशच्छववदयकाशतयादशा॥थचैत्यकूलसांसाः कृशांल्लुचिच्छकूल मचागस्यनंक्रिगवहनयानाशथचै
त्ययागर्त्तसवान्॥अनपाचास्वकस्यानाशस्यनकाशक्रिगाशवान्॥थथिनज्जशसवनस्यक्रमामिच्छकसं
ननयमदेयाशमहादूर्वलकृयकाशबूलहनचेल्लपाशकूलं॥थवलसथजिर्कृयाशवानचैत्यस्वयाश
विचालपानाशकूलं॥सूपापिष्टपूवनेथचैत्यस्यनकूलयसधकंधायाश॥थक्रमामिनंकूलसांथचैत्यका
थथज्जसागयाताशतयज्जगाथ॥कागधमशशधकंचिंतलपाश॥थचैत्यगर्त्तसगनगतलाहमदयाश
वानगनगनेज्जमदयाशवान्॥गुगुलिथासस्यनाशवान्॥उगुलिथासज्जकृतयमालथासज्जकृतयाश
लाहकृतयमालथासलाहकयाश॥कृतमालथासकृतानाशवानंरुनमालथास॥चानंरुनाशथक्रमामिनं
कापायाथंस्वरायमानयानाशकूलं॥थकभूनकाशथमामिथशथाससंशतधकं॥रुसिधिकलिसंशतं

॥व.श॥

॥३५॥

थशआधमसवानाशथनियादिनसहितगथअंतमलातधकंचिफलपाडा॥समूकवानेथथवानाशवानवल
सस्वसलवनियापनिथसमूदपावयायधक॥थश२संपरिधनशानाशवनइशत्यधकंथनदियाकीवस
शनंथनतिवनिशालपनिसनं॥मामिसलताशधालेहामामिपनि॥जिपनिसकल्पंसमूदपावयायधकश
याननानंपावयातकाशथश॥धकंधायाशथरुलखादताडा॥मामिनंधालेहोवनियालाशपनि॥विस्तव
याखलकसाथपासागुलिदश॥उलियांल्याखस्वयाशखशजितविशधकंधायाश॥थरुलखादताशवनि
यापनिसनंधाले॥हामामिलाकजिपनिसाथसंघस्वसलवनियादशदरुवथ॥खशकोयाशजिपनि
रुतिनकपावयाकिश॥धकंधायाशस्वसलक्रयांहितापनं॥ल्याखवानाशमामियातखशमविलेग्वक
सनंअंतवस्तुकविले॥ग्वकसनंदव्यवस्तुकविले॥धवलसथक्रमामिसंताखशयाश॥महोहर्वमानयाना
शसासलवनियापनिसमूदपावयातकलं॥पावथनकाशकालकाशवोतं॥धवलसमामिनंरुलपलेअ

॥ विचि ॥
॥ १० ॥

अदिसुमसुं वलुकनं संपूर्णरुलं आशतिनियममानन्दरुलधकंचिंतलपाडावानं ॥ ॥ धनयाखधरुल
हाहिरुधकं धप्रमानिचक्रुयादिनसमृद्धरुयाश वेहालीधायामुद्धानगवस ॥ वलधरुनामना
आधायकाश वाश लगयानाडावानं ॥ ॥ धकिर्मु उधनयानागुया पुंनया रुलन ॥ धथितनूपवंत रुयाश
मनूययाचुषकादनाडा ॥ धथिनपनाक्रम धूलाडावातधक ॥ श्रीरुमाकमूनिरुगवानं आह्लादयकलं ॥ ॥
धनेलिरुपनिस्पनं विनतियातं हलगवानधंन्यधंन्यरुवडा ॥ आडाशप्रतिपत्याल रुयधून ॥ धनाजायाक
प्रसंसायायडागधरुवडा ॥ धनाजायाउेस्यर्पगुलिदडा ॥ धगुलिआह्लादयकस्यविकायमालधकंधायाश ॥ ध
रुलाखादनाडा ॥ श्रीरुगवानं आह्लादयकलं हरिकृक धप्र वलधरुनामनाडा रुलसां ॥ धर्मनं वाशवज
यानाडा प्रजाप्रतिपालमानाडा धडाऊमकिर्मु सबदनं नकाडा ॥ न्यायनितिनंदनं ग्रामे आदिनं रुिचनतडा
हनं शाचकपनिरु दानविगाडा चान हने रुनजिनं कन्या ॥ गधधालसावुगुलि समयस धप्रनाशासुलमून

॥ वदा ॥
॥ १० ॥

काशानवतस थुगुलिसलस इणीलधायानामहिकुचक्रस्यने **ध**क्रनाशया रुसकिर्लिस वदनाश **भा**शया
सलमंउलस इ हाशले **ध**क्रहिकुगथिनक्रभालसा गुतिवुपाखल कुरु सवीनश **म**वनंनिन्दायायश
म्वस्वयनापेमययापू **ध**थिनक्रहिकुकचक्रशयाश **ना**शयागजातिर्वादवियाश **ध**नेलिवाशने
रुलसो **ध**क्रइणीलहिकुयागस्वयाश विचालयागं **हा**हिकुकचक्रगननंतामा वनं गुतिवुपागथ खलरुल
धकधासंलि **ह**िकुनं धालं लामहावाश **कि**रुलं हिकुकथका **अ**नगदभदसांनवहिलाश **ह**िक्राहानाश
लपालयो **रु**सकिर्लिसनाश **कि**थनशया **ल**ामहावाश **कि**रुलं पूर्वशमया रुलनं **गु**तिखलरुल सवीनस
कुरुनागशले धकंधायाश **ध**क्रलारवाहनाशनाशनं **अ**हदयकलं **हा**हिकुक प्रवर्कावर्धधवनायानाशवा
शथथिनसलिलगथरुल **ह**नेचइणीलधायक्रहिकुला **ह**नेमखसुसिलधायक्रहिकुला **च**यना
शकिमनस **अ**तिआग्धर्यरुल **हा**हिकुचक्रनं धालसा **ह**िकुधकंधाल **च**नं धालसा **ह**िकुपापमइदं हकि

॥विचि॥

॥ ११॥

क्रिविकोमद्रुगतानधकंधायाश॥ध्रुवाजायाख्वाडनाश॥हिकुनंधालं॥हामहानाजिहूलंदंदपाणमइति
चलपालसुनंजिउपनसकवृक्षकृपागयाश॥जिहदंदपाणदानविस्पविशायमाला॥धकंधायाशध्रुवति
कृयाख्वाडनाश॥नाजानेधालं॥हिकुकचमथइसिलरुयमम॥सीलखलावतिनकाशचंचलयानाश
शश॥चननदंदपाणजिनंविषधकंधायाश॥ध्रुवाजानेरुलसांध्रिकुकपाग॥दंदपाणदानविलंरुनं
सुखशयाशधानअनपातवसुकदानविलं॥ ॥थनेलिथ्रिकुनंवलधजनाशादर्मनयानामाणनं
कुतिनिपांउमिहायाशखुलमेरुलं कृष्टमाणजकममालगु॥थनेलिथ्रिकुनंरुलसांध्रिशुतिखुलम
मरुशखयाशमनसजुतिआश्चर्यचायाश॥हर्षमानयानाशध्रुवाजायाग॥आसिवाहवियाशलिहा
डानरुला॥ ॥थनेलिथ्रसरास॥धानलोकपनिसकल्पंआश्चर्यचायाश॥नाजायारखालखयाश
विमलियागं हामहाचाजिपनिआश्चर्यचायधून॥चलपालयासलिलनिश्रयनं॥पुन्ययासविचखडा

॥वडा॥

॥ ११॥

धर्मयारवातिरवडा कल पालया दर्शन या ना या माउने ॥ ध्व कलिकुया पुति नं वू यजिल थथ पुति नं वू यजि याडा
महा हर्ष मानश याडा ॥ लिहाडानं धंय २ कल पालखडा धकं धा याडा ॥ ध्व कल खडा नाडा वाडाने माल पलं
कू हं पु कू आ ध्व र्य ॥ ध्व कलिकु मायाने लोकं पुति खल रुय काडा ॥ मलिल कू ह रुय काडा इमिल रुय काडा
निकं ॥ जिग कल य या न डाल ला ॥ हने मरु थडा मलिल ॥ कू रु रुय काडा थडा खला वने रुकं डाल ला ध्व जि
ने मू थथ थ धक म सिया ॥ जि महा से द ह रु ल धकं ॥ मन नं चि कल पाडा वाने थवल स का स्य परि कने थ
ए गवान या रवाल ल या डा वि म कियाने ॥ ह ए गवने इमिल रि कू कू ॥ ना रु स ला मडा डा कू मायाने रि कू रु या
डा डाल ला हने म थ या खला व थथ पुं ला ॥ ध्व यानि मि रु ग थ रवडा ॥ आ रु द य काडा वि का रु थ धकं धा याडा
ध्व कलिकु या ला खडा नाडा ॥ थ ए गवाने आ रु द य कल हे रि कू कू ॥ ध्व यानि मि रु जिने कन दडा ग थ धाल ला
ध्व कलिकु रु लं ॥ मायाने डाडा कू मरु ॥ ध्व रु लं थडा खला वने ना रु स ला स खन धकं डा कू थ का ला रि कू थ कू

॥विधि॥

॥१२॥

[illegible]

॥ व. शा ॥

॥ १२ ॥

थक्रकारुहाविकने थअमामयागरवडांलाहाननाडां॥लाकामनेदालंथवलसंलाकमयावथा॥सहया
यमरुयाअमामनेथअपूयारवालखयाअभालं॥हापूयचनेजिगविनाकावेनसं॥वयलाकामनेदया
जितेचनेनचूजूपनाधयानाचूमरिनेस्वया॥चूजुधर्मयानाचूमखगुलियाना॥हनेथक्रयावसुकचू
रूकादडां॥जिगकावेनमदयकेचनेसाहियाग॥धकेधयाअगडांथानेविलापयागे॥थनेलिकारुहावि
कनेजुगिकाधवचनयानाडां॥मामयागधालं॥हमामचजिचसचानमकपिहारुनि२चगतअनच्छकाश
लजुनरुनिधकेपिगिते॥थगथअकाययाजुवाचारवदनाडां॥मामनेधालंहपूयजुअचनेजिचसंनयम
इपिहारुनिधकेधाल॥हपूयजिगतअन्यगतवानेक्रियासारुलसाचूथुका॥चनेरुलसांजिथितेपापि
नीवधियागजामथधयमक॥जिचलेमिसाडाकसुनानंपतिपालयापिअहनेमखचनेनिकेने॥जिथक्रस
कयमखवेकधालसा॥जिथअक्रउानकाधके॥धयाअपिहाअयाअथअक्रउानधकेअने॥॥थनेलिथक्र

॥ वि वि ॥

॥ १३ ॥

काष्टहाविकयामनसलपलं ॥ आशजापापीनीमामथशकउतं ॥ थनंतिआशतिनिद्रिउकां ॥ पप्रआनन्द
नंवातं सुखनंवातधकं लालपाशवाधो ॥ उखनूयादिनविकयशयाशाने ॥ थनंतिमामयागदोखयानाया
पापंनं थप्रकाष्टहावीकयाक्रमकथथं ॥ इतिरुशयाशालं हनंतिद्रिद्रियाजूनतयमदयाशमहाह्रस्व
सिलं हनंथप्रकाष्टहावीकया गुतिष्ठपाखुलशयाशालं ॥ हनथयासुवीलकुष्टवागनंथियाशालं
थनवागनंथीसुलि ॥ थशयपावयायसामर्थमदयाश ॥ आहानमलानाश ॥ महाद्विदशयाशानथव
लसुथप्रयामननं लालपलं ॥ हाहादेवआशजिनंयुयाय ॥ जिथथिनवागनंथिल ॥ जिमामधालसाथश
क्रमजिनंथलसाव्यपालयानाशानयसामर्थमदके ॥ आशजिनंथथवातानंवरुमानशुशामेखन
धनआशजिरिककशयाश ॥ लिक्काशनानधकं लालपाशचनंपिहाशालं ॥ ॥ थवलसुथीगवानं
आलदयकलं हरिकुथप्रकावनं ॥ मामयागअपवाधयानायापापनंइभिलधायाक्रिरिकशयाश

॥ व द ॥

॥ १३ ॥

ज्ञाचक हस्ति या नाश ॥ तुतिखल शय काश ॥ कृष्ण गते क य काश ॥ महा इ ख सियाश रुता ॥ थ रु ले मा याने अ क्र
म रू थ श खे ला वने अल ॥ ध कं धा याश ॥ थ रु थो र ग वान या आ हू रु नाश ॥ का म्प पा रि रु ने ॥ थो र ग वान या क वि
म ति या ते ॥ ह र ग वान रु ल पाल पाल या ॥ आ हू रु द वाश ॥ जिय नि वा ध रु य व न ध कं धा याश ॥ थ रु ला खा रु नाश
थी तथा ग रु ने आ हू रु द य क ले ला रि रु ॥ थ रु न ले ध रु ना क्र म हा ध मा त्मा थू का ध कं ॥ थो र ग वाने आ हू रु द य क
ले थ न या ख थ रु रु ल पु न री न ॥ व ले ध रु ना म वा ज्ञा या म न रु ला प ले ॥ आश जिय म ने वा ज्ञा ता ग स चानाने रु
प्र या रु ने म रु ॥ रु ने रु ल ता प श्चि म दि ता रु ॥ रु गु लि व न रु रु द स वू ध रु रु रु गु लि द स्यं वाने थ थ म रु न
ध कं रु ल पाश ॥ थ रु रु पु ष पु री अ ना य सा रु त रु मा ध व या नाश ॥ वा ज्ञा रु ला या आ रु स रु म रु उ प द रु वि
याश थ रु रु ना ज्ञा वू ध रु रु अ न ध कं ॥ प श्चि म दि ता रु रु याश प्र स्थान या नाश अ नं ॥ थ रु रु प्र का र ने व ले प्र रु
ना म वि मा न रु रु नाश अ अं रु गु लि द रु रु स्थाने ॥ थ थ य रु रु रु रु ना ज्ञा ने ले ख म हा गु हि ति रु रु रु रु रु

॥विची॥
॥१४॥

नंथ स्वयां विचालयानं थ वलसं थ क्रवागानं स्वयां माप्रतं निर्मललेख धावा हायां गालं थ स्वयां गथ क्र
वागां गतिमिस्मयचालं ॥ जहां गथार्थ थ वृहत् ॥ क्रवधालालखधामहां गथ धालसा ॥ हिति हाया
गालवकं गथार्थ चायां गधानं थ वलसं थ हितिनं नवनडां नागधालं लामहां नाग ॥ किं सुलिलया इननाल
स्यनां गधानं ॥ लंखधामहाय मरुयां गधानं ॥ गथ वृल पालक दगेन यायग ॥ किं ज्युक्तल स्यनां गधा
नगुलिमसनां गधानं लखधामहाय मरुयां गधानं ॥ गथ वृल पालक दगेन लायग लखधामहाल थ
ननं ॥ धं न्यर वृल पालया पून सुलिलख गधक धयां ग ॥ थ क्रवागां गध क्रुया चाचकिं जूतं गुवा सया
नां गति रवृ क्रु ॥ स्नान संधो नप्यन याय वनकां ग ॥ हां गनादि धूतकां ग जूननं मेव स्थान सडानं ॥ थ नप्यः
काननं जूनग पर्वतग यां ग ॥ गं गं गुथ सम हाइ गं वनसं थ नं थ थ स थ क्रवागानं रलसं ॥ महाक
ल्यवृ क्रु सिमां माखनं ॥ थ सि माग थ चाने धालसा ॥ गतिमनां नम गथां ग जसं रव्यसि सा रल स यां गधा

॥व.हा॥
॥१४॥

[illegible]

॥विचि॥

॥१५॥

नपनिनाजायाथासध्वनकलशले॥धवलसुवागानेरुलसोथक्रवाकनपतिस्रयाशविचालयाते॥क्रवाकन
रुपनिगनशनमनाधकंधायाश॥ध्वनकारवाढनाडावाकननेधाले॥शरुमानकसलरुगामरवूला क्रिपनिरु
लेमवताधकडायामरवू॥नलध्वजधयाक्रवाशमहाधर्मास्माधक॥धवागुलिढनाडाक्रिपनिरुले॥ध्वक्रवाजा
याथासडाधकडायाधकविचालयाते॥धवलसुध्वक्रवाजादर्शनयानामाजनं॥मिरवानंमरवनक्रवाकनया
मिरवानंरवनंदयाडागले हनेकृष्टागनंकडाक्रयांवागनासरुयाडागानं॥धनेलिधिधिरवक्रातंलापासाज्
हाक्राध्वार्यक्रयानिमिर्त्तिनंरुनेमिरवानंरवनंदता॥हनेकृष्टक्रयाडाध्वानक्रया॥कृष्टवागनासरुयाडागानं
नध्वक्रपुनूषजामनूषरुयिडामरवू॥धशनापविचालयानामाजनं॥रुपनितिक्रसयांशुहसवीचरुलरापा
माज्जाडाधधमरवू॥मिजिस्मनंध्वक्रयाकहितकदत्यनूयाधकंधायाडा॥ध्वक्रवाकनपतिस्रनंदनं लापुनूष
रुपनिगतनंशयारुतगुजातक्रुनेक्रिपनिरुसुयध्वकनमालधकंधायाडा॥ध्वक्रवाकनयारवढनाडागानं

॥व.दा॥

॥१५॥

धालं हवां क्रन वराज्वाभ्यर्च्य रवशं जिनं कलं च पति सियाधूका व्यपति स्यनं किम सियाधक गथ धाया जिहलं नत्त
धरु धायाना मवाजा धूका धकं धाया शं ॥ धरु वाजाया रारवा दनाशं धवां क्रन पति महा हर्ष मान रुया शं ॥ जामिर्वा
द रुया शं धालं लामहा वाज्जल पालया ॥ स्वस्ति रुय रुय माल सदा सर्व कालं ॥ मंगल कल्यान रुय माल धकं जामि
र्वा द विलं ॥ धने लि वाजा नं आदय कलं ॥ हा वा क्रन जिशं व्यपति शं सारुतिया नाशं ॥ धन शया धं शान धक धाया शं
रुथा सक प्रमानं दक्षि ना विया शं ॥ ध्रुवा क्रन पति सु वला विया शं व्यपति ॥ धने लि ध्रुवा क्रन स्व क्रं प्रसादना
नाशं थशं स संलि हाशं नं ॥ ॥ धने लि वाजा या मने स लाल पा ॥ धरु रुशं गुलि स रुं थनिया दिन स किवा
धरु य धन जाशं जि स द ह म चाय धन अरु आभ्यर्च्य जि ग धिन कर्म ॥ ग धिन ल ग्ध धकं धाया शं ध क ल्य त रुया रु ल
स व च्छि वा स नं चानाशं स गि र व रु नू वू रु रु शं न धकं शनं ॥ ध व ल स क्रन माय स वू रु रु स धनं ॥ ध धाय स वि
मल प्र ल धाया चै थ रु व ल ख नं ग धिन गु चै थ धाल सा ॥ म नान म रु या शं वान अति रु शं व ल स्व स कि कि स्व य

॥विचि॥

॥१३॥

मगाक अतिनेवानलाक थधिनचेत्यस्ययाश मनसज्जतिहर्षमानशयाश ॥ थधेत्यदेवतायास्थानस मर्जातथंजय
नयानाश उपासनधानं ॥ हनेपूजाविधिसमस्तं संशकयानाश ॥ थधेनकाश पर्यंक आस
नयानाश कृतत्वानाश साक्षात् नलाकनेभागनसिद्धशयाशवानं थनयारवधूति ॥ ॥ थनेलिथीभाकमनिरु
गवानं शलसां कोसपरिक्रयात आस्तदयकले ॥ लाकासपरिक्रथप्रवत्तधुनाजानं शले ॥ चेत्यमूर्तिजिर्म
उद्भवयानायापूत्यनं प्रत्यकनेतथागत सिद्धशला ॥ थननेजिर्म उद्भवयानाउरुमरुलधकं ॥ थसंसावसमेनूय
लाकपनिस्त रूपनिस्यनंकन्यशागधधकं ॥ श्रीशभाकसिंहगथागतनं आस्तदयकले ॥ थनआस्तदनाडाहिरु
पनिस्पनंविमलियातं ॥ हलगवान् हेतथागत आशकलपीलस्यनं आस्तदयकगुलिठनाश रिपनिवाधश
यधून थप्रवत्तधुनामनाजाधन्यशखश महापूत्यसवीवखश धर्मयानिधानधायखशधकं धयाश श्रीर
गवानयाववनकेमलसंलाकपूयं नमस्तानयानाश ॥ थहिरुसंघसमस्तं थडां २ आशुमसंशतशुल ॥ श्रीरग
वान्शकासमाधिध्यानसेविशकंशला ॥ ॥ ~~मितिप्राविचिपकलिकावदानोद्भवाकथायापंचमाध्याय~~ ॥ १ ॥

॥व.रा॥

॥१३॥

धनं लिहने च गुलिकाल स गुी १ भा कसिंह तथ गतने रु ल सो वा नान सिध या का सि रु य स विष्ठा क रु ला गु गु
लि प्रका वने विष्ठा क थ ल सा अ सं ख्य लि रु ग न ने ॥ उ य का डा ह ने अ सं ख्य वा धि स च ग न ने उ य का डा ॥ ह ने अ व क ग न
द व ग न ह ने द व ना डा ॥ य रु ग न गं ध र्व ग न ॥ कि न र म हा व ग थ रु स ने ॥ पू जा मां न्य या क का डा न म स्का व या क का
डा विष्ठा क थ व ल स ॥ गु लि धा य स ॥ अ म च गु लि द स वान ॥ थ अ म स नि ध न धा या ना म गृ ह प ति च रु
द स वान ॥ थ रु गृ ह प ति रु लं म हा द वि ड श या डा वान ह ने थ गृ ह प ति या म हा द वि ड क क ला रु च रु द स
वान ॥ थ प ति नि रु स ने ध न ड व द य रु या का व न स ॥ अ न प्र का व ने व रु द्या पाल या क रु ला ॥ थ रु प्र का व ने
व रु द्या पान या क सा ॥ थ प ति रु ध न ला रु म ड ॥ थ ध न म रु द्या डा रु धि क र्म धा य ॥ व रु या या य स उ रु म या रु अ थ
ने रु मि ने रु ल य म रु डा ॥ थ रु प्र का व ने या ना या थं च ला रु म द या डा ॥ न य स रु चं चं च ल म ला ना डा अ या
य रु म रु द्या डा ॥ हा हा द व ध के अ ति रु स व ने वाने ॥ थ ने लि हा ने थ अ धि धि ला रु पिं रु रु मि रु प नि रु रु ना डा
न या अ थ न व रु न म रु डा ॥ थ रु नि ध न ना म गृ ह प ति ने ला ल पा ॥ हा हा क रु रु मि ने रु या ना या पा प ने थ नि

॥ विनि ॥
॥ ११ ॥

जिनं याना याना कर्मनं हस्ति मरुत च या का वन स ॥ जिथ थिन क रु रु ल जिनं जा चं पा प याना म ॥ जिक ला त नं ला
कं पा प याना अ न ल ला ॥ हा हा दे व दे व हा हा क रु ॥ जिनं क्रा पा चू पा प याना रु ल नं ॥ याना २ हस्ति नं रु ल य म रु
ल जून सृ धं ग ला य म रु ग आ अ चू याना अ व रु मान या य ध कं मन स रु ल पा अ थ क गृ ह प तिनं थ अ स्ती या
ग धालं हं का क हं स्ती मि जि सि स नं जून ग प का वनं ॥ इः ख सि या अ ह्नि व्या पा न या य ध न ॥ जू थ नं मि जि सि स नं व
रु मान या य म रु ग ॥ आ अ चू याना अ व रु मान या य ध कं धा या अ ॥ थ न पु नू य या ला र वा ठ ना अ स्ती नं धालं हा
स्वामि आ अ चू या य ॥ वि नां प व म ध व नं म वि अ न ल ॥ मि जि स क र्म दे अ न ल न्या थ ह्नि या त सां द यि अ म र वू
ग व क या दे व नं विल ॥ अ क या चू का र्थे या य म स्वाल ॥ ग व क या क र्म स म द रु ॥ अ क या स म रु का र्थे या त सां द यि
अ म र वू ॥ हा स्वामि मि जि सि स नं पु र्व ज न्म स ॥ चू पा प याना अ अ ल र वे मि स म सि या ध कं धा या अ ॥ थ न स्ती या ला
खा ठ ना अ गृ ह प तिनं धालं ॥ हा स्ती मि जि सि स नं न य मा प्र या का व न स जू स र व य पा न या य ध न जू थ नं न य ना पं म

॥ वदा ॥
॥ ११ ॥

रुद्राशयथाचाताशवर्मानरुद्रियशमखनधन॥आशङ्किनाजायासशायातशनधकंधायाश॥कनकवतीधा
यातगनस॥पुष्पकगुनामनोजायाथास॥शनधकंधातंधनलिधुगुलि॥कनकवतिनगनस॥थनाशवाङ्कूलस
शनधवलस॥प्रतिर्धनवतियारुतसो॥वाजायाचननकमलसंहाकपूयाशविमलियातं॥हामहावाङ्किरु
लेचलपालयाका॥सशायायधकंधाया॥श्रुतपनस॥कनकाकपाप्रसंनहस्यविष्णयमालधकंधा॥विनतियातंध
नेलिवाजानंवाजानंआह्लादयकलं॥हामपुन्रखगननंशयाचनेजातय॥रुद्रलंजिनमसियाधकंधायाशथ
रुवाजायाआह्लादनाश॥निर्धनगृहपतिनंधालेहाप्रहमहानाङ्क॥किरुलेमं वमखथकाकिरुलेवानानसिधाया
नामकासिकृणस॥सुप्रदानामग्रामसचानाक्र॥श्रुतिधुका॥हाप्रहमहानाङ्क॥चलपालयाकिरुलेसदृढना
श्रुतिपनिधनशयाधकंधायाश॥धनंलारवाहनाशवाजानंआह्लादयकलं॥हामहामपुन्रखजिशरेवोशधकंधा
आह्लादयकाश॥धनंआह्लादनाशविमलियातं॥हाप्रहमहानाङ्क॥चलपालयासंग्रामसशनवलस॥सवदा

॥विचि॥
॥१५॥

नचक्रादिरुयथनियदिनेनिसं॥दिनेचलपालपालयाकविषयाय॥धकंधायाशथपुनरुपनि॥लीपुनरुपनिप्रंवा
शायाचाकवीयाताश॥सुखनेलागयानाशाने॥थनेलिथरूपकाननेसंशायानाशवाथा॥पक्रुखुक्रुदयाशशसं
लिनाशकूलसा॥लेहिसंगयाजुतिहिनाशवाता॥हनेइइहायइशमसदकमृत्कुरुलं॥हनेजकासमापनेथ
नपक्रुदयाशशसंलिजुति॥लकनलानाशवातावाजायाजुतिमकनाशकया॥सलनिक्रंमृत्कुरुलंथनेलिप
क्रुखुनूयादिनस॥जुतिमकनाशकयासूतमालाचमाला॥कनाशशनेथमपकाननेजूनगवरुककुरुनाशशसं
लिथप्रपूष्यकुरुनाशनेरुलसांमननेलालपा॥जुहाजुधार्थकूनिमिहिनं॥जकासमापनेलेहिसंगयाभ
समृत्कुरुलं॥थथधायानंजिषानेसमानकसलनिक्रंमृत्कुरुलं॥हनेथथरुलथायानंजुत्यंततिनसूतयामाला
कनाशशनेधकं॥मननेलालपाशवाजानेरुलसां॥दानपावपुनवसलनाशधालं॥हादाव्यानिप्रपुनवचपनि
सनेशतिककुरुसलाशकिशधकं॥जुहादयकलंथमजुहादनाश॥दानपावसिपाहिनिप्रसनेशति

॥वडा॥
॥१५॥

[illegible]

॥विचि॥

॥५९॥

दनाश शक्तिकनंशुलसांतिपूतकायाश॥शक्तियभासुस्वयाशवाजायाकविनक्तियां॥शमहावाजभवनाचूनं
मख्गुहकंलखयादावतंमख्दूदृजनयादावनेमख्॥थुगुलिविपविगयानिमिर्त्तिनंजिनंविमगि
यायगथधालसा॥शमहावाजकुलपालयावाजगृहसा॥पापिलपुनूषयक्रदूहाडासंवातदडाध्वपू
नूरवयाप्रकावतंथधितविपवितरुयाशालवकं॥धक्रशक्तिखनंविमगियां॥धनंलिवाजानेशुलसा
शक्तिकयास्वदनाशवाधरुयाश॥धक्रशक्तिकयागज्जदनावावगयाश॥ज्जदयकलंशादेवगधज्ज
अथयाउपकाव॥गथ२खडासमसंकनमालवकंधायाश॥धक्रज्जदनाशशक्तिकनंधालंशम
हावाजधयाउपकावगथधालसा॥गृहपूजायायंमून्वालदानयायंमून्वाल॥भवनायंयायमून्वाल
धपापिष्टपूवयक्ररुका॥धवाजकुलसंगयतडाधक्रकपितकायश॥थुगुविपवितउपडवसम

॥वदा॥

॥५९॥

सुन्दरं दण्डि मखुधकं धाया ॥ धनं ज्ञातिरवया वाक्कटना ॥ वाज्ञा मृति आ धर्म्य चार्थ वाया ॥ प्रतिमश
यो ॥ धनं ज्ञाति कया न दक्षिणा विद्या ॥ धनं धनया खथुति ॥ ॥ धनं लिवा ज्ञानं रुल सो मंणी सुल
गा ॥ ज्ञा हृदय कलं ॥ मंणी जि गुलि खव रुति टना ॥ धनं धनसा मिजि वा ज कुल सु सुवक शया ॥
धान क्र ॥ ति क्र स्त्री पुन खया तं वृज य या ना ॥ धनं नि नू गल इः खम द श गुलि कथने ॥ धनं वा ज कुल नेः
पित द्य या ॥ वि ॥ विले रु या य म न ध कं धा या ॥ धनं ज्ञा हृद ना ॥ मंणी नं वि मति या ने ॥ मंणी वा ज ध
यानि मिहिका वन गथ ख ॥ दिने मसि या ध कं धा या ॥ धनं ख र वा ट ना ॥ वा ज्ञानं ज्ञा हृदय कलं ॥ मंणी
शी ज्ञा हृद या का वन ॥ धनं मसि ला मिजि वा ज कुल सु ॥ लहि स रु या म स नि क्रं मृ का म मा ज ने मृ प रु ल
हनं स ले नि क्रं मृ रु ल ॥ हने जि गुलि मृ रु या मा लाने न न ॥ धनं वि प वि त रु ॥ गुलि धनं पा पा रु मा म
व क यानि मिहिनं मिजि स ध धि न वि प वि त रु ॥ उप ड व रु या ॥ धनं धनं कं ज्ञाति कने धनं ॥ धनं या का वने नं

॥वि.वि॥
॥२०॥

अपापीरुप्रवृत्तपनिनिमिजिनाक्षतं पितृयनाशमवनाशायाथसतयच्छां विलंरुयायमरुधकंजाह्लादया
काशं धनंजाह्लादनाशं मंशीनंभालंलापरमहानाशं तथातु २० लपालस्यनंजाह्लादयंकुगुलि॥ जाह्लादयका
धं किनेनिम्ययनंयाशुलधकं धायाशं धनंलिमंशीनंशुलसोनिधननामगृहपतिया निम्रलीप्रवृत्तसलनाश
भालंलागृहपतिरुपनिगतनंशया॥ धकं धायाशं धवलसतिधनगृहपतिनंभालं॥ लामंशीमवस्तानयामेखुजि
रुलवानानसीकप्रसूप्रदानामअमनंकिशया॥ किरुलंशुदिशातथकाधकं धायाशं धनंनंखदनाशमंशीनं
भालं॥ लप्रवृत्तधधिनकप्रवृत्त॥ धधमवयासशयानाशशयमशगध॥ धधनयाताशवानानंतिनमरुशकु
थशथासहशं॥ धधशथासहनिधकं धायाशं किंचित्कृतिबलुकवियाशं आदवलयवयाताशदसतं पितृकां
॥ २० ॥ धनंलिधननामगृहपतिधयाकलाकनिमं धशदससशानधकंशनं॥ धनंलिधकगृहपतिनं
लसमननंललपाज्हाज्हाधर्म्यगधिनंकिगुल्यधिनंलालपाकार्यचनंतिधयकमरु॥ धनंकिशोनं

॥व.रा॥
॥२०॥

श्रीनेलाकंचयायरुडाकारवसधकंआशथथमरुगाधयाहुडाधया॥धकंमनसलालपाशधलंहास्तीआशगधयाय
मालधकं॥मिडिगनाथसुडाता२थासमडिलधकंधयाडा॥धरुस्वामियागुखाढनाडास्तीनधलं॥हास्वामिगुडिनेच
यायडिरुलंमिसाशानधकंधयाडाधरुस्तीयागुखाढनाडा॥गुहपतिनेधलंमूअअवाधुलपापिधमिसा॥धनंतिमि
रुने॥डिनेमूसेख्यइःखसियधूनअनगपकाचनं॥सलिवयालयानाअधनंलारुमडा॥अअवाधुलीमिसा॥धनगडि
नेलहियमरुगुधनंगनअन्यधुलअनरुनिडिरुलंययाथाअन॥धकंधयाडाधरुस्वामिअवाच्यढनाडामिखा
सखाविद्यापलयानागधलं॥हास्वामिथधिनअवाच्यखकायलाना॥डिनेचिस्वनयागुअअवाधयानादडाडि
गनअनडिगतचानचिस्वनयावचनलंघनामयासथडाधुमालगाअथनडाया॥हापहथधिनखल्लासदियमगडि
रुलंचिस्वनगसेसर्जचिनेगुगुलिआहावयागु॥डिनेउगुलिआहावयाय॥चिस्यनेइःसिलसा॥डिनेइःखसियचि
स्यनेसखसिलसा॥डिनेसखसियचिनेगुगुलिगतिरुलडागुलिगतिरुयिडा॥हास्वामिथधिनदयामदडागुलिख

ख

नंथनेलिचिरायहथसंलि॥ श्रीसूर्यउदयरुलथनलिषाककालरुसंलि॥ धसिमाकासवानक स्त्रीयाकलनेचायाश
स्वसंलिथशपूरुखमखनाशयाकनरुयाश॥ जूनगनेहमसियाशमहाविलापयानाशधालं॥ हाहर्ता२जितेचंजूप
याधयानामदू॥ थथिननिनंजनथासु किनभलनाशकिस्वामिगनेगता॥ धनप्रकाननेहर्ताहर्ताधयावावांजिगथेता
लता॥ हास्वामि२जूननयमदूमधया॥ फान्यमदूमधयाकियंमधयापूर्यमधया॥ धनप्रकाननेस्वामिधकधयावा
चंजिथथिनथासुतालनाशगनगता॥ हाहकल२कंगानधयाक॥ हविडधयाकसकस्थानेनिन्दायायूश॥ हाहद
व२थथिनजूलगिनीकूयापापने॥ थथिनदूःखसियमालकिमिसाजाकियाकनमधिकानवकं॥ लाहाकनेकपाल
रुयाशविलापयानं॥ हनेथशानूगलसंथमनेहायाशविलापयानं॥ हनेहाचानागुसिमाहदवृशथपृथिवीस
हदवृलाशरविविबाल२हाकविलापयानं॥ हनेथशालाहागुतिवसचूलाशखालं॥ धनप्रकाननेसहयायमरुया
शथुगुलिकथने॥ नानशायमरुयाशमूर्खरुलं॥ धवलसलसथुगुलिथानसंन्यासिचक्रगलं॥ धनसेन्यासिने

॥विचि॥

॥२२॥

धर्ममूर्च्छाशयाशानकलीसुखशधकंधयाश॥धर्मस्त्रीयाथसधनकलशनाशधले॥शलीजनदशशर्मथमृत्पुष्प
चोनाशानथ॥चोनाशकायनाममशसंधानाकसुखशथुगुहानसध्यानाशानाधकंधयाशधशगुलिदनाश
ज्वनशयाशचोक्त॥चनदयकाशधलेहापविवाशके॥किगुलिइःखगुलिकलाय॥किमवमखधुकाजिशलेनि
धननामगृहपतियालीधुकाथुगुलिथनसकिपनिस्त्रीपुन्रववासयानाशाना॥धवलसजिअतिपनिअमशया
शकलशयाशाने॥धवलसजिस्वामिनंजिनकालनाशाने॥हासंन्यासिआशजिगनशनकिचुगमिशयिशाहासंन्या
सिआशजिनलरुमिकनाशविशधकंधले॥धर्मस्त्रीयाहाखादनाशसंन्यासिनंधले॥हाज्वनकाजानिचुकावनंस
धनंस्वामीनंहालनाशाने॥गनशनधकंधयाशाने॥धर्मसंन्यासियावचनदनाशलीनंधले॥हासंन्यासिमवताम
खपवमविदशयाशयाकानननंजुतगपकाननंनितिवपावयानानंलारुमदयाश॥यानायानाथमशिया
श॥पूष्यकपुनाजायाकजिपनिनिमंस्वायानाशाना॥धवलसमिनिद्रुदयाशोशसंलि॥नाजानंरुलसांजुनिष्ट

॥वदा॥

॥६२॥

वार्त्तासियाशः॥ किंपनिनि प्रंगालताशहल॥ धनं कर्पूवर्तिना मनगवनेंशया॥ धवलसहिपूरुखनं प्रूलकनि स्त्रीध
 धकंधायाशः॥ किंकलशयाशयाशवातलनं किंकालताशशत॥ हापविवाहक॥ चलेपालपनि जिनं मसियागनेन
 विकाना॥ चलेपालगनविष्कायनवाधकंधायाशः॥ धनहाठनाशसंन्यासिनं धनं॥ हास्तिजाति किंशलेवाननसिद्ध
 याकासिद्धमसं श्रीशोभममथागतया॥ सुलमं तुलसवानाकजि॥ धथासनं ननरुताधयानदि सस्त्रानयागनध
 कंधुगुलिलनंशया॥ धकंधायाशः॥ धनसंन्यासियाहाठनाश स्त्रीनंधनं॥ हासंन्यासि च्छयापापयाहलनं॥ धधितनम
 हागीदविडरुयकाशः॥ धधितनिनंरुनवनसु स्वामिनंशातकाशवानमाल॥ हापविवाहकयाशजिनकउपकावद
 शाजिनवकायानेप्रसन्नशयमालधकंधायाशः॥ धनस्त्रीजातियाहाहाठनाशसंन्यासिनं धनं॥ हास्त्रीचनपुच्छगन
 खशचनंमामसु॥ वाविसुचनंमामवदूला मइलाधकंधायाशः॥ धनसंन्यासिमीस्तानंधनं हापविवाहकहिमामंदशनीवीवंद
 शनिधशधिधिंदशनि॥ किंशलेमहालकावायाशधशक्रुगनमहाला॥ हासंन्यासिस्वामिमदयकाशः॥ म्वानाशवाताया

विचि॥
॥ ५३ ॥

कृपयाजनकोहनशयायां प्रयाजनमइ धधिनपाप हरिहरीन॥ धजिवस्वानागवानायाचूं प्रयाजनमइ॥ मृत्पुशकं रभाता
रुलधकंधायाडा॥ धन एखादनाडा संन्यासिनं धालं॥ हास्ती जातिनिश्चयनं रुनतनकायाय गुलिजलदडा रुनं स्वामिडा
हानवां चारुलसा रुडा धने पूनू वचक्रडा॥ हानकाविशं धकंधायाडा धन एखादनाडा॥ रुनिननं धालं हापविवाजकथडा
कापाया स्वामिचक्रविनानं भवपूनूरवडा॥ हानगुलिमनसावाचाकन्यतासुभा मदडा॥ धकंधाडा गुलिखदनाडा संन्या
सिनं धालं हास्ती रुन॥ धन्य २ खडा रुनं चिह्न स्वयधून हास्ती॥ रुनं धूगुलिदः खयानिनिर्मिकानन रुनं ०० व्या रुल
सा श्री ३ एतमतथागतयाथा सडानडा धाधकंधायाडा॥ धनं लि संन्यासिनं रुल सांजुतिकेनू धातयाडा॥ वानानसि
धायाकाणीदं भसथअतापं धानाडा यनं॥ ॥ धनं लि कथं धं भस २ वासनं चानाडा॥ डाडा वानानसि धाया
नामकासिदसस धनकलडा नाडा॥ गुगुलि धास श्री ३ भाव मूनीतथागतया॥ सहा मधुलमूनाडा विष्ठाक उगुलि
धासडा नाडा उकाकचखधानाडा धानं॥ धनं लि संन्यासिनं कास्यपरिहृ सलमाडा धालं॥ हाकास्यपरिहृ रुद्रिगुलि

वडा॥
॥ ५३ ॥

वचनचरुतिदश मवनामखुब्धलसा॥ ध्वजिनंवा नाश ह्याक्रमिसाचक्र सनं॥ गडावाकनंइः खसिडागुलि॥ खसमलं
जिनंदना॥ हनंशकास्यपध्वनंशो रमेनमरुथागत्या केविमति यानाशविशक्रांधकंधयाडा॥ ध्वनं संवाहिया खखाद
नाडाकास्यपरिक्रुनंरुलसा॥ रुकगुनाशवा नाशवा नाशु सननंदडा॥ गडापाला हातथालानलूयाडा॥ गडा पुलिनं पृथो
वीममुलसंचूयाडा लाहागडा रुलपाडा॥ श्रीभाकमूनियाचवक मलसंशक पूयाडा नमस्कावयानाडा थीलगवानया
मुखकमलदलसनयानाडा विमति यानं॥ हलगवानध्वक्रुती गतिचक्रुथथिनइः खगथरुल॥ ध्वयानिमिदुआ
हृदयकस्यविकायमालधकंविमति यानाडा॥ ध्वनविमतिदनाडा श्रीलगवाननंरुलसां आहृदयकलं॥ हकास्यप
ध्वक्रुतीयाचूइः खरुलधुगुलिबुताकधाडा धकंधयाडा॥ ध्वनआहृदनाडा कास्यपरिक्रुनंविमति यानं॥ हलगव
नध्वक्रुतीजनयाइः खयाखजिनंविमति याय॥ गथाधलसासुप्रसाधयानामयामसचोनक्र॥ निधननामगृह
पतिचक्रुदसंचान॥ ध्वयाकलानध्वलीनंरुलसां गडावाकनंइः खयाडा॥ नानापकाननं व्यपावयानसा

॥ दि. वि. ॥
॥ २४ ॥

अंततपगुलिचूललातकस्तामर्थमइ॥ धनपकावननंइसियानंकिंचित्त्वाएदयकमरुयाडा॥ कनकवजिनगवसपूष्य
कण्टनामनाशाककदडा॥ धनकनाशाधर्माकननामथधितकनाशायाक॥ सगायानाशानधकंनिष्कस्त्रीपूवरवया
धिधिंसाह्मियानाडाडानं॥ धवलसधकगृहपतिनंनाशायाकसगायानाडावानं॥ धवलसधकूरुनूदसंलिध
नागायाम्मिमहनाशानयानिष्कमससिकशला॥ धनंयकूरुनूसलनिष्कसिकहनं॥ धनंयकूरुनू॥ काथसकसंन
यागुलिचल्लयामालातनाडाडानं॥ धनपकावननं॥ अनिष्टबाह्यकुर्याडाडांगुलिनाशानंसियाडा॥ धननिधनना
मगृहपतियास्त्रीपूवरवनिष्कअलकनी॥ धननिनिष्कइहाडाडावलसंनिस्पंडपडवगुशलधकं॥ शातिखण
कुकनाडा॥ धननिनिष्ककालपूवरवधकंरालपाडा॥ धननिनिष्कस्त्रीपूवरवधनंपिनाडाकातं॥ धवलसना
गायाधसमनयाडाथडादंनसडानधकंलिहाडाडावलस॥ निर्जनमार्गसणीसूर्यजुष्टरुले॥ धवलसस्त्रीया
एलीनंशलेसांमननंरालपले॥ गथधलसाथडाकलातअलकनीशडायाकावनस॥ हिधधीनविपनितशलध

॥ व. हा ॥
॥ २४ ॥

कं आशं धनीया नापी सधनं वा स्यानाशं ॥ धर्मि साया कलशायशं धूलकनी माल ताशं ॥ विस्मयन धकं लाल पाशं धर्म
स्त्री माल ताशं अत रुल ॥ शङ्ख गदी स्वन हं गवान् धवदा आशं धर्म ॥ कृपा पया रुलनं धातु र्दानं शात काशं इः रवसि
याशं धर्म ॥ ध्याका नन आशुदय कस्य विष्णाय माल धकं धायाशं ॥ धर्म कास्य पति कृया लाखा दनाशं ॥ श्री ३ रुगं
नाथ हं गवान् आशुदय कलं ॥ हाकास्य पध हं पुआशं धर्म वता रुं मख ॥ हाकास्य पति कृ च न न कनं दश गथ
धाल सां च गुली समं यस ॥ कपा रुधायाना म विषयस विषम धायाना म वनिया ॥ कृकद संधानं धर्म कया किशव
सुख दुधायाना म कृकदश ॥ धपनि मा म वी वनि नै न्ना रुयाशं ॥ काथ रिथि रुयाशं धान पति दश ॥ धवल स
विषम ना म वनियानं रुल सां ॥ महा च गुवनं धन क माय या नं धर्म पकाननं ॥ धन क माय या नं धर्म विवि व क विवा
ल रुं मइ ॥ इने मा म वी व नाय क क नाय क मयास्य ॥ धर्म क या नाय क रुयाशं धाशं रुसि या नाशं धानं ॥ धनं लि
क कृया दिन स ॥ किश क रुशं धि क रुयाशं धासं लि धर्म विषम ना म वनियानं रुल सां ॥ मा म वी व या उ प व स

॥ विचि ॥
॥ ८५ ॥

अहं काननया शिखलं ॥ ह माता पिता जिनं उग्रमया नाश ॥ वन रुक्मानाया काननने स्वलखधनमूनधुना ॥ यपनिनिम
स्ती प्रवृत्तं चूपदार्थयायनना ॥ यपनिस्सनेगुलि संपत्ति साधनयायधुना ॥ ह माता पिता धनं दक संपत्ति जि
धुका यपनिस्सने ॥ जिनं दयकाशनाया संपत्ति ॥ सुखया नाश वानधकं मामवोवया नन्वातं ॥ ध्ववेन सधोवेन
धलं ह पूजवोवया आधनरुलं यधुका ॥ ए पुनो चनेरुलं सो जमधखलायमता ॥ जिहलं न्नधकालरुलं धनि
या अस्वसवस ॥ जिनं यपनाकमकं न मरुयडा क्रमायायमालधकं ॥ धायाश धनं वोवया खदनाश कायनेध
लं ए पिता ॥ यनरुनकं नां कं ॥ कुरुमसाननजिहा मर्थमइधकं ॥ धायाश गुलिखदनाश वोवस्मकं चानं धनं
लिमामनं रुलसां ॥ कायया नधलं ए पुनो चनेरुलं खलायना ॥ हिं गुलिखलाश ए पूज वचनसमानधर्मभवता
मइ ॥ यनेगुलि अहं काननवाक्कदनाश यनेवोवया मिखास ॥ रवावितं प्यापलरुलगधनगलसस्याकखला
यमनधकं धायाश ॥ धनं मामया खदनाश अहं काननं धलं ॥ ह मामय अग्निचपुनरुयाश स्वलागडालयने

॥ वहा ॥
॥ ८५ ॥

रुतं गुलिसंपदिदयकाङ्गलधकं भाङ्गुलिरवदुताङ्गामामनेधलं॥ हपूयथनियदिनसङ्गिपनिष्ठाथङ्गिधि
रुलचनं अमथधायङ्गायमरुङ्गा॥ चननवालखवलसचनरुलहिनाङ्गया॥ हनेङ्गिनंनयंमथायागात्यंमथ
साचनरुपतिपालयानाङ्गया॥ हापूयङ्गाङ्गथनिङ्गिनंङ्गःखसियागुलिसमसुखनमदङ्ग॥ हापूगाचनंमामवीव
याउपनसुआमथधायमरुचनरुपापनंङ्गपूनिङ्गथुका॥ हपूगाथसंसावसमामवीवविनानंउरुममवमद
मामवीवसमानउरुममवमद॥ मामवीवयाकसङ्गायानाथिनंधर्ममवतोमद॥ मामवीवयाङ्गदाहयोनाथिङ्गुङ्ग
धानपापमवतामद॥ हपूयङ्गिपनिनिष्क्रयाङ्गगा॥ चनंरितकलहिस्यङ्गयमाङ्गधकं॥ चनंङ्गथमसियाहापूय
पूयधयाङ्गायाआधवरुलंमामवीवथुका॥ हनंमामवीवयाआधवरुलंकायमचाथुका॥ हापूगाचनंथथधकङ्ग
थमसियाधकं॥ मामनेधङ्गाङ्गुलिवाल्लुङ्गताङ्गा॥ कायनंधलंहामामङ्गिरुमामंमून्वाला॥ वीवंमन्वालाकिङ्गामन्वा
लचपनिङ्गिनलहियमरु॥ चपनिवपानयानाङ्गनङ्गधकंधायङ्गा॥ मामवीवयावचनमत्यंस्पदकाधनसंप

॥ विचि ॥

॥ ५३ ॥

स्त्रिंशन्नवस्तुकसमस्तं ॥ मूलमूनाशकाथस्तुगुलिसुतयाश मालनेदयाशचिंतयाशानंथनंलिमामनंपवमइः ख
सियाश ॥ स्वातखिउकाशमिखास्खाविषावल्लहयकाशइः खनंशानं ॥ धवलसवोवनंकाययाखालस्वयाश
भालं ॥ हृपुचनंशशायाताशवाचंनंमथधसंलिहितंयुधाय ॥ धकंधायाशमामवोवनिक्कंमासुवाल
रुकगयाश ॥ मिखानंरवविधनाशहायकाश ॥ निक्कलीपुनूखनंविलापयानाशवानं ॥ थनंलिवसुहृदध
यानाम ॥ विकिधिकककायसंरुलसं ॥ मामवोवनिक्कसनेविलापयाकगुलिस्वयाश ॥ विषमनामदाहृयान
धालं हृदाश ॥ मामवोवनिक्कंखायाशवानधक ॥ चनेयुयानाहृदाशमामवोवयाहृज्मांत्ययायमरुधकं
किजानंभाशगुलिखठनाशविषमनामदाहृनेधालं ॥ हकिजाचनंयुवहृनाशयाचनंमामवोवयाहृलहि
यमरुचनंउकान्तनंशाश ॥ शिशलंउकाकनंवानचनंगुलिच्छाहृलउगुलियाश ॥ शिनंगुगुलिच्छ
च्छाहृलउगुलिगायधकंधायाश ॥ धनंदाशयाहृखाठनाशवसुहृदनामकिजकनं ॥ चूलिसुलमविसुमन

॥ वदा ॥

॥ ५३ ॥

सहस्रपलं आशुधनापगुलिनखलाय॥ हिनं मामवोवगस्थालन॥ मामवोवयातज्जंतमनकस्यगथय नि
थयनं मामवोवयात॥ हिनं लहिनागयधकं मनसहस्रपाशानं॥ थनं लि विषमनामरुष्टपूयनं मामवोवयात
नयनानवस्तुकचूतं मविश॥ थवलसमामवोवनिफ्रं ज्जंतनयमदयाश॥ रवालचनमकनकं चानरुल थनं
लिमामवोवनिफ्रं सया॥ थिथिं समरुयानाशकुीनं धलं॥ एप्रह स्वामिज्जुअमिज्जि स्यनं॥ च्छुवा पालयाताशवल्
मानयाय॥ च्छुवा क्रिया नाशज्जंतलायधकंधायाश॥ थरुकीयागारवाठनाशरुकीनं धलं॥ एप्रिय हं कुी ज्जुअ च्छु
यायजि धलसाकाथेरुल॥ वनरुअनसामर्थमइथनअयाश॥ हूनानं जिअनापवनरुवापालयागशयिअ॥ ज्जुअजि
नंयाय पूयचक्रस्यनं धलं साहालगाअनल॥ हं कुी च्छुनं रुलसांकपास रुकाकयाशरुलसां॥ थनियातज्जंतचिलय
खुदुदयकिअ॥ ज्जंतहति सुधमनस्यगथयानं॥ ज्जंतनयमदननास हियगुलि रुकं हिनधकंधायाशगुलिठना
अकुीनं धलं॥ ए स्वामिज्जि रुलं वधिरुल गथवपानयाय॥ जि रुलं मि रवाने मखनजि रुलं मृत्तुशयगुलि रुकं॥

॥वि॥
॥२१॥

व्याशशुभकं धिधिनिष्कृष्टिपूवययाखलानाशवानं॥धवलसकनस्रककायवसूरुडनेशुलसां॥धशमामववृलूमन
काश॥वोवमामयाथासुगयाशधरूपकाननेधालं॥हपिनाकनचंनयमधुनिलोआशक्याय॥हतासचायमनधक
धयाश॥धरुकाययादखदनाशवोवनंधालं॥वोवनेशुलसामिखासेखाविहायकाश॥काययाखालखयाशधालं
हपूयधनियदिनस॥चंनयगुलिवलुकमदुचूंनय॥चनेदाशनं॥दकधनसंपद्धिनयगुभाभगुवसुकसक
काकाथासस्वकनाश॥तालनंदयाशलआशक्याय॥चनेदाशनंरिपनिनालकल॥रिशुलंचनेमामयाशलंच
चक्रसाआसानंवानाधुका॥रिपनिधालसाकोथरिधिशुल॥वपावयायमरुगहपूयचक्रस्यनंरवृद्रुजिप
निष्कालकमनधकं॥धनंलिहनेमामनंशुलसांरुगवागनंरवृवाश॥काययाखालखयाशधालं॥हपूयचनेदा
शंधालसाजिपनिविचालयाग॥चक्रस्यनंरवृनूविचालयायिशालाखधकंवाता॥चनेदाशयाकंधालसाकन
सादयामदनचनगुज्जसाहलसासधाना॥चनेरवृनूजिपनिरुवकायाशधकं॥धगुलिखदनाशजुतिकनूसा

॥व॥
॥२१॥

चायाशकनष्टकपूजनं धाले ॥ हापितामाताच्यपनिग्भयमक ॥ आशच्ययायकिधालसावालकतिनि ॥ हपितामाताच्यप
निजिनंहालकमख ॥ किंरुलसोनकं मां कं मरुतसाने ॥ किंशंतिशयानांशलहिनाशतय ॥ आशच्ययायहाशयागुलि
खसगुलिकलायधनिदाशनं धनसंपहिदकं थशगुलिधक ॥ भयाशस्वकथनाशतल ॥ धनियाजुशसबस ॥ हाशन
शमिशयाशवान ॥ थथरुलसांधंदाकायमकं धकं एलसाविशगुलिदनाश ॥ मामवोवनिक्स्यानं ॥ हपूयधन्यश
यच्छखश ॥ धनियादिनसच्छकस्याआसाहलसानं शक ॥ जिपनिहिशालनाशवानधकं थहप्रकावनंरुलसां
मामवोवकायस्वक्र ॥ वाकाशमनाशधिथिंसाहतिममरुतयाताशवाथां ॥ उखनूयादिनशानं थहप्रकावनंकनं
छपूयनंरुलसां रुयाथइःखसियाश ॥ मामवोवनिक्लहिनाशतलं पिलाखलादयाशशानं ॥ ॥ धनयाखध
लिशल ॥ ॥ धनंलिशाएगवाननंरुलसांआसादयकलं ॥ हाकासपहिक्रुथहपूययाप्रहावनंरुलसां क
नष्टकपूयवसूरडधायानामवनिशापूय ॥ कनकवतिनामनगवसपूयकंछनामवाशशयाश ॥ पवनमसूखनं

॥ विवि ॥

〃七七〃

[illegible]

॥ व द ॥

۱۱۲۳۱۱

याडाकास्यपरिकृतं॥ थडाआसनसंचानरुलधनंलिथकम्प्रीमंरुलसां॥ थी३रुगवानयाआरुदनाडामनस
लपलं॥ हाहाक्रिगपापयानाडा॥ डायानिमित्तिनेथथितद्रःरवसियमाल॥ आडाजिनंरुयायआडाथथमपु
माथीरुगवानयासुवाभयासं॥ जिनंरुवसियदयिडामरवनधूनधकंरुलपाअथुगुलिथासा॥ नन्दनवनडास
मान॥ रुयाडाचानगुलिउमानस॥ अमगप्रकावया॥ खानहायाडाचानगुलि॥ खानधयाडाथीरुगवानयागका
याडाखचाकप्रदकिनायानाडा॥ थीरुगवानयाहुडानरुमिस॥ सीलनंरुकपूसनमस्कावयानाडा॥ थीरुगवान
याहुडानविमतिपागं॥ हरुगवानरुलपालयासुवचन॥ ननागुलिहानातंअरुगलखगाम्पधून॥ हप
वभध्वन॥ क्रिरुलसांकर्मसंनरुयाडा॥ वातक्रिथेथिनकर्मयारुलनं॥ जिस्वामिनंरुलसांथथितद्रःरव
रुकमानयाताडारुल॥ हधर्मस्वामिजिरुलसांरुदाययारुलनं॥ जिरुगथवडाआडाआरुदयकसुविष्ठा
रुनिधकंथयाडाथकअवलामिसायाहाखादनाडा॥ थीरुगवाननंआरुदयकलं॥ हअवलामिसा॥ पूर्वकंसस

॥वि.वि॥

॥२९॥

कृतं रत्नं रत्नं रत्नं ॥ मा मधो वया न इः खम विम्य कामल वचन ॥ धया गुलि रव्य हति सुखं मद्र ॥ कवल जू हं का
न नं रुक क क वचनं रुक न या श वा न माल ॥ च न किंचित् पाप या पू सा ॥ च न क रति दडा ह नं पू न वा व च नं पू न
वनं ॥ द सा द सं म रु गिन रु या श ॥ क डा चा त न इः ख सिया श ख द रू ना डा ॥ पि द क ना डा श सें लि मृ रु श यि डा मृ
रु रु सें लि ॥ इ जी व न म र व द ल व र्ध न ना क स या श रु न्म श यि डा ॥ ध त रु स्या लि ति ति थ या पा प मू क श यि डा
ध कं ॥ श्री र ग वा न नं म रू द य क लं थ नं लि ज व ल मि सानं रु ल सां श्री र ग वा न या क ॥ वि म ति या नं हं रु ग री ध व
रु नं रु ल सां पू र्व रु न्म स रू पा प या ना या रु लं थ थि न ग ति रु ल ध कं ॥ रु नं म सिया ह ना थ थ थि न इः ख सें सा
व स रु न इः ख मा च का डा स र व वि यू क्त ॥ रु नं म इ रु ल पा ल स्य नं रु न व क्ता या नं वि क्रा य माल ॥ ध कं वि म ति
या ना डा थ रु वि म ति रु ना डा ॥ श्री र ग वा न नं म रू द य क लं ॥ हं रु व ल रु रु ल सां स म रु पा प मू क रु या श या य
पि रु ध या लु ग र व न रु ॥ हं व कं ना रु या श रु न्म श यि डा ॥ रु ल ध कं म रू द य क गु लि रु ना डा ॥ रु थ २ रु ध कं रु

॥वदा॥

॥२९॥

सप्तमस्तु नमो भगवते
सप्तमस्तु नमो भगवते

लपालया आरुह्य सशयमाधकं ॥ स्ववाकपदं किमप्यानां ॥ श्रीरुगवानया च वलकमलसु ॥ सीलनं हाकपूयाशन
मस्कावयानां अतनं थशकलिहाशनधकं शनरुला ॥ ६० ॥ धनया खधूमि ॥ ६१ ॥ धनशीरुगवानतं नसां
आरुदयकलं ॥ हजानन्दरिक्पुलितं ॥ सल्लोकधकप्रकावने ॥ मामवोवयानदः खवियमकं अधकं ॥ कपतिः
तनं सियकमाल ॥ ६२ ॥ ~~धनशीरुगवानतं नसां~~ ॥ ~~धनशीरुगवानतं नसां~~ ॥ ६३ ॥ धनं लि
खगुलिसमयस ॥ श्रीरुगवानतं नसां ॥ समककसु मधयाना मउजानस ॥ कास्पपरिक्पुनि नसलमापुः
लिङ्गनं लिचकाश ॥ हने मेश्वरुपाशिपुलितं ॥ धाधिसस्वगतनं लिचकाश ॥ हने देवलोका नागलोका यक्षलोका गंधर्वलोका
कंदलोका ॥ गन्धुलोका किंतवलोका ॥ महानगलोका धनज्जदिने ॥ सल्लोकलोका नं संशकयानां ॥ समककसु मधय
याउजानस ॥ श्रीरुगवानतं नसां ॥ धगुलिउजानस ॥ रुयिगगधिनधलसा ॥ नानाप्रकावयारुलमूल
नं स्वापलशयाशनं हने गप्रकावयारुलशान स्वातहायाशन ॥ नानाप्रकावयारुमानं व्याफमान रुयाशनाना

॥ विवि ॥

॥ ५० ॥

नाप्रकाशयापंक्तिनं संरुक् रुयाशोचो न हनं वकूल स्नान ॥ पालिजाग स्नान थग स्नान मास रुस नं कयाडा ॥ स्नान या हल हा-
याडा ॥ आकास मार्ग स व्याफ मान रुडी गुलि थ स्नान या व स उ म ल नं ना नाडा ॥ थ म थ थ म नं आकास गंगा स रु ना शोचो न
हनं थ गुलि उमान या म थ स ॥ पूषलि च गुद स रान थु गु पूषलि स ॥ अति सुगंध बास नाद डा गुलि पल स्नान नं व्याफ
मान रुयाडा अति सा हा य मान रुयाडा चो न ॥ चो न पु क्वा या प्र थ धिन म ना ह न थ न स ॥ श्री ३ मूनि सा ह न र ग वानं रु
ल सां ॥ स हा ग न स हि के या ना डा विष्का क रु लो ॥ पू न वी न श्री र ग वानं थ थ विष्का क व ल स ॥ च गुलि खे उ स संग म धा
या रु न प द च गुलि द स्य न ॥ थ थ स म न स र्मा धा या क्वां क्क र च म् ॥ विरू स र्मा धा या क्वां क्क र च म् ॥ थ न नि क्क व
स ल पं चो न ॥ च रु क्वां क्क र या रु ल सां क लो ग द स्य चो न ॥ क न रु क्वां क्क र रु ल सां व द गा रु ॥ मं प तं प रुं प नं ॥
न रु रु या वि या थ न नं ॥ संपूर्ण रुयाडा चो न ॥ थ न लि च नू या दि न स रु गु म्ब व रु क या का न न स ॥ थ चो क्क न प
नि नि क्क स या ॥ थि थि वि वा ध रु स्यं लि क न रु क्वा ॥ चो क्क न या म न स रु ल प लं ॥ आ डा थ थ हा रु डा ना प ल्वा ना

॥ व द ॥

॥ ५० ॥

शोनायाचं प्रयाजनमदत्तं॥ च संस्तवश्लेजस्तानधूकाश्चस्त्रीनंस्त्रिवमशूकाश्चविवयवास्तानांस्तानधूका
लारुषाफिधियागुलिसालमरु॥ च धनसंपत्तिथशक्तधायमदु॥ च शिवंथशत्सिमदुथशकलागं॥ च शमशुश
पूयपविवाचनंथशमशुश॥ च धिनशीवलोक्तसंस्तुस्त्रिवधियावस्तुकचुतामदु॥ च कंधियाशश्चमनसला
लपाश॥ स्वस्त्यानेधनसंपत्तिदकंदाशमनसर्मायाग॥ कालताशश्चक्रचिरुसर्मानामवांक्रतनंश्लसां॥ तपा
वनसशानेधकंशानं॥ धनेतिश्चक्रचिरुसर्मावाक्रतंश्लसां॥ चानथानांनवस्वास्त्यानाश॥ हनेतिथंश्लसां देवया
जालयश्लयश्लसां॥ ग्रामसश्लसां देसदेसश्लसां॥ वनसश्लसां वृक्षक्रयसश्लसां॥ वास्त्यानाशानंश्चप्र
फावनंशानं॥ चगुलिथामसंस्तुमदयाशधानगुलि॥ निबंजनवनसपर्वतयागुहासश्लसां अस्त्यवनाव
थानमृताश॥ विसृद्धनंहालाशश्वायाशवानपनि॥ वनावथानश्चक्रचिरुसमानंस्वनं॥ च स्वयाशश्वाक्रनयाम
नसलालपलं॥ अहाज्जार्थधकंश्चमृगवथानकायविहृदनेरवाला॥ हनेश्चपनिस्क्रुतिमिति नंबाकूलश

याशवानेधस्वयाशसिंहनेधालं॥हृमृगचपनिसकल्यंगायमनचपनिसकल्यनं॥किगुलिवचनरुहृतिदशगथ
धालसाभेगानसाशनयव्व्यायानाशवानाक॥जिनकंधकवानपनिचपनिधनंहृमृगकूलकायविलापया
नाविलापयानायाखायायोचंयथाजनमदना॥पुनर्वीवहृमृगकूलजिनरुलतां॥चपनिसुहिंसायायरुलसाक
पनिदकं पूसासुधाकमयककनमापनं॥रुकायंरुयाथकचपनिसनं॥किगुलिवचनमान्ययातसाकपा
लनंगाकनयमरु॥हृमृगचपनिसनं॥सफवचनयानाशजिनंनिकरुकजिथासआया॥थथकिगुलिवच
ननथमयागसाचपनिसकला॥जायुबहुशनशयिडाधकंधासेति॥मृगयामुयक्रचलाचक्र॥हना२सनंवृ
लूनंकाफलवचयानाश॥सिंहयाहुशनशयाशविमहियाकं॥रावनवाजसिंहकूलपालयाचकनियानाश
जिपनिनाकावंज्वानाशवानायाचंयथाजनमदना॥गथनेखलानाशवानायाप्रयाजनमदना॥जुआजिपनिमृग
कूलयासमरुलखायानाश॥सुख२नेअयचनमापजकंधानाशायकाधयाश॥थहृमृगनाइयाहाखाइनाश

॥ विचि ॥

॥ ५२ ॥

धवलसुदकाचला मृगनाडयाथासुशयाशविमति यातं ॥ हा मृगमुखकलपालस्यनं च्छास्त्रदयकता ॥ डिपनित
चंडुपकाचइला ॥ धकंधायाशोधकलाखादनाश मृगमुखनंधालं ॥ हा मृगभवतास्तत्र च्छमदु ॥ मिडिस्तथशीवया
आसामदक ॥ रुशचोतनंम्यायदकसा ॥ तिलासालामदकसाथधंरयावश्ल ॥ दिनगलसथथल्ल च्छपनिमनस
गथखरवश ॥ धकंधायाशसिंहनंधकाखसमस्तं मृगकलयाककनं ॥ धक मृगनाडयाखादनाश मृगवधानस
कस्यनंधालं ॥ हा मृगनाडयाशच्छयास्तदश ॥ उगुलिउपदसविशकिंचित्कृतिमात्रवृत् ॥ आयुदयकगुगुलि
कंधमाल जूधयाशधकंधायाश ॥ धक मृगवधानयाखादनाश मृगनाडनंधालं ॥ हा मृगआशच्छपतिस्ननं ॥ थथ
याश ॥ गथधालसाक्रिनिचि या निक्कतिक्कमृग ॥ धकसिंहयाविषाधकप्रकावतं ॥ यास्यलिकि एतिखूक्तमाय
दयिशाधकंधायाशगुलिदनाश ॥ चलावधाननंधालं ॥ हा मृगमुखजिडाधधयाश ॥ धकलाखादनाश मृगवाजनं
रुलसा ॥ क्रयसलचलाशनापसाहसिस्मकयानाश ॥ पुनर्वावथुगुलिखसमस्तं वनाकखसकतां ॥ सिंहयाककनं

॥ वदा ॥

॥ ५२ ॥

धकं सिंहयाथासुडानाशधाना लावनवागसिंह जिपनिमृगवथाशनापसमतयानाडा ॥ शयधूनआशचलपालस्य
नंगथाआहादकृष्णंयायशला ॥ हसिंहथनियादिनंनिसं क्रिधंश्निप्रचलाकाशनिमृचलासत्यनं हयाशविशं
निकसस्वेकधकयाहादयकमरु ॥ धकंधायाशधनमृगनाशयाहादनाडा ॥ सिंहनंधालं ह मृगमेवचपनिहा
यमरु ॥ धनिनिस्येकमृगसुधगनंविस्पकलयायमरु ॥ विस्पकलयागसागिनंशलासा चपनिसकल्यंरु
यायचनंसपुयानाडा ॥ धकंधायाश ॥ धनंलिमृगमुखनंधालं लावनवाग ॥ सत्यमवनंविस्पकलयायमरु
धकंधायाश ॥ धमृगनाशधशसुडानाशदकमृगमूनकाडा ॥ मृगनाशनंधालं ह मृगपविवाव आशचपनि
जन्मकंधतंरयावशश ॥ जिहलसांसिंहयनापसमरुयानाडा शयधून ॥ जिहिमृगपविवावचमृधंनविस्प
शनंमइधकंधालं ॥ संवक्रंविस्पशनंसा भिजिसकल्यं चपालनंगाकनयधक ॥ सिंहनंधास्यहल धनं चपनि
स्यनंसंहावयाश ॥ धकंधावनंसेसं चमृगविस्पशनंमइहल धनं चपनिजसुकंधनंधायाश हकिधकंधा

गमूष्यनेधाले॥ हृमृगजिगुलित्वरुहतिदशमवतामखुडिपनि॥ निमृस्त्रीपूवंधानाश॥ मृत्पुश्यनतयानशयाशवा
नध्वलसचपनिसुत्यंशयाश॥ हाहाकावनेहानाशवानाया॥ हा मृगमुखधकंधुगुलिकथनेशाममशुशधकं
निशयनेरुहकथनेयायधकं॥ सत्यवचनकातशयधकंधायाश॥ ध्वनवचनेठनाशध्वलसदकचलापनिस्यनं
शुलसा॥ सननेधुगुलिवचननेधकंसमनयानाशरुहकचलानेधाले॥ हा मृगमुखजिपनिसकसां समनया
यधूनआशविलंबयानाने॥ हिनमखुगा रुलपालविकाहृतिरुलपालया॥ लिशरुजिपनिशयधकंधाले॥ धनेलि
मृगनाशनंशुलसा॥ दकासमसंमृगथशलिशरुयाश॥ सिंहयाथासध्वनकलेशनेधनेलि सिंहनेशुलसांचला
वथानाशसायाशअधिनसनायाशधाले॥ हृमृगमुखधन्यरुवडाआयाधकं॥ हृमृगरुपनिचलावधान
गुलिदशधकंधायाशगुलिठनाश॥ मृगमुखनेधालेहावनवागसिंह॥ जिपनिचलावधानयासंघाक्रयसल
दशधकंधायाश॥ हनेमृमुखनेधालेहावनवागसिंहरुलपालस्यनंआसुदयकाथं॥ जिपनिशयधूनरुल

क्रमगमयया लीपुन्यनिम्रस्ययाडा॥ नरकायाविशायानाडा मिरवापियकाडा॥ खनमदयकंधानं थथासुथ
 मृगमूष्यपनि लीपुन्यपनि निम्रस्यया संराखकातं॥ वलानंधाले हकां मृगी आडा गथयाय॥ दकसमसुवः
 लाहूक॥ थनियादिनसु किमृकडा नथन॥ किहलं सिंहयाथासुडा नमाल॥ अथवा किमृकशबाडा डा नमालसा
 कनं किहलमनकिडा॥ कनं लाधालसा थासुवालखदडा॥ थवालखयारवालमसासुं कगथमृकशयअ
 थाथाथासुवालखमुचामइसा॥ मिजिनिम्रं कपालने मृकशयसितवकंधायाडा॥ थकमृगया लाखादनाडा गु
 विनिपनिसुनं मृकशयिया लयने हनाडा नडा थाकनं॥ विलापयानाडा थालं लाखा मिआडा गथशयिडा॥ कगति
 रुयूडा॥ थथं किवि स्यडा ताडा गनडा न॥ स्याकसुवनडा न ककति मृकशसुं लि॥ किह्वानाडा थागायाकं यथा
 जनमदडा॥ स्वामिमदयकाडा वानमासुं लि॥ थगुलिगुर्विसिहयायां गुनयं मइ॥ हस्वामि कशलसावनना
 कसिंहयाथासुडा नमरडा॥ थकसिंहयानयमानसा थनडायाडा॥ मिजिनिम्रं नलडा यिडा विसुवनं कंधालसा

॥ विवि ॥
॥ ९५ ॥

नाशरुयाशवानक ॥ चडायाथसदानसाजिशयजिरुलं चडासं सगर्जरुल ॥ चमृत्पुरुलसां किमृत्पुरुय चडाश
यरुलसा ॥ किंजिशयययधकं मुंगिनंधाशगुलिठनाश ॥ मुगनंधालं हकाक हपिय चनेधयाथशयूशमय
गथधालसा चरुलं गुर्विरुडाक ॥ थनं चमृत्पुरुयमजिडा ॥ चमृत्पुरुसं लिचनेगर्हसवानवालं यमच
याचुगतिरुयिडाधकंधायाश ॥ थनं लखाठनाश मुंगिनंधालं ॥ हखामिमिजिति सं सिंहनेलागयासं लि रु
मप्रतिष्टादकं कालकिरु ॥ मिजिरुमिमदसं लि ॥ थगर्हसवानवालं खयामाया चय ॥ गवक्रवतनाश सिंह
ने मिजिरुलागमयाकसा ॥ मिजिति कयाविस्तानजययययि ॥ थनं मिजिति सं सिंहयाथसदानाश क्रमा
दानातनूयाधकंधायाश ॥ थनं लीयाखरवाठनाश मुगनंधालं ॥ हकाक हपिय धंन्यरुखश चनेगथध
लेज्जथजिनयाय ॥ मिजिति सं अनन्थाधकंधायाश ॥ हकासाहमिधूतकाश निमृत्तिपूवया ॥ थिथिं खल्लाना
श सिंहयाथसथनकलशनं ॥ थनं लि सिंहने धालं लामृगमूया ॥ चचायविलं रयाताशवाना चनेहयगु

॥ वदा ॥
॥ ९५ ॥

लिखलाविकयश्लचलागनकायाचक्रमाप्रधानाशहल॥धकंधायाशधवनवाश॥सिंहयालखादनाश
 धवलसमृगमुख्यनेश्लसोकामन्नवचनयानाश॥सिंहयादुशनविमक्तियाकं॥हामृगन्धवनवाशचलादकां
 याशवियधूनआशचक्रसूधानमदनकनाहानधकंधाया॥जिपनिनिष्कमाप्र॥राषदशानि॥पुनर्वानवाशन
 वाश॥कलपालयासवकजिपनि॥निष्कमृगयायलाहिउधवयायला॥कलपालयासशायानाशधानागुलि
 धनिनंददक्षिदत॥आशजिपनिरुक्रमायासविज्ञायमाल॥धकंधविमक्तियाकंथनेलिंसिंहनंधालं॥हामृगमुख्य
 अहाअध्यायधनिनंददक्षिदतलाकिनंशालपमरुयाधकंधायाश॥धवनलखादनाशमृगमुख्यनंधालं
 हवनवाशसिंह॥दमिददशमखूददक्षिनापंगधशनगुलिमसिल॥हामृगन्धकलपालयाचक्रमयाकल
 नंधक्रयसलचलासंन्यश्ल॥आशधनिजिपनिस्त्रीपूवधनिष्कदशानि॥धकलानयाधालसागुर्विनिशयाशधान
 नधवनंधकलपालयाकपाकनूलादतसा॥जिपनिनिष्कपूकजिशयकमाल॥धकंधायाशधनेलिंसिंहनंधालं

॥विचि॥

॥५३॥

ने

हामृगमृष्य धन्यश्च खडा गायमना ॥ चपति क्रंजितेन यमखुग चपति धडा यया थास ॥ इति धकं धाया डा थसिंह थ
धोसनं मालगाडा मवडा था सडा ने ॥ ॥ थनं थचलानि म्रं थडा म्रं समसडा नाडा ॥ अति हर्षमानयानाडा सुखने
वानरुला ॥ थनं लिथ पर्वकपोत्वा पालसवान म्रचिह्नसमीवा म्रननं रुलसो ॥ थपति विलानसकतां स्वयाडा म्र
मिज्जा थर्थावायाडा ॥ थनं थाले म्र हा म्र थर्था ॥ थथिनचलाडा जितंगने स्वयंमनना ॥ च्छकर्मया रुलने थमृगप
निथथिनमरु रुल ॥ च्छकर्मया रुलमाननं थचलानि म्र रुकवचय रुल ॥ च्छकर्मया विपाकतं सिंहने थचलाद
कां हा गया ॥ च्छख च्छ हनुकानन गनं डा नाडा स्याकननडा न धकं थनं धायाडा रुपकपध्मनज्जदिंयानाडा थ
म्रवा म्रन ॥ म्रनने मेलडा धकं डा नं ॥ थनपकाननं डा डां वानानसिधायका सिंद सस थनकाडा ॥ थयानि मिह्नना
डा रुले हनानं थयानि मिह्न ॥ थथधककनसामर्थमद्रथनं लिथ थथ रुल ॥ समक रुसु मधाया उमानस थनं थ
लिउमानस रुमिस ॥ थम्रवा म्रनं रुलसो था ॥ ॥ गोनमरु धागतया ॥ सहा मेउलदयका डा विष्ठाक गुलिखनं थ

॥वडा॥

॥५३॥

बलसुथुवांक्रनयामनसज्जतिहर्षमानशयाश॥ श्री३ एगवानयाथासुशानाशुशानेवाविमतिमिथुकांनसुशगव्वा
 नयानाशुवां॥ धनश्री३ एगवाननेविचालयानाशुविष्कारं॥ ह्वांक्रनकृगननेशयाधकं श्री३ गेनममृनिस्वननेरु
 लसोआरुदयकलं॥ ह्वांक्रनान्तिमवमखुसगमभयानामजनपदह्वांनस॥ वासयानेवानाक्रविहसर्माधा
 यानामयांक्रनथुकाशलेजुतगदभादभाकनहिलाशशया॥ किराग्ययापलवननेरुलपालगेनमतथोगनदर्भा
 नलातधकंविमतियानाश॥ ध्वविमतिठनाश श्री३ गेनममृनिस्वननेआरुदयकलं॥ ह्वांक्रनकृयानिमिहि
 नेरुलसोदभादभाकनहिलाशशयाधकं॥ आरुदयकसंलिवांक्रननेविनमियां॥ ह्वांक्रनमभवताकाव
 नसमखु॥ गथधालसाधुसंसावसुधसंसावभयागुलिज्जुसाव॥ जसंघदखयापापनंचिनाशतयागुलि
 हनेजुसंख्यविपलिउस्यलिइश॥ कवलमायानेरुकाकाकपुस्यतया॥ गुलिगुनकिर्हिधयागुलिचूंमइधुनने
 शशथासुजिपनिनिम्रदाशुकिज्ञायागुग्यारुलने॥ धिधिंविनाधरुयाशथशथशआधुमनालनाशदधर्द

॥विचि॥
॥५१॥

॥न नहि लाश ॥ किथन अया वल स च गुलिवन खलु स अरु न निर्गुन संसा न स्वया अशं धन गया ॥ थन थन धकं ध
या अ ॥ थन हारवा दना अशी ॥ रगवाने आह्लाद यकले ॥ हवा क्रन न च न ध संसा न निर्गुन धक च य धया ॥ चने च अ
रु न स्वया अशं या ॥ धकं धया अ ॥ थन श्री रगवाने या आह्लाद ना अ ॥ वा क्रन न विमति या न हारगे न म न थ ग न ॥ जिन स्व
या अशं या गुलि अरु न वना क स क ना विमति या य ॥ हा न थ ग न किड्मा क व स ॥ थ थिन आर्य ॥ ग व न सं स्व ये मन
ना द न मन ना धकं धया गुलि दना अ ॥ श्री रगवाने आह्लाद यकले ॥ हवा क्रन न रु ल सो ह पु रु अ द कं किड्मा अ धकं
आह्लाद यकले थन आह्लाद ना अ ॥ वा क्रन न विमति या न हारगे न म जिन विमति या य ॥ च गुलिवन खलु स अरु य स ल मुग
व थान मूना अशं वान प नि ॥ म अ थान न विला प या ना अशं वान ॥ ग व क्र डि पू यान स न प ति पा ल या यि धकं थन प
का व न विला प या ना अशं वान ॥ थ थ वान वल स महा प ना क मि अ धा व मूर्ति वन वा अ ॥ सि ह च क्र अ या अ प व न या दान
स वाना अ ॥ थ वला न न य धकं सा या अशं वान थ क्र वला स्वया अ ॥ थ वला व थान न विला प या न थ न लि मृ ग द क सा म

॥व हा॥
॥५१॥

अथ चत्वारिंशत्संस्कृतसूत्रावधानमूनकाशाभिगन्धयाय ॥ द्विचरुयूधकमहाशस्त्रायाशविस्मयवायाशनाह
 नं पर्वतयावांस्वीताश ॥ नष्टयाविद्यायानाश ॥ भवतंमत्वनकवीताथनंलिमृगदकास्यामूर्षकवलातंरु
 लसांकाकसडांनाश ॥ सिंहशनापसमकसाहृतियाताश ॥ पुनर्वाचलिहाशयाशचलावथाशनापं ॥ समकसाहृति
 यानाश ॥ क्रितं ॥ निष्कश्चलाददक्रितंक्रयसलमृग सिंहनंरुगयातंथनंलिपनसमृगमूरव्या ॥ म्फोपुनरुवनिष्कमा
 प्रशयलिपिककाशकल ॥ थनंलिथक्रगमृगीनि ॥ निष्कसयाथिथिसंखायानाश ॥ यवमविलापयाताश ॥ गुर्विनिगु
 गसहितनं ॥ सिंहयाथासडांताश ॥ जूनगपकावनंविमहियातं ॥ थनंलि सिंहनंरुलसांथवलानिष्कसयाविलाप
 विमहिटताश ॥ जूतिकवृक्षवायाश ॥ थपनि ॥ निष्कलितयाशहल ॥ थनंलि सिंहनंरुलसांजूननंमवेथासडांनं
 थनंलिथवलानिष्क ॥ जूतिवसनायाश ॥ थडांजाथमसडांनं ॥ हांमोमथथिनगुआथार्थशाग्बवलसंखयंमनना
 दत्तंमननाच्छकर्मयाहलनं ॥ थनिष्कवलाशकमनल ॥ पुनर्वाचच्छकर्मयाहलनंच्छकर्मयापलावनं ॥ थक्रय

॥ विवि ॥
॥ ५४ ॥

सलवलाङ्गकलकपात ॥ थथिन संसान स्वयाङ्गाया ॥ हरेणोतमजिह्वलं जायार्थवायधून ॥ थयानिमिह्वास्तदय
कृष्णविशालनिधकं विमलियास्यलि ॥ श्रीरगवानं ज्वास्तदयकलं ह्वाकन ॥ कनं ह्वागुलि सकगां कन नडा
गथधालसाचुगुलि कनस ॥ सुवनागविधायानामनगनस ॥ सदर्थनधायानामनाशादसंधीन ॥ थक्रवाजायास
नस्यनधायानाम ॥ मंशीचक्रदसंधीन थवाजायाकलात ॥ विमलासपति धायानामनातीचक्रदसंधीन हनं वगु
नंगवेलनं संशुक्रुशडा ॥ थथिंक्रवाजायाचुगुलिसमयसपनसिमातयाविजय ॥ सननामनाज्ञानं वाककायधकं
सलकीसीनथसंत्य ॥ थकवयपदालसंत्यस्यतं ॥ नाताप्रकावयो भलुअलुज्ञानकाडा ॥ कवचनं पूनाङ्गमहाज
धानश्रधयानाडावानं ॥ थनेलिसुवनागविनामनगनया मंशीसहितनं क्रयसलपज्ञात्ताकपनिस्यनं विधुम
यानाडावानं थसंत्यगनपति ॥ उश्वथुविसकरितं रुयरायशुलं ॥ पूनवावहनं थवयपदाल ॥ संत्यनं घिनय
यानाडावानं ॥ थनेलिसुवनागविनामनगनया मंशीसहितनं ॥ क्रयसलपज्ञात्ताकपनिस्यनं धनद्वयसलाह

॥ वडा ॥
॥ ५५ ॥

कया ॥ थडा नाऊ कुल सडा हयानाडा थडा नाऊ कुल स ॥ थडा नाऊ समवां स्प मवया नाऊ स पूलाडाडा नं ॥ थ स्वयाडा ना
 जानें चूं धाय मरुयाडा दिन मूरव या नाडा वातं ॥ थने लि सून स्पन मंशीने रुले सां ॥ ह ना सने वा जाया था सडा नाडा रवा
 याडा विमति या तं ॥ हा महा नाऊ धिऊ याडा आडा चू रुल या या ॥ मना पति सहि नं क्रय सल प्र जानं ॥ मिडि नाऊ कुल
 सडा हयानाडा ॥ पन चक्र नाजा या क पूलाडाडा नं ॥ थ ग थ रवडा ध कं धा या डा थ क मंशी या ला रवा ठ नाडा ॥ ना जानें ध
 ले ह मंशी ॥ थ प्र जाला क था न स नय गुलि डि सामर्थ म द न आडा चू या या ॥ थ निया आडा स व स डि म न्द्र ला ग्ध रुल ध
 कं धा या डा ॥ चू गु था स सा ग्ध थ चू गु लि स वि स्प डा नाडा वातं ॥ थने लि सून स्पन मंशीने रुले सां थडा रुका रु ध या नाडा
 अननं चू गु लि मा गु नं ग ल पा त स ॥ स ल या धा ल रु का डा वि स्प डा नं ॥ ० ॥ थने लि वि रु य स्प न वा जानें रुले सां
 थ सून ना ग वि न ग न द कं ल जा यि या क रु ला ॥ थने लि प्र जा सैन्य द क स डा ना प सा ह ति स म रु या नाडा वा ध वि या डा
 थडा प रु रु य स ल प्र जाला क स ना प ति या रु ॥ प्र सा द वि या डा मा न्य या नाडा रु ले ॥ थ व ल स वि रु य स्प न वा जानें रु

नधकयसलमृगवधानधमनेयानाकर्मधारुलने॥पुनर्वाचकयसजन्मनवकवासकयूश॥हनेपुनर्वाचधस
नदप्यननाज्ञाशुलसां॥धसिंहयाजन्ममालताशकगुलिनगवस॥तशधनक्रनाजाशयाशजन्महयिडा॥पुनर्वाच
धक्रमंशोधक्रनाज्जुतिनेमत्पनाक्रमंशोरुयिडाहवाक्रमधमनेवाजाडाहधयागु॥महाज्जधानमापथुका
धकंआहादयकगुलिदनाश॥वाकननेविमक्तियातंहरगवान्॥धंयशखशज्जुशजिनंधर्मज्जुधर्मधारुलसि
यधूनधकंधासंतिश्रीरगवानेआहादयकले॥हवाक्रमज्जुशखखक्षानायाकंप्रयाक्रममइ॥स्वामिरुकि
रुयाधारुलनेलाहदयूश॥स्वामिरुक्रियातशवातनेमज्जवधयशयूश॥हवाक्रमस्वामिडाहयानायाज्जधान
पाप॥स्वामीडाहयानानेनवकस्वासासायिडाधकं॥आहादयकगुलिदनाशवाक्रमनेभले॥हरगोमज्जि
वाधरुयधूनधसंज्ञानमायानेदयकाशगतया॥धसलीलेधिकावहरगवन्जितशुलसांप्रसिधरुयाशवान
गुलि॥याकर्तृविम्विक्ताहनिधकंविमक्तियानाश॥धगुलिस्मंनकस्मनामउजानसस्वानधयाश॥धीरगोम

॥ विचि ॥

॥ १०० ॥

तथा गतया तपू जायानां स्वचा कषदक्रिता यानां सीलने लोकपूयन मस्का नयानां प्रव्यक्षो हनयातं ॥ थस्व
यां ॥ श्रीरुगवानने जाह्न दयकलं ॥ हवा क्रन साधु च खडा ॥ चने रुल सां पूर्व जन्म या पू सा एति दडा ॥ हने चने रुल
ल सां देवा देवा कवहिलां ॥ वृध रूप स रुल सां वने खडु स रुल सां ॥ चने मरुत कर्म यानां डां ल हने थ संमान
या विखय वा सुना गोल तां ॥ च धन डां ल हवा क्रन च रुल सां ॥ चि शारव्य धा यानां म तथा गत रु यां ॥ पूजा या यं
ग रु यां ॥ सम्यक् वृध धा य कां विद्या या वन हनं संपूर्ण रु य कां ॥ सुग रु धा य कां ला क या न वृक्ष ग य रु यां अ
न रु न हान लानां ॥ पू व या सा न धि रु यां द व म न व्य योगु न रु यां ॥ वृध रु गवान धा य कां ची न रु य माल ध
कं श्री ॥ गो म तथा गत नं व्या कर्म विलं ॥ थ रु श्री तथा गत या आ ह न डां ॥ थ म्म चि रु स मां या क्रन रु ल सां मन स
अति ह र्थ मान यानां ॥ श्री रु गवान या न स्व चा कषदक्रिता यानां ॥ सीलने पाइ का स लोक पूयन मस्का नयानां
डा द क्रि ना च्छा यां ॥ थ डां आ शु म स डां न ध कं व ला क यां लि हा डां नं ॥ ॥ थ व ल स स ल ला क द का थ डां ॥

॥ विचि ॥

॥ १०० ॥

आश्रमसंशानरुत्ना ॥ ~~॥ अतिविचित्रकारिकावलिमहास्वामिनाम् ॥ १०० ॥~~ ॥ थनेलिच्छुगुलिम
 मयस ॥ कपिलवल्क्यानामनगवस ॥ श्रीशङ्करसिंहलग्नानेविष्काक ॥ गुगुलिप्रकाशनविष्काक ॥ लसादव
 नागगनेयकृगन ॥ गन्धर्वगनजसूत्रगन ॥ धर्मसंग्रहसहितयानाश ॥ हनेकयसल्लोहकृषतिमनसंशकृया
 नाश ॥ हनेवाधिसंखगननेउयकाश ॥ आदवएवयोगकाश ॥ पूजासोन्ययातकाशविष्काक ॥ थथिनसमयस
 कर्कसुधायानाम ॥ अमरगुलिदस्यवान ॥ थअमसुवाकितध्यानाम ॥ इन्द्रकृष्णवसलपेशान ॥ थप्रदुर्ग
 पूजागथितधालसा ॥ महाधूर्तमहाचतुर्नाकयायस ॥ थथिनइतनेरुलसांथडावापावयानाश ॥ थानप्र
 दुर्गया ॥ सुवसिकाध्यानामकलागदस्यवान ॥ थप्रस्तुतिपदमसुन्दरी ॥ पवनमपूवृषडाजतिवसदश
 जतिवसतंदनलोकपनिमाहनदश ॥ थथिनप्रसीश ॥ थप्रदुर्गडानिप्रस्तुतिपूवृषनेसुखनेवानरुल ॥ थने
 लिच्छुक्रयादिनस ॥ मवडाप्रदुर्गकृष्णनेरुलसांथवकिगइतयाकलाग ॥ कायाशथयाधनसंपत्तिदकां

॥विचि॥

॥१०१॥

इयकाशकालं॥धनंलिधुक्चकिरनामद्रुनंरुलसांमहाद्रुखरुयकाशजुमानस्वयाश॥धशरुसखालमली
नयानाशवानं॥धनंलिमिसानंधालं॥स्वामिआशयुयायधुर्नयागगधलायविय॥धकंधासंपलिपूवृषनं
धालं॥हकाकहपियआशकिरनामधमदहा॥आशकिनेंयुयायकिरुलंजुलागीरुल॥संग्रकंदनयुक्कस्यनं
नापंजितययाककाशवानमाल॥किरुलंदेवयाशगयारुलनेसदासंपलिदकंरुल॥आशकिनेंरुलसांद्रु
कर्मयायमरुकाधकंधायाश॥धनंलाखादनाशलीनंधालं॥स्वामिआशयुयायधिर्यायाश॥रुनंरुलसां
इरुव्यापावयांनागुलियर्थथुका॥रुनंरुलसांजुलानमार्जसचलययाग॥धनंथुकाजुनपानहीन
रुलधकं॥निक्रुशीपूवृखयाखज्ञानाश॥चकिरद्रुनंधालं॥स्वामिआशकिरुलमधिकार॥मिजिनिमसया
युंजुनपानवकुकनं॥हीनरुयकाशवानमाल॥आरुलमदरुआशअसरुलसां॥दधसरुलसांवे
नसरुलसांयुलतिरुनाश॥आहावयायकिरुलपनदधसुशनरुलधकं॥धशगुलिदनाशलीनंधालं

॥वदा॥

॥१०१॥

हस्वामिच्छुनिमिहिनं पवदेमशानधया॥ च्छाननेशनमना रूपपथाननं संशुक्रशयाश॥ माक्रपदलायनि
मिहिनं॥ साधुसुजनपनि कपावनशन॥ च्छनेधालसाहानंमद्र साधुमख॥ जपनपने संशुक्रशमखच्छ
लेइमशयाशानक्र॥ अहानमार्जसवानक्र॥ धनं च्छुनिमिहिनं॥ च्छपावनशनधकधयाचनक
जाग्धमशडा॥ पूनर्वावलाकपनिसनंधीपूश॥ अन्नपानमदधाशदविडशशन॥ गृहाचानसवानमरुया
श कपावनशनधकंधायिश॥ धनं कपावनशनमकधकंधाश गुलिखटनाश॥ पूनखनेधाले हकारकजा
मकनेच्छुखलाना॥ आमखलाकां व्यर्थ देवनेयायिशगुलि॥ उगुलिमयाकयिशक्रसूदडा॥ हकारकशि
रुलं॥ निश्चयने कपावनशनरुल॥ च्छायिशलामशायिशलाधकंधासंलि॥ धवलसलीनंधाले लाखा
मिहिरुलं च्छासं सर्जमखला॥ शिरुलं सां जाग्धखथकाज्ञाना हस्वामिहिरुलं॥ अवसनं च्छानाप
शमधकंधाशगुलिखटनाश पूनखनेधाले॥ हकारकचनं शिरुलं लकमखधसंलि॥ मिहिशाननूपाधकंध

॥विनि॥

॥१०२॥

निष्कलीपुन्रयं तथा वनशतश्लो॥ धनं लिख्यं तथा सपत्तिवा स्यानाश वनया रुल मूल आ हा व या नाश ॥ अश
कथा स इ व रु व न स ॥ व न या ग हा व स म नान म थान स थ न ॥ थ थान स च कि न ना म इ न न रु ल सा ॥ श्री क न
श ना प न नि कि हा या नाश ॥ निष्कलीपुन्रयं विथाम या नाश वा न ॥ थ थान स उ र्द्ध ग ना ना म ना रु स ॥ क क श ल
थ क ना रु स रु यि श ग थि न क थाल सा ॥ म हा जू धा व मूर्ति स्व य ना पे रु यं क व ॥ अ ति ग्धा ना पू म हा व ला क थ
थि न क ना रु स क क ॥ थ म ना व म ना गु हा स श या श ॥ थ या ली पु न्र य नि क वि थाम या नाश वा न प नि र व न
थ प्र स या डा ॥ थ प नि थान थ न क ल श ना श थालं ह म न ष्य क प नि च य श या ॥ थ न च य वी ना थ रि जा थ
म स थाना या का व न रु ध क ॥ ना रु स न धा श गु लि ढ ना श ॥ थ न लि कि न ना म इ न न थालं ह वा रु स थ न श या
या का व न म व ना म र व ॥ रि प नि रु लं त श वा न नं द वि ड रु या श न य गु लि हा न गु लि व रु क द या डा ॥ रि प नि
थ न श या ॥ क न गु लि आ थ म ध क रि नं म सि या ॥ थ थान स अ ति वा न कू ना पू रु या डा ॥ रि प नि थ न वा ना ध क थान

॥वदा॥

॥१०२॥

याशः॥ **ध**त्वात्वाद्वादाशः नाकसुनं धालं॥ **ह**मानवद्वपनिदविडशयूशमरवू॥ **क**ंगलशुलं मरवू अस्मा मर्थदः
यिआमरवू॥ **ध**पनिअस्मा मर्थशुलसा **ध**पनिधनगथशयरुयिआ॥ **वि**सरवतं धालसाथशकलागनापंवा
नाशः **ह**ल **ध**नं शुलसां शिआना पशधयानाशः॥ **शि**कययाधकथका **ध**पनिधनशल॥ **आ**श **ध**पनिगनशवा
अशिहसुसलात॥ **ध**पनिनिमं अतस्यनं रुकयायधकं॥ **ला**हागववस्यानाशः किं किं कूयाशः॥ **ला**पादायाशः
सुनं॥ **थ**नं लिचकिगनाम इहयास्त्रीपूषनिमं॥ **ध**वथनायमाननं गमनाशः **स्व**वखाखातुकाशः॥ **वा**कसुयाक
विमतिगातं॥ **श**वाकसुशिपनिशुलं अतस्यनं दविडखशः॥ **शि**पनिउपनसकमायायमान॥ **शि**पनिशुलं वू
यायसामर्थमइ॥ **शि**शुलं मवइतपनिस्तनं शिकययानाशः संपदिदकं रूताशः शतं॥ **ह**नं वू अदिनं मदका
धत्वात्तं वू अन्नवसुकनयमदयाशः॥ **ध**त्वात्तं अन्नशतमहमहियाशः॥ **ध**वतसुशयाशः **वा**कसु- **शि**हानदयाशः
शया मरवू॥ **ह**नं धर्मकर्मदानयायधकं॥ **शि**धनशयामरवू- **शि**शुलं अन्नपानमदयाशः॥ **क**कनिनिशयनं थन-

॥ वि. वि. ॥

॥ १०३ ॥

शयाथननेतिपतिनक्रमायायमालधकं॥ धाशुगुलिखदनाडावाकसुनंधलं॥ हमातवचपनिस्पनंधाशुगुलिद्वयध
नचपनिरुलं॥ डिपनिरुआहानविशिशलडिशलंअतिपित्याकक्र॥ थथनरुलंकिथुकाथशथनशशक्र॥ ग
थमालनंहामानवचपनिनिमंनयमरवृचचक्रकनय॥ अथवाचनंरुलसांचनकलाग॥ कितविलसाच
नममालमाशेकाय॥ चनकलागचक्रककल्पनकहमनूय॥ आशेचनंरुलसांविनेरुयानाया॥ चप्रयाश
नमदना॥ चनंहीवमालमलाचनंकलागमालमला॥ निनासचतायाशहमनूयजितंरुलअतिपित्याकविल
रुयानायाचकादश॥ चनंरुलंजिशतापरुधयायनिमिरुनंथुकाथनशल॥ चरुलमायानंशक्ररुयमालम
धकंधायाश॥ धनअपिकायाशइकावनंमिंकिंक्रयाशलाहान॥ वयश्स्यानाशलापादायाशहाउंकमिरवाकनाश
अतिरुयेकनूपयानाशशल॥ थवाकसुस्वयाशवकिरनामइरुनंरुलसां॥ अतिगामवायाशस्ववक्रकस्वारवा
उचकाशविमनियानं॥ हावनवाकसुआस्वथथनयममंरुनमाशविलंरुयाश॥ डिपनिनिमसुयासाहमि

॥ वदा ॥

॥ १०३ ॥

याय धनिगाश्रुतासुनसृष्टिपनिचनगुहकलाक॥
रिपनिगतविस्मयानसंमनसाहतिरतिगायधकंधायाश्रु
महाखादनाश॥
धनवाकसुनंरुलसांश्रुहंकावसुनंधाने॥
मनूयचपनिचसमनयायकनासमनयाश्रु
असंख्यखजानाश्रुविलंरयानानेवर्थरुयुश्रुधकं॥
धशगुलिखदनाश्रुनिष्कृष्टीपुनूययासाहतिसमनयागं
थनेलिपुनूयनंधालं॥
कान्कआश्रुधरुलयायसाहादेवनं॥
गधिनसाक्षियाययश्रुचनरगधालनंआश्रु
धथायसृजामिनिष्कवायमाल॥
अथवाहनंरिहनाकसुनंरागयानसां॥
अथनंमिजिविधागरुयमालआ
श्रुगधयायमाल॥
रिनेकाचूंमसिलधकंधाश्रुगुलिदनाश्रु॥
हीनंधालंरापुनूखआश्रुधरुलयाय॥
कनाकस
नेरुकासंलि॥
रिम्बानाश्रुवीनायाचूंप्रयाहन॥
अथवाश्रुश्रुयायरुलसाआश्रुसुवनशन॥
पुनर्वानरिह्री
गातिधनवाकसुनंनयचूंकायायूतामयायूला॥
धरुदनगुलिधकंधालदनिहापुनूखआश्रुधं
विलंरयाना
याचूंप्रयाहनमेदका॥
विलंरयानसाधवाकसुनंरुलसां॥
अनिकाधयिकायाश्रुमिजिनिष्कंरुकायू॥
धनंवि

॥ विवि ॥
॥ १०४ ॥

लंरयायमरवृक्षाधकं स्त्रीनंधागुलिठनागपूवृषनंधालं हकाकजिनं कामसिया ॥ कनंरुलसागुगुकथनंउबाव
रुलउगुकथनंयागधकंधायाग ॥ मलिनरुलालयानागवानं ॥ थनंलिथक्र स्त्रीदनागुरुलसां मृगुरुलसां जिडा
यरुलसां वाकसडानापरवलायधकं वाकसयाखालस्वयागधालं ॥ हवाकसथनीयादिनसम्वस्यनंजिपनि
कनगुलाहाकसलागआउरवकगुतिसमरयाय ॥ गथधालसाजिलाधालसांमिसाऊगा ॥ जिपूरवकक्ररु
यायमरुधकंधागुलिठनाग ॥ वाकसनेंधरुयागसाजिडाधकंधायाग ॥ थगआथमपर्वगयागुहासथमिसाइ
रुवानायनं ॥ थुगुगुहारुयुगगथिनधालसांनानापकानयावलथनागगयादडा ॥ सुवर्गयावृषयाकाथा२दडाहनं
मृयागुमालाखायागयादडा ॥ अतिवानलोकथथिनगुहासइरुयनं ॥ थनंलिथक्र स्त्रीयाहुडानंधालं हमनूय
स्त्रीकृष्णयमरुसुखनरुकमानयाग ॥ मिजिकाथासअनपानवकुनानापकावयागिसादडा ॥ थसकनाकनंरव
सिरुलआगकडाजिडास्तिपूरवयाय ॥ कनंरु ॥ कथधक्रसक्रितागपवमआनन्दनंवागधकंधागुलिठ

॥ वरा ॥
॥ १०४ ॥

नाश स्त्रीने धूलें खराक स॥ आश किं गुलिक खलाय किं रुलें चने अधिक न रुला॥ आश किं धवनने लिहाशन यात हसं
शमतिर्थपुलाशोन यात लमसिल हा स्वामि किं रुलें ज्वला शाति देव या शागने धन शाल॥ हा स्वामि धन या किने आ
चान व्यवहारा॥ शिने नसिया नि किं रुलें कवू कवू कुमुबू लादि सकां चला पांल रुल धकं॥ धाश गुलिठ नाशना
कसने धालें शिण गंधया प्रहावनं महा हणु श्याश शाल॥ किं देव या संशागने धनियादि न स॥ धधिन रुल लाय धून धकं
धाश॥ धने लिवा कसने रुल सां कन मा प्रखला नाश नय शन वरु क स म रुं हिन कले॥ जा न या नाश संशा खया के
हने ना ना प्रका न या वरु ने पून काश गले धने लि धमिसा॥ आश अर्थ वा याश मूने चं धय मया लाश नु गले ने रुक
लन पाश वानं॥ अश जो अर्थ गधिन बीला स धकं॥ धधिन वन या म र धधिन बंधन॥ ग्व वल संठ ये मन ना स्वये म
मन ना॥ ध धा स धधिन वरु क सना ने धन ग य हल॥ धधिन सुवर्ष या वृष या रु स॥ ना ना प्रका न या वल या मा ला आ
दिने स्वा याश ग या दश॥ ध ज्ञाना कस रु य म रू ध ज्ञाना धन देव निकं रु य रु श धकं मन स॥ अति हर्ष मान या नाश

विचि॥
॥१०५॥

वानं॥ धनेलिधनाकसुशाशुलसं कामवसुधयशयाश॥ ध्रुवलायाकसमस्तुवस्तुकनं॥ संताखयानाशजनेग
प्रकावनं वसवंगयारव्यालयानाशजालिंगनचुंबनायानाश॥ मानुषिडा नाकसिडापनमसुनं वानरुल॥ धनेलिध
रुप्रकावनं वतिकिदायानाशधां मासलकिदयाडाशनं॥ ध्रुवलसुध्रुवस्तुनसिका नाहोयापुनस्वदीकिरुधया
नामइरुयाशुलसोवनसुवानरुलमूलनयाश॥ ध्रुगुमनादमथानसुडायाशक्रिथक्रिथंथडाहोसयधकंशयि
शध्रुवलध्रुवइरुयाधडाहोशनापनाकसुनेशुलसो वतिकिदाख्यालयाकगुलिस्वयाश॥ अतिअतिमानवाया
शथडाकलागशकसुमनकाशवानं॥ धनेलिक्रुयादिनसुतिथवाहिवांक्रन॥ क्रुथनकलशलेडायाशध
क्रननेशुलसो॥ ध्रुवकिरुनामइरुयाकविचालयानं हापुनस्वधुधतयायवातादुसुखश॥ धधिततिनंरुनव
नसुध्रुगथाशयाधकं धाशगुलिहनाश॥ ध्रुवइरुनेशुलसातिथवाहिवाक्रनयाउतिनिपासं॥ हाकपूयाशन
मस्कावयानाशभाले॥ हांक्रनकिरुलसोमहाइरुविरुयाशवानक्र॥ क्रुसामर्थमदयाशवानक्रकर्वसुधायाना

वदा॥
॥१०५॥

मशमसबासयानाशानक्र॥वकिरुधायानामइरुजिथुका॥हातिर्थवासिच्छ्रुयादिनसृजिपनिस्त्रीपुनरुवनिश्रं
अंतपाने हागमलानाश॥धवनरुवुसुशयाशफलमूलआदिनेजाहानयानाशरुया॥हतिर्थवासिच्छ्रुउपनस
रुपाहयमालधकंधायाशधरुहाखादनाश॥तिर्थवासिनेधालेहापुनरुवचनेपासागतशन॥धकंधासंलिक
किरुनेधाले॥हशोकनरुनेपासासेमइरुजिपनिस्त्रीपुनरुवनिश्रमापुशकशयाधकंधायाश॥वाकननेधालेहपु
नरुवचनेस्त्रीगतशन॥वकिरुइरुनेधालेहशोकनआशजिनेच्छ्रुधय॥धथासृजितिरुवदशालपाशविश्रम
यानाशानावलस॥जृतिरुयंकनमूर्तिनाकसच्छ्रुशयाश॥महाविसृद्धनेलायवुयाशजिआशमस॥रुपनि
कायधाना॥रिशलेधनियाजाहानयायमधुनी॥रिआहानलाकधकंधाविसृद्धनेहालाशाल॥धवलसृजिपनि
निश्रंभानाशअनगप्रकावनेविमलियानाशाना॥धनेलिधवाकसनेशनसोच्छ्रुश्रुअवसनेरुकायधकंध
धाले॥धवलसृजिपनिनिश्रमा॥समरुयानाशानावलस॥धकंधाकसनेशनसोच्छ्रुश्रुकशानाशध

॥ विचि ॥

॥ १०३ ॥

अज्जमसुयनकल॥ धनितेनलकिदग्धकंधायागुलिखदना॥ धाकननेभालेहपुनरवज्जअव्याय॥ वाकसध
याकस्यायमज्जि॥ चियंमज्जि॥ नाकसधयाकनंमनुव्यरुक्रयानंनचयाय॥ चनंदेवयाकननेचनगुज्जिअलेन
देवयाप्रहावनेचनकलागवाकसनेयन॥ इनासवायमेधकंधायागु॥ धाकलखादना॥ धाकचकीतनामइग
नेशंक्रनयाहुअनेस्वायागुविलापयागं॥ हाहाकष्ट॥ हाहाइःखइलीकयाकगज्जकगनना॥ हाहाखविगह
काकजिह्मालतागुगनवाताकनेइलसांजिह्मालतागुअन॥ नालमनकमहहाहादेव॥ हप्रियचनगु
रवालेनगतागुस्यय॥ हाहाविपवित्तस्त्रहवतिअथवाहनंनोक्रसनेइकेरुक्रयागु॥ हाहाप्रिय॥ चनंधायागु
लिख॥ गथालालमनकागुआयालाःहपानसुवी॥ चइलसांजिह्मवावसुआजितखालतापेमकनगथइ
ल॥ हाहाकष्ट॥ धकंवितापयागंधनेलित्तिथवासिवांक्रनया॥ अतिकनूधवायागुधालेहापुनरवचयायज्जमथ
स्वायाकनेलीयाखानस्ययवांकाइलसासिकसो॥ म्वाकसोचनगज्जिनेकनागुविय॥ विलापयायमहधकंधा

॥ वडा ॥

॥ १०३ ॥

यागः॥ ध्वजः प्रकृतया लाखादनाशवकिरुनामदुर्जनं धालं॥ हवा प्रकृतजिहलसां लीयाखालस्वयज्जिहल
हमिर्थासिच्छलपाले सनें रुलसां॥ ह्मिहलनयाखालस्वयगुलिज्जुशस्त्रवियमालधकं॥ धाशगुलिदनाशवां
प्रकृतनं धालं॥ लापुवृखच्छनरुलसां जिनें सना॥ ध्वजलसां मवसूनां मखेतकवानगुलि॥ नष्टकायाविशा
सना॥ ध्वजनष्टकायाविशाने मिखापिककाश॥ वाकसुयाकाथासुशानाशच्छनं कलागया॥ वृताकखदकेसां
कागप्रकृच्छनं यगुलिधनसा॥ वाताशालइनिधकं नष्टकायाविशासनाश॥ ध्वजकिरुदुर्जनसां वाक
सुयाथासुच्छानं॥ धनं लिखकिरुदुर्जनं रुलसां॥ मनस्वसुगायाशध्वजप्रकृतयाग॥ वावें वावने मस्कावयाना
शधालं॥ लापुवृच्छलपालयाकृपाने रुलसां॥ जिनें कलागयाखालस्वयदयमाल॥ हगुवृच्छलपालनें रुल
सांगने विद्यायमम॥ च्छलपालधने विद्यानाशवाश॥ जिहलसां ननाते शनाशायधकं॥ धायाशध्वजकिरुना
मइरुलसां॥ ध्वजवाकसुयागुहासुशानाशच्छकायामंयवानाश॥ इहाशाने धवलसुथशकलागशवाक

॥ विचि ॥

॥ १०१ ॥

सुगन्धिप्रसूया ॥ विधिं न किं दद्यात्ताडा ॥ विश्रामने वानगुलिखने ॥ धवलसुवकिनने रुलसांधका थाया कूला
मसुवा नाडा स्वयागवाने ॥ धवलसुवा रुसने रुलसां ॥ मानुषि स्त्रीयाग धनं लावन्न ह स्त्रीयने मनसुव
काशले उगुलिधाडा जूननयन् दारुलला ॥ पानला रुनया यन् दारुलला ॥ हने पातपमं वनया वलुने
नियन् दारुलला अथवा हने हिना मातिया मालातिमानं नियन् दारुलला ॥ ग्वगुलिन् दारुल उगुलि
मना वग्वया काडा धाले ॥ हप्रिय हलि साकय ताकाय मम ॥ लूमन क सुधा मम धकं धयाडा गुलिखदनाडा
क्रमनूष्य स्त्रीने धाले ॥ हस्वामिदु लपाल सुने द्युज्जहादयका ॥ हय मम कि रुलसां कायाया र्नि यानि मि
र्दिने द्युयस्वकयाय स्वकयाय मरु ॥ निश्चयने लूमन कने मरु लाव सुधायाय मरु ॥ जाडा रुल पान
याधिं क्रस्वामिनां स्पेति ॥ द्युयसाकयाय धकं धयाडा ॥ मरु रुने कि लाडा जतिकाम पुन्यशयाडा ॥ कामव
सुहलपमरुयाडा ॥ लाहाग निपाने वा रुसयाग लपतम् ॥ घस पुनाडा वृम्वता या नाडा ॥ महाव सुने धा प

र

॥ वहा ॥

॥ १०१ ॥

नरुयकाशकामक्रिदायाते॥ ध्वनसुवकिरुइरुनेरुलसां॥ धशकलागया॥ पविबालस्वयमरुयाशः॥ मासकाल
रुकरयाशः॥ धशक्रुइरुकरुनमागुधशक्रापायाथासुअयाशः॥ धशगुनुवांकरुनयाकरुनेः॥ हागुनुइरुलनेवाकरुसयागु
हासुअनाशयागुलिमर्थरुल॥ अरुहानिगुनसंसावक्रिगुनुअधिकान॥ धपापयाकरुलनेः॥ देवनंगधिनअवः
रुकाकरुने॥ धकंधायाशधरुलखादनाशः॥ धक्रवाकरुननेरुलसां॥ मूसुरुक्रिलाशधाले॥ हासिष्यकरुनेकरुस्वयाश
अयाधाशधशः॥ धनेरुलसांकरुलागरुवनला॥ मरुवनलाधके॥ धशगुलिदनाशः॥ इरुननेधाले॥ हागुनुआशजिन
गुलिगरुवकरुन॥ जिनस्वयाशकरुः॥ सकसांवरुथधकंधासंलिशक्रनेनेधाले॥ हासिष्यकरुनेकरुअनिष्ट॥ हायाशअभा
क्रिगरुलसांविस्त्राननेसकरुनमाला॥ धकंधायाशः॥ शगुलिखदनाशः॥ वकिरुइरुनेधाले॥ हागुनुदसविष्ठाइरुनिहि
नेरुलसांअनिष्टवनाकरुवकरुन॥ हातिथवासि॥ धलपालयाकरुपाने॥ जिनरुलसां॥ नष्टकायाविषायानाशना
करुसयाकरुसवानाशस्वयाशवाना॥ धवलसजिकलाकरुशः॥ नाकरुसशनिअसयाथिथिखलाताशः॥ नानाप्रकाशन

आशुभ्याय

॥ विधि ॥

॥ १०५ ॥

सुवर्णगुणनं किंदाया नाशवानं ॥ ह गुनः किं नं रुल सांथ धिन अनिष्ट स्वयाशया ॥ किं गुनं नं धिकान लीयास
 नीन नं धिकान ॥ ह गुनं थ सं साव रुलं माया नं रु कचिनाशयागु ॥ कवल इखया नं गदश हने पाप स रु कच
 लय बाक गुलि ॥ थ सं साव स साव धया व रु क रु गो म इ ॥ सम सं अ साव ल गुन ॥ का क धया क्र स नं रु ल सां
 सम सं व रु क या व स का या शवानं सां ॥ विनां अ मि थ व रु क मन सं सं साव म रु श थं ॥ थ सं साव धया गुलि मा
 या नं रु क क न का श रु श गु थ का ॥ ल गुनं थ कं धया श थं व कि न इ न या ल या द ना श ॥ धा क्र न नं ध लं ल सि ध
 थ रु लं मा या नं रु ल म र व ॥ ग थ ध ल सा दे व नं या क गुलि शु ल रु ल सां ॥ अ स रु रु ल सां नं स्व य मा लि श ध कं ध
 श गुलि ख द ना श इ न नं ध लं ॥ ल गुनं पूर्व रु ल म रु कि नं रु ल सां ॥ क पा प या ना या रु ल नं थ धिन अ प मां न्य स्व
 य मा ल ॥ थ या का व न अ ल ह द य रु ल वि का य मा ल ध कं ॥ धा श गुलि द ना श धा क्र न नं ध लं ल सि ध ल वि रु या
 शवान गु या का व न रु कि नं क न म रु ॥ रु नं रु ल सां थ या नि मि रु द न्य वा क रु ल सां ॥ किं ना पं ड न श या ध कं

॥ व द ॥

॥ १०५ ॥

ध्यायाऽ॥ ध्वजवाक्मनया लखा दनाऽ॥ इह नैधाले ॥ हागुनु लविनव्यया खकनिक्का ॥ गनखशधकं धाशगुलिदनाऽ॥
वांमननैधाले ॥ हासिष्य लविशुशया खकनिक्का दशधुका ॥ गनधलसा कपिलधयानामनगनस ॥ श्रीभक्त
पुंगवधयाक्का एगवानविकानेवात ध्वशी एगवानगधिं क्रधालसा ॥ गुनशक समस्तुया खानिशुयाऽविष्काक
हनेऽः विदविड ॥ कंगल कपतेजनाथ समस्तुयां ॥ दयाकनुनागयाऽविष्काकक्र ॥ हनेध्वक्रशी एगवान
रुलसां ॥ मसिया मखनाधयागु चूंमड ॥ सकंता सियाऽविष्काकक्र ॥ हनेसमस्तु दवलाक सनं पूजायागकाऽ
विष्काकक्र थथिनक्र ॥ श्री एगवानयाथासु च शक्तिनिक्का पांशनाऽ॥ हावितव्यया च्चुक्रव समस्तु दनशने
नूयाधकं ध्यायाऽ॥ ध्वज लखा दनाऽइह नैधाले ॥ हागुनु शिउपनसु कनु लोतयाऽविष्कायमाले ॥ हागुनु कपिल
ध्यानगनस ॥ श्रीभक्त पुंगवयाथासु शनाऽ॥ धूगुरुशगुलि सकंता हताकरवठनेनूया ॥ विष्काहनिधकं धाशगु
लिदनाऽ॥ समस्तु हासियानाऽध्वक्र वांमनश ॥ इह शनिक्का हतासने कपिलधया दगासु शत रुला ॥ ध्वजप्रकाश

॥ किं चि ॥

॥ १०९ ॥

नं धनं धाना नाना कनस वासु या नाश ॥ शशं कपिल धाया दश सध्वनं धनं लिध निरुस्यनं ॥ श्रीरुगवान यादर्शन लाक
रुला ॥ धवल सध्व कृष्ण कृतनं रुल सां श्रीरुगवान यात ॥ स्ववाक प्रदक्षिना या नाश श्री ३ रुगवान या मुख मधुन
लस दर्शन या नाश विमलिया मं ॥ धसा याश पुनर्वान इरुनं रुल सां ॥ श्रीरुगवान यात स्ववाक प्रदक्षिना या नाश
चवनक मल सहाक पूयाश उका रुस वाने ॥ धवल स श्रीरुगवानं रुल सां विचाले या मं ॥ हा पुनूष्य पनि
धन काय शया ॥ धपनिगन या धकं आसुद यक गुलि दनाश ॥ वा कृतनं विमलिया मं हा सुगत किशुलं विम
ला नाम तिर्थ वासि धां कृत जिथू का ॥ पुनर्वान वकिता नाम इरुनं धाल ॥ हा गुनूतथा गत किशुलं कक साता म
ग्रम सवान क वकिता धा या ता इरु जिथू का ॥ धकं धा याश धत हा खा दनाश ॥ श्री ३ रुगवान आसुद यक ल
हवा कृतन पनि धनश या या कावन न धकं ॥ आसुद यक गुलि दनाश ॥ वा कृतनं विमलिया मं ह रुगवान
धनश या या कावन न मवता मरव ॥ रुल पाल या गु दर्शन या य धकं शया ॥ हने हा विरुत या खरु ता दन्य धकं

॥ व दश ॥

॥ १०९ ॥

[illegible]

॥विचि॥
॥११०॥

वानाशयनधवलसज्जिनंनदृष्टायाविशायानाशवाकसंयाकसुडानाडा॥थडाह्रीडावाकसडापवनसुखनंन
मिक्किहायाकगुलिसुयाडा॥जुगिजुमानवायाडाधया॥जुहानिगुनसंसावधकंललापाडाथुगुलिसुमवा
वडवधक॥गथ॥शखडाधकंजिपनिधनडायाधकंधयाडागुलिसुवठनाडा॥थी३एगवानंशलसांमूसुहनं
किलाडावाकनयाहुडाधधलं॥हवाकनधकचकिगदुनयाएवितय॥याकथाकनखकनठडागथ
धलसा॥वगुलिसुमयसुसंखपूनीधयानामदगस॥विमलसंखवाडावकदसंधान॥धवाजायाक
लाग॥विमलानामनानामानिदसंधान॥धवलसुधदगसंधु॥पचमुधया॥वास्तिपूयवकदडाध
यागचंपकधयानामपवनसुन्दविठकदडा॥धवलसुधकविमलसंखनामवाजानंशलसां॥धक
सुचंपकवगिसुन्दवीडानाय॥क्रिथं२जिथासुविकानकलपातसुनंधलसा॥जिनधनवरुकतिसावु
आदिंयूमविडा॥कूडनंधलसाजुगिमननाधकधल॥कायनेधलसायूमयागधककलपातडाजिडा

॥व.दा॥
॥११०॥

वति किं दया ना गुलि व्यर्थं कं रुल ॥ दिनं रुल सां र्गया उपवसु द्रा हया ना गुल क रुल धकं ॥ धा या अ गुलि
ठ ना अ ना ज्ञानं धाल ॥ ल प्रिय चंपक वति रुन न चं म वि या या नि मि रु क म द ड ॥ ग थ रु न न ध न ड व वि
य अ ॥ ला क प नि स्य नं सि यि अ थ न नं कू पु नं मा य ॥ स्त्र ह ला व या ना अ ग या ॥ इ ॥ ख ना य म न ॥ ध कं ध अ गुलि ठ
ना अ ॥ चंपक वति नं धालं लाम हा वा अ ॥ जू सं ख वा द या ना या चं प्र या रु न म इ ध कं ॥ थ कू चं प क व ति या थ
स चान ॥ ह अ कू न थ थि न जू अ स व स रु कू या दि न स ॥ थ या र लो प्र च धु ना म र थ स्ति पू पु नं ॥ थू गुलि रु म चा
व सि या अ ॥ म न स रु ल प लं ॥ हा हा दे व र ध कं दिनं रुल सां पा प स च ल य या ना या रु ल नं ॥ थ अ क ला रु ना पं थ
अ प्र सि म द रु ॥ जू अ दिनं च धा य ध कं ॥ ल ल पा अ वा न ॥ लो वा कू न ॥ थू कू वि म ल सं ख ना म ना अ थू गुलि क र्म
या वि पा क नं ॥ क र्क सा ना म अ म स च कि रु धा या ना म इ रु अ म रु या अ ॥ म्नि नं स रु क रु य का अ चान ॥ लो वा कू
न ॥ पु न र्वा न ह नं थू कू च धु ना र थ स्ति नं रु ल सां ॥ म ना न म ना म व न र व रु स ॥ उ र्द रु ना ना म वा रु स रु म रु या

॥ विचि ॥
॥ १११ ॥

अथान॥ थुगुलिकर्मयाकलनं ध्वक्कचकिगइ नयाकलाग॥ वाकसने हवनयानाडा यन॥ एवाकनध्वक्कनं थ
अमननं गुगुलिकर्मयाग॥ उगुलिकलरकमानयायमालधकं॥ श्रीरगवाननं आह्लादयकूगुलिकना
अवाकननं विमलियागं॥ हागुवू हलगवान् आडागिपलालशयधून॥ धकं विमलियागं धवलसवकिगनाम
इकनं शलसां हगासनं ओपदनाडा पुनवीव॥ श्रीगकमूनियागं स्ववाकप्रदकिनायानाडा॥ विमलियागं
हलगवान् चलपालसने॥ आह्लादयकागुलिखडाथूका॥ आडागिनं अपालं कविमलियाय॥ हाहागधित
संसावधकं॥ हकूकं वानं धनं लिवाकननं शलसां॥ श्रीरगवानयाक विमलियागं॥ हलगवान् थूकइ नयाग
थं थूकलकिशलसां कर्मयाप्रलावतं॥ कंगालदविप्रवां कनजमश्ल॥ धयानिमिरुआह्लादकूमविका
न धकं॥ धागुलिखडनाडा श्रीरगवानं आह्लादयकले॥ हवाकचलं कंगालदविप्रमश्ल॥ चशलं म
हापठिग॥ महागुनिक मंपगवदआदिहाननं थूग॥ चनं पूर्वजमस थुगुलिकर्मयानाडा॥ आयायाकल

॥ व.दा॥
॥ १११ ॥

नेवाक्रनश्याशजन्मशूल॥ हवाक्रनहनंपूर्वजन्मसकशूलसां॥ समेककसूननामबुधकपसश्याश॥ बुधकाकउ
वासनयानाश॥ नक्रचेत्यथानाश॥ विमनानामनदिसवूयकलकाग॥ हनेथूगुलिमार्जम॥ घासलयधकंक
शलथमार्जसचेत्यकग्वलखनाश॥ धमनकायाशतदिसवहलपंकाग॥ थनपुंनयापरावनंतउरुमकूलस
शोक्रजन्मशूल॥ हनेथनमंगवदणस्तुनेसेककशूलधके॥ आह्लादयकगुलिठनाश॥ धवलस॥ धोक्रनतंश
लसांशीलगवानयाकविमक्तियागे॥ हलगवानधन्य२थनशूलनासक्तिप्रसेसा॥ यायशाम्भखशःहाहाथथिन
अमानसेमानविषयसवासनास॥ धानायाकप्रयाजनमदूधके॥ धाउगुलिठनाशशीलगवाननंआह्लादयकल
हवाक्रन॥ थसमानधयागुलिथधधकसियकमाल॥ लोवाक्रनःकृषिवेसःसूडथनंहिनजागिरुल॥ थश
थशकर्मयाकूलनंशूल॥ थनधर्मचेतनायायमाल॥ धकेआह्लादयकलंथवलसशीलगवानयाआह्लाठना
शइकवाक्रननिकस्यने॥ शीलगवानयाचवनसंहाकप्रयाशचनवकमलसघसपूनाश॥ विमक्तियागेअहा

॥ वि. वि. ॥

॥ ११२ ॥

आश्चर्यवद्भवया क्र आश्चर्यधर्मधया क्र आश्चर्यसंघधया क्र ॥ आश्चर्यधधिन प्रेक्षवधया
क हनाथि शिले अंधकाले खनय ॥ अहानं गा क पूर्यवान क्र ॥ धधिन क्र जिनं शिले सो वृधवा धिस त्वया न न म
स्त्वान हनाथ ॥ धसं सान या विषय वा सना द कं विषय ॥ लाल पाडा गाल न धन हनाथ ॥ जि पूर्व जन्म या प्रला व
न द क पा प ना स शिले ॥ हनाथ जि न शिले महा उरु म श या डा वान गु ॥ वृध हान वा धिस त्वया हान या ॥ पद स ह
रि स प्र सं न रु य माल ॥ ध कं वि मी ति या क गु लि रे व द ना डा ॥ ध नं लि गी र ग वान नं शिले सां अति क नू सा वा डा डा
क्र न सा रि नि क्र या नं ॥ धर्म उप द ला वि या डा न था ग न या प द ॥ व न दान विले हं रु वि ह वा क्र न ॥ ध प नि नि क्र
वाना न सि ध या का सि द भ स ॥ व क्र वृ ह ध या ना म न था ग न रु य माल ॥ ह नं ध क्र द न शिले अ क्र वृ ह ध या ना
म न था ग न रु य माल ॥ न था ग न रु या डा अ नू रु व स म्प कं वा धि हान ला य माल ॥ जि क थ थं उं उ पा स ना या ना या
प्रे क्ष नं ॥ वृध र ध कं ना म वानं कि नं ॥ जि न ना म स म व ना या ना या प्र ला व नं ॥ ध धिन प द वि ला यि डा ध कं व ला वि या

॥ व. दा ॥

॥ ११२ ॥

[illegible]

॥ विचि ॥

॥ ११३ ॥

भवतामख्यधालसाचिगंधिनिःधायादशधुगुलिमधुसजिनंरुलसां॥वाकायायधकंरुलसां॥धवाकाया
नानंशुलशयूशला॥अशुलशयूशलाः॥जिनंमसिया॥धनंरुलसां॥धनंरुलसां॥धनंरुलसां॥धनंरुलसां॥
काहनिधकंविमलियास्यलि॥धनंरुलसां॥धनंरुलसां॥धनंरुलसां॥धनंरुलसां॥धनंरुलसां॥
वादेवयाप्रतिमाशुलसां॥स्वानयाप्रतिमाशुलसां॥सिमायाप्रतिमाशुलसां॥नानाप्रकाशयाविंक्रुलसां॥
गुलिमहापुन्यधुकाधकंआदयकस्यलि॥देवपुन्यविमलियातः॥हलगवानधुगुलि॥विप्रकाशकायसुनानंया
रुधवाकायाककनंरुलसां॥धनंरुलसां॥धनंरुलसां॥धनंरुलसां॥धनंरुलसां॥धनंरुलसां॥
हलगवानंरुलसां॥धनंरुलसां॥धनंरुलसां॥धनंरुलसां॥धनंरुलसां॥धनंरुलसां॥
पुन्यधुगुलिकावाकनसुविमलानामपुष्कननि॥धुगुलिदस्येवातः॥धुगुलिमार्गसु॥अतिमनोवमकुरु
खादयकंरुलसां॥धनंरुलसां॥धनंरुलसां॥धनंरुलसां॥धनंरुलसां॥धनंरुलसां॥

॥ व. द. ॥

॥ ११३ ॥

ष्टिक्रकशयाग थूगुलिमनाममगृहसगयाग ॥ नानापकावनेचिगुविचिगनेः पंचनंगतेचाकशल ॥ थूगुलिमनाम
दरु ॥ थूगुलिमनाममगृहसगयाग ॥ थूगुलिमनाममगृहसगयाग ॥ थूगुलिमनाममगृहसगयाग ॥ थूगुलिमनाममगृहसगयाग ॥
तिथिवासिजनपनिसनं ॥ थूगुलिमनाममगृहसगयाग ॥ थूगुलिमनाममगृहसगयाग ॥ थूगुलिमनाममगृहसगयाग ॥ थूगुलिमनाममगृहसगयाग ॥
कलवि ॥ थूगुलिमनाममगृहसगयाग ॥ थूगुलिमनाममगृहसगयाग ॥ थूगुलिमनाममगृहसगयाग ॥ थूगुलिमनाममगृहसगयाग ॥
माधयाक्रज्जुमनाग ॥ थूगुलिमनाममगृहसगयाग ॥ थूगुलिमनाममगृहसगयाग ॥ थूगुलिमनाममगृहसगयाग ॥ थूगुलिमनाममगृहसगयाग ॥
वानाग ॥ थूगुलिमनाममगृहसगयाग ॥ थूगुलिमनाममगृहसगयाग ॥ थूगुलिमनाममगृहसगयाग ॥ थूगुलिमनाममगृहसगयाग ॥
वानिवावस्ववावसेमवास्याकशला ॥ थूगुलिमनाममगृहसगयाग ॥ थूगुलिमनाममगृहसगयाग ॥ थूगुलिमनाममगृहसगयाग ॥
नामतिथिस ॥ थूगुलिमनाममगृहसगयाग ॥ थूगुलिमनाममगृहसगयाग ॥ थूगुलिमनाममगृहसगयाग ॥ थूगुलिमनाममगृहसगयाग ॥
लिगृहसगयाग ॥ थूगुलिमनाममगृहसगयाग ॥ थूगुलिमनाममगृहसगयाग ॥ थूगुलिमनाममगृहसगयाग ॥ थूगुलिमनाममगृहसगयाग ॥

॥ वि वि ॥

॥ ११४ ॥

धपनि निष्क ॥ मृपूला गुलि सवडाल ॥ धवल सस्नान दहना ॥ शुष्टि नं रुत सां ॥ धूगुलि सवडगाया ॥ मन सल
लपा ध्वक स ॥ सुवास या कडाल ॥ अति आर्य न ॥ सवडाल धकं लाल पाडा ॥ स्थक ॥ ध्वकं धडा ॥ लिहा ॥ शनं ध
नं लिह नं ॥ कृपा देन स ॥ ध्वक स्नान दहना ॥ शुष्टि नं रुत सां ॥ कापा या ध्वं नापी या स मय स ॥ धूगुलि म ना व म गृ
ह स प्रव स या गं ॥ धनं लिपू न वी न ॥ म ना डा देव पूय शनि ॥ कापा या ध्वं वा स या ना डा वी न ॥ धवल स स्नान
दहना ॥ शुष्टि नं रुत सां ॥ सूतानं म सिय क महा गुफ नं ॥ पि न गुलि का था स सूला डा वी न ॥ धवल स प्रात काल रु
सं लि ॥ कृपा कं द ना डा जा य गिं स स व न स डा न ध क देव पूय पि हा डा य रु ॥ न न व ल स ध्व देव पूय नं ध्व स्नान द
हना ॥ शुष्टि र व ना डा ॥ ह ना २ स नं क नं पि हा डा लं ध्व क देव पूय या ॥ लि डा २ म ना पि हा डा लं ॥ धवल स ॥ स्नान द
हना ॥ शुष्टि नं ॥ म ना पि हा डा गु र व ना डा ॥ ह ना २ स नं म ना या न क क य या ना डा न लं ॥ धधि न प व म स न्द वी म
म ना क क य या ना डा ॥ शुष्टि नं धालं ॥ स न्द वी क स र व डा क ग न नं डा या ॥ कि गुलि क स क्का य वा स नं वी ना क

॥ व. दा ॥

॥ ११४ ॥

सुखशश्वत्वाहनेमखदवकेत्यालाः मनुष्यकेत्यालाः **हपनमसुंदरीः** सत्यथजितकनमालधके **धशगुलि**
दनाश **अप्सनातंभलः** हापुनखकनेमथधायमक **हितलका** रुवितयायमक **कमायाश** **कनगुलि**
कखनाश **जिपति** अतिहर्षमानयानाश **नागिया** समयसु **कवा** सयातडाया **थ** खमवयातकनमक
विनति **जिहल** सां **कनगु** **क** सल **कि** **कवा** सयाकडाया **कने** **क** यावाल **किन** पन **कि** **सुव** **रू** या **वू** **रू** **क** या
शत **थ** **जिहल** मवमख **गिला** तमा **ध** याना **म** **अप्स** ना **जि** **थू** का **ध** के **ध** या **श** **थ** **क** **अप्स** ना **या** ला **खा** दना
श **हान** द **रू** नं **भलः** **हा** **अप्स** ना **ह** **द** **वी** **धं** **न** **र** **ख** **श** **क** **ल** **पाल** **स** **ने** **अ** **ह** **द** **य** **का** **थं** **या** **थ** **वि** **का** **रू** **न** **कि** **२**
लग् **या** **रू** **ल** **नं** **क** **ल** **पाल** **जि** **थ** **स** **वा** **स** **ने** **वा** **न** **वि** **का** **रू** **ध** **के** **ध** **या** **श** **थ** **क** **स** **म** **न** **या** **ना** **श** **उ** **पू** **न** **या** **दि** **न** **सं** **नि**
सं **किन** **प** **ल** **कि** **सुव** **रू** **वि** **या** **श** **थ** **क** **अप्स** **वा** **स** **ग** **र्ज** **ह** **व** **न** **सं** **लि** **हा** **श** **नं** **थ** **ने** **लि** **हान** **द** **रू** **थ** **दि**
ने **रू** **ल** **सां** **अ** **ति** **को** **उ** **क** **चा** **या** **श** **अ** **ह** **अ** **थ** **ग** **धि** **न** **जि** **ला** **ग** **ध** **थि** **न** **अ** **ह** **ग** **व** **ल** **सं** **द** **नं** **म** **न** **ना** **ख** **यं**

॥ वि. वि. ॥

॥ १११ ॥

मनना धर्मे लयाशयः सति साधनाशः ॥ धूलिखसमसं धाकलागयाककने ॥ थनेलिस्तीने धाले लाप्रर
स्वामिन् हृदयल ॥ थनरुण गधरुल धूलिखनाक धाशधर्मे ॥ धाशगुलिठनाशः ॥ स्नानदहनं धाले हलीथनी
यादिनसेपवमआश्वर्यशूलधर्मे ॥ म्पराशनापरवज्ञानाशः ॥ धागुलिखवहनाककने ॥ धवलसक्तिनेर
लसांपूर्वरवयावचेतनाशः ॥ मनसं जतिहर्षमानयानाशः ॥ धंयश्मिहिसुलागधरवशधर्मे ललापाशः ॥ निष्क
लीपुवपवमआनन्दनेशनरुला ॥ ॥ थनेलिज्जिथंश्चवर्ध्वर्ध्वपवकिशानाशः ॥ धमनायमगृह
याम्याकूलसुतयाशः ॥ दवपूयशमृप्ताशानिष्कवासनेशनानाशः ॥ प्रातकालरुयशः थशरवनसलिहाशने
धमपकावनेलकिसेमयाजितेपलकिस्ववर्ध्वकायाशः ॥ स्नानदहनं धाले महीधनाशरुल
लाचिकनतिदवपूयरुखायः समाग ॥ विषविचिषवायायापूथयाकूलने ॥ थथिननेसूर्यरुललानाशः
महास्वनेरुमानयायदगधर्मे आश्वदयकले ॥ धीश्माकसिंहलागवानने आश्वदयकगुलिठना

॥ व. रा. ॥

॥ १११ ॥

अविश्ववर्तिनाम देवपूजनं ॥ एतद्गवानवाकविमर्तियातं ॥ हगुवृहहगवान् चरवाकृजकवाका याताया कल
नं अथिनने सूर्यरुललाक ॥ धेन्य २ खडा अहा २ आश्वार्थ्यगधानदरुया एगध ॥ हगवान् क्तिनं विरु कर्मया
य ॥ धया विधाने गध २ खडा आहा दयकस्य विक्काहन धकं विमर्तियाक गुलिठनाडा ॥ धी एगवानं आहा द
यकलं ॥ ए देवपूज्यने मनस ॥ कूललगा गुलिवाडा ॥ हने मथ संकडा ॥ वहि विहान संकडा ॥ अथ वाधर्ममाला
संकडा ॥ देवया आलय सहलसो ॥ पंचवंगने संककया नाडा सुधया नाडा ॥ वाकाया यधकं धी एगवानने आ
हा दयकलं ॥ धने लि विरुवति देवपूजनं विमर्तियातं ॥ हगवान् ध्वकप्रका नने जिह्वा काल धकं विम
र्तिया नाडा ॥ धी ३ एगवान यात स्वचाकप्रदक्रिना या नाडा वन्दना या नाडा ॥ देवपूज्यथ अज्जधम ॥ विप्रगंधिना
मपूष्क वनि सुलिहाशनं ॥ धने लि विप्रवति देवपूजनं शलसो ॥ हवमान या नाडा धी एगवान या आहा थं
मथ क गुलि संकहितं ॥ पंचवंगने संककया नाडा ॥ नाना प्रकारे नं चिप्रविप्रनं चिरुको नरैय यातं धध
न

॥ किं चि ॥

॥ ११३ ॥

सुखाय धृतकाश वाचानस्ति न गवस्तु अथ कंठानं ॥ थने लिथ वाचानस्ति न गवस्तु ॥ ॐ हृष्ट वाचानंदयकाश
कया विहावस्तु ॥ चिप्रकावस्तु वययां धु गुलिथानस्तु गुगुलिप्रकावनें वागधालस्तु ॥ गुगुथास्तु तथा गगयाप्र
तिमा गुगुथास्तु वस्यया प्रतिमा गुगुथास्तु जूष्टमंगल गुगुलिथानं ॥ नाना प्रकारास्तु गुगुथास्तु नाना प्रकारा
वयातिमा थन प्रकारानं ॥ थडा २०० छा थं वायाडा कले ॥ ॥ थने लिथ कास्य पारिकुर्न रुल सां ज्ञास्तननंद
नाडा श्रीरुगवानयान स्वचाकप्र दकिनायाडा विमगियां हलगवात् चिप्रवाति देवपूज ॥ थनि यास्तु म
यस्तु गनडा न ॥ थक्र देवपूज रुलं महाधर्मात्मा ॥ थधा रावदडा वगयाय गुलिमहावस्तु रुडा ॥ थथिन प्रदव
पूजनं रुल ललाग वेक धीयाडा ॥ थक्र राखाठमाडा श्रीरुगवानं ज्ञास्तु दयकले ॥ हकास्य पप्रक्रस्यने चि
कर्मयाग डा कयागडा वत प्रसं सा ॥ हाकास्य पप्रिकन ठडा ॥ थक्र चिप्रवाति देवपूजनं रुल सां वाचानस्ति न

॥ व हा ॥

॥ ११३ ॥

गनवातिनिसृगुलिथासचिरुकर्मयानाडा॥ हनंथासृपतिंथाकायानाडा॥ अनंतंनृमृश्याडा वेभालिभा
वानगवस॥ नोशाशयाडावानगधिनकनाशाधलसा सलकिस्तिवथैव्यथकचुनेगवलनंतंशकश
डा॥ हनंथवाजाभाजुतिपममसुन्दरी॥ सुमतिनामनानिचक्रदयेवान हनंथवाजानं पृथिवीनाकृ
कमानयानाडा॥ एवनाकनधकनामप्रयाकशयाडावान॥ धकंजाह्लादमृगुलिदनाडा॥ कासपहि
कनंविमयियातं हलगवान॥ वाकाशकयानामागुनं॥ थधिनकललाक धंमृश्वडाधकंधाडागुलिदना
डा॥ श्रीलगवानंजाह्लादयकले॥ हलिकुचिरुकर्मयानायाउरुमपुंथधुका॥ हलिकुविमखनंबूधदवना
यामूर्तिवायायापुंन्ययाहलनं॥ महाउरुमनाशाशयिडा॥ भवनादवमूर्तिवायायापुंन्यनं महालाग
नंसंपूर्करुयुडा॥ वंमूर्तिवायायापुंन्यनं कृसजमनाशाशयिडा॥ गुगुलिथासवाकायानाडाकयादरु॥

॥ वि. वि. ॥
॥ ५५१ ॥

आगुलिथ सलक्षिते वा स्यायूश ध्वनं चिरु कर्म या पुंन्यनं वा शाश्वत ॥ एकास्य परिकु ग्वक्र २ मनुयने वा
शा शाग वां वा या ग ॥ आक्र २ स्यनं चिरु कर्म या य माल धकं ज्वाला दय क गुलि ठना आहिकु नं धा लं ह र ग वा
न ध्व ए व ना क व ध या क्र वा शा ॥ गु गुलि विषय स प्रवे स श या आ वा न ॥ अथ धर्म स प्रवे स या न धर्म स च ल
य या ग ला ॥ हने म रू पा प स च ल य या ग ला ॥ ध नि मि रु ज्वा ला द स वि का ह न ध कं ॥ वि म निया क गु लि ठ ना
आ शी ए ग वा नं ज्वा ला द य क ले ॥ ए का स्य प रि कृ थ क्र ए व ना क व या र व व क न क न ठ आ ॥ ग थ धा ल ता ध्व
क्र ना शा श्व ले ज्वा ले उ ख र्य स फ वा ङा ग न सं श क श या अ ॥ प व म स र्व नं स क मा न या ना आ पु य या का न न
नं श क र वा क चि कृ ता या ना आ ॥ थ आ सी म ति वा निया ग धा ले ॥ ए का क ली ॥ जि थ थ ज्वा ला गि ति ग थ श ल
वा ङ धा ल सा ध न नं धा ल सा ॥ आ क नं धा ल सा ॥ स न्य नं धा ल सा ॥ स म रू स सं श क र आ पु य धा ल सा य क्र म दू थ
उ ख र्य वा क द ग सा य र्थ ध कं धा ले ॥ ध व ल स रू म ति वा नि नं धा ले ॥ ए प्र म हा वा श य ल पा ल वा य सा क या

॥ व. द. ॥
॥ ५५१ ॥

स्यविष्णयमनं पूषयाकावनसचिरुज्जंशलयामनं॥मिडिकर्मरुविस्दयिगानामदयिगानाधकाज्जडाक
यायहतासवायमनधकं॥निष्कम्पुपुन्रययाधिधिंसंराखनायानाडा॥नाजानानिनिष्कम्पामहाहर्षमान
सूचनसुंभानयानाडावीतं॥धधधुंरुननभुंगानयानाडावावां॥देवयासेकागनेरुयाडाःसुमतिनानियागर्ह
सदयाडाडाल॥धस्वयाडाहवनाकनेवाजाज्जतिहर्षमानरुयाडावीतं॥धनेलिलच्छिनिलास्वलापिलाठा
लामिलासंपुंरुंरुयाडाडस्येलि॥सुमतिनानियागर्हहदरुयाडा॥मासुधिधुमाप्रमुचावूलं धवलसुसुमति
नानिनेविलापयाकगुलिस्वदनाजानेतायाडाविचालयानं॥हहवतिपनिनानिने॥छायविलापयाननानि
याचुमचावूल॥पूषलापूषीलाज्जधवासिकला॥जिडायजिडानिलाकायखालधकं॥नाजानेविवालयस्येलि
सखिच्छक्रकाथानेपिडायाडा॥नाजायोरुकनेलामहाबाज्जमहाज्जुतल॥पूषनेमखूपूषीनेमखुमास
योपिधुमाप्रमुचावूलजन्मरुल॥लामहाबाज्जनुपधायापदार्थंमह॥धखसुयागेमाहृदयकमन॥सुसुं

॥ वि. वि. ॥

॥ ११५ ॥

विकारुनधकंधाले॥ धनेलिखनाकननाशनंतालला॥ अशशुभार्थजिगथिनमूलगिआशय्यायअपातख
लानायाकंप्रयाशनमइधकं हानपाशसुमकंविष्कोमं धनेलिखनिवर्गपनिस्तने॥ नानियाखालस्वयाशधाले
महानीयायविलापयाना॥ विलापयायमनआशय्याय॥ देवनंगथयानअथस्वयमाल॥ सुमकविष्कोरु
निधकंधायाश॥ धनधारीवर्जपनिस्तस्वखदनाशनानिनेधाले॥ हधारीवर्गसरिपनिआशय्याय॥ हाहादे
वग्वक्रविधातानंधधिनरुचिहलकायोनाशहल॥ जिगरेसगुलाजिलासमदयाशदूरवसियायावर्थशलली
कपनिस्तनेरुधायिडा॥ कितेशलसांशकपनिनरुधाय॥ दायजिहम्वाकाशतलआशश॥ किमृत्पूरुयगुलि
रुकेरुधाले॥ पूनवीनपूणपूणीमइयाकानतसे॥ साककायाशआशदेवनंधधिनसास्त्रियाताशहलकि
शलंरुशवातनंअरुगीखडाधकंधाशगुलिठनाश॥ इदुमामनेधालेहामहानानि साककास्यविष्कायमनम्यव
यानंधधिशशथका॥ रुलपालकक्रयाशकशलशमख॥ धननेरुलपीलेहतास्वोयमन॥ पूनवीनहनेगरे

॥ व. दा. ॥

॥ ११५ ॥

सहयिगुणकाधकंधमयागः॥ धाप्रिवर्गपनिधिधिंसाहति यानागः॥ थुगुलिलाग्राहपलस्वानयाहलसपाल
 सिनागः॥ थगुलिउमानसः॥ पलस्वानपुखलियादथुसलानकः॥ भागीयासमयसगनागः॥ हाकातिनागः॥ कथलः
 थनंलिक्रुनिः॥ स्वरूपनूदसोलिअकासमापनं॥ सिंहसाद्वनमरुहाकिसिकाथरुयसियमूग्वालकृज्ज
 नामनपुनूखेथरूपकः॥ उत्पन्निश्यागः॥ थपैस्वानपुखलिसः॥ कथंथेपूर्वदिसाससिंहः॥ दक्षिनदिसासगाइन
 पश्चिमदिसासमहानागः॥ उरुवदिसासज्जनामनपुनूखः॥ थरूपकपगुलिदिसासपकृगुनंपियागः॥ थान
 थनलिक्रुयादिनसः॥ थउमानसविवालयककृउमानपालकः॥ उमानसस्वानथयधकंशनेः॥ थवलसुथ
 कृउमानपालकनं॥ पलस्वानपुषूलीसपकृनसंपकृगुनंपियागः॥ थानरवनागः॥ अतिथनथनायमाननंरु
 नागः॥ हमारुनंवाजायाथासगनागः॥ थुगुखवृगानककनं॥ हामहानाकृलपालयाउमानः॥ जितेविलयायसा
 मर्थमदकः॥ जिहलंजुतिहायधूनधकंधागुलिरवडनागः॥ नाशनेरुलसांद्रमपनिसलमागः॥ आरुदयकलंरु

॥विधि॥

॥११५॥

इह पतिथनियादिनसुआश्वर्यवदन्धने॥थथिनअहगरवजाथनियाअयापिबबलसंदन्यमनना॥स्वयंम
ननाउमानसकुरुलखडा॥यपतिथथंशनाशस्वलरुनिधकंआहादयकगुलिदनाडा॥इहपतिहकल्यंउपा
नसस्वयधकंशने॥थनेलिउमानसइहाशनाशथुगुउशानहमिसहयकाशतया॥कसुथाहाशनाशकर्मसिषनधा
याकशसिसवानाशस्वतं॥थवलसपलेखानपूरवूलियादिथसमृतिवानलाकपलेखानकृदालउत्पत्तिरुया
शाने॥मृतिवानलाकखानकृदालखने॥थनेलिधुगुपूकननियादिगशपहिंसिंहसाइवमहानागअरु
नामपूरवधकंशुषकखने॥थनलिइहपतिहनेधालेहापूरवधकपतिहखडा॥थथिंशागुववलसंम
रुडाअथवाहानेरुडामरुधपतिथनकायशयाशवानाधकंधाने॥थनेलिपूरवधनेधालेहानाअपूरवधि
मवमरुधिरुलेअरुनामवपूरवधयाक्रथुकाकपतिनाजाया॥रुय२मेगलरुनमहालाहदग॥वाकद
कंसमहाउत्साहशलेहानाअपूरवपति॥थुगुलिपूरवूलियामध्यसुन्दनवाककमानातशलेविप

॥वहा॥

॥११५॥

निस्यते साश २ थ कनं थू का रि प नि शा ग रू ना या ना श वा ना ध कं ध ल ॥ थ ने लि पु न र्वा न रू नं इ न प नि स्य ने थू गु
लि पू च्च न नि या म ध स ॥ अ ति वा न ला क प ले स्वा न र व ने ॥ थ ने लि ह ने सिं ह ने ध लं ता पु न र व रि प नि श ले सिं ह
सा दू न म हा ना ग अ रू वा म न पु न र व थू का ध कं ॥ प क्र स्य ने पाल ला क ध ले ता मा न व थ न ॥ आ या २ ग्ध य म रू थ
या का व न थ या का व न सं रु क ॥ रि प नि थ न श याः प्र व ता या नि मि रू नं ॥ थ न श या म रू ता मा न व ॥ पू च्च न नि स वा
न क्र म हा मू यः स्व श २ म हा क्रु णि कू मा न शा न श ल ॥ थ क्र कू मा न श ल सोः म हा सं ग म स रू द्र या पि श ॥ म हा स्र व
म हा स्र नि ॥ म हा प वा क म द श नू प वं न म हा वृ ष्ठी ग क ॥ इ का ल क्र न नं सं रु क रू श थ धि न वा न ला क क्र कू मा
न शा न श लं ॥ आ श रि ति स म रु या मं ग ल रु पि श ध कं ॥ सिं ह आ दि नं प क्र रु नु प नि स्य ने धा श गु लि नं द ना श
थ इ न प नि लि हा श ना श ॥ ना शा या न क नं थू गु लि र व व ता न क नं ॥ हा म हा वा श अ रू न आ र्थ रा य धू न ॥ व ल
सं स्र यं म न ना द नं म न ना क ल पा त या उ शा न र मि स ॥ पू च्च न नी या द थू स अ ति वा न ला क प ले स्वा न रू रू

॥ वि. चि. ॥

॥ १२० ॥

लउत्पत्तिरुयाडाधपलस्वानयामधस॥ सुन्दनवालखच्छुलउत्पत्तिरुयाडाधानधकवालकशुयिडागधि
नधालसा॥ अतिवानलाकस्वयगुंययापू॥ हनेपूनवीनमहाआधायनेधपूरवूलियापदिगसे॥ सिंहसाइवम
हानागज्जनामनपूरव॥ धरुस्यनेधगागुलिखवनाकसमसंकन॥ धनेलिनाजानेशलसाउधानपालक
यावचनदनाडामहाआधायवायाडा॥ मनसमहाहर्ममोनखालशयकाडा॥ रुकठुनाडाधानाआधमनंद
नाडा॥ हतारसनंजामनंदनाडा॥ मंगीसलताडा॥ मंगीशतापंडधानएमिसस्वयधकंडानेधनेलिधपूरवूलि
यादधुसपलस्वानया॥ कर्षिकायादधुस॥ अतिनवानलाकः सुन्दनकुमानजानरुले॥ जानरुयाडाधान
गुलिखनेधकवालककुमानशुयिडागधिनधालसा॥ अतिवानलाकसूयनिता३२लकननेसरुकरु
डाहनेपूनवीनधुगुपूरवूलिया॥ चतुनदिगसे॥ सिंहसाइवमहानागज्जनामनपूरव॥ धरुपकखने
धनेलिज्जनामनपूरवज्जादिने॥ धरुस्यनेनाजायातधाले॥ महानाजाचलपालयाजयरुले

॥ व. दा. ॥

॥ १२० ॥

लपालयापूयशामशुलधपूयशलेमहापण्डितशयूडा॥ कलपालयाकलनायकशयूडा॥ कलपालयाल
ग्याकलने कलपालयासिनेमहाउरुम॥ वाजाशयिडाधकंजुजनामपूनूवनंधालं॥ ॥थनेलिसिंह
नेंधालंमहानाजा॥ कलपालयापूथ्याप्रेलावनं॥ थथिनमहापनाकमिक्कपूयलाएदगधकंधालं॥ ॥०६॥
थनेलिसाइनंधालं॥ लाविकममहानाजाकलपालयाकलसुनलउत्पत्तिशुल॥ हनेंध्याविनपनाक
मनेसकपनिस्पनेसहलपयुयिशमरवू॥ कलपालयापूयनेसकसंहावमायूधकंधालं॥ ॥थनेलि
महानागनेंधालं॥ लामहानाजा॥ कलपालयापूथ्याप्रेलावनं॥ कलपालयाशयमंगलशुलगथंधालं॥
कपक्यानापीयासमयस॥ नकयगतनेउयकाडाथीवन्तमाउदयशुशथं॥ कलपालयाकलदिपकउत्प
त्तिशुलधकं॥ थवपेक्कसनेंधाडागुलिठनाडा॥ हवनाकवनाजानेंधालं॥ हागजन्तसिंहडा॥ किसिडावर
लावगथमदक॥ हनेसिंहडा॥ मनुष्यडा॥ दधलावगथमदक॥ नयिशनसाडा॥ सनूखशुलसा॥ दधलाव

विचि॥

॥१२१॥

गन्धमश्लक्ष्मकंधालं गङ्गद्वनेधालं लोनाशसमस्तुजिपनि॥ नयिगानसाशसम्मुखश्लक्ष्मसां॥ दखलवधयागुलि
य्ममइहनाशन॥ जिपनिउत्सकिशयाशशगुलिनं॥ सूरमंगलशयूशहनेधुगुपप्रसउत्सकिशशक्रवा
लकेयासेन्यजिपनिधुका॥ लोमहावाशाधवालकयापूथयाप्रणवनं॥ जिपनिधिंक्रसावधीश्लक्ष्मकंधालं
धनेंलिनाशनंश्लक्ष्मसां धुगुलिवचनठनाश॥ मनसज्जतिहर्षमानयानाशमंश्रीश्लक्ष्मसांपलस्वानपूरवूलि
सकागच्छायाश॥ पप्रनेवाशाशातशशक्रवालकयात॥ पातपतंवनयाकासिकवस्तुनंक्रसूरनाशधुगु
पूषूलिनंथरहयाशनाशकुलसहलं॥ धनेलिसमस्तुप्रज्ञाशोकपनिस्यनेश्लक्ष्मसां॥ धुगुलिवाल्मीठनाश
हाहाकाननेकालाहसदनेलायवूयाश॥ वस्तुआदिनेवधाययातं॥ धवलससमस्तुप्रज्ञाशोकनेश
लसां॥ मृदंगमूर्त्तिगादवहलिनायखितधक॥ पंचतालआदिनेनानापकावयामंगलवायथा
तंधवलसधुवालककुमानयात॥ कर्मज्जादिनेक्रियाकर्मयानाश॥ धनधूनकाशधवाशनंश

व. द॥

॥१२१॥

[illegible]

॥ वि. वि. ॥

॥ १२२ ॥

ज्ञातशुभागुलिपत्रपत्रनरुनाश॥ उमानसपूष्पचनीपूरुलिसकूतिकलकाया॥ रामहानिधुगुमांसपिभुयाथ
थिनसूदनकमानज्ञातशुला॥ अपमयामधसज्ञातशुभाकवालक॥ देवशुभाला॥ मनूव्यशुभाला॥ थधिंजा
गुम्बवेलसंशुभाडाशनेमइशुभांमखू॥ विसरवनेकलपालया॥ पुन्यापुलावनथका॥ थथिनकसूदन
कमानज्ञातशुला॥ रामहानिधुलपालयासूखशुला॥ अथंजिपनिमसूखगथकलपालयाइःखशुला
अथंजिपनिइःखवकं॥ क्षप्रिबर्जसूखीपनिमनंकातं॥ थवलससूमतिंनानिनेकातं॥ रामक्षप्रिबर्जसूखि
पनिथनियादिनस॥ शिरुगधनगुलागधशुला॥ थथिनलग्गजा॥ गवलसंस्वयंमननादतंमनना॥ शिरुलं
सदाकान्तंमंगलशुला॥ रामसूखिजापांजिगर्हनेज्ञातशुभावलस॥ लायाजमापवूलधुगुलायाग्वाहमापवू
गुसायाश॥ शिमनसूयाकूलचिरुनेतकाचाया॥ आडाथथिनकसूदनकमानशुभाडाशला॥ धंत्यशिकम
आडागिनिजिजमशुभायासाहृल्यशुला॥ हनेजिक्कीज्ञातशुभायासाहृल्यशुला॥ रामसूखिजाडागिनिचप

॥ व. दा. ॥

॥ १२२ ॥

नितं सारुत्यरुल हाधिवर्जसखिपनि॥थनियादिनसुजिस्वामिमहानाजानं॥गथज्जालदयकलज्जथं
पनिस्पनं॥जिपुणसूदवकुमानयागलिनकप्रतिपालयाअधकं॥धयाअसूमतिनानिनंरुलसांधा
विवर्जसखिपनिगवकुआदिनंसिलपाउवियाअज्जथामतथंसेराखन॥खज्जाताअविदावियाअ
तं॥॥थनेलिधिवर्गपनिस्पनंरुलसां॥सूमतिनानियाववनसंनमस्कावयानाअ॥थअल्लाला
यानाअवाजकुमानयागलहिनाअतं॥थनेलिदिनमासवर्षदयाअअस्यलि॥मालकक्रियाकम्मया
नाअ॥पप्रसपववाजकुमानगुगुलिथासअतं॥गुगुलिथामक्रितलथथामसिंह॥साइनमहानागज्ज
रुनामवपुनख॥थरूपकसाहनंपियाअवातं॥हनंपप्रसपववाजकुमानरुलसांमहाक्रिययाअसा
कुविशाआदिनंनानाप्रकावयासकुज्जुधनुवविशा॥खज्जविशाआदिनंप्रयपमाविशानंसंरुकर
लं॥॥थनेलिक्कयादिनसवाजकुमाननंरुलसां॥थअपिताहवनाकववाजायाहुअनभलं॥

॥ वि. ति. ॥

॥ १२३ ॥

पितावाशुचलपालयानाशुविषयनेगुलिदश॥ सिमानेगनगरखडा हनेथवाकस॥ लोकपनिस्पनेइः स्वसि
याशवानपनिगुलिदश॥ सखसियाशवानपनिगुलिदश॥ हनेचलपालयानेन्यसिपाहिगुलिदशः
रापिताचलपालस्यनेरवडाथज्जुसदयकस्यविष्णायमाल॥ धकंधायाडाथनवालकपूणपममव
वेवाशुकुमानयाहारवाटनाडा॥ पितावाशनंधालेरापूणवाशुकुमान॥ आडाजिवाकससूरमंगलश
लरापूणवालक॥ जिसेन्यसिपाहिलोकशलेकयसलेकुरवाप्रमानदश॥ अतिविनपनाकमिशडावाक
धालसासफनाकंगननेसंशकशयाडाजुखेखयनेसंशक॥ पविपूर्कशयाडा॥ छानेधालसापूणसेता
नचक्रमइयाकावनसंशक॥ जिनसाकधत्ताकायाडावाना॥ थनिगादिनेसजुडासनमपनमस्वन
शी३रगवानयाकूपाने॥ चथिनक्रमपूणगागशलरापूणआडाथजिनंदयकाडानयावाकपनम
सखने॥ एकमानयाडाधकंधायाडा॥ थनपितावाशयाज्जुसदनाडावाशुकुमाननंधालेरापितावा

॥ व. दा. ॥

॥ १२३ ॥

शुक्लपालयावाक्यं अपालंदनसंस्कृतं प्रथाजनमदु॥ इनेरुपिता महाबाजकुलपालयादव्यधनजसंघ
हस्तांजितमयडा इनेरुलपालयालोक अपालंदनसंस्कृतं प्रथाजनमदु॥ एवाशुक्लपालस्यनंदय
काशकया॥ त्रैलोक्यलागयातानेऽतिपुन्यार्थश्रुयुतामख॥ जिनपुन्यार्थकताडादयकधकंविमलिया
कगुलिठनाडा॥ पिताएवताकरवाजानेज्जालादयकले॥ एपुनावाजकूमावकनंशुलहा॥ जामथ
धायमक॥ वीवयावाकशुलहा पुण्याथका इनेवीवयालाकेने पुण्याथका॥ वीवयाधनदव्यआदि
समस्तपुण्याथका॥ धनाक्रयात्रैलोक्यपदमज्जानन्दने॥ लागयाडाधकंधायाडा॥ एरुपितामहाना
श्रयाज्जालादनाडा॥ बाजकूमावतंधाले॥ एमामवीव॥ जिनधधधलधककुलपालसंदेहकायम
रुलापितामहाबाज॥ कुलपालडानापठवकयाशरवल्जानामख॥ जिनंधयागुलिठमायास्यवि
काशनि॥ एवाशगुगुलिविषयसंवाक्यअपालंदन॥ डागुलिदिहास॥ जिसंगमडातेरुपिताऽतिगु

॥ बि. वि. ॥

॥ १२४ ॥

तिपनाक्रमपिकायाडा ॥ भवसिमानयाजायाग ॥ जिनंजिनययाय ॥ जितवलाविस्पविकारुनधकंधाया
डाधुनपुपप्रसववयावचनंठनाडा ॥ वाशनेधालं ॥ पूषकशलवालेखतिनि ॥ कामलसुनीवचनंश
लेसौशधेसंगमयांनाडा ॥ भवनाजायाग ॥ कागलेखयूडामरवृत्ति ॥ विसुवनंठनंसेन्य ॥ सिपाहिमइति
सेन्यमदयकंपवचक्रनाभाडा ॥ नापगथशधयायधया ॥ लापुष संगमशलंसेन्यसिपाहिदयिडावल
सथुकासंगमयाय ॥ धनंठनंशलसां संगमयायशधयायस ॥ उद्यमयायमम्बालधकंधायाडाधन
पितामहोवाजायालाखादडा ॥ नाशक्रमावनंधालं ॥ लापितामहानाजकलपालग्यायमम्बाल ॥ थनियाजु
डासुवस ॥ महाविनपनाक्रमिशडापनि ॥ वननाजमिहज्जदिनं ॥ चपुर्वगवलजिदडाधुकाधकंधाया
डाथडामालकाविवाहकर्मज्जदिनंधूनकाडा ॥ थडापिताहवनाकववाजायाकवलासकास्य ॥ धनना
शक्रमावनंशलसां ॥ जतिजिलाहाशयाडावीन ॥ गालपयारवजकायाडा ॥ सिंहसाइवमाहनागज्ज

॥ व. हा ॥

॥ १२५ ॥

रुनामनप्रवृथधकचुनंगवलसाहायानां॥ मस्ववत्तसलगयाडाच्छगुलिरवतुससंजामयायधकहा
अंअनं॥ ॥थनंलिच्छगुलिरवतुससमंनपूवीधायानगंरच्छगुलिदसंधान॥थदसससमककधा
यानामनाशानेनाययानेनान॥थक्रनाजागथिनक्रधालसा॥महावीनपवाक्रमनं संरुकरुसंधानज
संख्यसंनलोकनं॥ संरुकरुसंधानहनंनूपधालसा॥शोरननंधालसांजुतिसुन्दवशसंधान॥हनंज
संष्यअमनगवज्जुदिनं॥वाक्कनंन्याफमानरुसंधान॥हनंनानापकानयावत्तनं संरुकरुयाडाधानह
नंथक्रनाजायासूयनियकलातपति ६॥हिपायातागयादडा॥थथिनक्रसमककनाजानंरुलसांय
क्रनाजानंलगमयाकगुलिकथं॥हनंपवमसुखनंलगयानेनानरुल॥ ॥थनंलिपप्रसुखन
नारुक्रमावनंरुलसां॥समंनपूवीनामनगवसुखनं॥थनंलिथथिननगवस्वयाडाःमनसुहालपलं
मथिनमनावनमदं॥हाय२जुतिगशधनक्रसंधालपनखालनंउयकाडा॥गयादडा॥क्रसंभलखाल

॥ वि. नि. ॥

॥ १२५ ॥

नं उयकाठागयादठा थथिनमनावमदमजाकिनंकागधधकं ॥ थदमजाकिनज्वस्यमवने ॥ किनेसाधनाया
यधकंमनसलालपाठा ॥ यमसखवकूमावनेरुलसो ॥ चिरायतरलिहाथायाडा ॥ पप्रसखवनेरुलसो सिं
हादिवदुनगवलसहायवलसेलगाठा ॥ ज्ञासादयकलं हासिं हादिवदुनगवल ॥ सहायपनिथसमेन
पूनीनगवस ॥ मिजिस्यनेविथामयायरुयिडाला ॥ मरुयिडाला ॥ पनिमनसगथवीनधकं ॥ नाऊकूमा
वनेज्ञासादयकगुलिठनाडा ॥ वननाऊसिंहनेधालं ॥ ॥ वनाधिपस्यवननाऊकाइहंउष्टनसकं
मनूशाप्रधाना ॥ यः लोकपूर्णापि पूयितारूपेनाऊयिथानगवीवसर्वान ॥ ॥ हावाऊकूमानवलपा
लयायसंदहकया ॥ वनयावाजासिंहकिथूका थमनूष्यलोकनेरुलसो ॥ किगुलिखालस्ययकालिडा
मरु ॥ लोकजूसंखिरुलसो ॥ किखनडाविस्पडानिडाथूका ॥ थवलसथसमनूपूवीनगव ॥ मिजिस्यने
नाऊयायधकंधालं ॥ ॥ थनेलिसाइननेवाऊकूमानयागधधालं ॥ हाकूमानवलमधसेवलथूलाश

॥ व. दा ॥

॥ १२५ ॥

वानक भूगुप्तं सावस साद्वधकनाम प्रख्यातशुभाङ्गः ॥ सिंहयासिनेऽधिकबलनेः संशुकरशुभाङ्गः किमदला
जिनेऽलसा ॥ ॥ धनाङ्गः किनययानाशविषयकं धनं ॥ ॥ धनं लिमरुहाशः किनं धनं शाहपकन्दुसा
हवः ॥ किशलं महावीरपनाक्रमने संशुकरशुभाङ्गः महानागधयाङ्गः किमिदं धनं ॥ लोकपनिमसं कि
शकरवनामायने शास्त्रायुशुभाङ्गः ॥ धनं लिमरुहाशः किनं धनं शाहपकन्दुसा ॥ ॥
धनं लिमरुहाशः किनं धनं शाहपकन्दुसा ॥ धनं लिमरुहाशः किनं धनं शाहपकन्दुसा ॥
वधयाङ्गः पुनर्वधुका ॥ धनं लिमरुहाशः किनं धनं शाहपकन्दुसा ॥ धनं लिमरुहाशः किनं धनं शाहपकन्दुसा ॥
लपालकयाशविषयकं धनं ॥ ॥ धनं लिमरुहाशः किनं धनं शाहपकन्दुसा ॥ धनं लिमरुहाशः किनं धनं शाहपकन्दुसा ॥
हृदयकलं हासहासपनि ॥ धनं लिमरुहाशः किनं धनं शाहपकन्दुसा ॥ धनं लिमरुहाशः किनं धनं शाहपकन्दुसा ॥
हृदयकाशवानवेलसः ॥ धनं लिमरुहाशः किनं धनं शाहपकन्दुसा ॥ धनं लिमरुहाशः किनं धनं शाहपकन्दुसा ॥

थन

याथास्थनकलशनाशधालं॥ सोवाशकमानचलपालगनविष्कायकना॥ चलपालस्वस्तिकल्पानरुश
मखुलाचलपालककावनसविष्कानाधकंवाकननेधालं॥ धवलसवाशकमाननेआह्लादयकलं लो
वाकन॥ क्रिथनमवकाकोवनसवानामखु॥ क्रिथनवानागुलिनिमिरुकावन॥ चनगथमसियाः क्रिथलं
समककवाशनापशुधयानाश॥ समकपूविदसकायनिमिरुनं॥ समकपूवीवाशकायवाचनंः महा
नागसहिमसेन्यदयकाशशया॥ स्वश २ हवाकनचगनशनाशशया॥ गनशनरुनाधकंआह्लादयक
गुलिदनाश॥ वाकननेधालं॥ सोवाशकमान॥ क्रिथलं समकपूविसुशानधकंशया॥ थनियादिनससं
धाललसांथनकधकंधयाश॥ धरुवाकनयागवादनाश वाशकमाननेआह्लादयकलं लोवाक
नकनेरुलसो क्रिगुलिवृखचगुलि थसमककवाशयाथास्थनकशनाश॥ कनेमालगथधाल
साधर्मपनयास्वामिपप्रखवनचशनापशुधयायसंशमयायधकंशयाशवानधककनमा

॥ व-हा॥

॥ १२३॥

लथरुमकनमरुधकंधालं॥थनंलिवाक्रनंधालं॥रावाजपूरुवसुमवनंथरुवधायमाललाधकं
धालंथनंलिवाजकुमाननंधालं॥रावाक्रननिशुयनंथरुवहगानुखकनमालधकंधायाडा॥थरु
वाजकुमानयाश्राहनाडावांक्रननेरुलसो॥कुमानयागुसिर्वादनयाडा॥समंनपुविशनधकंडा
नेथनंलिथक्रशक्रनशनेरुल॥वांक्रननेरुलसोथुगुलिनगनसुथनं॥थवलससमरुकवाजाया
सुलमगुलदयकाडावानाथवलस॥थक्रवांक्रननेसमरुकवाजायाथसथनकलडाताडा॥स्वरु
कल्यानशुयमालधकंधासिर्वादविवाडापप्रसवननंधाडागुलि॥रुवहगानुसमरुकनं॥थरुवाक्र
नयागुलदनाडा॥समंनकवाजानंधालं॥रावाक्रनरुलनेथनकुनिमिहिनंशया॥गननेशयाधकं
वाजानंधाडागुलिदनाडावांक्रननेधालं॥रामहावाजकिभवगाकाननेसशयामरु॥किरुलनेरुलपा
लदर्शनयायधकंडायावेनस॥थुगुलिमार्गसुमवसिमानयावाजा॥पप्रसवननंरुलपालशतापश

॥ विचि ॥

॥ १२१ ॥

धयाय धकं सिंह आदिव पुनंग सेन्यनं सहिरुयानां ॥ शयाशान धकं धयाश ॥ धनं वा क्रतया वचन दनाश
वाशानं धालं ॥ लावा क्रन आमख सखनं खडा ला ॥ धां क्रन नं धालं ला महावाशा च लपालाश ना पशु दया नाश
धवा क्र काय वां खाने सखनं डाल खडा ॥ धकं धाश गुलिवचन दनाश समक क वाशानं रुल सो मं गी मल
गाश धालं ॥ हं मं गी गाग रुता याश ॥ धनं वा क्रतनं धाश गुलिवसि डा ला ॥ गत्का वनं समक सेन्य मून काश
सलुख लुधनूय ॥ वान पेने सः पास आदिनं रुयान याश ॥ हनं सल कि सि व थ ॥ वे पाय क च पुनंग वलन
यान याश विल रुयाय मला गा धकं समक क वाशानं आख दय कलं ॥ धनं वाशा या आख दनाश ॥ मं गी नं
धालं ला महा ना रु धनं प प्र स व वाश ॥ मिहि सडा ना पशु दयाय धकं शडा गुलिवर्थ २ थ का ॥ धनं लि मि
हि सडा ना पशु दयाय रुयि डा मख ॥ च ल पाला स स वा स विष्णाम रु च ल पाल या प्र हा वनं ग्व क्र
वाशानं रु ध या रु यि डा वलनं धाल सो सेन्यनं धाल सो ॥ ला कनं धाल सो द सनग वनं धाल सो ॥ अ म आ

॥ विचि ॥

॥ १२१ ॥

दिनेनाशनं भालसां ॥ सलुने भालसां जलुने भालसां वगुने गवलने भालसां ॥ स्त्रीजनपनिने भालसां च
लपालडा समान ॥ भवदेयिडा मरु धुने च लपालसे दहका सविशायमन धकं भायाडा ॥ धुने
मं गीया लाखा दनाडा ॥ नाशाने जाला दयकले लामं गी संया मस धाय मं जिडा ॥ अहे कावने मं जिडा ॥
न्यवलने मं जिडा वगुने गवलने मं जिडा ॥ लामं गी जय रुयिडा बलस से न्यवल पया जन मड ॥ विरु यई
यिडा बलस ॥ असुरय से न्यद न सा च पूया जन मड ॥ लामं गी धुने संया मस धाय म हक रथा वथुका ध
कं भायाडा ॥ धुने नाशाने रुल सा जालु मने डा पदनाडा ॥ पजा लाक सम संः मूत काडा जाला दयकले
लापो न जन लाक ॥ से न्य सहि न लाक पनि सलु जलु धनू ववान ॥ भाल न व आलः पव सपास जालिने ना
पका वया व रुजा नाडा कलावने संया मं गी न माल हने सल कि सि वथ ॥ सिपा हि धुने वगुने गवल स
हि रुया नाडा मं गी रुल सा ॥ कलावने संया मस रु रु या नाडा न माल धकं ॥ नाशाने वा यकल थने लि मं गी

॥ वि. चि. ॥

॥ १२२ ॥

नंशुलसांवाशानंगथज्जालदयकलज्ज्वांनानाप्रकाशया॥ मरुज्ज्वाशानाशसलकिसिन्नथ॥ सिपाहिसेत्यस
मरुंम्वलमूनाश॥ महाहयानकनंकल्लालसद्वनंलायवूयाश॥ गुगुलिमार्जनं॥ ध्वनीशलशाशगुलिमार्ज
नंहनालहाकशुल॥ ॥ थुगुलिसमयसंप्रसखनवाशकुमाननंशलसं॥ थशासंशमहानाशाशा
गुलिस्वयाशरुद्वयायगुलि॥ सामांशीसकनंगयानयाताशधालं॥ हासहायपनि॥ आया२नयानशुशधकं
थुतिमागुधयाश॥ हलिन्नलकिसिगयाश॥ नृया२धकंज्जालदयकलं॥ धवलसचकिसियाकनं॥ दलं
लककिसिउत्पल्लिशयाशशल॥ हनंयक्रसिंहनंशलंशलसिंहदयाशशलं॥ हनंयक्रसाद्वनंदल
चिसाइनउत्पल्लिशयाशशल॥ हनंयक्रज्ज्वामवपुनृषनंदलंशलंज्ज्वामवपुनृखदयाशलं
गुगुलिप्रकाशनंशलधालसांम्वक्रस्यनंखज्ज्वाशानाशाशल॥ म्वक्रस्यनंरुनकशानाशाशलंम्वक्रस्यनं
धनूरवशानाशाशल॥ म्वक्रस्यनंशिल्लशानाशाशल॥ धननानाप्रकाशया॥ मरुज्ज्वाशानाशउत्पल्लि

॥ व. दा. ॥

॥ १२५ ॥

शुभाशुभं लं॥ धवलसुधपनि सकलं गवलमृताशु॥ संश्रमहानाशु॥ अतश्च लं॥ गथ्य हानाशु॥ अतश्च लं॥
हाहाकावसुधनेलायवृयाशु॥ काकाशु॥ चूचूः स्या स्या॥ पापाधकं हत्काशु॥ महावगनेद्वानाशु॥
धतं लि समकक॥ नाशानं शूलसा॥ एवमेत्यनेह तालाशु॥ गुलिखने॥ गुगुलिपुं कानने खनला धलसा॥
संखमरुहाशु॥ किं जसं खसि पाहि॥ जसं धधतखजानपनि॥ खजुजानपनि॥ जसं धसिंहसाद्वथ
धिपनिशु॥ गुह्ययाशु॥ जतिहतास्वायाशु॥ मनसज्जकूलव्याकूलशु॥ धतसमककनाशु॥
लाकसाहित सकलं शास्वायाशु॥ पप्रसुधननाशु॥ कुमावयासेन्यशाकस्ययमरुयाशु॥ सकलं विहिंशु॥
धवलसु॥ समककनाशु॥ वासेन्य॥ विहिंशु॥ तस्वायाशु॥ पप्रसुधनयासेन्यशूलसा॥ गवृथनेनागलिनाशु॥
कथं लिनाशु॥ धवलसु॥ निपकयासेन्यनापलानाशु॥ महाकलालसुधनेशु॥ गुगुलिपुं क
वनेशु॥ धयाकधलसा॥ महाखनथसंश्रमसु॥ दददएलाक॥ कलालयाकथं निपकनेसु॥ सुनेपशवः

॥ वि. चि. ॥

॥ १२९ ॥

यानाशरुदयानं गुगुलिप्रकाशनं स सुनं प्रहावयातधलसा गथजंधकालसमयस ॥ मधगर्जमानयाना
शः पर्वसा मालाशः शः थिथिं हं हं कावनं हलाशः ॥ खक्रयाशानिक कनाशरुदयानं ॥ हनें स सुधालाप्रमा
ननें वातवदियानं ॥ थः प्रकावनं रुदया संलिः समेककनाशायानं पति स्यते ॥ थुगुलिखक्रं प्रहावया
तगु वानप्रहावयायमरुयाशविश्रुतं ॥ थः स्वयाशपमसं वननाशक मानवयो ॥ सनातं रुतसाः किमिव
थानसः सिंहद्वयाथं ॥ समेककनाशः रुतसद्वानाशः ॥ लाकः २ जानाशः सिंहनं रुदयानं ॥ थः वलसः नि
प्रक्रया रुतनापक्रानाशः थिथिप्रहावयानाशः वानं ॥ थः वलसः समेककनाशायानं सन्यजसं खसं न्यलोक
रुतं ॥ ग्वक्रया सीलमदू ग्वक्रया वा हालसपाल ॥ ग्वक्रया ला हागमदू ग्वक्रयानुगलवकाने रुत ग्व
क्रया वाक्रमदू हनें ग्वक्रया गुनिमदू गुलिं मृग्यरुल गुलिं शिशा यशुशानि ॥ थः प्रकावनं रुदशुलः
हनें ग्ववलसं थथीन रुद स्वयाशः ॥ ग्वक्रं हापि ना २ धकं विलापयानं ॥ ग्वक्रं हाकिश २ धकं खीयाशः वानं

॥ व. दा. ॥

॥ १२९ ॥

ग्वक्रं हाहाश २ धकं विलापयानं ग्वक्रं हापूय २ धकं रवायाशानं धनेति वहुनेग आदि समस्त सैन्य लाक
पनि थडा दं भसइ हाशानं सामर्थ्य मदयाडा ॥ उध थुखल यने हानाडा ह य काय कवि सइलं ॥ थवल सप
प्रसपन नाइ कूमाननं रुल सां ॥ समरु कना जाया सैन्य पनिसनं ॥ रुद्र याय सामर्थ्य मदयाडा विसइ शस्य
याडा आडा जा थदं विथामयाय जिल धकं ललापाडा ॥ चतुनेग वल सहितने पप्रसपन नाइ कूमान
थुगुलि समरु पूर्वीना मनगनस ॥ इ हाशानाडा विथामयानाडा विष्णानं ॥ ० ॥ थवल स थक्र समरु क
ना जानं रुल सां पप्रसपन नाइ कूमानना पशुइ याय मरुयाडा ॥ लेनाडा वाका सैन्य प्रजा लाक वाता
डा थुगुलि खलुस ॥ अमरु गुलि स विमशनाडा ॥ हाहाकावने साकने धं हाकायाडा सुलाशानाडा ने थ
वल स सैन्य लाक विचालयाय सामर्थ्य मइ ॥ सिकम्माक घाल शश पनि विचालयाय मरु ॥ थनेलि थ थ
वावां पइ दयाडा असंलि ॥ समरु कना जानं विचालयानं ॥ थरु साकइ ॥ खने धिधिं सुवाल विचालयाना

॥ किंचि ॥

॥ १३० ॥

ॐ थश २ वदना सहयानाश सुसूक्तं वातं ॥ ॥ थने लिथ क्रवाज क्रमानं जलसं थसमं न क पूविदं थसवा-
सयानाश वानवलस ॥ समक क वाजाया सुयनि क्रवानिपनि ॥ सखिपति सहितनं वाज कूलया जक्र पूवसचीना
शमहा विलापने रवियोश वातं ॥ ग्वक्र स्पने हा स्वामि २ वलपो लगन विक्रानाधकं रवयोश वातं ॥ ग्वक्र हा हा
देव २ धकं रवाल ॥ ग्वक्र हा म हा वाज २ धकं जिज्वला स्त्री जाति काल गाश ॥ वलपो लगन विक्रानाधकं ग्वक्र
थश वलस थमने दायाश विलापया नाश वातं ॥ ग्वक्र थश दूगलस थमने दायाश वातं ॥ ग्वक्र रमिसहा
कसुनाश विलापया नाश वातं ॥ ग्वक्र स रुहनं तथाश विलापया ॥ ग्वक्र थश क्रस तियाश तथा हालमा
लचट रुनाश वातं ॥ ग्वक्र थगु गलपात सक रवा स तथा स्वानया लाचट रुनाश ॥ विलापया ॥ ग्वक्र
हा चानाश विद्या सिमा रंद वुश थं हं वुलाश विलापया नाश वातं ॥ ग्वक्र हा य प्रान वलपो लया कि
हा या य गुलि वष क रुन गन विक्राधकं रवायाश वातं ॥ थक प्रकावनं सुयनि क्रवानिपनि हा स कान

॥ व द ॥

॥ १३० ॥

सर्वद्वन्द्वविद्यापयानां वातं ॥ अथ वलस्य प्रसवनाशकं मातृशूलसं ॥ अंगपूर्वसंवातनाशकं न्यापनिम
हविद्यापने रवांशगुलिस्वदनायां ॥ अङ्गनामवपुर्वरवाहनां न्यासदयकलं ॥ अङ्गनामवपुर्व
रूपनिधधं अङ्गपूर्वसंवातनां ॥ अथ प्रवाशकं न्यापनिदकं पित्तवातनां हाकिहनिधकं न्यासदयकलं
अथ न्यासदनां ॥ अङ्गनामवपुर्वरवाहनां अङ्गपूर्वसंवातनां ॥ वानिपनिमलनां धानं ॥ अथ वातना
पनि ॥ शिमिपप्रसवनाशकं रूपनिधधं अङ्गपूर्वसंवातनां मद्रुधकं ॥ न्यासदयकां हाहलरूपनिधन
वानमरुपित्तं ॥ वातनां याधकं ॥ अङ्गनां गुलिदनां ॥ वानिपनिमयनिमलनां धानं ॥ अथ वातना
निमिगनविद्या ॥ अथ वासिकला म्याकनिला हकनं शिपनिमं ॥ अदिनं प्रज्ञासंन्यलाकगनशन
गनवातं ॥ गुलिदनिगुलिमिक गथ ॥ अङ्गनां अङ्गनां शिपनिमं ॥ अङ्गनां अङ्गनां अङ्गनां
सर्वद्वन्द्वमदकं ॥ अथ शिमिदसकलपित्तवातनां धकं ॥ अथ शिमिदसकलपित्तवातनां धकं ॥

॥ विवि ॥
॥ १११ ॥

अंत प्रवने दनाश पित्र चानां लं ॥ ॥ चनें लिवाङ्ग कुमाचनें रुल सां ह्यनि नानिपनि पिहाडां
गुलिखने ॥ ॥ चनानिपनि पिहाडां स्वयां विचाल संचालयां ह्वाङ्ग कं न्या चपनि हनास्वाय
मग गाय मग चपनि सकल्पं ॥ ॥ गुलि च स चान हन धेकः धन्दा का यम न ॥ ॥ चपनि सु क्तिनं सुखने
नय धू का धेकं धायां ॥ ॥ चनानाङ्ग कुमाचन सा ह्वा दनां मूष्य क्रवाती नं रुल सा आपति शयिडां वल स
लक्षाने च प्रयाङ्गन म इ धेकं लाल पां ॥ ॥ लक्षाने च स चानाङ्ग कुमाचन या ह्वा न विमति यां ॥ ॥ लक्षाने च
ङ्ग जिपनि उपवस ॥ ॥ दया कनू धा दय कां डां क्रमा या स्य विष्का यमाल ॥ ॥ लक्षाने च स चानाङ्ग कुमाचन या ह्वा न विमति यां ॥ ॥ लक्षाने च
पनि अनाथ रुल स चानाङ्ग कुमाचन या ह्वा न विमति यां ॥ ॥ लक्षाने च स चानाङ्ग कुमाचन या ह्वा न विमति यां ॥ ॥ लक्षाने च
स्त्री अ वला जाति ॥ ॥ जिपनि स्वामि यां जि व दनि मखुला ॥ ॥ अथ वा जि स्वामि मृग्य रुडां गुलि रुल सा
जिपनि ह्यनि क्र स्त्रीपनि ह्यने च प्रान ग्या गयानां डां ॥ ॥ जि व लाल न धेकं धायां ॥ ॥ चनानाङ्ग कुमाचन या ह्वा न विमति यां ॥ ॥ लक्षाने च

॥ व. द. ॥
॥ १११ ॥

पनिगुवचनदनाडा वाङ्कमाननंजास्यदयकलं हवाङ्कन्यापनिचपनिस्त्रीजातिच शङ्गायमनः
चपनिस्त्रीच गुलिस सूरवनंवानाडावाडाधकं वाङ्कमाननंभाडा गुलिःवचनदनाडा वाणिपनि
पनिसनविमतियाकं लमहावाङ्कजाडाजिपनिगाध रुयीडा धनियाजुडासवस जिपनिसूतानेनका
यायिडा लप्रहाजिपनितलका रुचिगयास्यविकायमनः लवाङ्कनकिपनिस्वामिनापलागकाडावि
कायमाल लवाङ्कनकिपनिज्पवाधदकंक्रमायास्यविकायमाल ज्थवाङ्कमामयागसा जिप
निसकस्याजीवकास्यविकाहनिधकंवाणिपनिसनंभलं थवेलसवाङ्कमाननंजास्यदयकलं
लवाङ्कदावचपनिचायमाना गधयमनकं शयिडा मरुथका च सवानाडावानरुनवकंजा
लदयकलं थनेलिभवनानिनविमतियाकं लमहावाङ्कजिस्वामिनेचलपानयावाकंकायधकं
ष्याडाकमरु हनेगवचलसंसेग्रामयायनंयडा मरु विनासकावस चलपानस्यनंसेग्रामयास्य

॥ विवि ॥

॥ १३२ ॥

विक्रात हा नाश न धुगुलि अपना धरुं कमाया स्पविकाय माला हा महा नाश किस्वामिनें चला लयात
चु अपना धयात ॥ चला लया सुकृते मरु चाय धुलि न इः खविस्पविकाना धकं वाडा गुलि ठ नाश ना
शुक्र मो वनें आहृदय कलं ॥ हानि पति अथ खला नाया च प्रयाज न म इ ॥ नाश धर्म भा या गुलि थ थिन आ
चा न थ का ॥ गथ धाल हाः मे व ना जा या दे न कायः संग्राम या य ॥ मे व या अ म न ग व का य ना क काय मे व
ना जा या त जित य या य थ थ का ना श धर्म भा य ॥ धकं आहृदय कु गुलि ठ नाश ॥ पुनर्वा न ना नि नें धालं हा म
हा ना श चला लया ल अप सं न श स्पविकाय मरु ॥ हा न व ना ना य न डि पा पि नि या वि म ति ठ स्पविका ह न
दि नां अप ना ध म दय कं संग्राम या य मरु डा ॥ गव म स्प नें श ख ल व या त डा म् स डा ना प ॥ थ का संग्राम या य
ना क काय थ थ का ना श धर्म भा य ॥ हा म हा ना श त डा धन क पु न्ने र व नें ॥ थ डा सु ख ल ना डा मे व या न सु प
वि यि डा ॥ हा म हा ना श चला लया ल श ले न डा धन क पु न्ने र थ का ॥ चला लया ल स्प नें पा प ना क ना ल ना डा धर्म

॥ व रा ॥

॥ १३२ ॥

नाम शग याने विष्काहनं च भूका प्रजाने सुखसिद्धिः ॥ राम हा ना ज थ ति या दि न स म्प न्ना ध द द्दं क मा ।
यानां नाक मालक स्य विष्काय माल ॥ राम हा ना ज थ डा द स्य वान ना क्का स्ति व म र्श डा ॥ म व या ना क्क ग न स्ति
व र्श यू डा ॥ अथ वा द नि कि प नि स्य नि क्क स्ती जन प नि स म न या अ प ग थ का य क ना ॥ राम हा ना ज क्क ल पा
ल नं थ वा क्क माल क म र्श धाल सो कि प नि द क नं पान माल क ॥ स्य नि क्क स्ती जन प नि स्य नं ॥ नि थ य नं क्क
ल पा ल या हु डा न म्प र्श य ध कं धा या डा ॥ थ क्क स्ती जन या ला खा ढ ना डा ॥ थ क्क ना ज क्क मा न्मू नि वि स्म यं वा या
डा अ ज्ज ना म न पु न्म स ल ना डा आ हा द य क ल ॥ राम हा य अ ज्ज ना म न पु न्म ॥ थ थ य स म हा उ र्म ध म या व
क न ढ डा ॥ ग थ धाल सो थ वा ज्ज ना ज न प नि स्य नं धा डा गु लि माल र व डा ॥ थ थि न स ल या र व ग्ग व ल सें ढ नं
म ना स्व ये म न ना थ थि न र व कि म न सु धा म डा ॥ थ वा क्क का या ने स्ति न धा या व र्श क्क र्ग म डा थ वा क्क द
कां माल ना डा वि य ॥ राम हा य थ द स न ग व ना क्क वि र व य वा स ना उ र्श य ॥ थ डा स नी न थ सें सान स म क्क

॥विधि॥

॥१३३॥

असावध का थरुनं मवया नाक उखर्य स हाग या नाने चंद्र प्र सा ज न म इ ॥ धृ सं सा व स प्रा नी द क स यां स ख इ ॥
व धा या गु लि उ थं थ का थरुनं थ क्र वा ज के ना प नि स व च न द ना ॥ अ ति आ ध्या र्थ वा य धू त हा अ ज ना म
व नि श्र य तं थ वा श काल क रु ल ध कं ना ज कू मा व नं ॥ आ ह्वा द य कू गु लि द ना ॥ अ ज ना म व पू नू ख नं धा ले
हा वा ज कू मा व धं थ र कू ल पा ल ख ॥ आ म लि कू ल पा ल स नं या न हा ॥ कू ल पा ल या न म हा उ रू म पू
थ नि श्र य तं ला यि ॥ काल क स वि का रु नि ध कं धा ले थ न लि ॥ वा ज कू मा व नं आ ह्वा द य कू लं हा अ ज ना
म व पू नू ख प नि ॥ नि श्र य नं काल क रु ल कू प नि ध थं ॥ गु गु लि थ स ल स म क क वा जा वि स्यं ना ॥ वा
न उ गु लि थ स ना ना ॥ जि नं थ थं ॥ य मा ल कं धा या ॥ ह ल ध कं धा ॥ रु नं ॥ ध कं आ ह्वा द य कू गु लि द ना ॥
अ ज ना म व पू नू ख नं रु ल हा ॥ प म स व व वा ज कू मा व या ॥ आ ह्वा द ना ॥ वां व हा क या ॥ स म क क वा जा मा
ल ना नं थ नं लि ह ति मा य ॥ इ व रू व नं ना ॥ हा व ल स ॥ स म क क वा जा या प्र जा प नि अ सं ख्य ग ल म ना

॥व हा॥

॥१३३॥

शिवानं पतिस्त्वनं च प्रज्ञा लोक पतिगन्धर्वानां शिवानं धनं लला ॥ थशदकालस्तथशलाहतिनं रुयाश ॥ हाहादे
व २४ कं थिथिमास्त्रकालमाश्रययाश ॥ मास्त्रकालरुद्रकृतयाशिवानं ॥ थथवीनथासुश्रुतनामनप्रवृत्तशाना
अप्रज्ञा लोकयातस्तलगाशधालं ॥ हाप्रज्ञागनपतिरुपनिथनकायवाना ॥ रुपनिनाशगनवानधकंधा
संलि प्रज्ञा लोकस्वनंधालं ॥ हाप्रवृत्तिपतिनाशकायदना रुद्रगनशनं लयना ॥ जिपतिनाशकूलसोद
गसेवानना गुप्तस्वानना गनरुद्रजिपतिस्वनं मासिया ॥ रुद्रस्वशगननं शया धासंलि ॥ श्रुतनामनप्रवृ
त्तनंधालं ॥ हापोवजनरुपनिस्वनं गन्धर्वमसिया ॥ जिहले श्रुतनामनप्रवृत्तधुका ॥ जिपतिनाशकमान
नं रुपनिथनयमरु ॥ रुद्रस्वनं वाशधकं जाहा दयकाश हलो ॥ थरुथकाजिथनशया रुपनिस्त्रनाशगन
वानधकंधासंलि ॥ प्रज्ञा लोकनंधालं ॥ हाश्रुतनामनप्रवृत्त ॥ जिशरुद्रशया जिपतिस्त्रनाशरुद्रकगु
ली गुप्तस्वाननाशिवानं ॥ महादुःस्वसियाशिवानधकंधायाश ॥ श्रुतनामनप्रवृत्त ॥ रुद्रश २ प्रज्ञा लोकलिश २

॥ वि. चि. ॥

॥ १३४ ॥

वा नाश समक कनाशानथ मशाने धनं लिगुगुलिथ मशानावान उगुलिथ मथनकाश अशना मवपु
नखयात कनाशविले धवलस ॥ अशना मवपुनखनेरुलसो ॥ समक कनाशरवनाश विचालयाते ॥ हाम
हनाश कलपालक मलशमरवला ॥ कलपालगमयमरं ज्ञानन्दनं विद्यारुनिधकं ॥ अशगुलिदनाशम
मक कनाशनेरुलसो ॥ दिनमूरवया नाश मासूका नकयाश ॥ कामलवचननेधाले हा पुनख कसूखशग
ननेशया ॥ शिरुलं महाकं गलशयाशवाना ॥ देवनेधथिनमा क्रियानाशहल ॥ थथिन अलगिः शिरुलं
नंनकायाय ॥ शिरुलं मयधित्कावथथ शयुधक स्वप्राससूधमखनाः शिरुलसो ॥ दूपापयानाशाल
खजितं मसियाधकं महादविड लावनं धाले ॥ धनं लि अशना मवपुनखनेधाले हा महनाशः शिरुलं अ
शना मवपुनखधया क्रिथूका ॥ शिपनिरुवनाकन नाशयापुज ॥ पप्रसधननाशकमाननाशयासेन्य
थूकाधकं धाले ॥ समक कनाशानेधालेः हा महापुनख ॥ थनियादिनसुजितेनाकयायदयिशलाः महयिअ

॥ व. श. ॥

॥ १३४ ॥

लाजिवाकसलाकपुलिदनि॥गुलिमदनचूवार्ताधकंधायाश॥थमनागायावचनदनाश॥अशामनमूव
खनंधालं॥हमहावाजकलपालयादमस॥बोलवहकाशदनि॥ओरनधायापनिरुतिमायदनि॥हमः
हावाज॥थमवालकहकाहकाहनंचुलपालयाहिरुयनि॥क्रवानिपनिदकं॥मंजिलसवाताश॥नाना
प्रकावनंविलापयाताश॥खायाशयान॥गुलिस्पनंरवयाश॥जिमिपप्रसवननाश॥कूमानयाकविमति
यानाश॥वानगुलिखायाशयान॥थमप्रकावनं॥विलापयाकगुलि॥स्वयांश॥जिपनिनाश॥कूमानयाज
निकनूनायायाश॥विलापसंवदकनमरुयाश॥स्वयमरुयाश॥संसावस॥मायाकयाश॥चूपयाशन
निथयनं॥थवाकमालकधकआहृदयकल॥हसमकुकमहावाजा॥कलपालथथं॥समकेपुवीद
॥सविज्ञायमालधकआहृदयकाशहल॥थमनेजिनतलकधकंशया॥हावाशन॥नयाविकारुनधकं
धयाश॥थमहाखाकनाश॥नाशानंधालं॥हमहापूवचनेनिथयनं॥जिसलकधकंशयाला॥रुसरव

॥ वि. वि. ॥

॥ १३५ ॥

ककलाकडायाला जूथवाहानंमरवु ॥ कलकपनककयाकडायाला ॥ किरस्यायतककंसलकडायाला ॥ किमन
सशाजुतिहानापुस्यडालधकंधायाडा ॥ धकवाजायालखाठनाडा ॥ जूकनामनपुनूबनंधालं एमहावाज
कलपालगभयमरु ॥ निशयनंजिपनिसनाककुमाननं ॥ दयाकनूधदयकल जिपनिसनाककुमान
नंरुलतो ॥ धर्मजुधर्मसिडा ॥ मवनंदः खसिडागुलिस्वयमरु ॥ धनं कलपालयामनससंदहकायम
रु एमहावाज ॥ कलपालयानाकनं कूपयाजनमद्र ॥ पुनूषार्थमापसायाथूका जूथवाधकवाककुमा
नयावलयाखगुलिकलाय ॥ एमहावाज ॥ धकवाककुमाननं ॥ डिगुक्रकपालदायूडावलसः डिडागुल्य
क्रपवाक्रमथूडाक्रदालचिउत्सक्रिशयूडा ॥ हनं कक्रसिहनं दालचिसिं हउत्सक्रिशयूडा ॥ हनं कक्र
किसिनंदालचि क्रकिसिउत्सक्रिशयिडा ॥ हनं कक्रसादवनं दालचि क्रसादवनउत्सक्रिशयूडा ॥ एमहा
वाज ॥ धकवाककुमाननयामवसन्यमद्र ॥ धपक्रमापथूका ॥ धनं धकवाजाडानाप ग्वक्रवाजानं शव

॥ व. दा. ॥

॥ १३५ ॥

याय रुयिगमखु॥ म हावाशाहने पुनर्वावजिहल॥ काथरुयमृत्पुत्रयमृत्मातक्रथुका॥ डिचुप्रशनाप
सुनानेरुधयाय रुयिग॥ डिखनामापने समरुसेन्यविस्वशानिडाधक॥ धागुलिदनाडा॥ समरुकवाजाने
धले॥ मज्जनामनपुनरुवकपनिसुखदनाडा॥ डिवाधरुयधूननिष्ठुयनेजितसलमलडायाखडालोध
कंधायाडा मेणीपनिरुधले॥ म मेणीप्रशालाकसेन्यलोका॥ आया२ कपनिसकल्ये मिडिदनाडा नध
कं समरुसेन्यमृतकाडा॥ समरुपूवीनगवसुशने गुगुलिथास॥ वाजकूमावविकागउगुलिथासः थ
नकलडाता॥ मज्जनामनपुनरुधकशानतयाडा॥ थकसमरुकवाजानेरुलेसांजितनडाजिमृत्तयामालोच
धाययानाडा ववनकमलसुहाकपूयाडाविमलियागे॥ म वाजकूमावकलपालया॥ रुय२ रुयमातः डि
गुउपवसुक्रमाप्रसेनयासेविकायमाल॥ म वाजपूयजिनेरुलेसां कलपालडातापठ्ठ्यामरुयाक
लपालयानामसि यामडा॥ म वाजपूयकलपालसुनेकाप्रमाननेयानाडाविकाग॥ कलपालसमान

॥विचि॥

॥१२३॥

मवदयिगमरव नृपनेधालसां वचननेधालसां बलनेधालसां पनापनेधालसां सेशमसधालसां रुद्धने
धालसां च लपालागुल्यदयूगमरव ॥ एनाजपूयकलपालसदंथदमसविफाहना ॥ थजिगुलिनाथ
सकतां च लपालयाज्जिकावहल ॥ एमहनाजाधिवारुः किरुलेकलपालयासुवकहल ॥ नित्यरु
लपालयासुवकजुनूववतजिरुलधकं ॥ धागुलिदनागवाककूमायनेज्जहादयकल ॥ एमहनाज
समरुक ॥ कनेनाथविषयसृजितेवासयायमरव ॥ कनगुवाकजिरुमूवालेकनेहलसां ॥ किरुजुपनाथ
मयाक ॥ किरुपवसृष्ट्यामदूकानेधालसां ॥ किरुपूवार्थमायः स्वययाकावनस ॥ थकाकनगुवाकका
याधकं धायाडा ॥ थकाकाकूमावयाज्जहादनाडा ॥ समरुकवाजानेविमतियातं ॥ रुय२ एनाजकूमान
धंन्य२ कलपालखश ॥ किरुलेमहादविडः ॥ विप्रथका ॥ नाममायककवाजाधयकाडावाताक ॥ किरु
भायककवनात्माभायाकजिरुः ॥ खरुतकाडा ॥ कपागयाडाविशाकक ॥ कलपालधकं धायाडासुव

॥व.दा॥

॥१२३॥

नृपहिनाया मातिया हाल नत्तया मूर्द्ध हा न आदिने ॥ समस्त वस्तु कवा ज्ञ कृमा न वया न वधाय या ने ॥ १ ॥
थने लि वा ज्ञ कृमा न ने रु ल सो ॥ जथा विधि थं समस्त कवा ज्ञ या ना ठा ॥ समस्त कवा ज्ञ या मान प्र सा द का या ठा ॥
थमने जि त य या ने का या वा क द कं गाल ना ठा ॥ हस्त वत्त कि ग या ठा ॥ थडा वा क सं लि हा ठा ने ॥ २ ॥ थने लि
सिंह सा द व महाना ग ज्ञ वा म न प्र व र्थ न ॥ संस्त क या ना ठा ॥ प्र प्र प्र प्र प्र प्र वा ज्ञ कृमा न ॥ थडा वा क
या समि प स थ न क ल ठा ले ॥ थ व ल स थ डा प्र जालो क ने प प्र प्र प्र प्र वा ज्ञ कृमा न ॥ थन व क धा ठा गुलि वा
रु द ना ठा ॥ वा ज्ञ कृमा न या वा रु ह व ना क न वा ज्ञ या न वि व न क ने ॥ ना ज्ञ ने रु ल सो थु गुलि वा रु द ना ठा
मं श्री का जि प्र धा न समस्त मू ना ठा वा ज्ञ कृमा न स्व ल ठा ने ॥ थने लि वा ज्ञ कृमा न ना प ला स्या लि ॥ ह व ना क न वा ज्ञ
ने वि वाल या ने ॥ थने लि मं श्री पु म् रे ज न ला क प नि स्य ने ॥ वि वाल या ना ठा ॥ प प्र प्र प्र प्र प्र वा ज्ञ कृमा न ना पं वा
ना ठा ह ले ॥ थने लि प्र जालो क प नि स्य ने वि वाल या ना ठा ॥ प प्र प्र प्र प्र प्र वा ज्ञ कृमा न ना पं वा ना ठा ह ले ॥ थने लि

॥ विचि ॥

॥ १३१ ॥

प्रजा लाकपनि सने नाऊ कुमानया ॥ सता या नाडाऊ यमिर्वचन नयाडा ॥ नाना प्रकार नं हर्ष मान या नाडा ॥
डा २ नाना प्रकार या वायथा नाडा ॥ नृगो नया नाडा ॥ सिद्धे नया नाडा नाऊ कुमान विष्णु व कल ॥ थने लि
दस थनाडा नडा ची नं नं आदव लव या नाडा ॥ पादार्थ हस्त अर्घ या नकाडा नाऊ महिल सइ हा विष्णु व कल
थने लि ॥ वाशनं नाऊ कुमान या हुडा न आला दय कल ॥ हा पूज नाऊ कुमान व गन नाडा नाडा या ॥ नगुरवा
ल स्वय म दयाडा किने इ ॥ खसियाडा वा ना थका धकं आला दय कल ॥ थने लि मा म म हा नानि नं रु ल सा वि
वा ल या नं ॥ हा पूज पु व नाऊ व गन नाडा ॥ कि रु ले नगुरवाल स्वय ह मा स वा याडा वा ना ध क ध या डा ॥ थन मा
म वा व या आला द नाडा ॥ नाऊ कुमान नं धाले ॥ हा वा रु कि डा ना गु या ख गु लि न ला य ॥ किने रु ल सां स म रु क वा
शा डा ना प रु द्र या नाडा ॥ स म रु क पु वी वा रु का या डा ॥ डा य धू न थ का थ वा रु ग थि न धाल सा ॥ अग्नि म नां व म
वा न ना पं य या पू ॥ असे थ ग्राम न ग व दं वा द डा असे थ ला क नं या पा ला रु डा ॥ हने थ दं थ या मि सा न अ

॥ व. द. ॥

॥ १३१ ॥

निवानलाक॥ हनेवा रुमेहिलने अतिहालाक॥ हापितामाताः ८ गुं पाखवनाकख गुलिककना॥ थथि
नमनानमनास॥ व्याकू समवातां थुगुनाक समककनवाजायाक॥ कालताडाविसुतायाधकंधाउगुलि
ढनाडा॥ वीवनेधालं हापुं चनेजा म्हाआथ्यारवज्ञात॥ पणालरुयला मरुयलाधकंधायाडा॥ थनवा
वयाआहाढनाडा॥ वाऊकुमाननेधालं हावीवकलपालगथ पणालमरुया॥ प्रतिकमरुलमाऊऊनामपुनूष
सलताडाढनाडा स्वतानाधक॥ धाडागुलिढनाडाः एवनाकनाजाम्हाऊनेक्रिताडा॥ ऊऊनामवपुनूषसलता
डाधालं॥ हाऊऊनामवपुनूखः क्रिमहाआथ्यारवायधन॥ थनवाऊकुमाननेधडागुलिरव खडांलामरवलाः गथ
गथरुलधडाधकंधायाडा॥ थनवाऊयाआहाढनाडाऊऊनामवपुनूषनेविसतियातं॥ हा म्हावाऊथनवाऊ
कुमानवारवज्ञाकख गुलिकलाय॥ थथिनपेनाकमजा ग्वदलसेढनेमना॥ स्वयेमनता थथिनववपनाक
मजासुयादयिडा मरु॥ क्रुधियाकथ म्हाखडाधकंधाडागुलिढनाडा॥ वाजाविसुयवायाडाआहादयकलं

॥ वि. वि. ॥

॥ १३५ ॥

हा अरु नाम व पुनू व अहा आर्य च वलनं ॥ गव क्रमे न्य नं थ वा कसि न य या न ॥ ध क आ ह द य क ले ॥ थ व ल
स अरु नाम व पुनू व नं ध लं ॥ हा म हा ना र्ज च क्र सिं ह नं ॥ दाल चि सिं ह उत्प दि रु ल ॥ च क्र सा दू व नं दाल चि क्र सा
दू व द या गं डाल ॥ च क्र म हा ना ग कि सि ने दाल चि कि सि उत्प दि रु या गं डाल ॥ जिं ड गु ल्य अरु ना म व पुनू व द
ल चि उत्प दि रु या गं डाल ॥ थ थि न मे न्य नं स पू र्ण या ना ड वि का क ॥ थ स्व या मा ज नं स म क क वा डा आ दिं स म रु
मे न्य वि स्म य नं हा म हा ना र्ज ॥ थ व ल नं थ का थ व मा व नं जि न य या य रु ल ॥ हा स्व मि म हा ना र्ज अ प लाल रु
य म म्वा ल ॥ स ग २ नं ख ड ध क धा या ड ॥ थ व व नं द ना ड म न स अ ति ह र्ब मा न या ना ड आ ह द य क ले हा अ
रु ना म व पुनू व ॥ आ ड जि प लाल रु य धू न जि पू प म स व नं डा ग थ थ या न ॥ धं न्य २ जि पू ग ड स मा न म व द य
ड म र व ध क धा या ड ॥ ना ज नं रु ल हा ना र्ज कू मा न या रु ड न ॥ आ ह द य क ले हा पू ज य व ना र्ज ॥ धं न्य २ थ थि न
ना र्ज ला ड गु लि च्छा य हा ल ना ड म थ ॥ य र्थ नं थ वा क मा ल रु ल ध क धा या ड ॥ थ व व ना र्ज आ ह द ना ड ना र्ज

॥ व. द. ॥

॥ १३५ ॥

कूमावननेविमतिगाने॥हपितामवताकाचनसकालतामस्व॥समककवाजायास्त्रीपनिस्यनेविलापयाकगुलिह
नस्वयमरुयाडा॥धरुनेतालताडाया॥हापिताहनंछरवापकिंजसंख्यवालक॥ब्रह्माडास्त्रिजनधपतिना
नाप्रकावननेविलापयानाडाखाल॥धरुप्रकावननेलाकपनिस्यने॥इखनेसाककाडागुलि॥सहलपमरुयाडा
धवाकदकातालताडायाधकं॥धाडागुलिहनाडापितामहावाडनेज्जालादयकले॥हावाडकूमानधन्यरखडा
वाडधर्मधयागुलिथधरुडाधकं॥धाडागुलिहनाडावाडकूमाननेविमतिगाने॥हापिताधरुवतावमइक्रया
तधरुवतावगधतय॥धधिनअधिनसेसावसवीनाडा॥धधिनकार्यगधयाय॥धरुवनेज्जधर्मेशयूडा॥धरुने
वाजाधयाक्रस्यनेधर्मनीतिसवललपमालधकंधायाडा॥धर्मनेधकावाकवधयशयिडा॥धगुसंसावसधर्म
नितिधयाकसापनलाकसस्वरुमानयायदयिडा॥धरुनेधर्मसवललपमालधकंधायाडा॥धरुला
रवाहनाडा॥पितानेधालेहाप्रयुववाड॥धनेधाडागुलिनिधुयनेखडाधकंधाधरुयाडासमकंधीने॥०॥

॥ विचि ॥
॥ १३५ ॥

थनेलिवा जानेरुलसो मंशीपनि सलताडा आरुदयकलं ॥ एमंशी धजिपुययाक विवाहकर्मयायकल ॥ समलं
सामांशीतयावयाडा ॥ हनेगुगुलिथासः वगुलितागधरुल ॥ उगुलिथासुतागधप्रमानने याडाधकं ॥ आरुदय
कलं ॥ थवलसुमंशीनेरुलसो वा जाने आरुदयकगुलिठनाडा ॥ धर्मपविर्दि भयातामनगवसुताडा धर्मद
रुनामवागयाक ॥ अताडा मालकासंराखनायानाडा ॥ क्रियाकर्मयानाडा ॥ मर्जातथं धर्मावतिनामवागपु
शीविवाहयातं ॥ ॥ थवलसुमंशीने भाले डिपनिरवनाकवनाजाने ॥ गथ आरुदयकाडा हव ॥ अथ
मालकाक्रियायास्यविकारुनधकं भाले ॥ थनेलिमंशी याववतठनाडा ॥ वा जानेरुलसो रुथागाधप्रमानंथ
विवाहकर्मयायक ॥ दिनवेलारुयाडा रुलं थनयाखधुति ॥ ॥ थनेलिरवनाकवनाजानेरुलसो पु
रवनाजायाकभाले ॥ हपुयचनेगुविवाहयायक ॥ दिनवेलाने संपूर्णरुलधकं भाले गुलिठनाडा ॥ पितामहा
वाजायाहुअनेभाले ॥ एपितामहावाजा जिकविवाहयायममाल ॥ विवाहयानायाचुपयाजनमइ ॥ श्रीभ

॥ व.दा ॥
॥ १३५ ॥

या क्रकं वल इ खयां ड ड क ॥ क वल माया ड क थू काः विवाह भया गुलि लाक पनिक थू का ॥ कित जा ली ड न वि
रा ह या य गुलि ॥ मन ह भ म ड थ कं भ या ड थ न पु ड या ला खा ठ ना ड ॥ वी व नं भ लेः हा पू ना क ने भू म थ धाय
म न ॥ गृ ह ह भ या प नि रु विवाह क र्म उ रू म थू का ॥ थ नं वि धि थं विवाह या ड थ कं आ हा द य कं लं ॥ थ व ल
स ना ड कू मा न नं भ ले ॥ ह वा रु क ले पा ल या आ हा थ नि ग थ म न न ॥ क ले पा ल या ग थ म मं ग ले श ल अ थ
या स वि क्रा रू न ॥ पु न वी व थ नि या दि न स क ले पा ल या आ हा दि नं ड न ॥ लि प न स रि गु लि वि ति ठ नि ड ला थ
रू स न या स वि क्रा यि ड ला ॥ स न या क हा क ले पा ल स नं ग थ भ ले भू थ दि नं या य थ कं भ या ड ॥ थ न ना ड कू
मा न या व व ठ ना ड ॥ वी व नं भ लेः ह पु ड रु व ना ड क ने भ या गु लि ॥ दि नं क य म या य क ने गु गु लि रू का
रू ल ॥ उ गु लि भ या थ कं भ या ड ॥ ना ज नं रू ल सां पु ड रु व ना ड या न ॥ वा थ या ना ड उ व नू या दि न वि न य रू या
ड स रि रू नू या दि न रू ल ॥ थ व ल स मं गी नं रू ल सां ना ज नं आ हा द य कू थं ॥ म र्जा न थं वि धि प र्व क स क ना क

आदि सप्तमं सप्तमं सप्तमं **॥** नं काय मवाथ आ कला न धनं जह्नि च **॥** नं धविषय वासना धाया गुवर्थ धनं **॥**
ध सप्तमं धाया गुलि **॥** माया जालनं ककता कपू सप्तमं गुलि धूका **॥** सप्तमं धाया गुलि धूका जल सा धाति जू **॥**
धान चंचल विषय सप्तमानं सप्तमं सप्तमानं **॥** सप्तमं सप्तमं मधुल सप्तमं नाश दान धर्म या य किं हि दय
कं वरु दनं च वृज्ज् आदि त्याग या नाश कपावन प्रस्थान या य **॥** ध गुलि धूका सप्तमं धाया **॥** हानृप सप्तमं धनं **॥**
जिहवावन प्रस्थान या य कल **॥** च ल पा ल इः ख ता स्य विषा य मरु **॥** मूलनं च ल पा ल या कं कपावन प्रस्था
न हानं **॥** हापिता महा नाज च ल पा ल या कपा द न सा **॥** मा क प द जि नं **॥** च्या या नाः हापिता **॥** ध सप्तमं व हाना
नं पर्व कलं घना या नाश जिहल **॥** अ क निष्ठ सप्तमं नान ध कं धा या आ **॥** ध क पू य प म स र व न या व च न द न
आ चं लि उ ग वि य म रु या आ स म कं वा नं **॥** क न मा य स म क वी नाश धाले हा पू य रु व ना ज च नं ज म का
र्य च क ता या य मरु **॥** ध गुलि का र्य ज्ञ व य र्थ ध कं धाले **॥** ध नं लि ना रु क मा व नं धाले **॥** हापिता च ल पा ल स्य

॥ विचि ॥

॥ १४९ ॥

नं सत्यक कलया नागुलि सत्यरुग या यमकडा ॥ दव लोक नं रुल सां सत्यनं धु कास्ति च नं चान ॥ धपुथि विरुलं
सत्यनं धु कास्ति च रुल ॥ धरुनं रुल पा ल सत्यनं या नागु सत्य रुग क मरु ॥ रो पि ता जिनं या ना ध र्म नं रुल
पालपा ॥ रुय २ रुयिडा ॥ जिनं या ना पा प नं रुल पा ल या वा क ना स रुयिडा ॥ धरुनं जिन वि ला वि स्य प्र स न रु स्य
विका य मा ल ध कं धा गु लि रु ना डा ॥ वी व नं धा ले हा पु य वा रु क मा च ॥ जिनं आ डा गु लि रु व ला य रु नं रुल सां
जिन सत्य पा स नं वि रु ॥ हा पु य रु व वा रु आ डा रु न रु ॥ जिन नं कल्या न रु य क या डा ध क आ ला द य क लं ॥ धनं लि
प म स व व वा रु क मा व नं रुल सां ॥ व व रु व ना क व वा रु या व व न क म ल स ॥ हा क पु या डा पु न वी व मा म या धा स
डा ना डा वि स ति या नं ॥ हा मा ना जिन रु गु लि वि स ति या य ग थ धा ल सा जिनं म हा रु म ध र्म या य ध क हा ल
हा मा ना ॥ जिनं या ना ध र्म नं रुल पा ल या स हा मं ग ल रु यि डा ॥ धरुनं जिन व ला वि स्य वि का रु न ॥ जिन रु
ध क रुल पा ल हा स वा य म रु ध क ॥ वि स ति या नं ॥ धरु पु य प म स प व वा रु क मा व या व च न रु ना डा मा म नं

॥ व रु ॥

॥ १४९ ॥

धालं ॥ हा पुत्र रुद्रनाथ रुद्रनेच ॥ धायकनाचनेच ॥ ॐ ॥ रुद्रनाथ ॥ उगुलियाशधकं ॥ धायशधकं ॥ मामयाज्जहादना
 ॥ उनाथकृमाननेधाले ॥ मामयाज्जहादना ॥ सत्यनेयाकरवतसा ॥ जिनंविमर्शियायधकं ॥ धायशधकं ॥ उगुलिठनाउ
 मामनेधालं ॥ हा पुत्र रुद्रनेच ॥ धालउगुलिजिनं ॥ सत्यनेयायज्जहादना ॥ हा पुत्र रुद्रनेच ॥ धायशधकं ॥ रुद्रनाथ ॥ निधयन
 उगुलियाशधकं ॥ मामनेसत्ययाकं ॥ ० ॥ धनेलिनाथकृमाननेधालं ॥ मामनाजिनंरुद्रनाथमवता ॥ धायकना
 मरुज्जहादना ॥ जमंगलयायकनामरु ॥ रुद्रनाथपावनशान्तना ॥ जिमदतधकं ॥ रुद्रनाथपावन ॥ हाकधका
 कायाशविलापयायमरुधकं ॥ धायशधकं ॥ धायपुत्रयावनदताश ॥ मामनेमहाविलापयानाश ॥ पुत्रयाकं ॥ सत्य
 पुनाशचंद्रनाथवयानाशधालं ॥ हा पुत्र २ धकं ॥ धधिनकार्ययायमरु ॥ जिदतनेपुत्ररुद्रनाथ ॥ धायकनामवमदम
 वइमरुधकार्यजाज्जहादना ॥ जिदतनाथगुलिकार्ययायमरुधकं ॥ विलापयानाश ॥ धायगुलिवचनठ
 नाश ॥ नाथकृमाननेधालं ॥ मामनाहनासवायमरुजिनंयानाकर्मने ॥ रुद्रनाथपावनसहास्रमंगलशयुश

॥ वि. वि. ॥
॥ १८२ ॥

हने धर्मनें ऊक चाक वधयशः धर्मनें ऊक सुखलादयुशः धर्मनें ऊक सुखलागलायुशः धर्मनें स्वर्गवासला-
युशः लामाता थुनिमिर्दिनें थुका ॥ किने धर्मवर्त्तया यशना धर्मवर्त्तया यशः च्छायाना ॥ लामाता किशलेन
पावनपुष्टानयाना ॥ सस्तेन च्छमिस्वयाशः ऊपमपश्चानयायस ॥ तस्य नरुला विलं रुयायमरु नना
नें वला विस्य विष्ठा हन धके धायाशः गुलिखदनाशः ॥ मामने धाले ह पूय किशकिनाशः कया क्र प्रातस
मान क्र पूय च्छम ऊक दन ॥ चने किशः गुमखुः हाशनें दूगुमखु ॥ थथिन क्र पूयनें किशकालनाशः कपाव
नशने धक धाल ॥ हा पूय २ हा प्रात २ च्छम दनना थपानग थस्थिन रुशः ॥ हा हा कष्ट हा हा वदना ॥ हा हा देव
२ गाथिन विष्ठा गया ययश धके ॥ अतग प्रकावनें विलापयानाशः खालं ॥ थनें लिमामनें विलापयाक गुसा
याशः ॥ वाश क्रमावनें धाले लामाता खायमरु २ विलापयायमरु ॥ चने च्छाय हा ककाया किशले सिने मखुना
गनें कलमखु थहनें किनें पूथ सनी वस्वयाश विलापयायमरु ॥ लिलन किश धके थहमाय धायाश माम

॥ व. हा ॥
॥ १८२ ॥

यातस्वचाकप्रदकिनायानाश। गुणिनिपासं हाकप्रयाश। मामनंविदामविशसांथशकाथ। सुइहाशनाशथ
शकलातयाहुशभालं॥ हकाकृत्तिचनेरुलसो। डिगुलिवचनचुहनिदश॥ डिगुलंकार्कचुगुलिदशम
वताकार्यमखू॥ सहस्रमंगलरुयगुलिधका॥ हकाकृत्तिचनेरुलसो। डिगुलिवचनचुहनिदश॥ डिगुलंकार्कचुगुलिदशम
मलिनयायमह॥ डिनेयानाधर्मनेचनरुलसो। डिगुलिवचनचुहनिदश॥ डिगुलंकार्कचुगुलिदशम
कंज्जालदयकगुलिदनाशानिचानेविमक्तियाने॥ हप्रहस्वामिचुलपालयावचनचुहनिदश॥ डिगुलंकार्कचुगुलिदशम
लयागुगुलिमनस्वाशुलउगुलियास्पविद्याहम॥ हप्रहस्वामिचुलपालयावचनचुहनिदश॥ डिगुलंकार्कचुगुलिदशम
लिङ्गिनिधयतंयाक॥ हप्रहस्वामिचुलपालयावचनचुहनिदश॥ डिगुलंकार्कचुगुलिदशम
धायाक्रंचुलपालविधावाधायाक्रंचुल॥ डिगुलिवचनचुहनिदश॥ डिगुलंकार्कचुगुलिदशम
चुलपाल॥ हप्रहस्वामिचुलपालयावचनचुहनिदश॥ डिगुलंकार्कचुगुलिदशम

॥ वि. वि. ॥

॥ १४३ ॥

यशस्तसो पापयायशस्तसो ॥ आस्तदस्य विष्णोः मालधकं विमलियातं ॥ धनं लिनाज्जकमाननं आस्तदस्य कलं
लाकाकली ॥ जिनं मवता कार्ययायनं नामखू ॥ जिनं कलं महाउरुमकार्ययायनं नाधका ॥ गधिनं कार्ययायनं
साभाकपदेलायदयिगुलि ॥ हनेथ ससाच सलाकपनिस्पने ॥ ऊसकिर्किवधययायुगुलि ॥ हनेजिनं याना
धर्मनं चनन ॥ मासवोवयातं माकलायगुलि ॥ हनेजिनं यानागुपुंथनं ॥ थशेथिथिहानि ग्वपुसअनापं पाप
नासंशयुगु ॥ धधिनउरुमधर्म स्वर्जलाकशानयात स्वाहानशयाशवान ॥ धधिनकार्ययाय हकाकचने
स्वामिजिखनसा ॥ जिगुलिववनप्रमानयाशधके ॥ धयाश धरुस्वामियाववनदनाश ॥ वानिचानेधालं हापु
हस्वामि ॥ सत्यनं च लपालयाववनप्रमानयायधके धयाशगुलिदनाश ॥ नाशकमाननेधालं हकाकद
कधर्मयारवानिशयाशवान ॥ हनेगुगुलिमननं वोचयात उगुलिहललायदयुगुलि ॥ कपावनप्रसु
नयाय हकाकमवता कार्यमखू ॥ मूलनजिनपावनशाननना ॥ धरुनेचननधया धरुनेधकार्यविप्र

॥ व. द. ॥

॥ १४३ ॥

यायमरुधकं आह्लादयकुगुलिठनाशनातिने अवसुवसुमनक मरुयाशं खलायसामर्थमदयाशं सुम
कंचोने ॥ ० ॥ धनेलिखनमाप्रसुमकंचोनाश ॥ हनेलाहानिपांक्रसपकसतिनाश ॥ स्वामिपप्रसुम
वचाऊकुमावयाचवनसंहाकपूयाश विमक्तियाकं हाप्रह स्वामि ॥ आमरुपावनभयागुलिकार्यआ
ह्लादयकुस्यविकायमरु ॥ हाप्रहधरुपावनकार्यकुगुलिवाहिक ॥ मवताकुलपालयागुगुलिठना
रुनउगुलियास्यविकाहन ॥ हाप्रहधधिनचाक हागमालनाशः नपावनकुयागविकायकना ॥ गवक्रसेने
रुत्वयानानेचुखसियवांकायायूश ॥ धधिनसुखमालनाशः नपावनशनभक ॥ आह्लादयकुलेः जिनमाल
नाशः शनमास्यलिः याकनेजिनकायविवाहकर्मयाना ॥ हाप्रहजिहयकाशधधिनशायाना ॥ धधिनशोर
नसुः जिनमालनाशकुलपालयै ॥ कायकपावनविकायकना ॥ हाप्रह स्वामि कुलपालस्यनेधधया
स्यविकायमरु ॥ जिगुलिमपवाधसहस्रक्रमायायमाना ॥ हाप्रहधसंज्ञानसुवक्रसनुषने ॥ शोरनरुपाः

॥ विवि ॥

॥ १४४ ॥

अस्तीशनायसुखरागमयाग ॥ अक्रमनूप्यजसूनीपापासापुनवधायरास्वामि ॥ वाजाधयाक्रमनरुलंथडा
॥ वाजागयाय ॥ वाजागयायस्तीरुनगसुखरागयाय ॥ थथिनसुखरागमालताडाइः खसाधनयापम
मेधकंविमलियाकगुलिदनाडा ॥ वाजकमानेनंजासुदयकलं ॥ एजसूनिस्ती ॥ जोरुनधयागुखचनंवाका
खसकनांयथ ॥ कवलजसूनिमाज्जककनधुका ॥ हकाकस्तीधयापनिस्यनंकेमसिडा ॥ मायाइककनी
डा ॥ कवलस्तीधयापनिस्यनंइः खयासमह ॥ नानाप्रकाशयाउपइवजकंयायूडा ॥ हनेस्तीरुनधयापनि
सुखसुखदडा ॥ स्तीरुनयासुखसुखजपालंदडा ॥ स्तीरुनधयापनिस्यनं ॥ जायुवघटययायूः स्तीध
यापनिस्यनंमायापासनेचिनाडा ॥ नवकसुखयूडा ॥ हास्तीहनेपुनवाव ॥ थजोहनधयागुलिकनमापु
धुका ॥ थहनेथकामवर्णायायुगुलि ॥ जसावधुकाहनेधुवधयागुलि ॥ विखडाउथंहरपकाकगुलि
धलपडाउथं ॥ हनेहास्तीकामवर्णाधयागुलिगधधलसा ॥ लखसवानपीडाउथं हनेकामवर्णाधयागु

॥ व. दा ॥

॥ १४४ ॥

लिस्मृद्वहनशं गुलिकनंगवधयशुशं हने कामधायोपदार्थ मिथनाशतया धलपाथं कामधायगु-
लिज्जुसंख्ययोगया रुहयाशवान कामधायगुलिज्जुशयाशवान रवज्जुथं धियशाललाययशं का-
मधयागुज्जुतिमिथ्याथं द्यासुशान मियाहमिपसुशाना बलसदाहरशुशं दारुययशः हनेहानेवान
नदिथं वचनधनं धकामधायगुलिनमरुशालां धधिनहनमरुपनिस्यनं मसिशा धननेधर्मसा
धवलपानिमिरु कपावनशानधकं धयाश धनस्वामियाजालदनाश लीनेधाले रापुहस्वामिचलपाल
पनिस्यनं निष्पुयनेयास्यलिज्जितेचलपालसंसर्ज चलपालकपावनविकाहसा जितेकपावनशयरा
प्रहचलपालयावननदनाश जिवाधरुयधून जितनेवावाशयनकिश धकं धाले धनेलिनाशकमान-
नेधाले हकाकहली स्त्रीजनवानाश कपावनशानशाधमरुशु जिशनापचुशलसा जितेयानाकार्यनि
रूलशयुशालास्त्री च जिशनापशयधयमरु जितेयानाधर्मनेचउधवशयुशधकाचनेशलसाचस

॥ वि. वि. ॥

॥ १४५ ॥

वानाशक्तिरुक्त्या मनका मूना ॥ न नानं सिद्धं यमालधकं पवनं ॥ धनश्रीवृद्धया कृतावयानाशवाश ॥ स्त्रीजनधया
पतिस्यनेरुलसां ॥ धडा रूपा गुगुलिधाल ॥ उगुलिया नाशवानं थथयानसा ॥ थुकाप्रतिवृत्ताश्रयं थुन
ननं जितने कल्याणशयकं कामूनानं ॥ जितपावनसुवनसाधलपठना ॥ इरुलं हवन्नरुक्तिजितुलं नाकालं वानं
मखुवर्षदृष्टिजकवीनाशशय ॥ थनं जितविलं रयायमनं वेलाविशधकं धयाश ॥ थनस्वामियावचनं ॥
शानिचानं धालं लापानवन्नरुस्वामिआशजितं गुलितविमनियाय ॥ इगुलिविमतिरुलपालस्यनेरु
निशमखुन आशरुलपालयाय ॥ इरुल ॥ उगुलियास्यविशानं ॥ लास्वामिरुलपालयाका
र्यननानं सिद्धं यमालधकं ॥ थनधयाश ॥ थशस्वामियमसवननाइकमानया ॥ स्ववाकप्रदकिना
यानाशवननसंहाकप्रयाश दिनमखयानाश ॥ महाइः खनं मिखासखावियापलयानाश ॥ विलापया
शानं ॥ ॥ थवलसंवाशकमाननं रुलसां ॥ मामवावः कलागथमसं ॥ समनयानाश ॥ सिंहसाइव

॥ व. द. ॥

॥ १४५ ॥

अथलसपी३समकंवृद्धपाप्रलवनवृद्धसिद्धलंगथधलसाम्यमनूतथागतधकं नामप्रप्याकुरुलं ६

महानागज्जनामवपुनूय॥**अ**थपमसाहाययानाडा कपावनप्रस्थनयानं॥**थ**नेलिनाऊकुमाननंरुलसां
अनगतिथेवासनासयानाडा समूद्रपर्वतलंघनायानाडा॥**डा**अं वा नानसि कयसथनाडा ऊपनपथानया
वसगत्यनरुयाथ॥**अ**थक्रपमसवेन नाऊकुमाननंरुलसां॥**थ**थिनबूद्धयसस्ययाडा॥**स**मकंवृद्धयाः
हानलायवाकाुरुलं॥**ह**नेथवानानसिनाम बूद्धकयासमिपस॥**मृ**गदावनधायावनसः पवित्राऊकति
रूपनिबलययानरुगुलिसायाडा अतिहर्षमानविलम्बयचायाडा॥**अ**थक्रकुमाननंथगुलिबूद्धकयसस्र
नूरुनहानलायवाकाुरुयाडा॥**अ**नूरुवहानलायवाकाया नाडा॥**रु**काचिरुनयाडाधनयानाडावानं
गथिनपप्राकनबूद्धधलसा॥**सृ**गतधयकायकाडा चतुवषष्टिविधानं॥**से**पूर्वशयाडा दवमनूषयागु
वृशयाडावानं॥**ह**नेथयासेसर्जशयाडावानपनि सिंहसाद्व॥**म**हानागज्जनामवपुनूय**अ**थप
निपम्रंवाविसुत्वश्लो॥**सिं**हविक्किरुधयाक्रुक्रु१ सौतमतिधयाक्रुक्रु नागदर्पधयाक्रुक्रु

विचि॥

॥ १४३ ॥

१ अमृतकं तु ध्यायात् १ थ ४ प ४ ४ म वा धि स त्व सिद्ध रु लं ॥ ग थ धाल सा पूर्व जन्म स्या नाश डी या पुं स्त्र या
पु ला व ने ०० ह रु न्म स वृ द्ध या स्नान ने सं श क रु या डी ॥ थ ४ प ४ ४ क व चा ड कू मा व वृ द्ध या सि ष्य रु या डी स
दा का लं ज नू च न रु या डी वा ने ॥ ॥ हा का स्य प रि कू थ ४ प ४ ४ स व चा ड कू मा व ने ॥ पूर्व जन्म स्या नाश
डी या या पुं स्त्र या पु ला व ने ॥ प्र त्य ने क थ ग रु या प द ला नाश वा न ध क ॥ श्री ३ र ग वा ने ज्ञा स्त द य क ले ॥
थ व ल स का स्य प रि कू ने ॥ श्री ३ र ग वा न या र द्वा ल स्व या डी वि म ति या ने ॥ थ न लि श्री र ग वा ने ज्ञा स्त द य क ले
हा का स्य प रि कू थ नि या दि न स ॥ वा ड कू मा व या ख ड ने डी वा ड कू मा व या नि मि रु क ने ड डी ॥ हा रि कू थ वा
रू कू मा व या पूर्व जन्म स च न्द न नो म रु न प द स ॥ कं र का व रु न्म रु या डी वा न व ल स ॥ महा क व ना त्मा रु या डी
ध र्मे या य गु लि स क त्य न रु डी ॥ थ थि न क कं र का व न रु ल स ॥ श्री ३ वृ द्ध या वि हा न स ज्ज ति म ना व मे ने वा न
ला क ॥ ॥ ४ न नि क वा ने द य का डी स्था प ना यो क ॥ ह ने वा ने द य का सिं ह नि क वि हा न या ॥ रु डी ख डी स स्था प

॥ व. हा ॥

॥ १४३ ॥

नायातध्वरुविहानस्वकायायनिर्मितं॥ध्वरुसिंहनिष्कस्यतंवापीयासमयस॥ध्वरुविहानसुनित्य२
प्रदक्षिनायानाशशयुता॥ध्वरुपुत्रयाप्रहावनेध्वरुवाङ्कमान॥ध्वरुनपवाङ्कमनेसंशुक्रशूललाकास्य
पहनेपुनर्वाच॥ध्वरुवाङ्कमाननयानायापुंस्थयाप्रहावने॥ध्वरुवाङ्कमानयाङ्कस्थानमामवीवनेध्व
अपुत्रवाङ्कमानलूमनेकाश॥मामनेरुलसांविलापयानाशधाले॥हाहाकष्ट२ध्वरुक्रिपानसमानउकप्र
गतान॥मामवीवल्लिगालकाशगतवान हाहाइरवधकंविलापयाने॥ ० ॥ध्वरुलसुल्लिवातिचानेवि
लापयानाशधाले॥हाहास्वामिजिगालकाशरुलपालगतविकाना॥हाप्ररुलपालस्यनेवर्षददक्षि
रुक्रवानाशविकायधक॥आरुदयकाशविकारुआशरुलमविकारुधकंविलापयाने॥००००॥
हनेवीवनेविलापयानेहाल्लिहाल्लिवाचानिश॥कायसाककायासाककायमन॥जिपुत्रवाङ्कमानने
मनकामनानिर्विप्रसिधयमाल॥समस्तदेवगानेनकायायगालधकंविलापयाने॥लाकास्यपरिह

[illegible]

॥विचि॥

॥१४२॥

(K)

॥वशा॥

॥१४२॥

१३५

गणक एवमविद्वत्तमनसि नमः एतन्निर्दिष्टमन्त्रं प्रयत्नं कृत्वा
मन्त्रं पठित्वा नमः प्रयत्नं कृत्वा नमः प्रयत्नं कृत्वा नमः
नमः प्रयत्नं कृत्वा नमः प्रयत्नं कृत्वा नमः प्रयत्नं कृत्वा नमः

ॐ नमः शिवाय
ॐ नमः शिवाय
ॐ नमः शिवाय

महत्सु लंका लुप्यंता हस्तके लयं भूतं

नमः शुभं जीजा रूपवर्तवर्जं जातुं मजा मपदे चंद्रादि प्रपुला कजपुला वा जा स्वध्यातुं नानम
उज्जुल्लेख कलादिता गुणवर्जः कस्मात्तु नमः वने यवदं ससि पापापदं च सुविप्र वध्यातुं नानम
यवका वि सहस्रमनु जायकस्तु विमाना भुगादय दलाकिं विदिह शाहलं न स्वर्ग स्रग्ध्यानि विदिह
०० विन्नी एद कल्पावे दानः कुल दधता किं विभिन्ना अवि हस्ति समुद्राः ॥

गी २ भु जाहंतथाग तव जन्
सक्तिः दानम त्वति प्रापित
भुदः

आभा मरु काश

141

घ





141	Rajawade Sansit